



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

MISSING

३४४२.४७, प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 40]

नई विल्ली, शनिवार, २ अक्टूबर १९८२/प्राचिवन १०, १९०४

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 2, 1982/ASVINA 10, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—कागज ३—प्राप्त-कागज (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक ग्रादेश और प्रधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कानूनी कार्य मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई विल्ली, १३ सिंगम्बर, १९८२

का० ३४२१.—नोटरीज नियम, १९५६ के अनुसरण में सक्रम प्राधिकारी व्यावर यह सूचना दी जाती है कि श्री सुरिन्द्र कुमार (जौली), एडवोकेट, बी० एम/४४-८०, ई० ई० ए० फैटम, शाली मार आग, दिल्ली ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम ४ के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे केवल शासित प्रवेश दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नाट्रा के रूप में नियुक्त किया जाए।

२ उक्त व्यक्ति को नोटरीज के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्रम इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भोलन लिखित रूप में सेरे पाय भेजा जाए।

[सं० ५ (३०)/८२-न्या०]
के० सं० १० ई० गगवानी, सक्रम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)
NOTICE

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3421.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956,

that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Suinder Kumar (Jolly) Advocate, R/o B.S./44-A DDA Flats, Shalimar Bagh, Delhi for appointment as a Notary to practise in U.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of publication of this Notice.

[No. F. 5(30)/82-Judl.]
K. C. D. GANGWANI, Competent Authority

नई विल्ली

नई विल्ली, १५ सिंगम्बर, १९८२

का० आ० ३४२२—विदेशी (प्रतिविधित भौत) ग्रादेश, १९६३ के वैग्र ३ के उपबंधों का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार भारत बद्धतावाह के प्राप्तवास अधिकारी को उक्त वैग्र के अवैग्र विदेशियों का अप्पमात व निकोआर द्वारा प्राप्त समूह के पोर्ट अलेपर मूलिमीपल भौत में प्रवेश करने अथवा वहां ठहरने के लिए परमिट जारी करने के लिए एतदबारा प्राधिकृत करती है।

[सं० १५०११/८/८१-एफ-१]
प्र० विजयरामसन, उप-मंत्री

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3422.—In pursuance of the provisions of paragraph 3 of the Foreigners (Restricted Areas) Order, 1963, the Central Government hereby authorises the Immigration Officer at Madras Harbour to issue permits under the said paragraph to foreigners for entering into, or remaining in the Port Blair Municipal Area of the Andaman and Nicobar Islands.

[No. 15011/8/81-F. I]
P. VIJAYARAGHAVAN, Dy. Secy.

(कार्यक्रम और प्रशासनिक विभाग)

(प्राप्तिक्रिया)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1982

का० आ० 3423.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संघिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार की सहमति से केरल राज्य के बाना पनौर के मामला सं० 1/81-के संबंध में भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 202 के अधीन दण्डनीय अपराधों तथा उक्त अपराधों और उन्हीं सध्यों से उद्भूत उसी संबंधहार के द्वारा जिए गए किसी भव्य अपराध के संबंध में या उससे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और घटयोगों का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों एवं प्रधिकारिता का विस्तार संपूर्ण केरल राज्य पर करती है।

[सं० 228/4/82-ए० क० ०५०-II]

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

ORDER

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3423.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Kerala hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Kerala for the investigation of offences punishable under section 302 of the Indian Penal Code, 1860 and attempts, abductions and conspiracies in relation to or in connection with, the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to the case No. 31/81 of P. S. Panoor in the State of Kerala.

[No. 228/4/82-AVD-III]

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1982

का० आ० 3424.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संघिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अपराधों को, ऐसे अपराध घोषित करती है, जिनका अन्वेषण दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा किया जाएगा, अर्थात्—

(क) विदेशी अभिवाय (विनियमन) संघिनियम 1976 (1976 का 49) की धारा 22, 23 और 25 के अधीन भारतीय अपराध

(ख) उपरोक्त विभिन्न अपराधों में से एक या एक से अधिक अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्न दुष्प्रेरणा, श्रीर घटयोग और इन्हीं सध्यों से उद्भूत उमी संबंधहार के द्वारा जिए गए अस्तित्व कोई अपराध

[सं० 228/1/82-ए० क० ०५०-II]

एवं क० वर्षा, प्रब्रह्म संचित

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3424.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offence as the offence which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely :—

- (a) Offences punishable under Section 22, 23 and 25 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976).
- (b) Attempts, abductions, and conspiracies in relation to, or in connection with, one or more of the offences mentioned above, and any other offence committed in the course of the same transactions arising out of the same facts.

[No. 228/1/82-AVD-II]
H. K. VERMA, Under Secy.

विद्य संचालन

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1982

(प्राप्ति-कर)

का० आ० 3425.—केन्द्रीय सरकार, प्राप्ति-कर, संघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा 2 (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री मलिकार्जुन स्वामी मंदिर भवानीपुरा ग्राम (मेहक जिला, झार्घा प्रदेश)" को, उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्राप्त वेश राज्य में सर्वत्र विद्यान लोक पूजा का स्थान संघित्सूचित करती है। यह न्यूष्ट किया जाता है कि इस अधिष्ठान के प्रयोजनों के लिए केवल मरम्मत और नवीकारण के लिए ही बान, धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) के अधीन अनुत्तीप के लिए अई होते हैं।

[सं० 4774/का० सं० 176/53/81-ए० प्राई० (आ० क०)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th June, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3425.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Mallikarjun Swami Temple, Amcenpura Village (Medak Distt., Andhra Pradesh)" to be a place of public worship of renown throughout the State of Andhra Pradesh. It is clarified that for purposes of this notification only the donations for repair and renovation will qualify for relief under section 80G (2)(b).

[No. 4774/F. No. 176/53/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1982

(प्राप्ति-कर)

का० आ० 3426.—केन्द्रीय सरकार, प्राप्ति-कर, संघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के दण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "अत्मा-वल्लभ ममाज उत्कर्ष स्थान" को निर्धारित वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अस्तित्व के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ संघित्सूचित करती है।

[सं० 4826/का० सं० 197/74/81-प्रा० क०/ (ग० १)]

New Delhi, the 24th July, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3426.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Atma-Vallabh Samaj Utkarsh Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4826/F. No. 197/74/81-IT(AI)]

(आय-कर)

का० आ० 3427—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "चेमटेक-फैनिस्टान" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4829/फा० सं० 197/133/79 आ० क० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3427.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Chemtech-Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1979-80 to 1981-82.

[No. 4829/F. No. 197/133/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1982

(आय-कर)

का० आ० 3428—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त धारा के प्रयोजन के लिए प्रत्येक लेखा के सामने दर्शित निर्धारण वर्ष की अवधि के लिए उक्त धारा "पूल लेखा पर तेल समन्वय समिति" अधिसूचित करती है।

- (i) दुर्लाइ अधिभार पूल लेखा सं० 1 निर्धारण वर्ष 1972-73 से
- (ii) दुर्लाइ अधिभार पूल लेखा सं० 2 निर्धारण वर्ष 1982-83 तक
- (iii) तेल उद्योग पूल लेखा जिसमें निम्नलिखित उप-लेखा सम्मिलित हैं।

(क) 37.97 रु० प्रति कि० लि०/मी० निर्धारण
अतिरिक्त शुद्धि

(ख) सी० और एफ० समायोजन लेखा वर्ष 1975-76

(ग) उत्पाद कीमत समायोजन लेखा से

(घ) आयातित कल्जा तेल कीमत निष्प्र- निर्धारण वर्ष
भावन लेखा 1982-83 तक

(इ) कल्जा तेल कीमत समकारी लेखा।

[सं० 4853/फा० सं० 197/166/77-प्राई० टी० (ए० आई०)]

New Delhi, the 6th August 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3428:—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Oil Coordination Committee on Pool Accounts—

- (i) Freight Surcharge Pool Account From Assessment
No. 1 year 1972-73 to
- (ii) Freight Surcharge Pool Account year 1982-83.
No. 2
- (iii) Oil Industry Pool Accounts consisting of the following sub-accounts;
 - (a) Additional increase of Rs. 37.97 From Assessment
per KL/MT; Year 1975-76 to
 - (b) C&F Adjustment Accounts: Assessment Year
 - (c) Product Price Adjustment Account; 1982-83.

(d) Imported Crude Price Neutralisation Account;

(e) Crude Oil Price Equalisation Accounts

for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years noted against each Account.

[No. 4853/F. No. 197/166/77-IT(AI)]

(आय-कर)

का० आ० 3429—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "राज्य सङ्कर परिवहन उपकरण संगम" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4854/फा० सं० 197/207/78 आ० क० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3429:—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Association of State Road Transport Undertakings' for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4854/F. No. 197/207/78-IT(AI)]

(आय-कर)

का० आ० 3430—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "संयुक्त संगठन समिति" को निर्धारण वर्ष 1964-65 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4855/फा० सं० 197/10/81 आ० क० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3430:—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Joint Plant Committee" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1964-65 to 1982-83.

[No. 4855/F. No. 197/10/81-IT(AI)]

(आय-कर)

का० आ० 3431—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इंडियन इस्ट्रद्यूटी आप साइको-मेट्री" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4856/फा० सं० 197/65/82 आ० क० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3431:—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Indian Institute of Psychometry' for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4856/F. No. 197/65/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1982
(आयकर)

का० आ० 3432.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अंडे (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'महीपत राम रूपराम आश्रम, अहमदाबाद' को निधारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4866/का० सं० 197/24/82 आ० क० (ए० १)]

New Delhi, the 16th August, 1982
(INCOME-TAX)

S.O. 3432.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mahipatram Rupram Ashram, Ahmedabad" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4866/F. No. 197/24/82-IT(A-I)]
(आयकर)

का० आ० 3433.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अंडे (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "संजय गांधी स्मारक स्थान" को निधारण वर्ष 1984-85 और 1985-86 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4867/का० सं० 197/141/82 आ० क० (ए० १)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3433.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sanjay Gandhi Memorial Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1984-85 and 1985-86.

[No. 4867/F. No. 197/141/82-IT(AI)]

(आयकर)

का० आ० 3434.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की (उपधारा 23ग) के अंडे (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'चेशिय होम्स इंडिया' को निधारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4868/का० सं० 197/152/82 आ० क० (ए० १)]
मिलाप जैन, प्रब्रर सचिव

(INCOME-TAX)

S.O. 3434.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Cheshire Homes India" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 4868/F. No. 197/152/82-IT(AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.

(आयिक कार्य विभाग)
(सेक्रेटरी प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1982

का० आ० 3435.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा (3) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तत्कालीन राजस्व और वैकिंग विभाग वैकिंग पद के तारीख 21 दिसंबर, 1976 के संविधिक आदेश 817 (ई०) संब्ला एफ 4-85/76 स० भी० (i) के अंतर्गत भारत सरकार, वित्त मंत्रालय वैकिंग कार्य विभाग (वैकिंग प्रभाग के 10 प्राप्रेल, 1980 के संविधिक आदेश 1215 (संब्ला एफ 2(7) 79 आर० आर० बी०) के अंतर्गत भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा संशोधित किया गया था, और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है:—

उक्त अधिसूचना में "पूर्णिया सहस्रा सथा कटिहार" जिसे एवं वे के लिए "पूर्णिया, सहस्रा, कटिहार तथा मावापुर जिले" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[संब्ला एफ० 1(13)/81 आर० आर० बी०] दिनेश चन्द्र, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 30th August, 1982

S.O. 3435.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section (3) of the Regional Rural Bank Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of Government of India in the then Department of Revenue and Banking, Banking Wing, S.O. 817(S) (No. F. 4-85/76-AC (1) dated 21st December 1976) as amended by Notification of Government of India Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. No. 1215 (No. F. 2 (7) 79-RRB) dated 10th April, 1980 namely:—

In the said notification for the words districts of "Purnea, Saharsa and Katihar" the words "districts of Purnea, Saharsa, Katihar and Madhopur" shall be substituted.

[No. F. 1(13)/81-RRB]
DINESH CHANDRA, Director

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1982

का० आ० 3436.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध भीर प्रकीर्ण उपबन्ध) स्थी म, 1970 के अंडे 8 के उपबन्ध (1) के साथ पठित अंडे 3 के उपबन्ध (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् 20 सितम्बर, 1982 से आरम्भ होने वाली तथा 19 सितम्बर, 1985 की समाप्त होने वाली अवधि के लिए, एतद्वारा श्री प्रेमजीत मिह को सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के पूर्णकानिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/32/82-बी०भ०-1(1)]

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3436.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri Premjit Singh, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Central Bank of India for the period commencing on 20th September, 1982 and ending with 19th September, 1985.

[No. F. 9/32/82-BO. I(1)]

का० आ० 3437:— राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकारीण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 8 के उपबंध (1) के माध्य पठिय खंड 3 के उपबंध (क) के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, 20 अक्टूबर, 1982 से आरम्भ होने वाली नवा 19 मित्रावर, 1985 का० समाप्त होने वाली अधिकृत के लिए, ग्रन्तदाता श्री कौ० सदानन्द शेट्टी को विजया बैंक के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामिन) के रूप में नियुक्त करती है।

[मंद्या एक० ९/३२/८२-वी०आ० I (2)]

ब० वा० शैरचंद्रानी, उप सचिव

S.O. 3437.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Bank (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri K. Sadananda Shetty, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Vijaya Bank for the period commencing on 20th September, 1982 and ending with 19th September 1985.

[F. No. 9/32/82-BOI(2)]
C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

विवेद भंगालय

नई विलासी, 13 मित्रावर, 1982

का० आ० 3438:— राजनयिक नवा कौ०सली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का० 41वां) के खंड 2 की धारा 3 (क) के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा नाम का प्रदान कौ०सली-वाद, श्रौदेशी में विजी० सहायक, श्री मर्वीजीत रिट० को नक्काल दे कौ०सली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं०-टी० 4330/2/82]
जै० हशारी, उप सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3438.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officer, (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri Sarvjit Singh Personal Assistant in the Consulate General of India, Odessa to perform the duties of a Consular Agent with Immediate effect.

[File No. T. 4330/2/82]
J. HAZARI, Dy. Secy.

वाणिज्य भंगालय

आवेदा

नई विलासी, 25 मित्रावर, 1982

का० आ० 3439:— भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के भूतपूर्व विवेद व्यापार मंत्रालय की अधिभूतना सं० का० आ० 3395 तारीख 14 अक्टूबर, 1970 में संशोधन करने के लिए कृतिय प्रस्ताव नियति (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अवेशानुसार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अधेशा सं० का० आ० 1268 तारीख 27 मार्च, 1982 के अधिन भारत के राजपत्र भाग-II खंड 3 उपबंध (ii) में प्रकाशित किए गए थे। उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 17 अप्रैल, 1982 को उपलब्ध करा दी गयी थीं।

और उनमें संभाव्यतः प्रभावित होने वाले सभी अविकल्पों में 31 मई, 1982 तक आक्षेप तथा सुशाव भागे गए थे;

और उक्त आवेदा पर जनता में कोई भी प्राप्ति या मुमाल प्राप्त नहीं हुए हैं;

अत अब, केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 डाया प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, नियंत्रित विवेद में परामर्श करने के पश्चात्, भारत सरकार के भूतपूर्व विवेद व्यापार मंत्रालय की अधिभूतना सं० का० आ० 3395 तारीख 14 अक्टूबर, 1970 का नियन्त्रित और संशोधन करती है:

उक्त अधिभूतना के विवर 3 के उपर्याग (iv) के स्थान पर नियन्त्रित उप-विवर प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(iv) ‘कालीन अस्तरण कपड़ा’, से ऐसा जूट किन्तुक अभिभेद है, जिसका प्रयोग विभिन्न संरचनाओं और बुनाईयों वाली पर्याप्त की विधायतों के विनियोग में प्राथमिक या द्वितीयक अस्तरण के रूप में किया जाता है और जो भार. में 5 अंगूष्ठ प्रति वर्ग गज (169.5 ग्राम वर्ग मीटर) है तथा जिसकी कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 29” (73 सें०मी०) से 103.9” (263.9” से० मी०) तक है और उसे कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 104” (264.2 सें०मी०) और उससे प्रधिक है।”

[मं० ८(10)/81 ई० भाई० तथा ई० धी०]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 25th September, 1982

S.O. 3439.—Whereas for the development of the Export trade of India, certain proposal for amendment to the notification of the Government of India in the then Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3395, dated the 14th October, 1970 were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II-Section-3-Sub-section (ii), dated the 27th March, 1982, under the Order of the Government of India in the Ministry Commerce No. S. O. 1268 dated the 27th March, 1982. And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 17th April, 1982;

And whereas the objections and suggestions were invited till the 31st May, 1982 from all persons likely to be affected thereby,

And whereas no objections and suggestions were received from the public on the said Order;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the then Ministry of Foreign Trade No. S. O. 3395, dated the 14th October, 1970 :—

In the said notification, for such paragraph (iv) of paragraph 3, the following sub-paragraph shall be substituted, namely :—

“(iv) ‘Carpet Backing Cloth’ that is, Jute Fabric used as primary or secondary backing in the manufacture of floor coverings of different constructions and weaves weighing from 5 oz. per square yard (169.5 gms/sq. meter) with the width range varying from 29” (73.7 cm) to 103.9” (263.9 cm) for narrow, and 104” (264.2 cm.) and above for wide, Carpet Backing”.

[No. 6 (10)/81-EP & EP]

(आणिंज्य विभाग)

का०आ० 3440.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पदसन से व्यक्तियों का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1970 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकारी:—

1. (1) इन नियमों का मान पदसन उत्पादों का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. पदसन उत्पादों का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1970 में, नियम 2 में अंड (ध) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधिकारी:—

"(iv) 'कालीन अस्तरण कपड़ा' से ऐसा जूट कैबिक भविष्यत है, जिसका प्रयोग विभिन्न मंत्रालयों और सुनाईयों वाली फर्श की विकायतों के विनियोग से प्राथमिक या द्वितीयक अस्तरण के रूप में किया जाता है और जो भार में 5 ग्रॉम प्रति वर्ग गज (169.5 ग्राम/वर्ग मीटर) है तथा जिसकी संकीर्ण कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 29" (73 सेंटीमीटर) से 103.9" (263.9 सेंटीमीटर) तक है और जोड़े कालीन अस्तरण को लिए चौड़ाई की रेंज 104" (264.2 सेंटीमीटर) और उससे अधिक है।"

[सं० 6(10)/81 ई० आई० तथा ई० पी०]

सौ० बी० मुकुरेती, संयुक्त निदेशक

(Department of Commerce)

New Delhi, the 25th September, 1982

S.O. 3440—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the *Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1970 :—

1. (1) These rules may be called Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1970, in rule 2, for clause (d)(iv), the following shall be substituted, namely:—

"(iv) 'Carpet Backing Cloth' that is, Jute Fabric used as primary or secondary backing in the manufacture of floor coverings of different constructions and weaves weighing from 5 oz. per square yard (169.5 gms/sq. meter) with the width range varying from 29" (73.7 cm.) to 103.9" (263.9 cm.) for narrow, and 104" (264.2 cm.) and above for wide carpet backing".

[No. 6(10)/81-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Joint Director

Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports
Bombay, 24th May, 1982

Sub: Order of Cancellation of DTC ADV. LTC. No. P/K/0470559 dated 12-5-82 for Rs. 1,03,03,400/-

S. O. 3441.—M/s. Iitalia Co, 601, Pancharatna, M.P. Marg, Opera House, Bombay-400004 were granted a DTC ADV. LIC No. P/K/0470559 dated 12-5-82 for Rs. 1,03,03,400 for import of Diamond Unset and Uncut for the licensing period AM'83. They have applied for duplicate copy of both copies of the above mentioned DTC ADV. LIC. on the ground that both copies of the licence have been stolen.

संयुक्त मुद्रा नियंत्रक का कार्यालय

बम्बई, 24 मई, 1982

विषय:— 1, 03, 03, 400 रुपये मूल्य के ई०टी०सी० अधिकारी लाइसेंस ई०टी०सी० के 0470559 दिनांक 12-5-1982 को रद्द करने का आवेदन।

का०आ० 3441.—सर्वांगी ई०टी०सी० को 601, पंचरत्न, एम०पी० मार्ग, पंचरत्न, बम्बई-400004 को लाइसेंस प्रविधि बिना करते और बिना जड़े हुए ई०टी०सी० के आयात के लिए अप्रैल-मार्च 83 के लिए 1, 03, 03, 400 रुपये मूल्य का एक ई०टी०सी० अधिकारी लाइसेंस सं० पी/के/0470559, दिनांक 12-5-82 प्रदान किया गया था। उपर्युक्त ई०टी०सी० अधिकारी लाइसेंस की दोनों प्रतियों की प्रतुलिपियां प्राप्त करने के लिए फर्म ने इस अधिकार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की दोनों प्रतियों चुरा ली गई हैं।

अपने इस तर्फ से समर्थन में आवेदक ने पंजीयक और भावनागारीय दंडाधिकारी, बम्बई के सामने विविचित शपथ लेते हुए, स्टाम्प वेपर पर एक शपथ-पत्र दखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि मूल लाइसेंस की दोनों प्रतियों चुरा ली गई हैं और निदेश देता हूं कि आवेदक को दोनों प्रतियों की अनुलिपि प्रतियां जारी कर दी जाएं। मूल लाइसेंस सं० पी/के/0470559 दिनांक 12-5-82 (दोनों प्रतियों) जिसका मूल्य 1, 03, 03, 400 है एसद्वारा रद्द समझा जाए।

[मिसिल सं०पी०टी०सी० 163/3/5/82/एएस/83/एस/प्राईवेटएस]

जी०आर०नायर, उप मुद्रा नियंत्रक, आयात-नियंत्रित
कृते संयुक्त मुद्रा नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

विषय:— लाइसेंस सं० पी/के/0470559 दिनांक 12 मई, 1982 (दोनों प्रतियों) की प्रतुलिपि प्रतियों का मूल लाइसेंस के स्थान पर जारी किया जाए।

प्रतुरोध किया जाता है कि उपर्युक्त लाइसेंस (दोनों प्रतियों) जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है यदि प्रस्तुत किया जाता है तो वैध नहीं होगा और यदि ई०टी०सी० अधिकारी लाइसेंस सं० पी/के/0470559 दिनांक 12 मई, 1982 की मूल सीमा शुल्क या विभिन्न नियंत्रण प्रति किसी भी पतल पर प्रस्तुत की जाए तो प्रयोग में लाई जाए तो इस की सूचना छुरन्त इस कार्यालय की दी जाएगी।

डीटीसी: मिसने जारी करने वाले अवधिजिस अवधि मूल्य शेद
प्रदिम किया के लिए वैध
लाइसेंस सं० है
एवं लिखि।

की/के/	संयुक्त मुद्रा हीरे बिना 13 अप्रैल-मा० 1,03,03,400
070559	नियंत्रक, करते व बिना माह मार्च, 1983
दिनांक	आयात- जड़े हुए
12-5-82	नियंत्र, बम्बई

ए०टी०रामाधुरी, नियंत्रक आयात-नियंत्रित
कृते संयुक्त मुद्रा नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

In support of this contention the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested by Registrar and Metropolitan Magistrate, Bombay. I am satisfied that the original licence (both copies) have been stolen and direct that a duplicate copy of licence (both copies) should be issued to the applicant. The original (both copies) of licence No. 0470559 dated 12-5-82 for Rs. 1,03,03,400/- may be deemed to have been cancelled.

[File No. DTC/63/5-5-82. /AM 83/L/ILS]

G. R. NAIR, Dy. Chief Controller of Imports and Exports.
for Jt Chief Controller of Imports & Exports

Sub:— Issue of Duplicate copy of licence No. P/K/0470559 dated 12-5-82 (both copies) in lieu of lost original licence in duplicate.

It is requested that the original copy of licence (both copies) mentioned above, whose particular are given below would not be valid, if produced and that intimation would be sent to this office immediately if original Custom or Exchange Control copy of DTC Adv. Licence No. P/K/0470559 dated 12-5-82 is presented or utilised at any port.

DTC ADV LIC. No. & date.	Issued by	By Items	Valid Period for	Value	Area
P/K/0470559 dt. 12-5-82	Jt. CCI&E Bombay	Diamonds unset & uncut 018421	12 months	April 82 to March 83	Rs. 1,03,03,352 G.C.A. ॥

A. V. RAMAMURTHY, Controller of Imports and Exports
for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1982

का०आ० 3442.—यतः इस संलग्न घनुसूची में विनिरिट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा दृष्टियन ग्राम कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से याजाब में जलन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न घनुसूची में विनिरिट भूमियों के उपयोग का अधिकार प्रजित कर लिया गया है।

और यह: इंडियन ग्राम कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को घनुसूची में निर्विष्ट गांव के नाम के सामने विवार्ता गई तिथि से पर्यवसान कर दिया है।

यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारी का अर्जन) नियायालयी, 1963 के नियम 4 के अधीन सकाम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्विष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्रवाग्र अधिसूचित करते हैं।

घनुसूची

स्थान धेत्र मथुरा जलन्धर तक पाइपलाईन संक्रिया पर्यवसान

जिला: करनाल

राज्य: हरियाणा

तहसील: पानीपत

गांव

का० आ० सं०

भारत के राजपत्र में

संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम

प्रकाशन की तिथि

की तिथि

1

2

3

4

5

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

मोहम्मदपुर

2222 22-8-81

3-9-82

[क्रमांक एम० जे० पी० ए०/जी०/ए० ए०/१२१]

प्रभु दयाल खुराना, सकाम प्राधिकारी

Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 14th September, 1982

S.O. 3442.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of Section 6 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from:

Tehsil : Panipat

District : Karnal

State : Haryana

Name of Ministry

Name of Vill.

S.O. No.

Date of publication in
Gazette of India.

Date of Termination

1

2

3

4

5

Petroleum, Chemicals &
Fertilizer (Dept. of
Petroleum).

Mohammadpur

2222

22-8-81

3-9-82

INo. MJPL/G/LA/6/121]

PRABH DYAL KHURANA,

Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., MJPL, Gurgaon

नई विल्सी, 18 सितम्बर, 1982

का०आ० 3443.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का भौजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2581 दि० 3-10-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सरकार प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और यांगे, यतः केन्द्रीय सरकार से उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का निश्चय किया है;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा प्राप्ति किया जाता है;

और यांगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निवृत्त होने के बजाय इंडियन आयल कापरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : समराला जिला : सुधियाना राज्य : पंजाब

खेतकल

नाम ग्राम	खसरा नं०	है०	ऐ०	घर्गमी०
1	2	3	4	5
कोटला भसुव	23/9 मिन	00	02	78
ह०न० 183	12 मिन	00	07	08
	13 मिन	00	08	85
	17 मिन	00	01	55
	18 मिन	00	05	82
बावर	7/17 मिन	00	01	52
ह०म० 184	18 मिन	00	09	11
	23 मिन	00	00	26

1	2	3	4	5
बावर	24/1 मिन	00	08	10
ह०न० 184	24/2 मिन	00	04	30
	24/3 मिन	00	00	51
	25/2 मिन	00	00	00
	26 मिन	00	00	26
	15/10 मिन	00	09	11
	11 मिन	00	07	59
	12 मिन	00	06	07
	18/1/2 मिन	00	00	26
	18/1/3 मिन	00	01	26
	18/2 मिन	00	01	26
	19/1 मिन	00	00	00
	19/2 मिन	00	10	63
	23/1 मिन	00	09	87
	23/2 मिन	00	03	04
	24 मिन	00	01	01
	16/4 मिन	00	01	77
	5/1 मिन	00	11	89
	6/1 मिन	00	00	76
	6/2/1 मिन	00	03	54
	6/2/2 मिन	00	00	26
	18/3 मिन	00	00	51
	4 मिन	00	13	41
	5 मिन	00	02	02
	6 मिन	00	12	40
	7 मिन	00	00	00
	19/10 मिन	00	03	79
	11 मिन	00	10	63
	12/1 मिन	00	03	79
	12/2 मिन	00	01	01
	12/3 मिन	00	01	01
	18 मिन	00	07	34
	19/1 मिन	00	08	35
	19/2 मिन	00	00	51
	19/3 मिन	00	00	00
	23 मिन	00	07	08
	24/1 मिन	00	09	11
	22/9/1 मिन	00	00	26
	10/2 मिन	00	11	89

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
आवर	11 मिन	00	02	02	खेडी	2/2 मिन	00	00	26
ह०न० 184	12 मिन	00	13	66	ह०न० 185	8 मिन	00	04	55
	13 मिन	00	00	76		9/3 मिन	00	01	77
	17 मिन	00	02	02		9/4 मिन	00	06	58
	18 मिन	00	13	66		13 मिन	00	11	64
	19 मिन	00	00	76		1 1/1 मिन	00	02	02
	23 मिन	00	00	26		16 मिन	00	00	26
	24 मिन	00	12	40		17 मिन	00	13	41
	25 मिन	00	03	54		24 मिन	00	01	01
	23/4/1/1 मिन	00	04	30		25 मिन	00	12	65
	4/2 मिन	00	01	52		11/1 मिन	00	07	34
	5 मिन	00	10	88		10 मिन	00	02	78
	6/1 मिन	00	01	01		12/5/1 मिन	00	01	77
	6/2 मिन	00	03	04		41 मिन	00	01	01
	29/5 मिन	00	10	98		43 मिन	00	01	01
	30/1 मिन	00	06	07					
	9 मिन	00	04	81	टोलेवाल	1/1 25 मिन	00	04	28
	10 मिन	00	09	11	ह०न० 178	2/2 21 मिन	00	07	08
						5/21 मिन	00	01	26
श्रगता	598 मिन	00	00	38		6/1 1 मिन	00	08	35
ह०न० 190	599 मिन	00	03	05		1/2 मिन	00	00	76
	611/2 मिन	00	01	51		2/1 मिन	00	04	30
	612 मिन	00	10	25		2/2 मिन	00	00	76
	615/1 मिन	00	07	91		8/1 मिन	00	01	01
	615/2 मिन	00	05	25		8/2 मिन	00	02	02
	615/3 मिन	00	00	19		9 मिन	00	11	13
	616/1 मिन	00	00	13		13/1 मिन	00	00	51
	605 मिन	00	00	51		13/2 मिन	00	09	87
	806 मिन	00	09	10		6/1 14/1 मिन	00	00	76
	811 मिन	00	13	22		16 मिन	00	00	25
	812 मिन	00	06	20		17 मिन	00	13	41
खेडी	2/10/1 मिन	00	01	26		18/2 मिन	00	00	00
ह०न० 195	20/2 मिन	00	01	01		18/3 मिन	00	00	26
	21/1 मिन	00	00	51		24/2 मिन	00	01	52
	21/1 मिन	00	03	04		25/1 मिन	00	07	34
	21/31 मा	00	03	29		25/2 मिन	00	03	79
	2/1/1 मिन	00	08	85		26 मिन	00	00	26
	2/1/2 मिन	00	00	00		13/1 1 मिन	00	12	90
	2/1/3 मिन	00	00	00		2 मिन	00	03	54
	4/2/1 मिन	00	10	88		8 मिन	00	06	07
	5/1/1 मिन	00	01	77		9 मिन	00	10	63
	2/1 मिन	00	05	82		13 मिन	00	08	10
	3 मिन	00	05	82		14/1 मिन	00	06	83
	7 मिन	00	03	04		14/2 मिन	00	01	77
	8 मिन	00	10	63		16 मिन	00	10	88
	14 मिन	00	09	61		17 मिन	00	05	82
	15 मिन	00	00	76		25 मिन	00	03	29
	16 मिन	00	13	16		14/21 मिन	00	12	90
	5/17 मिन	00	00	76		22 मिन	00	00	26
	2/1 मिन	00	01	01		15/1 1 मिन	00	01	01
	2/5/3 मिन	00	01	77		1/2 मिन	00	00	26
	2/6 मिन	00	02	78		2/1 मिन	00	11	89
	2/1 मिन	00	03	57		2/7 मिन	00	01	26
	2/1 मिन	00	07	34		3/2 मिन	00	01	77

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
दोलेश्वाल	8 मिन	00	16	44	वारकरा	925 मिन	00	00	51
ह० नं० 178	14 मिन	00	00	76	ह० नं० 177	926 मिन	00	00	51
	69 मिन	00	01	52		927 मिन	00	10	38
	256 मिन	00	01	77		928 मिन	00	04	05
	257 मिन	00	01	26		935 मिन	00	02	02
दलवां	37/8 मिन	00	03	79		936 मिन	00	11	89
	13 मिन	00	02	28		937 मिन	00	00	00
ह० नं० 312	14 मिन	00	11	38		933 मिन	00	00	51
						934 मिन	00	13	41
						1093 मिन	00	08	35
	37//16 मिन	00	09	36		1100 मिन	00	04	55
	"	00	04	81		1123 मिन	00	00	26
	25 मिन	00	04	81		1124 मिन	00	12	40
फोटला बादला	24//16 मिन	00	07	84		1125 मिन	00	01	26
ह० नं० 176	25//20 मिन	00	03	29		1126 मिन	00	02	28
	21 मिन	00	12	40		1127 मिन	00	11	89
	22 मिन	00	01	52		1129 मिन	00	13	41
	26//1 मिन	00	00	26		1130 मिन	00	00	51
	2 मिन	00	14	93		1136 मिन	00	02	02
	3 मिन	00	00	51		1137 मिन	00	11	89
	8 मिन	00	09	36		1138 मिन	00	00	00
	9 मिन	00	01	26		1147 मिन	00	04	05
बादला	573 मिन	00	09	11		1148 मिन	00	10	12
ह० नं० 177	577 मिन	00	00	76		1154 मिन	00	08	10
	579 मिन	00	07	34		1155 मिन	00	05	82
	581 मिन	00	04	81		1159 मिन	00	07	84
	582 मिन	00	11	13		1160 मिन	00	06	07
	584 मिन	00	06	58		1163 मिन	00	00	76
	614 मिन	00	04	81		1164 मिन	00	05	07
	615 मिन	00	11	13		1166 मिन	00	09	11
	616 मिन	00	02	53		1226 मिन	00	06	87
	621 मिन	00	13	41		1227 मिन	00	03	54
	620 मिन	00	00	76		1228 मिन	00	06	58
	622 मिन	00	00	00		1229 मिन	00	07	59
	624 मिन	00	00	76		1230 मिन	00	02	28
	625 मिन	00	13	16	रेया	11//14 मिन	00	03	29
	626 मिन	00	00	00	ह० नं० 321	15//2 मिन	00	04	55
	627 मिन	00	11	89		16 मिन	00	11	89
	628 मिन	00	02	28		25 मिन	00	00	00
	634 मिन	00	04	55		12//20//4 मिन	00	00	76
	636 मिन	00	09	36		20//5 मिन	00	01	26
						21 मिन	00	13	16
						32 मिन	00	00	76
	637 मिन	00	06	58		22//21 मिन	00	07	59
	696 मिन	00	07	84		23//1 मिन	00	00	76
	700 मिन	00	01	52		2 मिन	00	13	16
	887 मिन	00	07	08		3 मिन	00	00	00
	888 मिन	00	07	08		8 मिन	00	12	11
	894 मिन	00	04	81		9//1 मिन	00	02	02
	895 मिन	00	09	36		13 मिन	00	03	54
	899 मिन	00	11	64		14//1 मिन	00	07	08
	900 मिन	00	02	28		14//3 मिन	00	02	78
	902 मिन	00	01	01		16//1 मिन	00	00	51
	903 मिन	00	13	41		16//2 मिन	00	06	58
	904 मिन	00	00	00					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
रेया	23/17/1 मिन	00	05	32	चरी	25 मिन	00	03	54
ह०न० 321	25 मिन	00	06	83	ह०न० 323	26 मिन	00	00	76
	29 मिन	00	00	51		8/5 मिन	00	02	78
	30/1 मिन	00	07	08		13/5 मिन	00	12	14
	2 मिन	00	01	52		14/1 मिन	00	01	26
	8 मिन	00	03	54		9 मिन	00	00	78
	9 मिन	00	10	88		10 मिन	00	13	16
	13 मिन	00	12	40		11 मिन	00	00	76
	14 मिन	00	01	77		12 मिन	00	13	41
	16 मिन	00	00	76		13/1 मिन	00	00	00
	17 मिन	00	13	41		18 मिन	00	08	35
	24/2 मिन	00	00	76		19/1 मिन	00	04	30
	25 मिन	00	13	41		23/3 मिन	00	01	77
	31/21 मिन	00	00	00		23/4 मिन	00	03	79
	35/1 मिन	00	10	63		14/24/1 मिन	00	04	55
	36/5 मिन	00	01	01		24/2 मिन	00	05	32
	49 मिन	00	01	52		26 मिन	00	01	26
	54 मिन	00	01	52		16/10/2 मिन	00	01	26
						10/3 मिन	00	02	53
भूटा	253 मिन	00	02	02		10/4 मिन	00	02	02
ह० ०न० 322	254 मिन	00	05	57		11/1 मिन	00	00	26
	255 मिन	00	08	10		11/3 मिन	00	00	26
	261 मिन	00	06	07		11/4 मिन	00	07	34
	262 मिन	00	07	84		11/6 मिन	00	02	28
	264 मिन	00	10	12		12 मिन	00	03	54
	265 मिन	00	04	03		18 मिन	00	01	77
	269 मिन	00	01	77		19 मिन	00	12	40
	270 मिन	00	12	40		22 मिन	00	00	26
	275 मिन	00	00	26		23 मिन	00	13	16
	276 मिन	00	13	41		24 मिन	00	00	76
	277 मिन	00	00	26		17/4 मिन	00	05	32
	278 मिन	00	13	16		5 मिन	00	07	59
	279 मिन	00	01	26		6 मिन	00	08	60
	286 मिन	00	02	78		26 मिन	00	01	26
	304 मिन	00	06	58		27/3 मिन	00	00	76
	306 मिन	00	06	58		4 मिन	00	12	90
	307 मिन	00	07	34		5 मिन	00	00	00
	309 मिन	00	05	32		6/1 मिन	00	04	05
	310 मिन	00	09	11		6/2 मिन	00	08	10
	314 मिन	00	11	13		7/1 मिन	00	01	26
						15 मिन	00	04	05
चरी	1/14 मिन	00	00	26		28/11 मिन	00	08	35
ह०न० 323	16 मिन	00	00	51		20/1 मिन	00	00	26
	17 मिन	00	13	18		55 मिन	00	01	26
	18/1 मिन	00	00	26		58 मिन	00	00	51
	24 मिन	00	01	01		60 मिन	00	01	26
	25 मिन	00	13	16					
	7/1 मिन	00	11	13	अखाली कला	6/20 मिन	00	00	00
	9 मिन	00	09	36		21 मिन	00	12	40
	10 मिन	00	05	32		22 मिन	00	00	00
	12 मिन	00	07	08		7/25 मिन	00	01	77
	13 मिन	00	08	35		10/1 मिन	00	02	28
	17 मिन	00	05	32		2 मिन	00	12	65
	18 मिन	00	07	34		8/1 मिन	00	04	30
	24 मिन	00	10	63		8/3 मिन	00	08	10

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
वरदाली कला	9 मिन	00	02	78	कृष्णाकला	57 मिन	00	00	76
हू० 114	13 मिन	00	02	78	हू० 114	68 मिन	00	01	01
	14/1 मिन	00	11	64		71 मिन	00	01	26
	14/2 मिन	00	00	51					
	16/1 मिन	00	08	60	मन गाजरा	332 मिन	00	00	51
	16/2 मिन	00	01	77	हू० 113	333 मिन	00	10	69
	16/3 मिन	00	01	01		334 मिन	00	00	00
	17/1 मिन	00	02	78		338 मिन	00	09	80
	17/2 मिन	00	00	26		339 मिन	00	13	85
	25/1 मिन	00	02	02		341 मिन	00	15	37
	25/2 मिन	00	01	26		346 मिन	00	01	89
	11//21 मिन	00	11	13		560 मिन	00	07	02
	16//21/2 मिन	00	10	38		561 मिन	00	03	85
	17//1/1 मिन	00	02	28		563 मिन	00	06	01
	1/2 मिन	00	01	52		564 मिन	00	00	00
	2 मिन	00	11	13		565 मिन	00	01	26
	8 मिन	00	11	13		568 मिन	00	22	51
	9 मिन	00	03	79		569 मिन	00	01	51
	13 मिन	00	04	05		579 मिन	00	00	51
	14/1 मिन	00	04	05		580 मिन	00	01	26
	14/2 मिन	00	05	32		581 मिन	00	19	35
	14/3/1 मिन	00	00	26		584 मिन	00	00	51
	14/3/2 मिन	00	00	51		648 मिन	00	01	76
	16 मिन	00	10	63		737 मिन	00	05	76
	17/1 मिन	00	03	54		759 मिन	00	00	95
	17/2 मिन	00	01	01		760 मिन	00	04	93
	25 मिन	00	04	30		761 मिन	00	03	16
	27//1 मिन	00	03	79		762 मिन	00	03	16
	2 मिन	00	10	12		764 मिन	00	18	33
	8 मिन	00	09	87		767 मिन	00	03	04
	9 मिन	00	05	32		768 मिन	00	01	14
	13 मिन	00	05	32		769 मिन	00	01	77
	14 मिन	00	08	35		775 मिन	00	03	42
	16 मिन	00	09	61		776 मिन	00	02	53
	17 मिन	00	05	57		777 मिन	00	21	30
	25 मिन	00	05	57		778 मिन	00	08	10
	28//21 मिन	00	09	36		907 मिन	00	01	51
	30//21 मिन	00	07	08		909 मिन	00	00	13
	26 मिन	00	01	01		910 मिन	00	19	92
	31//1 मिन	00	05	82		911 मिन	00	02	02
	2 मिन	00	09	11		912 मिन	00	07	14
	8/1 मिन	00	00	00		913 मिन	00	11	07
	8/2 मिन	00	08	60		919/3 मिन	00	04	86
	9 मिन	00	06	07		920/1 मिन	00	08	98
	13/1 मिन	00	00	00		920/3 मिन	00	00	76
	13/2 मिन	00	06	07		930 मिन	00	00	00
	14 मिन	00	09	11		931 मिन	00	04	36
	16 मिन	00	08	35		1040-1041/932 मिन	00	16	95
	17 मिन	00	06	58		934 मिन	00	10	88
	25 मिन	00	06	58		935 मिन	00	13	66
	42//1 मिन	00	07	08		936 मिन	00	09	80
	2 मिन	00	08	10		960 मिन	00	02	02
	8 मिन	00	07	84		973 मिन	00	01	89
	9 मिन	00	07	08					
	13 मिन	00	07	34					
	14 मिन	00	01	52					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
हैडा	26/6 मिन	00	07	59	हैडा	70/15 मिन	00	00	00
हू० न० 112	15	00	01	26	हू० न० 112	16 मिन	00	12	65
	27/11 मिन	00	06	43		17 मिन	00	02	02
	18 मिन	00	01	26		25/1 मिन	00	00	76
	19 मिन	00	06	83		71/20 मिन	00	00	26
	22 मिन	00	00	00		21 मिन	00	13	66
	3 मिन	00	11	64		22 मिन	00	00	51
	24 मिन	00	02	79		78/1 मिन	00	01	01
	4 3/10/2 मिन	00	02	07		1 मिन	00	12	40
	11 मिन	01	09	11		4/1 मिन	00	00	76
	1/1 मिन	00	06	32		7 मिन	00	01	01
	19 मिन	00	09	61		8 मिन	00	12	40
	19/1 मिन	00	03	54		9/1 मिन	00	00	76
	1 3/2 मिन	00	00	00		13 मिन	00	00	51
	13 मिन	00	04	81		14 मिन	00	13	66
	24 मिन	00	11	48		15/1 मिन	00	01	26
	26 मिन	00	02	28		88 मिन	00	14	42
	4 4/4 मिन	00	11	89		92 मिन	00	01	01
	5/1 मिन	00	03	54		93 मिन	00	00	51
	5/2 मिन	00	01	26		96 मिन	00	03	29
	6 मिन	00	09	87		103 मिन	00	01	01
	48/4 मिन	00	09	61		141 मिन	00	01	01
	7 मिन	00	04	85		142 मिन	00	00	51
	14 मिन	00	10	12		145 मिन	00	00	51
	16/2 मिन	00	00	26					
	16/3 मिन	00	05	32					
	17/1 मिन	00	05	32	कोटला शमस्तुर	4/19 मिन	00	00	26
	17/2 मिन	00	03	29	हू० न० 110	32/1 मिन	00	00	76
	17/3 मिन	00	00	76		22/3 मिन	00	12	65
	25/1 मिन	00	09	36		25/1 मिन	00	01	52
	49/21/2 मिन	00	06	07		8/2/2 मिन	00	00	26
	27 मिन	00	00	26		3/1 मिन	00	05	06
	61/21 मिन	00	10	63		3/2 मिन	00	07	34
	1/1 मिन	00	08	60		4 मिन	00	03	01
	2 मिन	00	07	08					
	1/1 मिन	00	01	52					
	8/2 मिन	00	06	53	कोटला शमस्तुर	8/6/2 मिन	00	03	79
	9 मिन	00	07	84	हू० न० 110	7 मिन	00	11	61
	13 मिन	00	06	83		15/1 मिन	00	05	06
	14 मिन	00	08	60		15/2 मिन	00	05	32
	1 मिन	00	03	36		9/14/2 मिन	00	05	82
	17 मिन	00	06	07		19/1 मिन	00	04	55
	25/1 मिन	00	01	26		19/4 मिन	00	02	53
	25/2 मिन	00	04	30		20 मिन	00	08	60
	70/1/1 मिन	00	04	55		21 मिन	00	07	31
	2/1 मिन	00	03	79		23 मिन	00	08	10
	2/2 मिन	00	04	91		11/13	00	05	82
	2/3 मिन	00	01	01		4 मिन	00	10	78
	8/1 मिन	00	04	04		6/1 मिन	00	02	02
	6/2 मिन	00	17	84		6/2 मिन	00	02	01
	9/1 मिन	00	03	70		7/3 मिन	00	03	79
	13 मिन	00	03	04		7/2 मिन	00	00	00
	14/1 मिन	00	01	61		17 मिन	00	00	76
	11/2 मिन	20	03	54		173 मिन	00	00	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5		
मिहाला	97	मिन	00	06	38	मिहाला दृग्ंते 105	1742	मिन	00	05	95
दृग्ंते 105	98	मिन	00	10	05		1750	मिन	00	05	57
	99	मिन	00	00	06		1751	मिन	00	00	06
	100	मिन	00	09	86		1752	मिन	00	00	19
	101	मिन	00	02	27		1753	मिन	00	01	39
	103	मिन	00	01	39		1754	मिन	00	01	64
	871	मिन	00	08	10		1755	मिन	00	01	32
	872	मिन	00	04	68		1757	मिन	00	08	54
	890	मिन	00	05	02		1758	मिन	00	05	88
	891	मिन	00	06	64		1759	मिन	00	00	51
	904	मिन	00	06	83		1841	मिन	00	00	19
	905	मिन	00	04	61		1842	मिन	00	12	39
	906	मिन	00	00	63		1847	मिन	00	03	16
	907	मिन	00	00	38		1848	मिन	00	09	92
	908	मिन	00	00	13		1849	मिन	00	00	76
	916	मिन	00	06	83		1850	मिन	00	09	92
	917	मिन	00	05	95		1851	मिन	00	03	16
	927	मिन	00	05	12		1855	मिन	00	09	76
	928	मिन	00	07	65						
	929	मिन	00	03	16	गोहलेश्वाल 106	3/19	मिन	00	05	32
	949	मिन	00	01	89		22	मिन	00	04	55
	1010	मिन	00	08	54		23	मिन	00	09	36
	1019	मिन	00	00	00		6/11	मिन	00	08	60
	1020	मिन	00	09	23		19	मिन	00	08	10
	1021	मिन	00	03	16		20	मन	00	06	58
	1026	मिन	00	02	53		22/3	मिन	00	02	28
	1027	मिन	00	06	89		22/4	मिन	00	05	06
	1028	मिन	00	04	04		23/1	मिन	00	06	32
	1029	मिन	00	00	25		6/23/2	मिन	00	01	26
	1031	मिन	00	08	29		7/3	मिन	00	05	06
	1032	मिन	00	03	60		4	मिन	00	09	87
	1033	मिन	00	02	02		6	मिन	00	09	36
	1036	मिन	00	00	13		7	मिन	00	05	57
	1037	मिन	00	01	39		15	मिन	00	06	07
	1263	मिन	00	00	76		14/3	मिन	00	08	35
	1264	मिन	00	06	07		4/1	मिन	00	06	58
	1265	मिन	00	00	13		4/3	मिन	00	00	26
	1655	मिन	00	09	23		6	मिन	00	05	82
	1656	मिन	00	00	00		7/1	मिन	00	01	26
	1668	मिन	00	00	25		7/3	मिन	00	07	59
	1669	मिन	00	09	86		15/1	मिन	00	07	34
	1670	मिन	00	02	59		15/2	मिन	00	00	51
	1672	मिन	00	01	51		15/11	मिन	00	05	32
	1673	मिन	00	10	75		19/1	मिन	00	01	26
	1674	मिन	00	00	82		19/2	मिन	00	03	54
	1680	मिन	00	01	89		20	मिन	00	09	87
	1700	मिन	00	01	51		22/1	मिन	00	06	58
	1716	मिन	00	03	85		22/2	मिन	00	04	05
	1717	मिन	00	08	54		23	मिन	00	04	30
	1719	मिन	00	07	46		17/11	मिन	00	02	02
	1720	मिन	00	04	63		20	मिन	00	11	89
	1734	मिन	00	05	56		21	मिन	00	00	00
	1735	मिन	00	06	83		18/3	मिन	00	11	13
	1741	मिन	00	06	38		4	मिन	00	03	29
							0	मिन	00	02	78

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
गंदर्ववान्	7/1 मिन	00	07	34	हरया खुर्द ह०९०९०	23 मिन	00	13	41
ह०९०१०६—जारी	7/2 मिन	00	04	55	—जारी	24 मिन	00	01	52
	15 मिन	00	12	40		13/4/1 मिन	00	10	63
	16 मिन	00	00	00		4/3 मिन	00	00	00
	41/5 मिन	00	01	77		5 मिन	00	02	78
दापरीया ह०९०९४	20/2 ३/२ मिन	00	00	76		6 मिन	00	12	65
	24/1 मिन	00	09	26		17/4/1 मिन	00	00	26
	21/4/1 मिन	00	05	82		4/2 मिन	00	07	34
	4/2 मिन	00	04	36		5/1 मिन	00	01	26
	5/2 मिन	00	00	26		6/1 मिन	00	05	06
	6 मिन	00	12	65		6/2 मिन	00	04	83
	7/1 मिन	00	01	77		7/1 मिन	00	00	26
	15/2 मिन	00	02	02		15 मिन	00	00	51
	22/11/2 मिन	00	00	76		18/10 मिन	00	01	01
	11/1 मिन	00	10	63		11/2 मिन	00	13	16
	11/3 मिन	00	00	26		11/1 मिन	00	00	76
	11/1 मिन	00	00	26		12 मिन	00	00	76
	19 मिन	00	12	10		18 मिन	00	00	51
	20/1 मिन	00	01	52		19 मिन	00	13	91
	20/2 मिन	00	00	26		20 मिन	00	00	76
	22/1 मिन	00	03	04		22/1 मिन	00	00	26
	23/1 मिन	00	08	35		22/2 मिन	00	00	76
	23/2 मिन	00	03	54		23 मिन	00	12	90
	25/11/1 मिन	00	06	58		19/3/1 मिन	00	00	76
	11/2 मिन	00	01	55		41 मिन	00	01	77
	19 मिन	00	05	06		109 मिन	00	00	76
	20/1 मिन	00	01	30		111 मिन	00	90	76
	26/3/2 मिन	00	03	29					
	4 मिन	00	11	89	हरया कला ह० न०९१	1/18 मिन	00	10	38
	6 मिन	00	11	64		19 मिन	00	02	78
	7 मिन	00	03	54		23 मिन	00	05	06
	15/1 मिन	00	00	76		24 मिन	00	09	87
	15/2 मिन	00	03	04		4/10/1 मिन	00	06	83
	35 मिन	00	00	26		10/2 मिन	00	02	02
	36 मिन	00	01	26		11/1 मिन	00	06	83
	57 मिन	00	00	76		12/1 मिन	00	07	34
						12/2 मिन	00	00	76
हरया खुर्द ह०९०९२	8/19/1 मिन	00	01	01		18 मिन	00	07	59
	18/2 मिन	00	03	54		19 मिन	00	07	34
	19/1 मिन	00	05	06		23 मिन	00	07	84
	19/2 मिन	00	05	57		24 मिन	00	07	08
	8/10 मिन	00	00	00		5/4 मिन	00	05	31
	11 मिन	00	07	84		5 मिन	00	09	36
	12 मिन	00	05	06		6/1 मिन	00	04	55
	23 मिन	00	11	13		8/1 मिन	00	08	60
	24/2 मिन	00	00	00		5 मिन	00	06	58
	24/3 मिन	00	03	54		6 मिन	00	09	11
	12/10 मिन	00	02	28		9/10 मिन	00	05	82
	11/1 मिन	00	04	55		11 मिन	00	02	28
	11/2 मिन	00	08	60		34 मिन	00	01	52
	12/2 मिन	00	02	02	उरना ह० न०९३	28/2 मिन	00	05	06
	18 मिन	00	01	77		8 मिन	00	06	58
	19 मिन	00	13	16		9 मिन	00	07	08
	20 मिन	00	00	00		13 मिन	00	10	63
	22 मिन	00	00	26		14 मिन	00	03	29

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
उत्तरां राज्यों १५	१६ मिन	००	००	५१		१४ मिन	००	०९	६१
जारी	१७/१ मिन	००	०८	८५		१५ मिन	००	०३	७९
	१७/२ मिन	००	०१	३०		१६ मिन	००	०९	३६
	२१ मिन	००	०१	०१		२५ मिन	५०	०२	७८
	२५ मिन	००	१२	६५		२६ मिन	००	०१	०१
	३०/१ मिन	००	०९	८७		४८/२१ मिन	००	१३	४१
	९ मिन	००	०५	५७		४९/१ मिन	००	०३	५४
	१० मिन	००	०७	८४		२ मिन	००	०५	३२
	१२ मिन	००	११	३८		९५ मिन	००	०१	२६
	१३ मिन	००	०२	०२		१११ मिन	००	०१	५२
	१७/२ मिन	००	००	२६		११२ मिन	००	०१	२६
	१८ मिन	००	१३	१६		१५१ मिन	००	०१	२६
	२३ मिन	००	०१	५२		१५३ मिन	००	०१	०१
	२४ मिन	००	११	३८		३७७ मिन	००	०२	२८
	४०/५ मिन	००	०४	०५		३९३ मिन	००	०२	०२
	४३/४/२ मिन	००	०३	०४	भृश्या र० ८०७६	१२/२० मिन	००	१०	३८
	५ मिन	००	११	८९		२१ मिन	००	०४	०५
	६ मिन	००	०३	५४		२२ मिन	००	१२	४०
	४४/१० मिन	००	११	३८		२३ मिन	००	००	००
	११ मिन	००	०४	०५		१३/१५/१ मिन	००	००	७६
	१२ मिन	००	१२	४०		१५/२ मिन	००	०१	८१
						१६ मिन	००	०५	५७
गढ़ी नगरपाली	६/२१ मिन	००	००	७६		१४/२ मिन	००	०२	०१
ह० न० ७९	७/११	००	०४	०५		३ मिन	००	१३	४१
	९/२	००	०४	५५		४ मिन	००	००	७६
	१२ मिन	०५	०४	८१		६ मिन	००	०२	०२
	१३ मिन	००	११	१३		७ मिन	००	१३	४१
	१६ मिन	००	००	२६		८ मिन	११	००	७६
	१७/१ मिन	००	०६	५८		१४ मिन	००	००	००
	१७/२ मिन	००	०५	८२		१५ मि	००	१२	४०
	१८ मिन	००	०३	२७		१५/११ मिन	००	०४	०५
	२४ मिन	००	०१	७७		१९/१ मिन	००	००	००
	२५/१ मिन	००	०४	०५		१९/२ मिन	५०	०५	३२
	२५/२ मिन	००	०९	६१		२० मिन	००	१०	३८
	१२/५ मिन	००	००	२६		२२/१ मिन	००	०१	०१
	१३/१ मिन	००	११	६४		२२/२ मिन	००	०५	८२
	३३/१८ मिन	००	०२	७८		२३ मिन	००	०७	५९
	२३ मिन	००	१३	१६		२३/११ मिन	००	०४	०५
	२५/३ मिन	५०	००	२६		१९ मिन	००	०६	८३
	३७/११ मिन	००	०४	८१		२३/२० मिन	००	१०	१२
	१९ मिन	००	०१	२६		२२ मिन	००	०७	०८
	२० मिन	००	११	८९		२३ मिन	००	०९	८७
	२१/१ मिन	००	००	२६		२४/३/१ मिन	००	००	२६
	२५/१ मिन	००	०५	५२		३/१/२ मिन	००	०५	०६
	२२/२ मिन	००	०६	०२		३/२ मिन	००	०१	७७
	३४/४/१ मिन	००	१२	४०		४/१ मिन	००	०२	०२
	३५/६ मिन	००	०७	५९		६ मिन	००	०१	०१
	७/१ मिन	००	०३	५१		७ मिन	००	१३	९१
	७/२ मिन	००	००	२६		८ मिन	००	००	५१
	१५ मिन	००	०४	३५		२४/१४ मिन	००	००	५१
	४७/२ मिन	००	०२	७		१५ मिन	००	११	९९
	३ मिन	००	०९	६१		२८/३ मिन	००	०४	०५
	७ मिन	००	०७	०९		४ मिन	००	१०	८८
	८ मिन	००	०६	५८		६ मिन	००	११	८९

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भृत्या	7 मिन	00	03	04	दृग्गक	12/1/21 मिन	00	09	11
इ० न० 78—जारी	15 मिन	00	03	54	इ० न० 63	13/1/4 मिन	00	00	51
	29/11 मिन	00	11	64		16 मिन	00	07	84
	18 मिन	00	00	00		17 मिन	00	08	10
	19/1 मिन	00	04	05		25 मिन	00	06	83
	29/19/2 मिन	00	07	84		15/1 मिन	00	05	32
	20/1 मिन	00	03	29		2 मिन	00	10	63
	29/22 मिन	00	02	28		7 मिन	00	00	00
	23 मिन	00	13	16		8 मिन	00	12	14
	24 मिन	00	00	51		9 मिन	00	03	54
	33/10 मिन	00	03	04		13 मिन	00	02	02
	11 मिन	00	11	64		14 मिन	00	13	66
	12 मिन	00	04	30		15/15 मिन	00	00	76
	18/1 मिन	00	00	00		16 मिन	00	13	16
	18/2 मिन	00	06	07		17 मिन	00	00	26
	19/1 मिन	00	08	10		25 मिन	00	00	00
	19/2 मिन	00	02	28		16/20 मिन	00	02	02
	23/1 मिन	00	01	01		21 मिन	00	12	14
	23/2 मिन	00	06	32		22 मिन	00	03	54
	24 मिन	00	07	34		18/2 मिन	00	10	63
	34/3 मिन	00	01	01		3/1 मिन	00	05	57
	4 मिन	00	13	66		7 मिन	00	06	58
	5 मिन	00	01	52		8/1 मिन	00	02	28
	6 मिन	00	12	90		8/2 मिन	00	04	81
	7 मिन	00	00	25		14/2 मिन	00	07	84
	42/4 मिन	00	07	08		64 मिन	00	02	53
	5 मिन	00	08	85		75 मिन	00	01	01
	6 मिन	00	05	57					
	43/10 मिन	00	10	63					
	11 मिन	00	03	79					
	12/1 मिन	00	04	81					
	12/2 मिन	00	06	58					
	13/2 मिन	00	00	00					
	17 मिन	00	00	51					
	18 मिन	00	13	41					
	19 मिन	00	02	28					
	23 मिन	00	01	01					
	24/1	00	06	58					
	24/2 मिन	00	03	54					
	24/3 मिन	00	01	52					
	58/1 मिन	00	01	77					
	66 मिन	00	00	76					
	68 मिन	00	01	01					
	70 मिन	00	00	76					
	71 मिन	00	00	76					
	74 मिन	00	01	01					
अड्डीयानी	24/26 मिन	00	02	02					
इ० न० 77	25 मिन	00	01	77					
	25/4 मिन	00	00	25					
	5/1 मिन	00	09	11					
	5/2 मिन	00	03	29					
	26/1 मिन	00	03	29					
	9 मिन	00	00	25					
	10 मिन	00	10	88					

[क्रमांक 12020/7/81-प्र०]

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 18th September, 1982

S. O. 3443.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. 2591 dated 3-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication

of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

TESHIL : SAMRALA Distt : Ludhiana State Punjab

Name of Village	Khasra No.	Area		
		H	A	SQM
1	2	3	4	5

KOTLA MEHSUD

H. N. 183	23/9 Min	00	02	78
	12 Min	00	07	08
	13 Min	00	08	85
	17 Min	00	04	55
	18 Min	00	05	82
Bawar				
H. No. 184	7//17 Min	00	01	52
	18 Min	00	09	11
	23 Min	00	00	26
	24/1 Min	00	08	10
	24/2 Min	00	04	30
	24/3 Min	00	00	51
	25/2 Min	00	00	00
	26 Min	00	00	26
	15//10 Min	00	09	11
	11 Min	00	07	59
	12 Min	00	06	07
	18/1/2 Min	00	00	26
	18/1/3 Min	00	01	26
	18/2 Min	00	01	26
	19/1 Min	00	00	00
	19/2 Min	00	00	63
	23/1 Min	00	09	87
	23/2 Min	00	03	04
	24 Min	00	01	01
	16//4 Min	00	01	77
	5/1 Min	00	11	89
	6/1 Min	00	00	76
	6/2/1 Min	00	03	54
	6/2/2 Min	00	00	26
	18/3 Min	00	00	51
	4 Min	00	13	41
	5 Min	00	02	02
	6 Min	00	12	40
	7 Min	00	00	00
	19//10 Min	00	03	79
	11 Min	00	10	63
	12/1 Min	00	03	79
	12/2 Min	00	01	01
	12/3 Min	00	01	01
	18 Min	00	07	34
	19/1 Min	00	08	35
	19/2 Min	00	00	51
	19/3 Min	00	00	00
	23 Min	00	07	08
	24/1 Min	00	09	11
	22//9/1 Min	00	00	26
	10/2 Min	00	11	89
	11 Min	00	02	02
	12 Min	00	13	66
	13 Min	00	00	76
	17 Min	00	02	02
	18 Min	00	13	66
	19 Min	00	00	76
	23 Min	00	00	26
	24 Min	00	12	40

1	2	3	4	5
Bawar H. No.	25 Min	00	03	54
184—contd	23//4/1/1 Min	00	04	30
	4/2 Min	00	01	52
	5 Min	00	10	88
	6/1 Min	00	01	01
	6/2 Min	00	03	04
	29//5 Min	00	10	88
	30//1 Min	00	06	07
	9 Min	00	04	81
	10 Min	00	09	11
Hargana	598 Min	00	00	38
H. No. 180	599 Min	00	03	85
	611/2 Min	00	01	51
	612 Min	00	10	25
	613/1 Min	00	07	91
	615/2	00	05	25
	615/3 Min	00	00	19
	616/1 Min	00	00	13
	805 Min	00	00	51
	806 Min	00	09	10
	811 Min	00	13	22
	812 Min	00	06	20
Kheri	2//20/1 Min	00	01	26
H. No. 185	20/2 Min	00	01	01
	21/1 Min	00	00	51
	21/2 Min	00	03	04
	21/3 Min	00	03	29
	22/1/1 Min	00	08	85
	22/1/2 Min	00	00	00
	22/2 Min	00	00	00
	4/21 Min	00	10	88
	5/2/1 Min	00	01	77
	2/2 Min	00	05	82
	3 Min	00	05	82
	7 Min	00	03	04
	8 Min	00	10	63
	14 Min	00	09	61
	15 Min	00	00	76
	16 Min	00	13	16
	5//17 Min	00	00	76
	25/2 Min	00	01	01
	25/3 Min	00	01	77
	26 Min	00	02	78
	9/1 Min	00	05	57
	2/1 Min	00	07	34
	2/2 Min	00	00	26
	8 Min	00	04	55
	9/3 Min	00	01	77
	9/4 Min	00	06	58
	13 Min	00	11	64
	14/1 Min	00	02	02
	16 Min	00	00	26
	17 Min	00	13	41
	24 Min	00	01	01
	25 Min	00	12	65
	11//1 Min	00	07	34
	10 Min	00	02	78
	12//5/1 Min	00	01	77
	41 Min	00	01	01
	43 Min	00	01	01
Dholawal	1//25 Min	00	02	28
H No. 178	2//21 Min	00	07	08
	5//21 Min	00	01	26
	6//1 Min	00	08	35
	1//2 Min	00	00	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Dholawal H. No. 178	2/1 Min	00	04	30	Baddla H. No. 177	620 Min	00	00	76
—Contd.	2/2 Min	00	00	76	—Contd	622 Min	00	00	00
	8/1 Min	00	01	01		624 Min	00	00	76
	8/2 Min	00	02	02		625 Min	00	13	16
	9 Min	00	11	13		626 Min	00	00	00
	13/1 Min	00	00	51		627 Min	00	11	89
	13/2 Min	00	09	87		628 Min	00	02	28
	6/14/1 Min	00	00	76		634 Min	00	04	55
	16 Min	00	00	25		636 Min	00	09	36
	17 Min	00	13	41		637 Min	00	06	58
	18/2 Min	00	00	00		696 Min	00	07	84
	18/3 Min	00	00	26		700 Min	00	01	52
	24/2 Min	00	01	52		887 Min	00	07	08
	25/1 Min	00	07	34		888 Min	00	07	08
	25/2 Min	00	03	79		894 Min	00	04	81
	26 Min	00	00	26		895 Min	00	09	36
	13/1 Min	00	12	90		899 Min	00	11	64
	2 Min	00	03	54		900 Min	00	02	28
	8 Min	00	06	07		902 Min	00	01	01
	9 Min	00	10	63		903 Min	00	13	41
	13 Min	00	08	10		904 Min	00	00	00
	14/1 Min	00	06	83		923 Min	00	00	51
	14/2 Min	00	01	77		926 Min	00	00	51
	16 Min	00	10	88		927 Min	00	10	38
	17 Min	00	05	82		928 Min	00	04	05
	25 Min	00	03	29		935 Min	00	02	02
	15/21 Min	00	12	90		936 Min	00	11	89
	22 Min	00	00	26		937 Min	00	00	00
	15/1/1 Min	00	01	01		933 Min	00	00	51
	1/2 Min	00	00	26		934 Min	00	13	41
	2/1 Min	00	11	89		1093 Min	00	08	35
	2/2 Min	00	01	26		1100 Min	00	04	55
	3/2 Min	00	01	77		1123 Min	00	00	26
	8 Min	00	15	44		1124 Min	00	12	40
	14 Min	00	00	76		1125 Min	00	01	26
	69 Min	00	01	52		1126 Min	00	02	28
	256 Min	00	01	77		1127 Min	00	11	89
	257 Min	00	01	26		1129 Min	00	13	41
	37/6 Min	00	03	79		1130 Min	00	00	51
	13 Min	00	02	28		1136 Min	00	02	02
	14 Min	00	11	38		1137 Min	00	11	89
	37/16 Min	00	09	36		1138 Min	00	00	0-
	17 Min	00	04	81		1147 Min	00	04	05
	25 Min	00	04	81		1148 Min	00	10	12
Dalwan H. No. 312	24/16 Min	00	07	84		1154 Min	00	08	10
	25/20 Min	00	03	29		1155 Min	00	05	82
	21 Min	00	12	40		1159 Min	00	07	04
	22 Min	00	01	52		1160 Min	00	06	07
	26/1 Min	00	00	26		1163 Min	00	00	76
	2 Min	00	14	93		1164 Min	00	05	57
	3 Min	00	00	51		1166 Min	00	09	11
	8 Min	00	09	36		1226 Min	00	06	07
	9 Min	00	01	26		1227 Min	00	03	54
Kotla Baddla H. No. 176	573 Min	00	09	11		1228 Min	00	06	58
	577 Min	00	00	76		1229 Min	00	07	59
	579 Min	00	07	34		1230 Min	00	02	28
	581 Min	00	04	81	Ria H. No. 321	1231 Min	00	01	01
	582 Min	00	11	13		11/14 Min	00	03	29
	584 Min	00	06	58		15/2 Min	00	04	55
	614 Min	00	04	81		16 Min	00	11	89
	615 Min	00	11	13		25 Min	00	00	00
	616 Min	00	02	53		12/20/4 Min	00	00	76
Baddla H. No. 177	621 Min	00	13	41		20/5 Min	00	01	26
						21 Min	00	13	16
						22 Min	00	00	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rja H. No. 321 —Contd	22/21 Min 23/1 Min 2 Min 3 Min 8 Min 9/1 Min 13 Min 14/1 Min 14/3 Min 16/1 Min 16/2 Min 23/17/1 Min 25 Min 29 Min 30/1 Min 2 Min 8 Min 9 Min 13 Min 14 Min 16 Min 17 Min 24/2 Min 25 Min 31/21 Min 35/1 Min 36/5 Min 49 Min 54 Min		00 07 59 00 00 76 00 13 16 00 00 00 00 12 14 00 02 02 00 03 54 00 07 08 00 02 78 00 00 51 00 06 58 00 05 32 00 06 83 00 00 51 00 07 08 00 01 52 00 03 54 00 10 88 00 12 40 00 01 77 00 00 76 00 13 41 00 00 76 00 13 41 00 00 00 00 10 63 00 01 01 00 01 52 00 01 52		Charl H. No. 323 —(Contd.)	25 Min 26 Min 8/5 Min 13/5 Min 14/1 Min 9 Min 10 Min 11 Min 12 Min 13/1 Min 18 Min 19/1 Min 23/3 Min 23/4 Min	00 03 54 00 00 76 00 02 78 00 12 14 00 01 26 00 00 76 00 13 16 00 00 76 00 13 41 00 00 00 00 00 08 35 00 04 30 00 01 77 00 03 79		
Bhutta H. No. 322	253 Min 254 Min 255 Min 261 Min 262 Min 264 Min 265 Min 269 Min 270 Min 275 Min 276 Min 277 Min 278 Min 279 Min 286 Min 304 Min		00 02 02 00 05 57 00 08 10 00 06 07 00 07 84 00 10 12 00 04 05 00 01 77 00 12 40 00 00 26 00 13 41 00 00 26 00 13 16 00 01 26 00 02 78 00 06 58			14/24/1 Min 24/2 Min 26 Min 16/10/2 Min 10/3 Min 10/4 Min 11/1 Min 11/3 Min 11/4 Min 11/6 Min 12 Min 18 Min 19 Min 22 Min 23 Min 24 Min 17/4 Min 5 Min 6 Min 26 Min 27/3 Min 4 Min 5 Min 6/1 Min 6/2 Min 7/1 Min 15 Min 28/11 Min 20/1 Min 55 Min 58 Min 60 Min	00 04 55 00 05 32 00 01 26 00 01 26 00 02 53 00 02 02 00 00 26 00 00 26 00 07 34 00 02 28 00 03 54 00 01 77 00 12 40 00 00 26 00 13 16 00 00 76 00 05 32 00 07 59 00 08 60 00 01 26 00 00 76 00 12 90 00 00 00 00 04 05 00 08 10 00 01 26 00 04 05 00 08 35 00 00 26 00 01 26 00 00 51 00 01 26		
Charl H. No. 323	1/14 Min 16 Min 17 Min 18/1 Min 24 Min 25 Min 7/1 Min 9 Min 10 Min 12 Min 13 Min 17 Min 18 Min 24 Min		00 00 26 00 00 51 00 13 16 00 00 26 00 01 01 00 13 16 00 11 13 00 09 36 00 05 32 00 07 08 00 08 35 00 05 32 00 07 34 00 10 63		Barwali Kalan H. No. 114	6/20 Min 21 Min 22 Min 7/25 Min 10/1 Min 2 Min 8/1 Min 8/2 Min 9 Min 13 Min 14/1 Min 14/2 Min 16/1 Min 16/2 Min 16/3 Min 17/1 Min 17/2 Min 25/1 Min 25/2 Min	00 00 00 00 12 40 00 00 00 00 01 77 00 02 28 00 12 65 00 04 30 00 08 10 00 02 78 00 00 78 00 11 64 00 00 51 00 08 60 00 01 77 00 01 01 00 02 78 00 00 26 00 01 01 00 00 01 00 01 26		

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
Barwall Kalan H. No.	11/21 Min	00	11	13	Mal Majra H. No. 113	581 Min	00	09	35	
114	16/21/2 Min	00	10	38		584 Min	00	00	51	
	17/1/1 Min	00	02	28		648 Min	00	01	70	
	1/2 Min	00	01	52		737 Min	00	05	76	
	2 Min	00	11	13		759 Min	00	00	95	
	8 Min	00	11	13		760 Min	00	04	93	
	9 Min	00	03	79		761 Min	00	03	16	
	13 Min	00	04	05		762 Min	00	03	16	
	14/1 Min	00	04	05		764 Min	00	18	33	
	14/2 Min	00	05	32		767 Min	00	03	04	
	14/3/1 Min	00	00	26		768 Min	00	01	14	
	14/3/2 Min	00	00	51		769 Min	00	01	77	
	16 Min	00	10	63		775 Min	00	03	42	
	17/1 Min	00	03	54		776 Min	00	02	53	
	17/2 Min	00	01	01		777 Min	00	21	30	
	25 Min	00	04	30		778 Min	00	08	10	
	27/1 Min	00	03	79		907 Min	00	01	51	
	2 Min	00	10	12		909 Min	00	00	13	
	8 Min	00	09	87		910 Min	00	19	92	
	9 Min	00	05	32		911 Min	00	02	02	
	13 Min	00	05	32		912 Min	00	07	14	
	14 Min	00	08	35		913 Min	00	11	07	
	16 Min	00	09	61		919/3 Min	00	04	86	
	17 Min	00	05	57		920/1 Min	00	08	98	
	25 Min	00	05	57		920/3 Min	00	00	76	
	28/21 Min	00	09	36		930 Min	00	00	00	
	30/21 Min	00	07	08		931 Min	00	04	36	
	26 Min	00	01	01		1040/1041/932 Min	00	16	95	
	31/1 Min	00	05	82		934 Min	00	10	88	
	2 Min	00	09	11		935 Min	00	13	66	
	8/1 Min	00	00	00		936 Min	00	09	80	
	8/2 Min	00	08	60		960 Min	00	02	02	
	9 Min	00	06	07		973 Min	00	01	89	
	13/1 Min	00	00	00	Hadeon H. No. 112	26/6 Min	00	07	59	
	13/2 Min	00	06	07		15 Min	00	01	26	
	14 Min	00	09	11		27/11 Min	00	06	83	
	16 Min	00	08	35		18 Min	00	01	26	
	17 Min	00	06	58		19 Min	00	06	83	
	25 Min	00	06	58		22 Min	00	00	00	
	42/1 Min	00	07	08		23 Min	00	11	64	
	2 Min	00	08	10		24 Min	00	02	78	
	8 Min	00	07	84		43/10/2 Min	00	06	07	
	9 Min	00	07	08		11 Min	00	09	11	
	13 Min	00	07	34		12/1 Min	00	06	32	
	14 Min	00	01	52		18 Min	00	09	61	
	57 Min	00	00	76		19/1 Min	00	03	54	
	68 Min	00	01	01		19/2 Min	00	00	00	
	71 Min	00	01	26		23 Min	00	04	81	
	Mal Majra H. No. 113	332 Min	00	00	51		24 Min	00	11	38
		333 Min	00	10	69		26 Min	00	02	28
		334 Min	00	00	00		44/4 Min	00	11	89
		338 Min	00	09	80		5/1 Min	00	03	54
		339 Min	00	13	85		5/2 Min	00	01	26
		341 Min	00	15	37		6 Min	00	09	87
		346 Min	00	01	89		48/4 Min	00	09	61
		560 Min	00	07	02		7 Min	00	04	55
		561 Min	00	03	85		14 Min	00	10	12
		563 Min	00	06	01		16/2 Min	00	00	26
		564 Min	00	00	00		16/3 Min	00	05	32
		565 Min	00	01	26		17/1 Min	00	05	32
		568 Min	00	22	51		17/2 Min	00	03	29
		569 Min	00	01	51		17/3 Min	00	00	76
		579 Min	00	00	51		25/1 Min	00	09	36
		580 Min	00	01	26		49/21/2 Min	00	06	07

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Hadeon H. No. 112	27 Min	00	00	26	Kotla Shamaspur	23 Min	00	08	10
	61/21 Min	00	10	63	H. No. 110	11/83	00	05	82
	62/1 Min	00	08	60		4 Min	00	10	38
	2 Min	00	07	08		6/1 Min	00	02	02
	8/1 Min	00	01	52		6/2 Min	00	02	02
	8/2 Min	00	06	58		7/3 Min	00	03	79
	9 Min	00	07	84		7/2 Min	00	00	00
	13 Min	00	06	83		171 Min	00	00	76
	14 Min	00	08	60		173 Min	00	00	76
	16 Min	00	09	36		97 Min	00	06	38
	17 Min	00	06	07		98 Min	00	10	05
	25/1 Min	00	01	26		99 Min	00	00	06
	25/2 Min	00	04	30		100 Min	00	09	86
	70/1/1 Min	00	04	53		101 Min	00	02	27
	2/1 Min	00	03	79		103 Min	00	01	39
	2/2 Min	00	04	81		871 Min	00	08	10
	2/3 Min	00	01	01		872 Min	00	04	68
	8/1 Min	00	03	04		890 Min	00	05	12
	8/2 Min	00	07	84		891 Min	00	06	64
	9/1 Min	00	03	79		904 Min	00	06	83
	13 Min	00	03	04		905 Min	00	04	61
	14/1 Min	00	09	61		906 Min	00	00	63
	14/2 Min	00	03	54		907 Min	00	00	38
	70/15 Min	00	00	00		908 Min	00	00	13
	16 Min	00	12	65		916 Min	00	06	83
	17 Min	00	02	02		917 Min	00	05	95
	25/1 Min	00	00	76		927 Min	00	05	12
	71/20 Min	00	00	26		928 Min	00	07	65
	21 Min	00	13	66		929 Min	00	03	16
	22 Min	00	00	51		949 Min	00	01	89
	78/1 Min	00	01	01		1010 Min	00	08	54
	2 Min	00	12	40		1019 Min	00	00	00
	3/1 Min	00	00	76		1020 Min	00	09	23
	7 Min	00	01	01		1021 Min	00	03	16
	8 Min	00	12	40		1026 Min	00	02	53
	9/1 Min	00	00	76		1027 Min	00	06	89
	13 Min	00	00	51		1028 Min	00	04	04
	14 Min	00	13	66		1029 Min	00	00	25
	15/1 Min	00	01	26		1031 Min	00	08	29
	88 Min	00	14	42		1032 Min	00	03	60
	92 Min	00	01	01		1033 Min	00	02	02
	95 Min	00	00	51		1036 Min	00	00	13
	96 Min	00	03	29		1037 Min	00	01	39
	103 Min	00	01	01		1263 Min	00	00	76
	141 Min	00	01	01		1264 Min	00	06	07
	142 Min	00	00	51		1265 Min	00	00	13
	145 Min	00	00	51		1655 Min	00	09	23
						1656 Min	00	00	00
Kotla Shamaspur H. No. 110	4/19 Min	00	00	26		1668 Min	00	00	25
	22/1 Min	00	00	76		1669 Min	00	09	86
	22/2 Min	00	12	65		1670 Min	00	02	59
	23/1 Min	00	01	52		1672 Min	00	01	51
	8/2/2 Min	00	00	26		1673 Min	00	10	75
	3/1 Min	00	05	06		1674 Min	00	00	82
	3/2 Min	00	07	34		1680 Min	00	01	89
	4 Min	00	03	04		1700 Min	00	01	51
	8/6/2 Min	00	03	79		1716 Min	00	03	85
	7	00	11	64		1717 Min	00	08	54
	15/1 Min	00	05	06		1719 Min	00	07	46
	15/2 Min	00	05	32		1720 Min	00	04	68
	9/11/2 Min	00	05	82		1734 Min	00	05	56
	19/1 Min	00	04	55		1735 Min	00	06	83
	19/4 Min	00	02	53		1741 Min	00	06	38
	20 Min	00	08	60		1742 Min	00	05	95
	22 Min	00	07	34					

1.	2	3	4	5	1	2	3	4	5
SAHALIA H.No.105 —(Contd.)	1750 Min 1751 Min 1752 Min 1753 Min 1754 Min 1755 Min 1757 Min 1758 Min 1759 Min 1841 Min 1842 Min 1847 Min 1848 Min 1849 Min 1850 Min 1851 Min 1855 Min	00 05 57 00 00 06 00 00 19 00 01 39 00 01 64 00 01 32 00 08 54 00 03 88 00 00 51 00 00 19 00 12 39 00 03 16 00 09 92 00 00 76 00 09 92 00 03 16 00 00 76			TAPRIAN H.No. 94 —(Contd.)	6 Min 7/1 Min 15/2 Min 22/11/2 Min 11/1 Min 11/3 Min 11/4 Min 19 Min 20/1 Min 20/2 Min 22/1 Min 23/1 Min 23/2 Min 25/11/1 Min 11/2 Min 19 Min 20/1 Min 26/3/2 Min 4 Min 6 Min 7 Min 15/1 Min 15/2 Min 35 Min 36 Min 57 Min	00 12 65 00 01 77 00 02 02 00 00 76 00 10 63 00 00 26 00 00 26 00 12 40 00 01 52 00 00 26 00 03 04 00 08 35 00 03 54 00 06 58 00 04 55 00 05 06 00 04 30 00 03 29 00 11 89 00 11 64 00 03 54 00 00 76 00 03 04 00 00 26 00 01 26 00 00 76		
GEHLAWAL H.No. 106	3/15 Min 19 Min 22 Min 23 Min 6/11 Min 19 Min 20 Min 22/3 Min 22/4 Min 24/1 Min 6/23/2 Min 7/13 Min 4 Min 6 Min 7 Min 14/3 Min 4/1 Min 4/3 Min 6 Min 7/1 Min 7/3 Min 15/1 Min 15/2 Min 15/11 Min 19/1 Min 19/2 Min 20 Min 20/1 Min 22/2 Min 23 Min 17/11 Min 20 Min 21 Min 18/3 Min 4 Min 6 Min 7/1 Min 7/2 Min 15 Min 16 Min 41/5 Min	00 06 07 00 05 32 00 04 55 00 09 36 00 08 60 00 08 10 00 06 58 00 02 28 00 03 06 00 06 32 00 01 26 00 05 06 00 09 87 00 09 36 00 05 57 00 08 35 00 06 58 00 00 26 00 05 82 00 01 26 00 07 59 00 07 34 00 00 51 00 05 32 00 01 26 00 03 54 00 09 87 00 06 58 00 04 05 00 04 30 00 02 02 00 11 89 00 00 00 00 11 13 00 03 29 00 02 78 00 07 34 00 04 55 00 12 40 00 00 00 00 01 77			HARYON KHURD H.No. 92	8/19/1 Min 18/2 Min 19/1 Min 19/2 Min 8/10 Min 11 Min 12 Min 23 Min 24/2 Min 24/3 Min 12/10 Min 11/1 Min 11/2 Min 12/2 Min 18 Min 19 Min 20 Min 22 Min 23 Min 24 Min 13/4/1 Min 4/3 Min 5 Min 6 Min 17/4/1 Min 4/2 Min 5/1 Min 6/1 Min 6/2 Min 7/1 Min 15 Min 18/10 Min 11/2 Min 11/1 Min 12 Min 18 Min 19 Min 20 Min 22/1 Min	00 01 01 00 03 54 00 05 06 00 05 57 00 00 00 00 07 84 00 05 06 00 11 13 00 00 00 00 02 28 00 04 55 00 08 60 00 02 02 00 01 77 00 13 16 00 00 00 00 00 26 00 13 41 00 01 52 00 10 63 00 00 00 00 02 78 00 12 65 00 00 26 00 07 34 00 01 26 00 05 06 00 08 85 00 00 26 00 00 51 00 01 01 00 13 16 00 00 76 00 00 76 00 00 51 00 13 91 00 00 76 00 00 26		
TAPRIAN H.No. 94	20/23/2 Min 24/1 Min 21/4/1 Min 4/2 Min 5/2 Min	00 00 76 00 00 26 00 05 82 00 09 36 00 00 26							

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
HARYON KHURD H.No. 92 —(Contd.)	22/2 Min 23 Min 19/3/1 Min *41 Min 109 Min 111 Min	00 00 76 00 12 90 00 00 76 00 01 77 00 00 76 00 00 76			GHARI TARKHANA H.No. 79	17/2 Min 18 Min 24 Min 25/1 Min 25/2 Min 12/5 Min 13/1 Min 33/18 Min 23 Min 24/3 Min 37/11 Min 19 Min 20 Min 21/1 Min 22/1 Min 22/2 Min 38/4/1 Min	00 05 82 00 03 29 00 01 77 00 04 05 00 09 61 00 00 26 00 11 64 00 02 78 00 13 16 00 00 26 00 04 81 00 01 26 00 11 89 00 00 26 00 05 82 00 06 07 00 12 40			
HARYON KALAN H.No. 91	1/18 Min 19 Min 23 Min 24 Min 4/10/1 Min 10/2 Min 11/1 Min 12/1 Min 12/2 Min 18 Min 19 Min 23 Min 24 Min 5/4 Min 5 Min 6/1 Min 8/4 Min 5 Min 6 Min 9/10 Min 11 Min 38 Min	00 10 38 00 02 78 00 05 06 00 09 87 00 06 83 00 02 02 00 06 83 00 07 34 00 00 76 00 07 59 00 07 34 00 07 84 00 07 08 00 05 31 00 09 36 00 04 55 00 08 60 00 06 58 00 09 11 00 05 82 00 02 28 00 01 52				6 Min 7/1 Min 7/2 Min 15 Min 47/2 Min 3 Min 7 Min 8 Min 14 Min 15 Min 16 Min 25 Min 26 Min 48/21 Min 49/1 Min 2 Min 95 Min 111 Min 112 Min 151 Min 153 Min 377 Min 393 Min	00 07 59 00 03 54 00 00 26 00 08 35 00 02 78 00 09 61 00 07 08 00 06 58 00 09 61 00 03 79 00 09 36 00 02 78 00 01 01 00 13 41 00 03 54 00 05 32 00 01 26 00 01 52 00 01 26 00 01 26 00 01 01 00 02 28 00 02 02			
URNA H.No. 93	28/2 Min 8 Min 9 Min 13 Min 14 Min 16 Min 17/1 Min 17/2 Min 24 Min 25 Min 39/1 Min 9 Min 10 Min 12 Min 13 Min 17/2 Min 18 Min 23 Min 24 Min 40/5 Min 43/4/2 Min 5 Min 6 Min 44/10 Min 11 Min 12 Min	00 05 06 00 06 58 00 07 08 00 10 63 00 03 29 00 00 51 00 08 85 00 04 30 00 01 01 00 12 65 00 09 87 00 05 57 00 07 84 00 11 38 00 02 02 00 00 26 00 13 16 00 11 52 00 11 38 00 04 05 00 03 04 00 11 89 00 03 54 00 11 38 00 04 05 00 12 40			BHATTIAN H.No. 78	12/20 Min 21 Min 22 Min 23 Min 13/15/1 Min 15/2 Min 16 Min 14/2 Min 3 Min 4 Min 6 Min 7 Min 8 Min 14 Min 15 Min 15/11 Min 19/1 Min 19/2 Min 20 Min 22/1 Min 22/2 Min	00 10 38 00 04 05 00 12 40 00 00 00 00 00 76 00 04 81 00 05 57 00 02 02 00 13 41 00 00 76 00 04 81 00 05 57 00 02 02 00 13 41 00 00 76 00 02 02 00 13 41 00 00 76 00 04 05 00 00 00 00 12 40 00 04 05 00 00 00 00 05 32 00 10 38 00 01 01 00 05 32			
GHARI TARKHANA H. No. 79	6/21 Min 7/9/1 Min 9/2 Min 12 Min 13 Min 16 Min 17/1 Min	00 00 76 00 04 05 00 04 55 00 04 81 00 11 13 00 00 26 00 06 58								

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
BHATTIAN	23 Min	00	07	59	Addiana H. No. 77	24/24 Min	00	02	02
H. No. 78	23/11 Min	00	04	05		25 Min	00	01	77
	19 Min	00	06	83		25/4 Min	00	00	25
	23/20 Min	00	10	12		5/1 Min	00	09	11
	22 Min	00	07	08		5/2 Min	00	03	29
	23 Min	00	09	87		26/1 Min	00	03	29
	24/3/1/1	00	05	26		9 Min	00	00	25
	3/1/2 Min	00	05	06		10 Min	00	10	88
	3/2 Min	00	01	77	Iraq H. No. 63	12/21 Min	00	09	11
	4/1 Min	00	01	02		13/14 Min	00	00	51
	6 Min	00	01	01		16 Min	00	07	84
	7 Min	00	13	91		17 Min	00	08	10
	8 Min	00	00	51		25 Min	00	06	83
	24/14 Min	00	00	51		13/1 Min	00	05	32
	15 Min	00	11	89		2 Min	00	10	63
	28/3 Min	00	04	05		7 Min	00	00	00
	4 Min	00	10	88		8 Min	00	12	14
	6 Min	00	11	89		9 Min	00	03	54
	7 Min	00	03	04		13 Min	00	02	02
	15 Min	00	03	54		14 Min	00	13	66
	29/11 Min	00	11	64		15/15	00	00	76
	18 Min	00	00	00		16 Min	00	13	16
	19/1 Min	00	04	05		17 Min	00	00	26
	29/19/2 Min	00	07	84		25 Min	00	00	00
	20/1 Min	00	03	29		16/20 Min	00	02	02
	29/2 Min	00	02	28		21 Min	00	12	14
	23 Min	00	13	16		22 Min	00	03	54
	24 Min	00	00	31		18/2 Min	00	10	63
	33/10 Min	00	03	04		3/1 Min	00	05	57
	11 Min	00	11	64		7 Min	00	06	58
	12 Min	00	04	30		8/1 Min	00	02	28
	18/1 Min	00	00	00		8/2 Min	00	04	81
	18/2 Min	00	06	07		14/2 Min	00	07	34
	19/1 Min	00	08	10		64 Min	00	02	53
	19/2 Min	00	02	28		75 Min	00	01	01
	23/1 Min	00	01	01					
	23/2 Min	00	06	32					
	24 Min	00	07	34					
	34/3 Min	00	01	01					
	4 Min	00	13	66					
	5 Min	00	01	52					
	6 Min	00	12	90					
	7 Min	00	00	25					
	42/4 Min	00	07	08					
	3 Min	00	08	85					
	6 Min	00	05	57					
	43/10 Min	00	10	63					
	11 Min	00	03	79					
	12/1 Min	00	04	81					
	12/2 Min	00	06	58					
	13/2 Min	00	00	00					
	17 Min	00	00	51					
	18 Min	00	13	41					
	19 Min	00	02	28					
	23 Min	00	01	01					
	24/1 Min	00	06	58					
	24/2 Min	00	03	54					
	24/3 Min	00	01	52					
	58/1 Min	00	01	77					
	66 Min	00	00	76					
	68 Min	00	01	01					
	70 Min	00	00	76					
	71 Min	00	00	76					
	74 Min	00	01	01					

का० शा० 3444.—अम्. पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० शा० सं० 2923 दिनांक 24-10-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आभाव कर दिया था;

प्रौद्योगिकी अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संकार को रिपोर्ट दे दी है,

प्रौद्योगिकी अधिकारी ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिट भूमियों के उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन ले लिए, एवं द्वारा अर्जित किया जाना है;

अब शा० उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अस्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा शोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनियिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन ले लिए, एवं द्वारा अर्जित किया जाना है।

प्रौद्योगिकी अधिकारी की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अस्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वाच देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का

प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बायां इडिप्पन आवल कार्यपालिन में सभी वाधारों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की हम सारील को निहित होगा।

नहसोल : लुधियाना जिला : लुधियाना राज्य : पंजाब

नाम ग्राम	वक्सन नं.	क्षेत्रफल		
		हैरा	एरा	बांधीरा
1	2	3	4	5
हरया	2//1 मिन	00	09	61
ह० नं० 206	2 मिन	00	06	32
	9//2 मिन	00	08	35
	8//1 मिन	00	03	04
	8//2 मिन	00	04	81
	13//1 मिन	00	02	02
	13//2 मिन	00	05	31
	14 मिन	00	07	34
	57 मिन	00	00	76
	58 मिन	00	00	76
भमां कला	27//6 मिन	00	11	89
ह० नं० 205	15 मिन	00	00	00
	28//10 मिन	00	02	28
	11 मिन	00	12	40
	12 मिन	00	04	05
	18 मिन	00	05	06
	19 मिन	00	10	12
	23 मिन	00	07	84
	24 मिन	00	08	35
	34//9 मिन	00	00	00
	10 मिन	00	10	37
	11 मिन	00	02	28
	12 मिन	00	13	41
	34//13 मिन	00	00	51
	17 मिन	00	01	52
	18 मिन	00	13	66
	19 मिन	00	01	01
	23 मिन	00	00	25
	24 मिन	00	12	90
	25 मिन	00	02	53
	35//4 मिन	00	06	07
	6 मिन	00	10	37
	6 मिन	00	04	05
	39//5 मिन	00	11	89
	40//1 मिन	00	04	05
	9 मिन	00	06	07
	10 मिन	00	10	12
	12 मिन	00	08	35
	13 मिन	00	09	87
	17 मिन	00	08	35
	18 मिन	00	00	25
	24 मिन	00	04	81
	25 मिन	00	11	89
	45//21 मिन	00	04	30
	46//1 मिन	00	12	90

1	2	3	4	5
भमा कला ह० नं० 205	2 मिन	00	00	25
	8 मिन	00	00	76
	9//1 मिन	00	06	58
	9//2 मिन	00	08	58
	10 मिन	00	01	52
	12 मिन	00	00	76
	13 मिन	00	13	66
	14 मिन	00	00	00
	16//1 मिन	00	01	01
	16//2 मिन	00	04	05
	17 मिन	00	11	89
	18 मिन	00	00	25
	46//25//1 मिन	00	00	25
	25//2 मिन	00	06	83
	25//3 मिन	00	03	79
	47//5 मिन	00	02	28
	58//1 मिन	00	00	00
	117 मिन	00	04	81
	123 मिन	00	01	52
	128 मिन	00	02	28
	252 मिन	00	01	01
	256 मिन	00	00	76
	17//20 मिन	00	09	36
	21 मिन	00	05	57
	22 मिन	00	10	37
	18//3 मिन	00	03	54
	7//1 मिन	00	01	01
	7//2 मिन	00	06	58
	8 मिन	00	08	10
	14//1 मिन	00	00	51
	14//2 मिन	00	06	58
	15 मिन	00	08	35
	16//1 मिन	00	06	07
	16//2 मिन	00	00	51
	20//2 मिन	00	04	30
	3//1 मिन	00	05	82
	3//2 मिन	00	05	31
	7//1 मिन	00	06	32
	7//2 मिन	00	05	57
	8//1 मिन	00	03	54
	14 मिन	00	03	04
	15 मिन	00	11	89
	16 मिन	00	01	01
	21//11 मिन	00	00	00
	19 मिन	00	00	51
	20//1 मिन	00	03	79
	20//2 मिन	00	09	61
	21 मिन	00	00	25
	22 मिन	00	12	90
	23 मिन	00	01	52
	23//11 मिन	00	07	34
	19 मिन	00	09	87
	20 मिन	00	06	58
	22 मिन	00	04	30
	23 मिन	00	12	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भर्मी खुद	24 मिन	00	00	00	मुथगड	24/2 मिन	00	05	82
ह०न० 204	24/2 मिन	00	00	25	ह०न० 13	26/1 मिन	00	00	25
	3 मिन	00	12	90		9/2 मिन	00	00	76
	4 मिन	00	03	54		10/1 मिन	00	03	04
	6 मिन	00	05	31		10/2 मिन	00	11	13
	7 मिन	00	11	38		11/1 मिन	00	00	25
	15 मिन	00	08	60		12/1 मिन	00	00	76
	28/13 मिन	00	02	28		12/2 मिन	00	12	65
	4 मिन	00	14	67		13 मिन	00	03	04
	7 मिन	00	02	53		17/1 मिन	00	01	26
	75 मिन	00	01	77		17/2 मिन	00	03	54
	98 मिन	00	01	77		18 मिन	00	11	38
	131 मिन	00	01	77		24 मिन	00	09	36
						25 मिन	00	07	08
गहलेवाल	3/21 मिन	00	01	77		27/4 मिन	00	03	29
ह०न० 14	4/13 मिन	00	10	37		5/1 मिन	00	06	58
	14 मिन	00	00	25		5/2 मिन	00	06	32
	16 मिन	00	00	76		6 मिन	00	01	52
	17 मिन	00	13	66		31/5 मिन	00	07	08
	4/18 मिन	00	01	52		32/1/1 मिन	00	02	28
	24 मिन	00	00	78		1/2 मिन	00	07	39
	25 मिन	00	14	87		9 मिन	00	09	61
	7//5 मिन	00	00	25		10 मिन	00	04	81
	8/1 मिन	00	09	11		37 मिन	00	07	84
	2 मिन	00	06	07		149 मिन	00	01	26
	8 मिन	00	06	07		150 मिन	00	00	76
	9/1 मिन	00	07	08		156 मिन	00	00	76
	9/2 मिन	00	04	55					
	13/1 मिन	00	01	01	बली बाल	26/16 मिन	00	04	05
	13/2 मिन	00	06	58	ह०न० 17	25 मिन	00	03	29
	14 मिन	00	09	87		27/21 मिन	00	13	41
	16/1 मिन	00	09	36		22 मिन	00	00	25
	16/2 मिन	00	04	21		36/20 मिन	00	07	34
	17/1 मिन	00	03	29		21 मिन	00	06	83
	25/1 मिन	00	00	51		22 मिन	00	04	30
	27 मिन	00	00	76		37//1 मिन	00	01	52
	9//20 मिन	00	01	52		2 मिन	00	13	66
	21/1 मिन	00	07	59		3 मिन	00	01	26
	21/2 मिन	00	04	05		7 मिन	00	03	04
	22/1 मिन	00	04	81		8 मिन	00	12	90
	10//2 मिन	00	06	83		9 मिन	00	00	25
	3 मिन	00	01	26		14 मिन	00	11	38
	27 मिन	00	01	01		15 मिन	00	05	31
	28 मिन	00	02	02		16 मिन	00	09	11
	29 मिन	00	02	78		41//2 मिन	00	00	00
	32 मिन	00	02	28		6 मिन	00	00	51
						7 मिन	00	07	59
मुथगड	19//18 मिन	00	04	05		14 मिन	00	01	01
ह०न० 13	20//10 मिन	00	05	31		41//15 मिन	00	13	66
	11 मिन	00	09	11		16 मिन	00	00	25
	12/1 मिन	00	06	58		26 मिन	00	05	06
	12/2 मिन	00	00	25		42//11 मिन	00	01	77
	18 मिन	00	09	36		19 मिन	00	01	52
	19 मिन	00	05	57		20 मिन	00	12	90
	23 मिन	00	05	06		22 मिन	00	10	88
	24/1 मिन	00	05	06					

1.	2	3	4	5	1	2	3	4	5
खली बाल	23/1 मिन	00	04	05	मियातौं	13 मिन	00	12	65
ह० नं० 17	48//11 मिन	00	10	88	ह० नं० 18	14/1 मिन	00	00	25
	18/2 मिन	00	00	25		16 मिन	00	00	76
	19/1 मिन	00	01	01		17 मिन	00	14	17
	19/2 मिन	00	11	64		18 मिन	00	01	77
	20 मिन	00	03	04		24 मिन	00	00	25
	22/1 मिन	00	01	52		25 मिन	00	13	66
	23/1 मिन	00	03	29		41//5/1 मिन	00	04	05
	23/2 मिन	00	10	88		5/2 मिन	00	00	25
	24 मिन	00	01	52		53//15 मिन	00	00	00
	49//3/1 मिन	00	01	52		54//1 मिन	00	12	14
	3/2 मिन	00	08	10		2 मिन	00	04	30
	4 मिन	00	06	83		8 मिन	00	06	58
	6 मिन	00	07	84		9 मिन	00	09	87
	7 मिन	00	07	34		13 मिन	00	07	84
	15 मिन	00	05	57		14 मिन	00	08	60
	26 मिन	00	01	52		16 मिन	00	06	32
	57//3 मिन	00	00	25		17 मिन	00	05	82
	4 मिन	00	12	65		95 मिन	00	23	52
	5 मिन	00	03	29		98 मिन	00	02	28
	6 मिन	00	07	34		100 मिन	00	14	67
	91 मिन	00	01	52		101 मिन	00	11	38
	94 मिन	00	02	28		103 मिन	00	02	02
	95 मिन	00	02	28		109 मिन	00	07	08
	101 मिन	00	04	03		127 मिन	00	00	25
	107 मिन	00	12	40		128 मिन	00	00	51
	108 मिन	00	03	54		131 मिन	00	01	77
	247 मिन	00	01	01		132 मिन	00	05	31
मियाती	11//23 मिन	00	05	31		133 मिन	00	04	05
ह० नं० 18	24/2 मिन	00	00	25		134 मिन	00	00	00
	24/3 मिन	00	03	29		189 मिन	00	01	36
	25//10/2 मिन	00	04	55		207 मिन	00	00	76
	10/3 मिन	00	02	78	चोतां	28//20 मिन	00	07	84
	10/4 मिन	00	00	76	ह० नं० 26	21 मिन	00	04	30
	11 मिन	00	06	83		22/ मिन	00	11	13
	12/1 मिन	00	08	85		29//7/1 मिन	00	01	77
	12//2 मिन	00	00	25		7/2 मिन	00	03	29
	18 मिन	00	00	51		8 मिन	00	07	34
	19/1 मिन	00	02	78		14/1 मिन	00	00	25
	19/2 मिन	00	01	01		14/2 मिन	00	09	11
	26/4/1 मिन	00	06	58		15 मिन	00	06	58
	4/3 मिन	00	04	30		16 मिन	00	06	58
	5 मिन	00	05	57		32//2 मिन	00	03	04
	6 मिन	00	08	35		3 मिन	00	13	41
	32//12 मिन	00	05	06		4 मिन	00	02	53
	13 मिन	00	03	54		6 मिन	00	00	00
	17 मिन	00	05	31		7 मिन	00	06	07
	18 मिन	00	10	88		8 मिन	00	01	52
	24/2 मिन	00	08	85		14 मिन	00	00	25
	25 मिन	00	06	58		15 मिन	00	11	63
	39//21 मिन	00	02	28		33//11 मिन	00	03	04
	40//1 मिन	00	00	76		19 मिन	00	05	06
	9 मिन	00	10	88		20 मिन	00	11	38
	10 मिन	00	08	85		22 मिन	00	09	87
	12 मिन	00	03	04					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
चौला	23 मिन	00	07	08	धोलावाल	2 मिन	00	12	40
ह० न० 26	41//11/1 मिन	00	05	06	ह० न० 31	3 मिन	00	03	04
	11/2 मिन	00	03	79		8 मिन	00	04	81
	12 मिन	00	00	25		143 मिन	00	02	28
	18 मिन	00	00	76		222 मिन	00	01	01
	19 मिन	00	13	66		223 मिन	00	00	76
	20/1 मिन	00	00	51					
	20/3 मिन	00	01	01	कालेवाल	11/9 मिन	00	07	34
	22 मिन	00	00	25	ह० न० 32	12 मिन	00	07	34
	23/1 मिन	00	05	06		13 मिन	00	08	85
	42/3 मिन	00	07	08		17 मिन	00	10	63
	4 मिन	00	09	36		18 मिन	00	05	82
	6 मिन	00	11	38		24 मिन	00	03	54
	7/1 मिन	00	01	01		25 मिन	00	10	37
	7/2 मिन	00	04	81					
	15 मिन	00	03	04	मनेमपुर	8//24/2 मिन	00	06	83
	127 मिन	00	04	05	ह० न० 33	25 मिन	00	03	04
	132 मिन	00	05	31		9//6 मिन	00	02	02
	141 मिन	00	01	01		11//5 मिन	00	11	38
	144 मिन	00	02	53		12/1 मिन	00	04	55
	284 मिन	00	02	02		10/1 मिन	00	01	77
	285 मिन	00	01	01		10/2 मिन	00	06	07
	289 मिन	00	01	01		45 मिन	00	01	52
						54 मिन	00	00	76
धोलो वाल	9//25 मिन	00	01	26					
ह० न० 31	10//21 मिन	00	00	00					
	16//21 मिन	00	07	34					
	17//1 मिन	00	13	66					
	2 मिन	00	00	76					
	8 मिन	00	02	02					
	9 मिन	00	13	66					
	10 मिन	00	00	76					
	12 मिन	00	00	00					
	13 मिन	00	12	40					
	14 मिन	00	03	54					
	16 मिन	00	05	57					
	17 मिन	00	10	88					
	25 मिन	00	08	85					
	18//5 मिन	00	02	02					
	20//11/1 मिन	00	01	26					
	1/3 मिन	00	03	29					
	2 मिन	00	09	11					
	8 मिन	00	10	63					
	9 मिन	00	05	06					
	13 मिन	00	03	04					
	14 मिन	00	12	14					
	15 मिन	00	00	00					
	16/1 मिन	00	02	02					
	16/2 मिन	00	11	13					
	17 मिन	00	02	02					
	25 मिन	00	00	76					
	21//20 मिन	00	00	76					
	21 मिन	00	13	41					
	22/1 मिन	00	00	00					
	22/2 मिन	00	01	01					
	23//1 मिन	00	00	25					

[सं. 8/12020/8/82-Prod.]

एन० एम० गोयल, निवेशक

S.O. 3444.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 2923 dated 24-10-81 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (59 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

AND WHEREAS the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

AND FURTHER the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

AND FURTHER, in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE			1	2	3	4	5
Tehsil : Ludhiana	District : Ludhiana	State : Punjab					
Name of village	Khasra No.	Area	H	A Sq. M.			
1	2	3	4	5			
Harya H. No. 206	2//1 Min	00 09 61		46//25/1 Min	00 00	25	
	2 Min	00 06 32		25/2 Min	00 06	33	
	9//2 Min	00 08 35		25/3 Min	00 03	79	
	8//1 Min	00 03 04	Bhaman Khurd	47//5 Min	00 02	28	
	8//2 Min	00 04 81	H. No. 204	58//1 Min	00 00	06	
	13//1 Min	00 02 02		117 Min	00 04	81	
	13//2 Min	00 05 41		123 Min	00 01	52	
	14 Min	00 07 34		128 Min	00 02	28	
	57 Min	00 00 76		252 Min	00 01	01	
	58 Min	00 00 76		256 Min	00 00	76	
Bhaman Kalan	27//6 Min	00 11 89					
H. No. 205	15 Min	00 00 00	Bhaman Khurd	17//20 Min	00 09	36	
	28//10 Min	00 02 28	H. No. 204	21 Min	00 05	57	
	11 Min	00 12 40		22 Min	00 10	37	
	12 Min	00 04 05		18//3 Min	00 03	54	
	18 Min	00 05 06		7//1 Min	00 01	01	
	19 Min	00 10 12		7//2 Min	00 06	58	
	23 Min	00 07 84		8 Min	00 03	10	
	24 Min	00 08 35		14//1 Min	00 00	51	
	34//9 Min	00 00 00		14//2 Min	00 06	58	
	10 Min	00 10 37		15 Min	00 08	35	
	11 Min	00 02 28		16//1 Min	00 06	07	
	12 Min	00 13 41		16//2 Min	00 00	51	
	34//13 Min	00 00 51		20//2 Min	00 04	30	
	17 Min	00 01 52		3//1 Min	00 05	82	
	18 Min	00 13 66		3//2 Min	00 05	31	
	19 Min	00 01 01		7//1 Min	00 05	32	
	23 Min	00 00 25		7//2 Min	00 05	57	
	24 Min	00 12 90		8//1 Min	00 03	54	
	25 Min	00 02 53		14 Min	00 03	04	
	35//4 Min	00 06 07		15 Min	00 11	89	
	3 Min	00 10 37		16 Min	00 01	01	
	6 Min	00 04 05		21//11 Min	00 00	00	
	39//5 Min	00 11 89		19 Min	00 00	51	
	40//1 Min	00 04 05		20//1 Min	00 03	79	
	9 Min	00 06 07		20//2 Min	00 09	61	
	10 Min	00 10 12		21 Min	00 00	25	
	12 Min	00 08 35		22 Min	00 12	90	
	13 Min	00 09 87		23 Min	00 01	52	
	17 Min	00 08 35		23//11 Min	00 07	34	
	18 Min	00 00 25		19 Min	00 09	87	
	24 Min	00 04 81		20 Min	00 06	58	
	25 Min	00 11 89		22 Min	00 04	30	
	43//21 Min	00 04 30		23 Min	00 12	40	
	46//1 Min	00 12 90		24 Min	00 00	00	
	2 Min	00 00 25		24//2 Min	00 00	25	
	8 Min	00 00 76		3 Min	00 12	90	
	9//1 Min	00 06 58		4 Min	00 03	54	
	9//2 Min	00 06 58		6 Min	00 05	31	
	10 Min	00 01 52		7 Min	00 11	38	
	12 Min	00 00 76		15 Min	00 08	60	
	13 Min	00 13 66		28//3 Min	00 02	28	
	14 Min	00 00 00		4 Min	00 14	67	
	16//1 Min	00 01 01		7 Min	00 02	53	
	16//2 Min	00 04 05		75 Min	00 01	77	
	17 Min	00 11 89		98 Min	00 01	77	
	18 Min	00 09 25		131 Min	00 01	77	
			Gehlewal H. No. 14	3//21 Min	00 01	77	
				4//13 Min	00 10	37	
				14 Min	00 00	25	
				16 Min	00 00	76	
				17 Min	00 13	66	
				4//18 Min	00 01	52	
				24 Min	00 00	76	
				25 Min	00 14	67	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
	7/5 Min	00	00	25		21 Min	0?	06	83	
	8/1 Min	00	09	11		22 Min	00	04	30	
	2 Min	00	06	07		37/1 Min	00	01	52	
	8 Min	00	06	07		2 Min	00	13	66	
	9/1 Min	00	07	08		3 Min	00	01	26	
	9/2 Min	00	04	52		7 Min	00	03	04	
	13/1 Min	00	01	01		8 Min	00	12	90	
	13/2 Min	00	06	58		9 Min	00	00	25	
	14 Min	00	09	87		14 Min	00	11	38	
	16/1 Min	00	09	36		15 Min	00	05	31	
	16/2 Min	00	04	21		16 Min	00	09	11	
	17/1 Min	00	03	29		41/2 Min	00	00	00	
	25/1 Min	00	00	51		6 Min	00	00	51	
	27 Min	00	00	76		7 Min	00	07	59	
	9/20 Min	00	01	52		14 Min	00	01	01	
	21/1 Min	00	07	59		41/15 Min	00	13	66	
	21/2 Min	00	04	05		16 Min	00	00	25	
	22/1 Min	00	04	81		26 Min	00	05	06	
	10/2 Min	00	06	83		41/11 Min	00	01	77	
	3 Min	00	01	26		19 Min	00	01	52	
	27 Min	00	01	01		20 Min	00	12	90	
	28 Min	00	02	02		22 Min	00	10	88	
	29 Min	00	02	78		23/1 Min	00	04	05	
	32 Min	00	02	28		48/11 Min	00	10	88	
	Boothgarh H.No. 13	19/16 Min	00	04	05		18/2 Min	00	00	25
		201/10 Min	00	05	31		19/1 Min	00	01	01
		11 Min	00	09	11		19/2 Min	00	11	64
		12/1 Min	00	06	58		20 Min	00	03	04
		12/2 Min	00	00	25		22/1 Min	00	01	52
		18 Min	00	09	36		23/1 Min	00	03	29
		19 Min	00	05	57		23/2 Min	00	10	88
		23 Min	00	05	06		24 Min	00	01	52
		24/1 Min	00	05	06		49/3/1 Min	00	01	52
		24/2 Min	00	05	82		3/2 Min	00	08	10
		26/1 Min	00	00	25		4 Min	00	06	83
		9/2 Min	00	00	76		6 Min	00	07	84
		10/1 Min	00	03	04		7 Min	00	07	34
		10/2 Min	00	11	13		15 Min	00	05	57
		11/1 Min	00	00	25		26 Min	00	01	52
		12/1 Min	00	00	76		57/3 Min	00	00	25
		12/2 Min	00	12	65		4 Min	00	12	65
		13 Min	00	03	04		5 Min	00	03	29
		17/1 Min	00	01	26		6 Min	00	07	34
		17/2 Min	00	03	54		91 Min	00	01	52
		18 Min	00	11	38		94 Min	00	02	28
		24 Min	00	09	36		95 Min	00	02	28
		25 Min	00	07	08		101 Min	00	04	05
		27/4 Min	00	03	29		107 Min	00	12	40
		5/1 Min	00	06	58		108 Min	00	03	54
		5/2 Min	00	06	32		247 Min	00	01	01
		6 Min	00	01	52	MIANI H. No. 18	11/23 Min	00	05	31
		31/5 Min	00	07	08		24/2 Min	00	00	25
		32/1/1 Min	00	02	28		24/3 Min	00	03	29
		1/2 Min	00	07	59		25/10/2 Min	00	04	55
		9 Min	00	09	61		10/3 Min	00	02	78
		10 Min	00	04	81		10/4 Min	00	00	76
		37 Min	00	07	84		11 Min	00	06	83
		149 Min	00	01	26		12/1 Min	00	08	85
		150 Min	00	00	76		12/2 Min	00	00	25
		156 Min	00	00	76		18 Min	00	00	51
Baliwal H. No. 17	26/16 Min	00	04	05	19/1 Min	00	02	78		
	25 Min	00	03	29	19/2 Min	00	01	01		
	27/21 Min	00	13	41	26/4/1 Min	00	06	58		
	22 Min	00	00	25	4/3 Min	00	04	30		
	36/20 Min	00	07	34	5 Min	00	05	57		
					6 Min	00	08	35		

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	32/12 Min	00	05	06		22 Min	00	09	87
	13 Min	00	03	54		23 Min	00	07	08
	17 Min	00	05	31		41/11/1 Min	00	05	06
	18 Min	00	10	88		11/2 Min	00	03	79
	24/2 Min	00	08	85		12 Min	00	00	25
	25 Min	00	06	58		18 Min	00	00	76
	39/21 Min	00	02	28		19 Min	00	13	66
	40/1 Min	00	00	76		20/1 Min	00	00	51
	9 Min	00	10	88		20/3 Min	00	01	01
	10 Min	00	08	85		22 Min	00	00	25
	12 Min	00	03	04		23/1 Min	00	05	06
	13 Min	00	12	65		42/3 Min	00	07	08
	14/1 Min	00	00	25		4 Min	00	09	36
	16 Min	00	00	76		6 Min	00	11	38
	17 Min	00	14	17		7/1 Min	00	01	01
	18 Min	00	01	77		7/2 Min	00	04	81
	24 Min	00	00	25		15 Min	00	03	04
	25 Min	00	13	66		127 Min	00	04	05
	14/5/1 Min	00	04	05		132 Min	00	05	31
	5/2 Min	00	00	25		141 Min	00	01	01
	53/5 Min	00	00	00		144 Min	00	02	53
	54/1 Min	00	12	14		284 Min	00	02	02
	2 Min	00	04	30		285 Min	00	01	01
	8 Min	00	06	58		289 Min	00	01	01
	9 Min	00	09	87					
	13 Min	00	07	84	Dholanwal	9/25 Min	00	01	26
	14 Min	00	08	60	H. No. 31	10/21 Min	00	00	00
	16 Min	00	06	32		16/21 Min	00	07	34
	17 Min	00	05	82		17/1 Min	00	13	66
	95 Min	00	23	52		2 Min	00	00	76
	98 Min	00	02	28		8 Min	00	02	02
	100 Min	00	14	67		9 Min	00	13	66
	101 Min	00	11	38		10 Min	00	00	76
	103 Min	00	02	02		12 Min	00	00	00
	109 Min	00	07	08		13 Min	00	12	40
	127 Min	00	00	25		14 Min	00	03	54
	128 Min	00	00	51		16 Min	00	05	57
	131 Min	00	01	77		17 Min	00	10	88
	132 Min	00	05	31		25 Min	00	08	85
	133 Min	00	04	05		18/5 Min	00	02	02
	134 Min	00	00	00		20/1/1 Min	00	01	26
	189 Min	00	01	26		1/3 Min	00	03	29
	207 Min	00	00	76		2 Min	00	09	11
						8 Min	00	10	63
						9 Min	00	05	06
Chaunta H. No. 26	28/20 Min	00	07	84		13 Min	00	03	04
	21 Min	00	04	30		14 Min	00	12	14
	22 Min	00	11	13		15 Min	00	00	00
	29/7/1 Min	00	01	77		16/1 Min	00	02	02
	7/2 Min	00	03	29		16/2 Min	00	11	13
	8 Min	00	07	34		17 Min	00	02	02
	14/1 Min	00	00	25		25 Min	00	00	76
	14/2 Min	00	09	11		21/20 Min	00	00	76
	15 Min	00	06	58		21 Min	00	13	41
	16 Min	00	06	58		22/1	00	00	00
	32/2 Min	00	03	04		22/2 Min	00	01	01
	3 Min	00	13	41		23/1 Min	00	00	25
	4 Min	00	02	53		2 Min	00	12	40
	6 Min	00	00	00		3 Min	00	03	04
	7 Min	00	06	07		8 Min	00	04	81
	8 Min	00	01	52	Dholanwal	143 Min	00	02	28
	14 Min	00	00	25	H. No. 31	222 Min	00	01	01
	15 Min	00	11	63	Kalewal	223 Min	00	00	76
	33/11 Min	00	03	04	H. No. 32	11/19 Min	00	07	34
	19 Min	00	05	06		12 Min	00	07	34
	20 Min	00	11	38		13 Min	00	08	58

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	17 Min	00	10	63		12/1 Min	00	04	55
	18 Min	00	05	82		10/1 Min	00	01	77
	24 Min	00	03	54		10/2 Min	00	06	07
	25 Min	00	10	37		45 Min	00	01	52
Salempur	8/24/2 Min	00	06	83		54 Min	00	00	76
H. No. 33	25 Min	00	03	04					
	9/6 Min	00	02	02					
	11/5 Min	00	11	38					

[No. 8/12020/8/82—Prod]

L. M. GOEL, Director

नागरिक पूर्ति भवनालय

भारतीय भागक संस्था

नई दिल्ली, 1982-09-08

का० आ० 3445.—ममय ममय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित विहन) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन छपानवे लाईसेंसों के बारे विए गए हैं, उनका फरवरी 1982 में नवीनीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम में लाईसेंस मंड्या प्रीर नियि	वैधता की से	प्रबधि तक	लाईसेंस धारी का नाम व पता	लाईसेंस के अधीन वस्तु / प्रक्रिया और तत्त्वज्ञानी भारतीय मानक : पदनाम	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सीएम/एल-8365 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	अमृतीय इंडस्ट्रीज, अपोलो हाउस अक्तिनगर, अर्ब, एक सिलिंडर, चार स्ट्रोक, जल स्टेन रोड, मुक्ति राजकोट- 360002 (गुजरात)	शीतितीजल इंजन, निम्नलिखित धमता का निर्धारण गति	5.88 किवा(हापा) 850 भार पी एम गवर्निंग 850 भार पी एम विशेष इंधन वापत टाइप सॉडम
2. सीएम/एल-8366 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	जीप इंडस्ट्रीज मिकीकेट लि०, 28 साउथ रोड, इलाहाबाद	द्राइंगिस्टर रेडियों रिसीवर के लिये सूखी बैटरी, भार 20,— IS- : 2576-1975	श्रेणी बी 309 किमा०/किवा०/ बंटा (227 ग्रा/ बीएचपी/ बंटा) — IS : 1601-1960
3. सीएम/एल-8367 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	जीप इंडस्ट्रीज मिकीकेट लि०, 28 साउथ रोड, इलाहाबाद	दाढ़ मस्ती के लिये सूखी बैटरी, भार-20, IS : 203-1972	
4. सीएम/एल-8368 1980-02-15	80-03-01	81-02-28	म्यू जय किमान इंडस्ट्रीज, चिल्ली रोड, इंदौर मेरठ-250002	एक सिलिंडर चार स्ट्रोक, जल शीतित बैजल इंजन, निम्नलिखित धमता का निर्धारण गति	5.88 किवा (8हापा) 850 भार पी एम फिस्म गवर्निंग 850 भार पर धोयित एसएफसी
					ऊर्जाविद्र श्रेणी बी 198 ग्रा/बी एच पी/ बंटा (269.4 ग्रा/ किवा / बंटा)
					IS: 1601-1960

1	2	3	4	5	6
5.	सीएम/एल-8369 1980-02-02	80-03-01 81-02-28	आरनी मिनर्नज (पेस्टीमाईडज विभाग) 15/7 मथुरा रोड, फरीदाबाद हरियाणा	डाईब्लॉरेक्स पायमनीय माद्र इव-- IS : 5277-1978	
6.	सीएम/एल-8370 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	कोणल इंडस्ट्रीज, 325 / 326 मेटल भोल्डर्ज रक्षनचाप मापी, पारेवार किस्म । मापक्रम कम्प्यूटर, बाड़ी लाल बर्फ कारखाने के निकट, दूधेश्वर रोड, प्रहसनवाद, (गुजरात) (कार्यालय. ई-6 माधवगुग बाजार, शाहीबाग रोड, अत्तमदाबाद-38004)	0-300 मिमी (40.0 किलोग्रामी) पारे का, सुबाल्य -- IS. 3390-1977	
7.	सीएम/एल-8371 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	रजनीकांत गतिलाल एंड कॉ. अम्बिका रोड, रेलवे मालगाड़ाम अके मामने, मोरवी (गुजरात) (कार्यालय. नेहरू रोड, पो. बा० 43, मोरवी -363341)	18 निटर के बर्गाकार टिन-- IS 916-1975	
8.	सीएम/एल-8372 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	वेक्सायन्ज 8 भड़ौज सहकारी इंडस्ट्रीयल इस्टेट गाड़ मार्ग न०-8 भड़ौच-392002 (गुजरात)	पैराकिन मोम, किस्म 3-- IS: 4654-1974	
9.	सीएम/एल-8373 1980-03-20	80-02-01 81-02-28	मुपर इंडस्ट्रीज मी-1/289, जीप्राइजीमी इस्टेट नरोडा प्रहसनवाद	डीडीटी धूलन चूर्ण-- IS: 564-1975	
10.	सीएम/एल-8374 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	दि रबड़ प्राइडक्स प्रा० लि०, मी-44, रोड न० 28, अगले इंडस्ट्रीयल स्टेट थाने 400604 (महाराष्ट्र)	विजली उपयोग के निए रबड़ की चटाई IS 5424-1969	
11.	सीएम/एल-8375 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	प्रनिल पैट्रोलियम केम० इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू-61 प्रभाईडडीसी०, चू एम ब्लैक, भोरसारी, पुना-411026 (महाराष्ट्र), (कार्यालय 1590 शुक्रवार वेह 411002)	पैराकीन मोम, किस्म 3-- IS: 4654-1974	
12.	सीएम/एल-8376 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	नरी स्टील बर्स प्रा० लि०, 69/2, दुमकुर रोड, यशवन्तपुर, बंगलोर-560022) (कार्यालय 35 संतप्ता लेन, बंगलोर 560002)	संस्करा इस्पात (मानक किस्म)-- IS 226-1975	
13.	सीएम/एल-8377 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	ईग्ल पेन्ट्स ए४ पिंगमेंट इंडस्ट्रीज, प्रा० लि०, इलाहाबाद-मिर्जापुर, रोड रामपुर, गांव बिप्रोहारा, तहसील करचना, जिला इलाहाबाद (उ०प्र०) (कार्यालय 16 वी नाशकंद मार्ग, मिलिल लाईन्ज, इलाहाबाद)	ईमल, अंतरंग अन्डरकोर्टिंग फिनिशिंग-- IS 133-1975	
14.	सीएम/एल-8378 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	"	ब्लैक जापान, किस्म ए-- IS 341-1973	
15.	सीएम/एल-8379 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	महाजन आयरन फारंडरी, बिल्लोचपुरा रेलवे स्टेशन प्रागरा-282002 (उ०प्र०)	कृषि उद्योग में स्वच्छ, ठडे ताजे पानी के लिए लेटिज अपकेन्द्री पम्प: माप: 100/75 मिमी : गति : 1500 लक्कर प्रति मिनट ड्यूटी पायम्प: है० 15.45 मी : निकासी 860 लि० / मिनट : कृश्नगता 58.75% पम्प निर्वात 3.67 : क्षमा IS 6595-1972	
16.	सीएम/एल-8380 1980-02-20	80-03-01 81-02-28	प्रटक पैट्रोलियम कारपोरेशन लाला नाला, शाहवरा, आगरा-कानपुर रोड, आगरा-282006 (उ०प्र०)	पैराकिन मोम, किस्म 3-- IS: 4654-1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17 सीएम/पल- 8381 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	राविंद्र सैकर्णन एड क० लि०, 167, देश- प्रगति समन्वय राड, टाईगर लैंग कलकत्ता- 700033 (कार्यालय 27 भी केसे क्लीट, कलकत्ता 700016)	प्रगति समन्वय उपयोग के लिए ड्रेलर पम्प, 1800 लि/मिनट-- IS 944—1966	
18 सीएम/पल- 8382 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	टैक्निका (इण्डिया), 57 ए बी० ट० राड, मुम्बाई रसायन प्रगति समन्वय, जल किस्म का बलकला-700002 (कार्यालय 3 बिपिन बिहारी गग्नी फॉर्मट कलकत्ता-700012)	(गैस दबाव) -- IS 940—1976	
19 सीएम/पल- 8383 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	काणक जूट लि० धनमण्डल 754024 जिला कटक (उडीसा)	बी० ट्रिवल पटसन बारे-- IS 2566—1965	
20 सीएम/पल- 8384 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	बड़नगर जूट फैक्टरी क० लि० 284 महाराजा नन्द कुमार रोड, ग्राम बाजार, कलकत्ता 700035 (कार्यालय-कलाइव रा कलकत्ता 700001)	ए-ट्रिवल परसन के बारे-- IS 1943—1964	
21 सीएम/पल- 8385 1980-02-20	79-12-01	80-11-30		भारी सी पटसन के बारे और भारी सी कपड़ा -- IS 2874—1964 और IS 3751— 1966	
22 सीएम/पल- 8386 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	पटसन बारे का कपड़ा--	मनाज के पटसन के बारे और मनाज पटसन बारे का कपड़ा-- IS 2875—1964 और IS 3750— 1966	
23 सीएम/पल- 8387 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	बड़नगर जूट फैक्टरी क० लि०, 284, महा राजा नन्द कुमार रोड, ग्राम बाजार, बलकला-700035 (कार्यालय 1 कलाइव रोड, कलकत्ता 700001)	एल-ट्रिवल बारे और एल ट्रिवल कपड़ा-- IS 3794—1966 और IS 3688— 1966	
24 सीएम/पल- 8388 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	श्री हनुमान जूट मिल्ज, 26 जै० एन० मुखर्जी रोड, डाकखाना-धूमुरी हावड़ा-711107 (प०ब०) (कार्यालय 36 और्जी रोड, कलकत्ता 700016)	ए-ट्रिवल पटसन के बारे-- IS 1943—1964	
25 सीएम/पल- 8389 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	माइक्रोबेक इण्डिया, प्रमदा नवन नामापाडा आगरोड बाइलेन शाम नगर (जिला 24 परगना) (प० ब०)	बैबल हरे चमे के लिए गाइजावियम टी के-- IS 8268—1976	
26 सीएम/पल- 8390 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	वैक्टेश्वर पेस्टीसाइज ८०८८ एलाइट कैमिकल्ज एडेसल्फान पायमनीय सोइ-द्रव-- प्रा० लि०, यूनिट ४५ और ६ भी टाइप इडियल इस्टेट महाराष्ट्र नगर-509002 (भा० प्रदेश) (कार्यालय 36220 हिमा- यत नगर हैदराबाद-500029)	IS 4223—1967	
27 सीएम/पल- 8391 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	फिनीसन जूट मिल्ज क० लि०, टीटागढ़ ए-ट्रिवल परसन के बारे-- 743188 (जिला 24 परगना (प०ब०))	IS 1943—1964	
28 सीएम/पल- 8392 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	"	भारी सी पटसन के बारे-- IS 2874—1964	
29 सीएम/पल- 8393 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	कारी ब्राउंस्टेनलैम स्टील फैक्टरी 42/6 मद्रास राड मेलाकावैरी डाकखाना कुम्ह- काणम- 612002 (कार्यालय कुम्हेश्वरन मश्विध कुम्हकोणम)	पौराणिक लले के स्टेनलैस इस्पात के रसाई के बर्तन, तांबा विद्युत डिपोजिटेड, ग्रेह भारी और हल्का-- IS 4536—(भाग I)—1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
30. सीएम/एल—8394 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	भारत बांधिंग का० 88 एनकामराज रोड, तिष्ठपुर-638601 (त०ना०)	सारी युनी सूरी बनियान, किस्म गोल गले वाली और गोल गले बाहरी बाली भाष : 75 से 100 मिमी गेज 24— IS : 4964 (भाग II)—1975	" "
31. सीएम/एल-8395 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	स्मालों होजियरीज, 4/15 बालीपलयम मेन रोड, तिष्ठपुर-638601 (त०ना०)	" "	
32. सीए /एल—8396 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	बिवाबाला केबलज एण्ड कंडकरदं ग्रा० लि०, 6 दंसपुकुर फर्ट लेन, कलकत्ता-700007	एलुमिनियम लहवार चालक और नस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक— IS : 398 (भाग I और II)—1976	
33. सीएम/एल-8397 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	वी साउथ इंडिया स्टील एंड स्टाइल इंडस्ट्रीज, 110/ए-नद-दमगलम मेन रोड, पोस्ट बॉक्स 207 सेलम—636002	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
34. सीएम/एल-8398 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	दक्षन बाधर्ज लि०, बोम्मनहल्ली, मादीबाला, पो बॉलंगलौर-560068	पूर्व प्रबलित कंजीठ के लिये समतल कठोर छिंचा इस्पात तार भाग I शीत छिंचा तनाव-मुक्त तार— IS : 1785 (भाग I)—1966	
35. सीएम/एल—8399 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	कलिंग ट्रूबज लि०, चौदार, जिला कटक (उड़ीसा)	संरचना काय के लिए इस्पात नलिया भेड़ : बाईपस्टी 210 श्रेणी : मध्यम भाष : 150 मिमी तक एन बी— IS : 1161—1979	
36. सीएम/एल-8400 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	सेफेक्स फायर सर्विसेज, 202 ए-धनराज इंडस्ट्रीजल इस्टेट सन मिल रोड, लोप्रर पूरेल (पश्चिम), बम्बई-400013	सुधार्य केमिकल इन्जिनियरिंग, फोम किस्म का 9 लिटर समता का— IS : 933—1976	
37. सीएम/एल-8401 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	सदर्ने इसेकिट्साइज एण्ड फॉटोइजर्स, 1ए/2, इंडस्ट्रीजल इस्टेट बम्बाई, बम्बास-600098	कार्बोरिल धूलन चूर्ण— IS : 7122—1973	
38. सीएम/एल-8402 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	हरियाणा पेस्टीसाइज्ज, 12 इंडस्ट्रीजल इस्टेट, बम्बाला शहर (हरियाणा)	मैलाराथियॉन पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 2567—1978	
39. सीएम/एल-8403 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	" "	ईडीटी पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 633—1975	
40. सीएम/एल-8404 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	" "	डाइमिथोएट पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 3903—1975	
41. सीएम/एल-8405 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	बैंडेलवाल बैन्युफैक्टरिंग कार्पोरेशन प्रा० लि० संरचना कार्य के लिए इस्पात नलियां भ्रेड : बैंडेलवाल नगर, भांडुप, बम्बई-400078	वाई एस टी 210 भाष : 15 से 50 मिमी तक श्रेणी : हल्की— IS : 1161—1968	
42. सीएम/एल-8406 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	श्री महाबीर स्टील रिगोलिंग मिल्ज, कदम संरचना के लिए इस्पात (मानक किस्म) कुम्हां, पटना-800007	वाई एस टी 210 भाष : 15 से 50 मिमी तक श्रेणी : हल्की— IS : 226—1975	
43. सीएम/एल-8407 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	" "	संरचना के लिए इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
44. सीएम/एल-8408 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	नफरचंक जूट मिल्ज लि०, भूतनाथ काले ए-ट्रिक्स परसन के बोरे— रोड, याकोबाना कांकीनाडा-743126 जिला 24 परामा (प्र० ब०) (कार्यालय : 2 कपूर लेन, कलकत्ता-700001)	IS : 1943—1964	
45. सीएम/एल-8409 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	" "	भारी सी पदसन के बोरे— IS : 8028—1976	
46. सीएम/एल-8410 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	एप्रो इम्प्रूट्स प्रा० लि०, कुमारपद्म डाक-581123 कवलेतु गांव, रानीबेनूर ताल्लुक जिला सुष्ठाराड़, हरिहररेलवे स्टेशन के निकट (फार्टिंग) (कार्यालय : 87, 111 मेन रोड, न्यू तरगुपेट, बंगलौर-560002)	किवनालकौस पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 8028—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47. सीएम/एल-8411 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	"	"	कार्बोरिल धूलत चूर्ण-- IS : 7122-- 1973
48. सीएम/एल-8412 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	"	"	डीडीटी धूलत चूर्ण-- IS : 564-- 1975
49. सीएम/एल-8413 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	प्राइविल इंजिनियरेज, 37 जी म्युमिपल सार्वी बुनी सूती बनियान, आफिस स्टॉट, नियुर-638604 (त०ना०) किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो बाली माप 75 से 100 सेमी० गेज 24-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975		
50. सीएम/एल-8414 1980-02-27	80-03-15	81-03-15	जिम्मी निटस, 9 रमेया कॉम्पोनी, अबनारी रोड, नियुर-638602 (त०ना०)	सार्वी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो बाली माप 75 से 100 सेमी० गेज 26 और 24-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975	
51. सीएम/एल-8415 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	दोपक टैक्सटाइल्स, 1(7), लक्ष्मीनगर, 50 फीट रोड, नियुर-638602 (त०ना०)	सार्वी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो बाली माप 75 से 100 सेमी० गेज 24-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975	
52. सीएम/एल-8416 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	राम एंब्रो केमिकल इंस्टर्ट्यूशन प्रा० लि०, 103 कॉपर मल्फेट, तकनीकी जी० एन० टी० रोड पोलल, मद्रास- 600066 (त० ना०)	सार्वी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो बाली माप 75 से 100 सेमी० गेज 24-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975	
53. सीएम/एल-8417 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	डॅल्यू सी होटिल्यरी, 11 ए, आजाद स्ट्रीट नियुर- 638601 (त०ना०)	सार्वी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो बाली माप 75 से 100 सेमी० गेज 24-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975	
54. सीएम/एल-8418 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	दि मिल्क होटिल्यरी मिल्ज, 3 ए, पा० एन० रोड, नियुर-638602	सार्वी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो बाली माप 75 से 100 सेमी० गेज 24-- IS : 4964 (भाग II)-- 1975	
55. सीएम/एल-8419 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	ऋषि आयरल एड स्टील इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल संरचना इस्पात (मानक किस्म) इस्टेट बिलासपुर (म०प्र०)	226-- 1975	
56. सीएम/एल-8420 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	कार्टिनेटल रिफ्लेक्टर, सेक्टर 6, एलाट न० 9 फैराफिन मोब, किस्म 3-- एफ०, कर्गिदारा० (हरियाणा)	IS : 4654-- 1974	
57. सीएम/एल-8421 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	जे एस ब्रा०, एप्ट कं 19 बा० मी० जी० टी० रोड, रसोई, सोनीपत (हरियाणा)	,,	
58. सीएम/एल-8422 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	प्रताप गांधीनाथ स्पेशल स्टील लिंग, रोड न० 6, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, जयपुर-302013	परसदार कमानी बनाने के लिये हम्मात इगट बौर बिलेट-- IS : 8054-- 1970	
59. सीएम/एल-8423 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	ईगल स्टील्स, मी० 24, ए० म० आई० डी० सी० २४ इंडियन एरिया, तांतोला, जिला कोलाहा कार्यालय ४५ हंसराज दामोदर द्रेस्ट बिल्डिंग, 42 कैनेटो पुल, बम्बई 400004	मंत्रकना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226-- 1975	
60. सीएम/एल-8424 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	विभल इंट्रोट्रिक क०, एलाट न० 31, 32, 33 विष्टु प्रणाली के लिए बट कैपिटर 3, जी० आई० डी० सी० इंडियन एस्टेट 4, 5 और 6 क० बी० ए० आर० 415 मेहराणा-384002	1S : 2834-- 1964	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
61. सी० एम०/एन० 8425 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	पौवर मणिन्ज एंड टूल्ज, ए १/१३ और ए १/१८, रामनाथपुरी गाँव, यू० पी० बांडर, टेलीफोन पूर्वमंडल के सामने, डाकखाना चिकम्बररुग, गांजियाबाद (उ०प्र०)	एक मिलियन चार सौक बाला जल शैतान डीजल इंजन निम्नलिखित क्षमता का— निकाम गति	
62. सी० एम०/एन० 8426 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	पारिष्व बद्री, १-१-३६/३, मुर्गीदाबाद, हैदराबाद ५०००२० (आ०प्र०), (कार्यालय : ४-३-४६६ बैक स्टूट, सुलतान बाजार, हैदराबाद ५०००१)	चिक्की चौकट के लिए पुट्टी— IS : 419—1969	५.८६ किंवा० (८ हाँ पा०) लागू विशेष इंधन खपत
63. सी० एम०/एन० 8427 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	वाहकिंग इंडस्ट्रीज, यूनिट नं० ७ घीर १२ ए सीटाइप हैंडस्ट्रियल एन्डेट डाकखाना कोयम्ब्रु- तूर-६४१०२१	एक—फैरी छोटी ए०सी० और सर्वधापक बिधुत् मोटर, ७५० वाट तक, ए० श्रेणी रोधन घाली— IS : 996—1964	
64. सी० एम०/एन० 8428 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	श्री अमरवर्ती लिंटिंगश ६ पी० एन० रोड, तिल्पुर-६३८६०२ (त० न०)	मादी बुनी शूटी बनियान, किस्म : गोल गले भौंर गोल गले बाहो बारी माप : ७५ से १०० सें.मी० गोज—२४ IS : 4964 (भाग II)—1975	
65. सी० एम०/एन० 8429 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	मेन्चुरी एनुमिनियम एन्ड प्लैकवर्स क० प्रा० लि०, राजा रोड, डाकखाना मुकाबार, जिला २४ परगना (प०ब०) (कार्यालय : ५८/३ विल्सवी राम विल्सवी बाबू रोड, कलकत्ता-७००००१)	एनुमिनियम मिश्र इंगट प्रेड : ४२२३, ४४२० और ४६०० IS : 617—1975	
66. सी० एम०/एन० 8430 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	रीगल इंडीनियरिंग वर्क्स, ई० ५ भावेंतनगर उड्डा० हैंडस्ट्रियल एस्टेट राजकोट-३६००२ (गुजरात)	एक मनिहर, चार सौक, जल शैतान डीजल इंजन, निम्नलिखित क्षमता की— निकाम गति	
67. सी० एम०/एन० 8431 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	श्री० डी० स्टील कास्टिंगज लि०, ज्वाट म०, कंक्रीट प्रबलन के लिए ठडी बलवार चिक्कन एक० ६.१ म० आई० डी० पी०, हैंडस्ट्रियल इस्पात मरिया— एस्ट्रिया, नारापुर, जिला ठाणे (महाराष्ट्र)	६.८८ किंवा० (८ हाँ पा०) लागू विशेष इंधन	८५० घार० पी० । म०
68. सी० एम०/एन० 8432 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ईस्ट इंडिया इंडस्ट्रियल केमिन्ज क० प्रा० लि०, ११, सेक्टर II, परवानू जिला सोलन, (हिंप्र०)	श्रेणी बी IS : 604—1977	३९० घार०/किंवा०/ घटा/बी० ए०प० पी० घटा)

IS : 1601—1960

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
69. सी० एम०/एन 8433	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ईस्ट इंडिया इंस्ट्रियल केबिल्ज क० प्रा० लि०, 11. मैक्टट-II, परयान, जिला सोलन (हिंप्र०)	1100 बी० तक नाल बोल्टन के लिये भारी अमता के पी० बी० सी० रोधित विद्युत केबिल-- IS : 1554 (भाग 1) -- 1976
70. सी० एम०/एन 8434	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ब्राइट वार्थर्ज निं०, बाटुरोड वाय मध्यमग्राम, 24 परगना (प० ब०), आड-743202 (कार्यालय १/ए, यनानिदा रोड, कलकत्ता-700001)	मामान्य हंजीनियर प्रयोग के लिये मृदुहस्तान तार, निम्नतमिति फिलिं वाले : (ग) तापानुमीतित (बी) तापानुशीतित, स्वच्छ और (सी) असक्तार विचा हुआ IS : 280 -- 1978
71. सी० एम०/एन 8435	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	बीरेत मैन्युफॉर्मरिंग क० (केबिल) प्रा० लि०, 458-460, शम्भुनाथ अहाता जी० टी० रोड, शहदरा, दिल्ली	अवहाहतम सोटर के लिये पी० बी० सी० रोधित वाइडिंगार, केबल किम्म २ रोधित का-- IS : 8783 -- 1978
72. सी० एम०/एन 8436	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ओरिएन्ट केबल इयस्ट्रीज, गंव और डॉकवाला मंडुका, रोहतक, रोड, दिल्ली 110041 (कार्यालय ४-बी/६, सर्वांगा राम श्रस्ताल मार्ग, नई दिल्ली-110060)	1100 बी० तक कार्यकारी बोल्टन के लिये पी० बी० सी० -- रोधित केबल कवचरहित, केबल एलुमिनियम चालक वाले (अटुमह केबल लोडकर) -- IS : 694 -- 1977
73. सी० एम०/एन 8437	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	मुमाष चन्द्र कशुरिया, 55श्री, रामा रोड, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110015	पैगाफिन मीम, किम्म-- 3 IS : 4654 -- 1974
74. सी० एम०/एन-8438	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	विमाका एप्रो केमिकल प्रा० निं० मिडी विशाखा-पटनम-530026 (प्रा० प्र०)	जल्ला समकेट कृषि ग्रेड-- IS : 8249-1976
75. सी० एम०/एन-8439	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	पी०बी०एम० इंडस्ट्रीज, 457/ए, अमराक्षी, हांशेट-583201 (कर्नाटक)	डाइमिथोएट पायगनीय मांद्र द्रव-- IS : 3903-1975
76. सी० एम०/एन-8440	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	कोणिक जुट निं० धनरंडल-754024 जिला-कटक (उडीमा)	डी इन्यु शाटे के बोरे-- IS : 3984-1967
77. सी० एम०/एन-8441	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	तरण टिस्वर कन्नर्न स्टेशन रोड, इसलामपुर पश्चिम दिल्लामपुर उत्तरी बंगाल	चाय पेटी के लाइव्हड तब्बे-- IS : 10 भाग-11 - 1976
78. सी० एम०/एन-8442	1980-02-29	79-12-01	80-11-30	बजबज जूट एन्ड इंडस्ट्रीज, 64, सोलाना आजाद रोड, बज बज-743319 जिला 24 परगना (प० ब०) (कार्यालय १६ए ब्रेबोरे रोड, ९वी मंजिल कलकत्ता-700001)	ए-टिक्स पटवन के बोरे-- IS : 1943-1964
79. सी० एम०/एन-8443	1980-02-29	80-03-16	81-03-15	मिनल उद्योग, 11/2 पिंवारी नगर इन्वॉर-452003 (म० प्र०)	पिटांग एल्यूमिनियम के बत्तें, 1900 ग्रेड के-- IS : 1660 (भाग 1) - 1967
80. सी० एम०/एन-8444	1980-02-29	80-03-15	81-03-15	सूबा हौजरी मिल्ज, 16(8)/7 कोगू नगर, चौथी स्ट्रीट निर्मुख-638602 (तश्वा)	सादी बुनी सूती बनियान, किम्म: गोल गले बाली, गोल गले बाहरी बाली, माप: 75 से 100 मेमी० गेज-- 24 IS : 4964 (भाग 11) - 1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
81 सीएस/एल 8415 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	बैनिय स्टील पाहाड़ एड इंस्ट्रीज लिं. (स्पेशल स्टीलिंग विभाग) खोपौरी, जिला कोलाबा-410203 (कायालिय—मोरीमहल 195 चंचेट ग्रामपाल, बम्बई-400020)	नेल डिव्हो के लिये वालिय और कूनीशा इंग्रज उपाखन के लिए इस्पात निम्नलिखित प्रेष विवरण वाली ए) 98 सी 6 बी) 113 सी 6 सी) 55 ए आई 73 और डी) 60 एम आई 7-- IS 3195-1975		
82 सीएस/एल-8446 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	बी० एस० इंडियनीज एफ-218 विश्वकर्मा इंस्ट्रीज एरिया रोड न० 10 जयपुर सीकर रोड जयपुर-302013 (राजस्थान)	कार्बोग्ल जल विमर्जनीय साद्र चूर्ण-- IS 7121-1973		
83 सीएस/एल-8447 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	गृष्मा केमिकल्ज (प्रा० लि०) बी-144, रोड न०-9, विश्वकर्मा इंस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302013 (राजस्थान) (कायालिय पहाड़ी मजल भुखमण्डा विलिंग, श्री जी की मोरी के सामने, तिपोलिया बाजार जयपुर)	हेटास्लोर घूमन चूर्ण-- IS 6429-1972		
84 सीएस/एल-8448 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	बी० एस० इंडियनीज, एफ-218 विश्वकर्मा इंस्ट्रीयल एरिया रोड न० 10, जयपुर सीकर रोड जयपुर-302013 (राजस्थान)	एलिंग पायमनीय साद्र द्रव-- IS 1307-1973		
85 सीएस/एल-8449 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	अग्रवाल कंपनीज प्रा० लि० जिलग-307027 मिरोही (राजस्थान)	एल्युमिनियम चालक और जल्दीहोत इस्पात प्रबन्धित एल्युमिनियम चालक-- IS 398 (भाग-I और II)-1976		
86 सीएस/एल-8450 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	ईनल स्टीलज, सी-24 एम आई डी सी ई इंडियन एरिया तलोजा (जिला कोलाबा)	सरसता इस्पात (साधारण किस्म) IS 1977-1975		
87 सीएस/एल-8451 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	तलोजा रोलिंग मिलज, प्लाट सभाए-1, एम आई डी सी इंडियन एस्टेट तलोजा (जिला कोलाबा) (कायालिय 402-ए, पुनम चैम्पस, ठां एनी बगल रोड बोर्डी बम्बई-400018)	कफीट प्रबलन के लिये शीत बलदार विकृत इस्पात सरिया 6मिमी से 32 मिमी-- IS 1786-1966		
88 सीएस/एल-8452 1980-02-29	80-03-18 81-03-15	कुमार ग्र०-रोलिंगज मधुबल डाकखाना एरिया केफेन जिला सुजफकरपुर (विहार)	कफीट प्रबलन के लिये शीत बलदार विकृत इस्पात सरिया-- IS 1786-1966		
89 सीएस/एल-8453 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	टाटा कैमिकल लि० सीठापुर श्रीबामडल (गुजरात)	सॉलियम ब्रोमाइड फोटोग्राफी प्रेष-- IS 5380-1969		
90 सीएस/एल-8454 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	कीन ऐन्टीसाइज प्रा० लि० सी-1/412, जी आई डी सी प्रकाशन इंडियन एस्टेट ग्रामपाल-393002 (गुजरात)	डीडीटी पायमनीय साद्र द्रव-- IS 633-1975		
91. सीएस/एल-8455 1980-02-29	80-03-16 81-03-15	"	मेलाधियान पायमनीय साद्र द्रव-- IS 2567-3978		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
92. सीएम/एल-8456 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	कर्मालियम्ज. प्रा० लि०, तिरुनीरमल लोड, कोमरेट मद्रास		मरीनी तेल मध्यम भारी प्रेडः और स्ट्रिंगल तेल अधिक हल्का प्रेड— IS : 493-1958
93. सीएम/एल-8457 1880-02-29	80-03-16	81-03-15	"		मिनरल तेल किल्प का हाइड्रोग्निक सेल प्रेड 2 IS : 3098-1975
94. सीएम/एल-8458 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, 1325/43, शिवाजी उद्याम नगर कोल्हापुर-416001 (महाराष्ट्र)		तीन फेजी स्ट्रिंगल केज प्रेरण मोड़ 1 हावि उद्योग में प्रकल्पी पम्प के लिए 2.2 किला वी, शेणी इ रोधम बाली IS : 7438-1975
95. सीएम/एल-8459 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	पायरोफलेक्स हैंडस्ट्रीज 11 सिद्धपुरा इंजस्ट्रीयन एस्टेट एस वी रोड, गोरेगाव (परिवर्त) बम्बई-400062		1100 वी तक कार्यकारी बोल्टा तक पीढ़ीसी रोधित (भारी अमता के) विद्युत केबल— IS : 1554 (भाग 1)-1978
96. सीएम/एल-8460 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	विजय मेटल वर्क्स सेट्स जैल रोड, डाकखाना बहादुर्खुर, भागलपुर (विहार)		उपयोगिता प्रेड वाले स्टेमलेस इलायन के लाने के बर्टन IS : 3424-1966

[स० सी एम डी/13 : 11]

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION
New Delhi, the 1982-09-08**

S.O. 3445.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955 as amended from time to time the Indian Standards Institution hereby notifies that ninety six licences particulars of which are given in the following Schedule have been granted during the month of February 1980 authorising the licensees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl No.	Licence No (CM/L)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the license and the relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	CM/L-8365 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	Amruiya Industries Bhaktinagar Station Road Circle Rajkot 360002 (Gujarat)	Vertical single cylinder four strokes water cooled diesel engines of the following rating: Output 5.88 kW (8HP); Speed 850 RPM; Governing: Class 'B'; Type model SFC : 309g/kW/h (227g/bhp/h)— IS : 1601—1960
2	CM/L-8366 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	Geep Industrials Syndicate Ltd Road, Allahabad, 211001	Dry batteries for transistor, radio receivers; R 20—IS : 2576—1975
3	CM/L-8367 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	—Do—	Dry batteries for flashlights; R 20—IS : 203—1972
4	CM/L-8368 1980-02-15	80-03-01	81-02-28	New Jai Kisan Inds Delhi Road, Eidgah Meerut 250002	Single cylinder four stroke water cooled diesel engine of the following rating
		KW	HP	RPM	Type
		4.79	6.5	1500	Vertical
					Governing Class
					SFC at Full Load declared
					198g/bhp/h (269.4 g/kwh)—IS : 1601— 1960

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5	CM/L-8369 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Artee Minerals (Pesticides Division) 15/7 Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Dichlorvos EC— IS : 5277—1978
6	CM/L-8370 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Kaushal Industries 325/326 Metal Moul- ders Compound, Near Vadi Lal Ice Fac- tory Dudheshwar Road Ahmedabad (Gujarat) (Off: E 6, Madhavpura Market, Shahibagh Road Ahmedabad 380004)	Sphygmomanometers, mercurial, Type 1 with scale range 0-300 (40.0 kN/m) mm of mercury portable— IS 3390—1977
7	CM/L-8371 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Rajnikant Ratnani & Co., Ambika Road, Opp. Railway Goods Shed, Morvi (Guj- arat) (Off: Nehru Gate, P.B. No. 43, Morvi 363341)	18 Litre square tins— IS : 916—1975
8	CM/L-8372 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Waxoils, 8, Bharuch Co op. Indl. Estate National Highway No. 8, Bharuch-392002 (Gujarat)	Paraffin wax Type 3— IS : 4654—1974
9	CM/L-8373 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Super Industries, C 1/289 GIDC Estate Naroda Ahmedabad	DDT Dusting powders— IS : 564—1975
10	CM/L-8374 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	The Rubber Products Pvt Ltd., C 44, Road No. 28 Wagle Indl. Estate, Thane 400604 (Maharashtra)	Rubber mats for electrical purposes— IS : 5424—1969
11	CM/L-8375 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Anil Petro Chem Inds., W 61 MIDC New S Block Bhosari Pune 411026 (Maharashtra) (Off: 1590 Shukrawar Peth, Pune 411002)	Paraffin wax Type 3— IS : 4654—1974
12	CM/L-8376 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	Nandi Stee Works Pvt Ltd 69/2 Tamkur Road Yeswanthpur Bangalore (560022) (Off: 35 Shanthappa Lane Bangalore 560002)	Structural Steel (standard quality)— IS : 226—1975
13	CM/L-8377 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	Eagle Paint & Pigment Inds. Pvt Ltd Allahabad Mirzapur Road, Rampur Village Beohara Tehsil Karchana Dist Allahabad (U.P.) (Off: 16 B Tashkant Marg Civil Lines Allahabad)	Enamel interior undercoating finishing— IS : 133—1975
14	CM/L-8378 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	do	Black japan Type A— IS : 341—1973
15	CM/L-8379 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Mahjan Iron Foundry Billochpura Rly. Station Agra 282002 (U.P.)	Horizontal centrifugal pumps for clear cold/ fresh water for agricultural pur- poses: Size : 100x75 mm; Speed : 1500 RPM; Duty Point: Head 15.45 M; discharge 860 LPM; efficiency 58.75% pump input 3.67 kW — IS : 6595—1972
16	CM/L-8380 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Attock Petroleum Corp. Jharana Nala Sahdara Agra Kanpur Road Agra 282005 (UP)	Paraffin wax Type 3— IS : 4654—1974
17	CM/L-8381 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	Roberts Mclean & Co Ltd. 167 Deshpuran Sismul Road, Tollygunge Calcutta 700033 (Off: 27 B Comic Street Calcutta 700016)	Trailer pump for fire brigade use 1800 Litres/minutes IS 944—1966
18	CM/L-8382 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Technico (India) 57A B.T. Road, Cal- cutta 700002 (Off: 3 Bipin Behari Ganguly Street) Cal- cutta 700012)	Portable chemical fire extinguisher water type (Gas Pressure)— IS : 940—1976
19	CM/L-8383 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Konarak Jute Ltd. Dhamardal 754024 Distt Cuttack (Orissa)	B twill jute bags— IS : 2566—1965

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. CM/L-8384 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	Barnagore Jute Factory Co Ltd. 284 Maharaja Nanda Kumar Road Alam bazar Calcutta 700035 (Off : 4 Clive Row Calcutta 700001).		A-twill jute bags— IS : 1943—1964
21. CM/L-8385 1980-02-20	79-12-10	80-11-30		do	Heavy cee jute bags; and Heavy cee cloth— IS : 2874—1964; and IS : 3751—1966
22. CM/L-8386 1980-02-20	79-12-01	80-11-30		do	Jute corn sacks; and Jute corn sack cloth— IS : 2875—1964; and IS : 3750—1966
23. CM/L-8387 1980-02-20	79-12-01	80-11-30		do	L-twill bags; and L-twill cloth— IS : 3794—1966; and IS : 3668—1966
24. CM/L-8388 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	Shree Hanuman Jute Mills, 76, J.N. Mukherjee Road, P.O. Ghusuri, Howrah-711107 (W.B.) (Off : 36, Chowringhee Road, Calcutta-700016)		A-twill jute bags— IS : 1943—1964
25. CM/L-8389 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Micro BIC India, Promada Bhavan, Noapara, Ogg Road by Lane, Shamnagar, Distt. 24. Parganas (W.B.)		Rhizobium inoculants for green gram only— IS : 8268—1976
26. CM/L-8390 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Venkateswara Pesticides & Allied Chemicals Pvt. Ltd. Units 4, 5 & 6, D Type, Industrial Estate, Mahaboobnagar 509002 (A.P.) (Off : 3-6-220, Himayatnagar, Hyderabad-500029)		Endosulfan EC— IS : 4323—1967
27. CM/L-8391 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	Kinnison Jute Mills Co. Ltd., Tatigarh-743188, Distt. 24 Parganas (W.B.)		A-twill jute bags— IS : 1943—1964
28. CM/L-8392 1980-02-21	79-12-01	80-11-30		-do-	Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964
29. CM/L-8393 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Kali Brand Stainless Steel Factory, 42/6, Madras Road, Melacauvery P.O., Kumbakoram-612002 Off : Kumbeswarar Sannadhi-Kumbakonam-612001)		Composite bottom stainless steel cooking utensils copperselect rodeposited Grade 'Heavy' & 'Light'— IS : 4536 (Pt I)—1968
30. CM/L-8394 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Bharath Binding Co., 88-A, Kamaraj Road, Tirupur-638601 (T.N.)		Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975
31. CM/L-8395 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Swallow Hosiery, 4/15, Valipalayam Main Rd, Tirunpur-638601 (T.N.)		Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975
32. CM/L-8396 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Bindawala Cables & Conductors (P) Ltd., 6, Hanspukur First Lane, Calcutta-700007.		Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Pt I & II)—1976
33. CM/L-8397 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	The South India Steel & Starch Inds., 110/1-A, Nattamangalam Main Road, Nethimedu, Post Box No. 207, Salem-636002.		Structural Steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
34. CM/L-8398 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Deccan Wires Ltd., Bommanahalli, Madivala, P.O. Bangalore-560068		Plain hard drawn steel wire for pre-stressed concrete cold drawn stress relieved wire— IS : 1785 (Pt I)—1966
35. CM/L-8399 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Kalinga Tubes Ltd., Chowdwar, Distt. Cuttack (Orissa)		Steel tubes for structural purposes : Grade Yst 210, Class : Medium and Size : Upto and including 150 mm NB— IS : 1161—1979
36. CM/L-8400 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Safex Fire Services, 202-A, Dhanraj Indl. Estate, Sun Mill Road, Lower Patel (West), Bombay-400013		Portable chemical fire extinguisher, foam type, 9 litre capacity— IS : 933—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. CM/L-8401 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Southern Insecticides & Fertilizers, A-1/2 Industrial Estate, Ambattur, Madras- 600098 (T.N.)	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
38. CM/L-8402 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	Haryana Pesticides, 12, Industrial Estate, Ambala City (Haryana)	Malathion EC— IS : 2567—1978	
39. CM/L-8403 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	-do-	DDT EC— IS : 633—1975	
40. CM/L-8404 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	-do-	Dimethoate EC— IS : 3903—1975	
41. CM/L-8405 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Khandelwal Mfg. Corp. Pvt. Ltd., Khan- delwalgar, Bhandup, Bombay-400078	Steel tubes for structural purposes : Grade : Yst 210 Size : 15 to 50 mm; and Class : 'Light'— IS : 1161—1968	
42. CM/L-8406 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Shree Mahabir Steel Re-Rolling Mills, Agamkuan, Patna-800007	Structural steel (Standard quality)— IS : 226—1975	
43. CM/L-8407 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	-do-	Structural Steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
44. CM/L-8408 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Bhutanath Kolay Road, P.O. Kankinara-743126 Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off : 2, Copper Lane, Calcutta-700001)	A-twill jute bags— IS : 1943—1964	
45. CM/L-8409 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Bhutanath Kolay Road, P.O. Kankinara-743126, Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off : 2, Cooper Lane, Calcutta-700001)	Heavy coo jute bags— IS : 2874—1964	
46. CM/L-8410 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Agro Inputs Pvt. Ltd., Kumarapatnam Post-581123, Kavallettu Village, Ranibennur Taluk, Distt. Dharwar, Near Harihar Rly. Station (Karnataka) (Off : 87, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore-560002)	Quinalphos EC— IS : 8028—1976	
47. CM/L-8411 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	-do-	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
48. CM/L-8412 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	-do-	DDT Dusting powders— IS : 564—1975	
49. CM/L-8413 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Ideal Hosiery, 37-G, Municipal Office Ava- Street Tirupur-638604 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
50. CM/L-8414 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Jimmi Knitters, 9, Ramaiah Colony, Avanashi Road, Tirupur-638602 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge : 26 and 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
51. CM/L 8415 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Deepak Textiles 1(7), Lakshminagar, 50 Feet Road, Tirupur-63860—(T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
52. CM/L-8416 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Ram Agro Chemical Inds. Pvt Ltd., 103, G.N.T. Road, Polal, Madras-600066 (T.N.)	Copper sulphate, technical— IS : 261—1966	
53. CM/L-8417 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Blue Sea Hosiery, 11-A, Azad Street, Tiru- pur-638601 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size 75 to 100 cms; and Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
54. CM/L-8418 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	The Silk Hosiery Mills, 3-A, P.N. Road, Tirupur-638602 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
55. CM/L-8419 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Rishi Iron & Steel Inds, Industrial Estate Bilaspur (M.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
56. CM/L-8420 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Continental Refineryes, Sector 6, Plot No. 9-F, Faridabad (Haryana)	Paraffin wax, Type 3— IS : 4654—1974	
57. CM/L-8421 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Jaessbro & Company, 19th Mile Stone, G.T. Road, Rosoi, Sonepat (Haryana)	Paraffin wax, Type 3— IS : 4654—1974	
58. CM/L-8422 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Partap Rajasthan Special Steel Ltd., Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur -302013	Steel ingots and billets for the production of laminated springs— IS : 8054—1976	
59. CM/L-8423 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Eagle Steels, C-24, MIDC Indl. Area, Taloja, Distt. Kolaba (Off : 8-A, Hansraj Damodar Trust Bldg. 42, Kennedy Bridge, Bombay-400004)	Structural steel (standard quality) — IS : 226—1975	
60. CM/L-8424 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Vimal Electric Co., Plot No. 31, 32 and 33 GIDC Industrial Estate, Mehsana-384002	Shunt capacitors for power systems 3, 4, 5 and 6 KVAR 415 Volts— IS : 2834—1964	
61. CM/L-8425 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Power Machines & Tools, A-1/13 & A-18 Rawalpindi Gardens, U.P. Border, Opp. Telephone exchange, P.O. Chikamberpur, Ghaziabad (U.P.)	Single cylinder four stroke water cooled diesel engine of the following rating: 5.88 km (8HP), Speed: 850 RPM Governing Class 'B' SFC 272g/kW/h (200g/bhp/h)— IS : 1601—1960	
62. CM/L-8426 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Parikh Brothers, 1-1-36/3, Mushirabad, Hyderabad-500020 (A.P.) (Off : 4-3-466 Bank Street Sultan Bazar Hyderabad—500001)	Patty, for use on window frames— IS : 419—1967	
63. CM/L-8427 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Viking Industries, Unit No. 7 & 12-A.C Type, Industrial Estate, P.O. Coimbatore-641021	Single-phase small AC and universal electric motor upto and including 750 watts with class 'A' insulation— IS: 996—1964	
64. CM/L-8428 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Sri Amaravathi Knittings, 6, P.N. Road, Tirupur-638602 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type: RN & RNS; Size: 75 to 100 cm; and Gauge: 24 IS: 4964 (Pt II)—1975	
65. CM/L-8429 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Century Aluminium Mfg. Co. (P) Ltd., Raja Road, P.O. Sukchar, Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off: 58/3, Biplabi Rash Behari Babu Road, Calcutta-700001).	Aluminium alloy ingots Grade: 4223, 4420 and 4600— IS: 617—1975	
66. CM/L-8430 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Regal Engineering Works, E-5, Bhaktinagar Indl. Estate, Rajkot-360002 (Gujarat).	Vertical, single cylinder, four stroke, water cooled, diesel engines of the following rating: Output: 5.88 kW (8 HP), Speed: 850 RPM; Governing Class 'B' and SFC: 309g/kW/h (227g/bhp/h)— IS: 1601—1960	
67. CM/L-8431 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	B.D. Steel Castings Ltd., Plot No. F-6, MIDC Indl. Area, Tarapur, Distt. Thana (Maharashtra).	Cold twisted deformed steel bars concrete reinforcement— IS: 1786—1966	
68. CM/L-8432 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	East India Indl. Cables, Co. (P) Ltd., 11, Sector II, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.)	PVC insulated cables with aluminium conductor for working voltages upto and including 1100 volts— IS: 694—1977	
69. CM/L-8433 1980-02-29	80-03-16	81-03-15		-do-	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS: 1554 (Pt I)—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70	CM/L-8434 1980-02-29	80 03-16	81-03-15	Bright Wires Ltd, Badu Road, Via Madhyamgram 24 Parganas (W B) Badu Pin-743202 (Off 1/A, Vansutra Row, Calcutta-700001)	Mild steel wire for general engineering purposes for following finishes (a) Annealed, (b) Annealed, cleaned & lined, (c) Bright drawn, and (d) Dull grey (dry drawn)— IS 280—1978
71	CM/L-8435 1980-02-29	80 03-16	81-03-15	Biren Mfg Co (Cables) Pvt Ltd, 458—460, Shambhu Nath Compound G T Road, Shahdara Delhi	PVC insulated winding wires for submersible motors with type 2 PVC insulation only— IS 8783—1978
72	CM/L-8436 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Orient Cable Industries, Village & Post Office Mundka, Rohtak Road Delhi-110011 (Off 4-B/6, Sri Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi-110060)	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts unsheathed with aluminium conductors only (excluding weatherproof cables)— IS 694—1977
73	CM/L-8437 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Subhash Chander Kathuria, 55-B, Rama Road, Najafgarh Road, New Delhi 110015	Paraffin wax, Type 3— IS 4654—1974
74	CM/L-8438 1980-02-29	80-30-16	81-03-15	Visakha Agro Chemical Pvt Ltd, Mindi, Visakhapatnam-530026 (A P)	Zinc sulphate, agricultural grade— IS 8249—1976
75	CM/L-8439 1980-02-29	80 03-16	81-03-15	P V S Industries, 457/A Amravathy, Hospet 583201 (Karnataka)	Dimethoate EC— IS 3903—1975
76	CM/L-8440 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Konark Jute Ltd, Dhanmandal-754024, Distt Cuttack (Orissa)	DW-flour bags— IS 3984—1967
77	CM/I-8441 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Tarun Timber Concern, Station Road, Islampur, West Dinajpur, North Bengal	Tea-chest plywood panels— IS 10 (Pt II)—1976
78	CM/L-8442 1980-02-29	79-12-01	80 11-30	Budge Budge Jute & Inds, 64, Maulana Azad Road, Budge Budge-743319 Distt 24 Parganas (W B) (Off 16-A, Brabourne Road, 9th Floor, Calcutta-700001)	A-twill jute bags— IS 1943—1964
79	CM/I-8443 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Mittal Udyog, 1/2 Shivaji Nagar, Indore 452003 (M P)	Wrought aluminium utensils of 19000 Grade— IS 1660 (Pt I)—1967
80	CM/L-8444 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Suba Hosiery Mills, 16 (8)/7, Kongu Nagar, 4th Street, Tirupur-638602 (T N)	Plain knitted cotton vests Type RN & RNS, Size 75 to 100 cms, and Gauge 24 IS 4964 (Pt II)—1975
81	CM/L-8445 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Zenith Steel Pipes & Inds Ltd, (Special Steels Division), Khopoli, Distt Kurla-410203 (Off Moti Mahal, 195, Churchgate Reclamation, Bombay-400020)	Steel for the manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock) for grade designations (a) 98 C6, (b) 113 C6, (c) 55 Si 7, and (d) 60 Si 7 only— IS 3195—1975
82	CM/L-8446 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	B L Industries, F-218, Vishwakarma Indl Area, Road No 10 Jaipur Sikar Road, Jaipur-302013 (Rajasthan)	Carbaryl WDPC— IS 7121—1973
83	CM/L-8447 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Gupta Chemicals (P) Ltd, B 144, Road No 9, Vishwakarma Indl Area, Jaipur-302013 (Rajasthan) (Off 1st Floor, Bhukhmaria Bldg, Opp Shreeji Ki Mori, Tripolia Bazar, Jaipur-302002)	Heptachlor DP— IS 6429—1972
84	CM/L-8448 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	B L Industries, F-218, Vishwakarma Indl Area Road No 10, Jaipur Sikar Road, Jaipur-302013 (Rajasthan)	Aldrin EC— IS 1307—1973
85	CM/L-8449 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Agarwal Conductors Pvt Ltd Sheogarh-307027 Sirohi (Rajasthan)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS 398 (Pt I&II)—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
86. CM/L-8450 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Eagle Steels, C-24, MIDC Indl Area, Taloja (Distt. Kolaba)	Structural steel (ordinary quality)—IS: 1977—1975	
87. CM/L-8451 1980-02-29	80-03-01	81-02-28	Taloja Rolling Mills, Plot No. A-1, MIDC Indl. Estate, Taloja, Distt. Kolaba (Off: 402-A, Poonam Chambers, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement 6 mm to 32 mm—IS: 1786—1966	
88. CM/L-8452 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Kumar Re-Rollings, Madhual, P.O. Dariapur, Kalen, Distt. Muzaffarpur (Bihar)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement Group II—IS: 1786—1966	
89. CM/L-8453 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Tata Chemicals Ltd., Mithapur, Okhamandal (Gujarat)	Sodium bromide, photographic grade—IS: 5380—1969	
90. CM/L-8454 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Keen Pesticides Pvt. Ltd., C-1/412, GIDC Ankleswar, Industrial Estate, Ankleswar-393002 (Gujarat).	DDT Emulsifiable concentrates—IS: 633—1975	
91. CM/L-8455 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	-do-	Malathion EC—IS: 2567—1978	
92. CM/L-8456 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Chemolcums Pvt. Ltd., Thirunelmalai Road, Chromepet, Madras.	Machinery oil medium heavy grade; and Spindle oil extra light grade—IS: 493—1958	
93. CM/L-8457 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	-do-	Oil hydraulic mineral oil type, grade 2—IS: 3098—1975	
94. CM/L-8458 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Laxmi Industries, 1325/43, Shivaji Udyam Nagar, Kolhapur-416001 (Maharashtra).	Three phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural purposes 2.2. kW with class 'E' insulation—IS: 7538—1975	
95. CM/L-8459 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Pyroflex Industries, 11, Sidhpura Indl Estate, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-400062	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts—IS: 1554 (Pt I)—1976	
96. CM/L-8460 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Bijay Metal Works, Central Jail Road, P.O. Bahadurpur, Bhagalpur (Bihar)	Stainless steel table utensils, utility grade—IS: 3424—1966	

[No. CMD/13 : 11]

का० अ० 3446 —भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उद्धरण (ii) दिनांक 1971-10-09 में प्रकाशित तत्कालीन श्रीधीरिक विकासमं मंदालय (भारतीय मानक संस्था) प्रधिमसंचाता संख्या एम आ० 3737 दिनांक 1971-04-30 का आणिक स्तर में संशोधन करने हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्टेगिल कागज से भवनान्धित मानक चिह्न का पुनर्गीरण किया गया है। मानक चिह्न का पुनर्गीरण इंजाइन और उमका शाब्दिक विवरण तन्मस्वरूपी भारतीय मानक के शीर्षक के नीचे प्रत्युम्भी में दिया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन नियमा और विनियमों के तिमिन्त यह मानक विवरण 1982-04-16 से लागू होगा।

क्रम संख्या	मानक चिह्न की दिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	अनसूची		मानक चिह्न की इंजाइन का शाब्दिक विवरण
			(3)	(4)	
1		स्टेगिल कागज	IS 5086-1981 स्टेगिल कागज की विशिष्ट (पहला पुनर्गीरण)		भारतीय मानक संस्था का मोनोप्राप्त जिसमें ISI चार्ट होते हैं, संस्था (2) से दिखाई गई जीला और अनुपात में नैयार किया गया है और जीला इंजाइन से दिखाया गया है। उस मानक संस्था के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद सदस्य नथा वर्ग अकिन किया गया है।

S O 3446.—In partial modification of the then Ministry of Industrial Development (Indian Standards Institution) notification number S.O.3737 dated 1971-08-30, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-10-09, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark for stencil paper, has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design are given in the following Schedule:

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations frame thereunder, shall come into force with effect from 1982-04-16:

THE SCHEDULE

S1. Design of the No. Standard Mark	Product/Class of Product	No. of Title of Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.  15 3086-81	Stencil paper	IS : 5086- 1981 Specification for stencil paper (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Ccl. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	

[No. CMD/13 : 9]

का० आ० 3447—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड-3, उपांक (ii) दिनांक 1978-05-13 में प्रकाशित तत्कालीन नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिकृतवाना मन्त्रा एम आ० 1360 दिनांक 1978-04-24 का आशिक रूप में संशोधन करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि मर्जिकल जुड़ा किए जा सकते वाले ब्लैड में गम्बुद्धि मानक चिन्ह का पुनरीक्षण किया गया है। मानक चिन्ह की पुनरीक्षित डिजाइन और उसका आधिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के पर्यांक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त यह मानक चिन्ह 1982-03-16 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम संख्या।	मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	मन्त्र भारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक चिन्ह की डिजाइन का आधिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.  15 3319-80	ब्लैड, मर्जिकल जुड़ा किए जा सकते वाले (बार्ड पार्कर टाइप) और हैथे	IS : 3319-1980 ब्लैड, मर्जिकल जुड़ा किए जा सकते वाले (बार्ड पार्कर टाइप) और हैथे की विशिष्टि (हमसग पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राफ जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं संख्या (2) में विवाह गई हैं और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिया गया है उस मोनोग्राफ के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदमंड्या और वर्ष अंकित किया गया है।	

[संख्या सी एम शी 13 : 9]

S.O. 3447.—In partial modification of the then Ministry of Civil Supplies and Co-operation (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1360 dated 1978-04-24 published in the Gazette of India, Part-II, Sec. 3, Sub-Section (ii) dated 1978-05-13, it is, hereby, notifies that the standard mark for surgical detachable blade has been revised. The revised design of the Standard mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal descriptions of the design are given in the following Schedule.

This standard mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder shall come into force with effect from 1982-03-16:

THE SCHEDULE

S1. Design of the No. Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.  15 3319-80	Blades, surgical, detachable (Bard Parkar type) and handles	IS : 3319-1980 Specification for blades, surgical, detachable (Bard Parkar type) and handles (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Ccl. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	

[No. CMD/13 : 9]

का० आ० 3448:—भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उपखंड (ii) में दिनांक 19-7-4-10-05 को प्रकाशित तत्कालीन प्रौद्योगिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एस एस 2589 दिनांक 1974-09-23 का अधिकारण करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि कागज चैपी पदार्थ से सम्बन्धित मानक चिह्न का पुनरीक्षण किया गया है। मानक चिह्न की पुनरीक्षित डिजाइन और उसका शान्तिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके प्रधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1982-04-01 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी डिजाइन	सम्बद्ध मारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन तथा शान्तिक विवरण	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		कागज चैपी पदार्थ, तरल गोद और IS : 2257—1981 कागज चैपी पदार्थ, भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI कार्यालय में प्रयुक्त पेस्ट टाइप	तरल गोद और कार्यालय में प्रयुक्त पेस्ट टाइप की विशिष्ट (इसरा पुनरीक्षण)	प्रबन्ध होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शीली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या तथा वर्ण अक्षित किया गया है।

[संख्या सी एम डी/13:9]

S. O. 3448.—In supersession of the then Ministry of Industrial Development, Science and Technology (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2589 dated 1974-09-23, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated 1974-10-05, the India Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark for paper adhesive, has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design are given in the following Schedule:

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulation framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-04-01:

THE SCHEDULE

Sl. No. Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1.		IS : 2257—1981 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters IS drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का० आ० 3449:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के द्वारा नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1980-02-29 को निर्धारित किए गए हैं:

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	तद भारतीय मानक द्वारा रह किए गए शब्द विवरण	
(1)	(2)	(3)	(4)

1. *IS : 638—1979 रबड़ जोड़ और रबड़ प्रवेशीय जोड़ लगाने की रबड़ की विशिष्टि (इसरा पुनरीक्षण)

638—1965 रबड़ जोड़ और रबड़ प्रवेशीय 1979-09-30 को निर्धारित जोड़ लगाने की रबड़ की विशिष्टि * भा. मा. संस्था प्रमाणन चिह्न प्रदार बिठा कर जोड़ लगाने की रबड़ योजना के लिए की विशिष्टि (पुनरीक्षित)

IS : 638—1979, 1980-06-01 से लागू होगा।

2. IS : 771 (भाग 4)—1979 कांचित अग्नि सह मिट्टी के स्वच्छता SI : 771—1963 कांचित अग्नि मह मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों की विशिष्टि : भाग 4 शब्द परीक्षा सिल्की की विशिष्टि अपेक्षाएं (इसरा पुनरीक्षण)

के स्वच्छता उपकरणों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)

3. IS : 771 (भाग 6)—1979 कांचित अग्निसह मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों की विशिष्टि : भाग 6 हाजती हौदी की विशिष्ट अपेक्षाएं (इसरा पुनरीक्षण)

"

(1)	(2)	(3)	(4)
4. IS : 1097—1979 हथकरघे की सूती मच्छरदानी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1097—1957 विरंजित या रंगी, हथकरघे की सूती मच्छरदानी की विशिष्टिया	—	—
5. *IS : 1230—1979 ढने लोहे के वर्षा जल पाइप और फिटिंग की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1230—1968 ढने लोहे के वर्षाजल पाइप और फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	* भा या संस्था प्रमाणन विन्द योजना के लिए	IS : 1230—1979, 1980-06-30 से लागू होगा।
6. IS : 1448 (भाग 91)—1979 पेट्रोलियम और उसके पदार्थों की परीक्षण पद्धतियां भाग 91 पेट्रोलियम तेलों और संश्लिष्ट तरल पदार्थों के पायदती गुणधर्म	—	—	—
7. IS : 1579—1979 हथकरघे पर बनी सूती ट्रिवल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1579—1960 विरंजित या रंगी हथ- करघे पर बनी सूती ट्रिवल की विशिष्टि	—	—
8. IS : 1885 (भाग 51/प्रनुभाग 1)—1979 विचृततकनीकी शब्दावली, भाग 51 औद्योगिक विद्युत तापन, प्रनुभाग 1 सामान्य शब्दावली	—	—	—
9. IS : 2263—1979 सकेतक धोन तैयार करते की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2283—1962 आदतनी विष्लेषण के लिए सकेतक धोन तैयार करने की पद्धतियां	1980-01-31 को निर्धारित	—
10. IS : 2422—1979 जलसह रंगीन, सूती कपड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2422—1963 जल प्रतिरोधी रंगीन, सूती कपड़े की विशिष्टि	—	—
11. IS : 2531—1979 सूती करधों के लिए कैंकेपट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2531—1963 सादे कैलिको सूती करधों के लिए कैंकेपट की विशिष्टि	—	—
12. *IS : 2552—1979 इस्पात इम जस्तेदार और जस्तेहित की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2552—1970 इस्पात इम जस्तेदार और जस्तेहित की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1979-09-30 को निर्धारित * भा या संस्था प्रमाणन विन्द योजना के लिए	IS : 2552—1979, 1980-07-01 से लागू होगा।
13. IS : 3234—1979 लूपर किस्म की ग्राहीत्वनीय की परिवर्तने मुर्दियां और अन्य चिकित्सा उपकरण के शक्तिकार फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3234—1965 लूपर किस्म की ग्राहीत्वनीय की मिर्ज़े मुर्दियां और अन्य चिकित्सा उपकरण के शक्तिकार फिटिंग की विशिष्टि	—	—
14. IS : 3342—1979 पशु चालित कलटिवेटर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3342—1965 पशुचालित क्रिफली (तीन नोकी कलटिवेटर की विशिष्टि और	—	—
	IS : 3350—1965 पशुचालित, बीज वपन संयोजन महिन तीन नोकी कलटिवेटर की विशिष्टि	—	—
15. IS : 3347 (भाग 1/प्रनुभाग 1)—1979 भासान्य और हल्के प्रदूषित बानावरण में प्रयोग के लिये पोर्सेलेन ट्रासकार्मर दुर्भिग के माप, भाग 1—1 किवा तक के, प्रनुभाग 1 पोर्सेलेन भाग। (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3347 (भाग 1/प्रनुभाग 3)—1965 चीजों के बने ट्रांसफार्मर दुर्भिग के माप, भाग 1—1, किवो तक के दुर्भिग, प्रनुभाग 1 पोर्सेलेन भाग।	—	—
16. IS : 3520—1979 जलधुलनशील सोडियम कार्बोक्सिमियाइल सेल्युलोज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3520—1960 जलधुलनशील सोडियम कार्बोक्सिमियाइल सेल्युलोज की विशिष्टि	—	—
17. IS : 3809—1979 हमारतों के अग्निरोधन परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3809—1966 इमारतों के अग्नि रोधन परीक्षण	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
18. IS 3831-1979 उथले विशिष्ट विस्तारमायत (ईंगिंग इम) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3831-1973 उथले विस्तारमायत (ईंगिंग इम) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3831-1973 उथले विस्तारमायत (ईंगिंग इम) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
19. IS 3938—1979 विद्युत तार रस्सियों के उच्चालक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3938—1967 विद्युत तार रस्सियों के उच्चालक की विशिष्टि	IS 3938—1967 विद्युत तार रस्सियों के उच्चालक की विशिष्टि	—
20. IS 4225—1979 इमान पट्टियों की सीधी बीम पराश्रव्य परीक्षण की सिफारिशी विधि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4225—1967 इमान पट्टियों की पराश्रव्य परीक्षण की सिफारिशी विधि	IS 4225—1967 इमान पट्टियों की पराश्रव्य परीक्षण की सिफारिशी विधि	—
21. IS 4790—1979 लैंग और टूक नमूने के कानियन विभाजन के प्रांग के चाकु की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4790—1968 लैंग और टूक नमूने के कानियन विभाजन के प्रांग के चाकु की विशिष्टि	IS 4790—1968 लैंग और टूक नमूने के कानियन विभाजन के प्रांग के चाकु की विशिष्टि	—
22. IS 4835—1979 लकड़ी काम के लिए पॉलीविनाइल एसीटेट परिक्षेप आधारित आसजकों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4835—1968 लकड़ी काम के लिए 1979-12-31 को निर्धारित पॉलीविनाइल एसीटेट परिक्षेप आधारित आसजकों की विशिष्टि	IS 4835—1968 लकड़ी काम के लिए 1979-12-31 को निर्धारित पॉलीविनाइल एसीटेट परिक्षेप आधारित आसजकों की विशिष्टि	—
23. IS 5022—1979 शन्यकर्म विस्तारमायत (टेबल माइल) की विशिष्टि (इमरा पुनरीक्षण)	IS 5022—1973 शन्यकर्म विस्तारमायत (टेबल माइल) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 5022—1973 शन्यकर्म विस्तारमायत (टेबल माइल) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
24. IS 5182(भाग 17)—1979 बायू प्रदूषण सापने की पद्धतिया भाग 17 रीम क्राइटोग्राफी द्वारा बायू में सी ₁ से सी ₈ डाइड्रोकार्बन	—	—	—
25. *IS 5281—1979 फेनिट्रोपियान पायमरीय तंत्र इव विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 5281—1969 फेनिट्रोपियान पायमरीय तंत्र इव विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	*भा०मा०सम्या प्रमाणन विन्ह योजना के लिये तंत्र इव विशिष्टि	IS 5281—1979, 1980-07-02 से लागू होगा
26. IS 5347—1979 धात्विक शन्यक इमलाटों की सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS 5347—1969 धात्विक शन्यक इमलाटों की सामान्य अपेक्षाएं	IS 5347—1969 धात्विक शन्यक इमलाटों की सामान्य अपेक्षाएं	—
27. IS 5395—1979 कुट्टार, हड्डी की कील की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 5395—1969 कुट्टार, हड्डी की कील की विशिष्टि	IS 5395—1969 कुट्टार, हड्डी की कील की विशिष्टि	—
28. IS 6213—(भाग 18) 1979 सुगदी की परीक्षण पद्धतिया भाग 18 मीमोरीन खण्ड का निर्धारण (ईंगिनियरिंग की मात्रा)	—	—	—
29. IS 6848—1979 रेलगाड़ी में प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन के लिये सीमा-अम्ल बैटरी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 6848—1972 रेलगाड़ी में प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन के लिये सीमा-अम्ल बैटरी की विशिष्टि	IS 6848—1972 रेलगाड़ी में प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन के लिये सीमा-अम्ल बैटरी की विशिष्टि	—
30. IS 7276—1979 अर्थवजीय पैलेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 7276—(भाग 1) 1974 इमारती लकड़ी के पैलेट की विशिष्टि भाग 1	IS 7276—(भाग 1) 1974 इमारती लकड़ी के पैलेट की विशिष्टि भाग 1	—
31. IS 7864(भाग 2)—1979 अपहालस्ट्री के लिये कमानिया की विशिष्टि भाग 2 टेक्स मेंट्रे प्रकार की	—	—	—
32. IS 8878—1978 तंत्रनीकी श्रोमापिन अम्ल की विशिष्टि	—	—	—
33. IS 8883(भाग 1)—1978 रसायनों और रसायन पदार्थों के नमूने लेने की पद्धति भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं और सावधानिया	—	—	—
34. IS 9000(भाग 7/अनुभाग 1 से 5) 1979 विद्युत और इलैक्ट्रॉनिक पदार्थों के अधारसूत पर्यावरणीय परीक्षण भाग 7 संचात परीक्षण	—	—	—
35. IS 9002(भाग 4) 1979 विद्युत और इलैक्ट्रॉनिक पदार्थों के पर्यावरणीय परीक्षण उपकरणों की विशिष्टि भाग 4 फ़ार्मूली उत्पादन जाच कक्ष	—	—	—
36. IS 9105—1979 चैन गुलिक पद्धति द्वारा पर्नीर में चिकनाई भापने के उपकरण की विशिष्टि	—	—	—
37. IS 9137—1978 अर्द्ध मी के अपकेन्द्रीय, मिशन प्रवाह वाले और अक्षीय पम्पों के स्वीकृति परीक्षणों की संहिता	—	—	—
38. IS 9182(भाग 1) 1979 तार रस्सियों के कोर रेशा के स्नेहक की विशिष्टि भाग 1 तार रस्सियों के कोर रेशा के स्नेहक	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
39.	IS : 9188—1979 बाहरी आनावरण स्थितियों में प्रयुक्त परतवार, इमारती लकड़ी के पदार्थों के लिये आसंजकों की कार्य निष्पावन (कार्यसंबंधी) अपेक्षायें	—	—
40.	IS : 9203 (भाग 3)—1979 खानों में माल ढोने की पटरी के घर्षण रोलरों की विशिष्टि भाग 3 शंकवाकार और ऊर्ध्वा और अनुप्रस्थ और ऊर्ध्व गिरियों	—	—
41.	IS : 9216—1979 पोषण और पौष्टिक आहार संबंधी सामान्य शब्दावली	—	—
42.	IS : 9223—1979 भूसंपर्क प्रतिरोधी मापियों (मीटर) की विशिष्टि	—	—
43.	IS : 9224 (भाग 1)—1979 निम्न बोलटता के गालकों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	—	—
44.	IS : 9229—1979 विद्युत् चूम्हकीय व्यतिकरण बमन के प्रेरकों की विशिष्टि	—	—
45.	IS : 9249 (भाग 1)—1979 धूचकी और अभिलेखी विद्युत् मापी यंत्रों और उनके सहायक पुर्जों की सुरक्षा संबंधी अपेक्षाएं भाग 1 यंत्रों की साधारण सुरक्षा अपेक्षाएं	—	—
46.	IS : 9251—1979 प्रेरक ऊर्जा से विद्युत् उत्पन्न करने वाले संयंत्र के लिये 40 और 24000 हर्ट्ज आवृत्ति पर काम करने वाले प्रेरण ताप उत्पन्न संयंत्रों के लिये संधारित की विशिष्टि	—	—
47.	IS : 9257—1979 युक्लिप्टस इंट्रियोडोरा टेल की विशिष्टि	—	—
48.	IS : 9258—1979 धातुओं के विकर्स सूक्ष्म-कठोरता परीक्षण पद्धति	—	—
49.	IS : 9266 (भाग 2)—1979 मुद्रण कार्य के डाई सेट (बास किस्म के) की विशिष्टि भाग 2 केन्द्र के लिये वर्गाकार डाई सेट	—	—
50.	IS : 9266 (भाग 3)—1979 मुद्रण कार्य के डाई सेट (बास किस्म के) की विशिष्टि भाग 3 केन्द्र के लिये गोलाकार डाई सेट	—	—
51.	IS : 9274—1979 यी—कलोरीहथाइल-एमीन हाइड्रोफ्लोराइड धोल की विशिष्टि	—	—
52.	IS : 9284—1979 कंकीट के अपवर्णन रोधन शक्ति परीक्षण की पद्धति	—	—
53.	IS : 9288—1979 साम्यपूरिक क्लोराइड की विशिष्टि	—	—
54.	IS : 9292—1979 ताने के बंड की विशिष्टि	—	—
55.	IS : 9294—1979 रेजर ब्लेड बनाने के शीत बैलित स्टेनलेस इस्पात-पत्तियों की विशिष्टि	—	—
56.	IS : 9295—1979 ट्रक किये पट्टा बाहकों के भाइडलरों के लिये इस्पात नलियों की विशिष्टि	—	—
57.	IS : 9299 (भाग 1)—1979 निमित ग्रन्तक या उभचारित ग्रन्तक कागज पर आवारित विद्युत् रोधी पदार्थों की विशिष्टि भाग 1 परिमाणाएं और सामान्य अपेक्षायें	—	—
58.	IS : 9309—1979 रोलर ट्रैशर की विशिष्टि	—	—
59.	IS : 9314—1979 कोको फलियों के नमूने लेने की पद्धति	—	—
60.	IS : 9315—1979 पर्वतारोहण स्की के जूते/बन्धन आन्तरिक सतह के माप (36 से भविक माप थाले)	—	—
61.	IS : 9317—1979 पर्वतारोहण स्की संबंधी शब्दावली, परिभाषाएं और मापन स्थितियाँ	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
62. IS : 9324—1979 मॉर्ट टेपर और टैप्ड सिरों के शेंक वाले कार्बाइड नोक वाले एंड मिलों की विशिष्टि	—	—	—
63. IS : 9325—1979 समानान्तर शेंक वाले कार्बाइड नोक वाले सांच मिलिंग कटरों की विशिष्टि	—	—	—
64. IS : 9326—1979 मार्स टेपर और टैप्ड सिरों के शेंक वाले कार्बाइड नोक वाले सांच मिलिंग कटरों की विशिष्टि	—	—	—
65. IS : 9330—1979 अपशिष्ट ऊर्जा बॉयलरों और विशेष कार्यों के बॉयलरों के मार्पों की शब्दावली	—	—	—
66. IS : 9331—1979 पर्वतारोहण स्की की लच्चकदार गुण धर्म मापने की प्रयोगशाला पद्धतियाँ	—	—	—
67. IS : 9332—1979 अपशिष्ट ऊर्जा बॉयलरों और विशेष कार्यों के बॉयलरों के सिकारिसी माप	—	—	—
68. IS : 9335 (भाग 1)—1979 विशृंख कार्यों के लिये सेलुलोजीय कार्गजों की विशिष्टि भाग 1 परिमाणाएं और सामान्य अपेक्षाएं	—	—	—
69. IS : 9337 (भाग 1)—1979 कपड़ा मिलों में प्रयुक्त बॉर्ड और IS : 3833—1966 यलावर बॉर्डों की विशिष्टि भाग 1 लकड़ी की यफलायर बॉर्ड	—	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियोगी भारतीय मानक संस्था, मानक अधिन, ९ बहातुरगाह, नई दिल्ली-११०००२ तथा अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और विद्योग्रम स्थित भारत कार्यालयों में विकारार्थ उपलब्ध है।

[सं.सी०एम०डी० 13. 2]

S.O. 3449:— In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard (s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1980-02-29.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. *IS : 638—1979 Specification for sheet rubber jointing and rubber insertion jointing (second revision).	IS : 638—1965 Specification for sheet rubber jointing and rubber insertion jointing (revised)	Established on 1979-09-30 *For purposes of ISI Certification Mark Scheme; IS : 3638—1979 shall come into force with effect from 1980-06-01.	
2. IS : 771 (Part IV)—1979 Specification for glazed fire-clay sanitary appliances: Part IV Specific requirements of post-mortem slabs (second revision)	IS : 771—1963 Specification for glazed earthenware sanitary appliances (revised)	—	
3. IS : 771 (Part VI)—1979 Specification for glazed fire-clay sanitary appliances : Part VI Specific requirements of bed pan sinks (second revision)	-do-	—	
4. IS : 1097—1979 Specification for handloom cotton mosquito netting (first revision)	IS : 1097—1957 Specification for handloom cotton mosquito netting bleached or dyed	—	
5. *IS : 1230—1979 Specification for cast iron rainwater pipes and fittings (second revision)	IS : 1230—1968 Specification for cast iron rainwater pipes and fittings (first revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 130—1979 shall come into force with effect from 1980-06-30.	
6. IS : 1448 (P : 91)—1979 Methods of test for petroleum and its products (P : 91) Emulsion characteristics of petroleum oils and synthetic fluids	—	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
7.	IS : 1579—1979 Specification for hand-loom cotton twills (first revision)	IS : 1579—1960 Specification for handloom cotton twills, bleached or dyed	—
8.	IS : 1885 (Part LI/Sec. 1)—1979 Electro-technical vocabulary Part LI Industrial electroheating :Section I General terms	—	—
9.	IS : 2263—1979 Methods of preparation of indicator solutions (first revision)	IS : 2263—1962 Methods of preparation of indicator solutions for volumetric analysis.	Established on 1980-01-31
10.	IS : 2422—1979 Specification for dyed cotton fabric, waterproofed (first revision)	IS : 2422—1963 Specification for cotton fabric, dyed, water resistant	—
11.	IS : 2531—1979 Specification for crank shaft for cotton looms (first revision)	IS : 2531—1963 Specification for crank shaft for plain calico cotton looms (first revision)	—
12.	*IS : 2552—1979 Specification for steel drums (galvanized and ungalvanized) (second revision)	IS : 2552—1970 Specification for steel drums (galvanized and ungalvanized (first revision)	Established on 1979-09-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2552—1979 shall come into force with effect from 1980-07-01.
13.	IS : 3234—1979 Specification for conical fitting for hypodermic syringes, needles and other medical equipment, Luer type (first revision)	IS : 3234—1965 Specification for conical fitting for hypodermic syringes, needles and other medical equipment, Luer type	—
14.	IS : 3342—1979 Specification for animal-drawn cultivators (first revision)	(i) IS : 3342—1965 Specification for TRIPHALI (three-tined cultivator), animal drawn and (ii) IS : 3350—1965 Specification for three tined cultivator with seeding attachment, animal drawn.	—
15.	IS : 3347 (Part I/Sec. I)—1979 Dimensions for porcelain transformer bushings for use in normal and lightly polluted atmospheres Part I Up to and including 1 kvSection I Porcelain parts (first revision).	IS : 3347 (Part I/Sec. 1)—1965 Dimensions for porcelain transformer bushings ; Part I Upto 1.1 KV bushings, Section I Porcelain parts.	—
16.	IS : 3520—1979 Specification for water-soluble sodium carboxymethyl cellulose (first revision).	IS : 3520—1960 Specification for water-soluble sodium carboxymethyl cellulose	—
17.	IS : 3809—1979 Fire resistance test of structures (first revision).	IS : 3809—1966 Fire resistance test of structures.	—
18.	IS : 3831—1979 Specification for sterilizer, shallow (dressing drum) (second revision).	IS : 3831—1973 Specification for sterilizer shallow (dressing drums) (first revision).	—
19.	3938—1979 Specification for electric wire rope hoists (first revision).	IS : 3938—1967 Specification for electric wire rope hoists.	—
20.	IS : 4225—1979 Recommended practice for straight beam ultrasonic testing of steel plates (first revision).	IS : 24225—1967 Recommended practice for ultrasonic testing of steel plates	—
21.	IS : 4790—1979 Specification for knife, eye, corneal splitting, Lang's and Tooke's patterns (first revision).	IS : 4790—1968 Specification for knife, eye, corneal splitting (Lang's and Tooke's patterns).)	—
22.	IS:4835—1979 Specification for polyvinyl acetate dispersion based adhesives for wood (first revision)	IS: 4835—1968 Specification for polyvinyl acetate dispersion based adhesives for wood.	Established on 1979-12-31
23.	IS : 5022—1979 Specification for sterilizer, instruments (table model) (second revision)	IS : 5022—1973 Specification for sterilizer, instruments (table model) (first revision)	—

(1)	(2)	(3)	(4)
24. IS:5182 (Part XVII)—1979 Methods for measurement of din pollution Part XVII C1 to C5 hydrocarbons in air by gas chromatography.	—	—	—
25. *IS:5281—1979 Specification for IS:5281—1969 Specification for fenitrothion fenitrothion emulsifiable concentrates emulsifiable concentrates (first revision)	*For purposes of ISI Certification Mark Schemes, IS:5281—1979 shall come into force with effect from 1980-07-01	—	—
26. IS:5347—1979 General requirements for metal surgical implants.	IS:5347—1969 General requirements of metal surgical implants.	—	—
(first revision).			
27. IS:5395—1979 Specification for nail, bone, kuntscher (first revision).	IS:5395—1969 Specification for nail, bone, Kuntscher.	—	—
28. IS:6213 (Part XVIII)—1979 Methods of test for pulp Part XVIII Determination of chlorine consumption (Degree of delignification)	—	—	—
29. IS:6848—1979 Specification for lead-acid batteries for train lighting and air-conditioning services (first revision)	IS:6848—1972 Specification for lead-acid batteries for train lighting and airconditioning services.	—	—
30. IS:7276—1979 Specification for non-expendable pallets (first revision).	IS:7276—(Part I)—1974 Specification for timber pallets : Part I Non-expendable pallets.	—	—
31. IS:7864 (Part II)—1979 Specification for upholstery springs : Part II Zigzag type.	—	—	—
32. IS:8878—1978 Specification for bromamine acid, technical	—	—	—
33. IS:8883 (Part I)—1978 Methods of sampling chemicals and chemical products: Parts I General requirements and precautions	—	—	—
34. IS:9000 (Part VIII/Sec 1 to 5)—1979 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items : Part VII Impact test.	—	—	—
35. IS:9002 (Part IV)—1979 Specification for equipment for environmental tests for electronic and electrical items Part IV Chamber for mould growth test	—	—	—
36. IS:9105—1979 Specification for apparatus for determination of fat in cheese by Van Gulik method	—	—	—
37. IS:9137—1978 Code for acceptance tests for centrifugal, mixed flow and axial pumps- Class C	—	—	—
38. IS:9182 (Part I)—1979 Specification for lubricants for wire ropes and fibre cores : Part I Lubricants for fibre core of wire ropes.	—	—	—
39. IS:9188—1979 Performance requirements for adhesives for structural laminated wood products for use under exterior exposure conditions	—	—	—
40. IS:9203 (Part III) 1979 Specification for friction rollers for mine haulage tracks: Part III Tapered and vertical rollers and horizontal and vertical pulleys	—	—	—
41. IS:9216—1979 Glossary of common terms relating to nutrition and nutritious foods	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
42.	IS:9223-1979 Specification for earth resistance meter.	—	—
43.	IS:9224(Part I)-1979 Specification for low voltage fuses : Part I General requirements	—	—
44.	IS:9229-1979 Specification for inductors for electromagnetic interference suppression.	—	—
45.	IS:9249 (Part I)-1979 Safety requirements for indicating and recording electrical measuring instruments and their accessories Part I Common safety requirements for instruments.	—	—
46.	IS:9251-1979 Specification for capacitors for inductive heat generating plants operating at frequencies between 40 and 24 000 Hz.	—	—
47.	IS:9257-1979 Specification for oil of eucalyptus citriodora.	—	—
48.	IS:9258-1979 Method for vickers micro-hardness testing of metals.	—	—
49.	IS:9266 (Part II)-1979 Specification for press working die sets (Boss type) Part II Centre post square die sets.	—	—
50.	IS:9266 (Part III)-1979 Specification for press working die sets (Boss type) Part III Centre post round die sets.	—	—
51.	IS:9274-1979 Specification for β -Chloroethylamine hydrochloride solution.	—	—
52.	IS:9284-1979 Method of test for abrasion resistance of concrete.	—	—
53.	IS:9288-1979 Specification for cynuric chloride.	—	—
54.	IS:9292-1979 Specification for warper's beams.	—	—
55.	IS:9294-1979 Specification for cold-rolled stainless steel strips for razor blades.	—	—
56.	IS:9295-1979 Specification for steel tubes for idlers for troughed belt conveyors.	—	—
57.	IS:9299(Part I)-1979 Specification for insulating materials based on built-up mica or treated mica paper Part I Definitions and general requirements.	—	—
58.	IS:9309-1979 Specification for roll crusher.	—	—
59.	IS:9314-1979 Method for sampling of co-coa beans.	—	—
60.	IS:9315-1979 Dimensions for boot/binding interface (greater than size 36) for alpine skis.	—	—
61.	IS:9317-1979 Glossary of terms definitions and measuring conditions for alpine skis.	—	—
62.	IS:9324-1979 Specification for carbide tipped end mills with morse taper and tapped end shanks.	—	—
63.	IS:9325-1979 Specification for carbide tipped slot milling cutters with parallel shanks.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
64. IS : 9326-1979 Specification for carbide tipped slot milling cutters with Morse taper and tapped end shanks		—	—
65. IS : 9330-1979 Terminology for parameters of waste heat boilers and boilers for special purposes		—	—
66. IS : 9331-1979 Laboratory methods for determination of elastic properties for alpine skis		—	—
67. IS : 9332-1979 Recommended parameters of waste heat boilers and boilers for special purposes		—	—
68. IS : 9335 (Part I)-1979 specification for cellulosic papers for electrical purposes : Part I Definitions and general requirements		—	—
69. IS : 9337 (Part I)-1979 Specification for bobbins and pirns used in textile mills : Part I Wooden flyer bobbins	IS : 3833 1966 specification for flyer bobbins		—

Copies of these Indian standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

मई विलेनी, 1982-09-16

का०आ० 3450--भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित चिह्नित विभिन्न 1955 के नियम 3 के उपचारितम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से एतव्यारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में विवरण हैं, वे 1980-03-31 को निर्धारित किये गए हैं :

अनुसूची

काम न० तत्संबंधी भारतीय मानक की पद स० और नया भारतीय मानकों द्वारा अधिकारित भारतीय विवरण
शीर्षक मानक संस्था मानकों की संख्या और शीर्षक, यदि
कोई हो।

(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 67-1979 रंगों में काम आने वाली सिलिका की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 67-1950 रंगों में काम आने वाली सिलिका की विशिष्टि	—	—
2. IS : 855-1979 हथकरघा के सूती छानेवार तौलिए के कपड़ों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 855-1956 हथकरघा के सूती छानेवार तौलिए के विशिष्टि छारखाना अथवा रंगीन की विशिष्टि	—	—
3. IS : 919(भाग-2)-1979 इंजीनियरी के लिए लिमिट और फिट संबंधी सिफारिशें भाग 2	—	—	—
4. IS : 1046-1979 रौकड़ बक्स की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	IS : 1046-1979 रौकड़ बक्स की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—	—
5. IS : 1335-1979 उत्पादन वस्तुओं में एल्युमिनियम कार्बाइड की सीधी पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 1335-1979 उत्पादन वस्तुओं में एल्युमिनियम कार्बाइड की सीधी पद्धति (अंतर्मिम)	—	—
6. *IS : 1342-1978 हवा भरने वाले तेल के स्टोव की विशिष्टि (लोमरा पुनरीक्षण)	IS : 1342-1968 हवा भरने वाले तेल के स्टोव की विशिष्टि (हमरा पुनरीक्षण)	*भा०मा० संस्था प्रमाणित मोहर योजना कार्यों के लिए IS : 1342-1978 यह पुनरीक्षण 1980-07-01 से लागू होगा।	—
7. IS : 1483-1979 मफेव छब्बल रोटी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1483-1968 मफेव छब्बल रोटी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1980-02-29 को निर्धारित किया गया।	—
8. *IS : 2075-1979 स्टोव रेह प्राक्ताड़ जस्त कोम के अस्तर देने के मिथित तैयार रंग रोगत की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2075-1962 स्टोव रेह प्राक्ताड़ जस्त के कोम के अस्तर देने के मिथित तैयार रंग रोगत की *भा०मा० संस्था प्रमाणित मुकर योजना कार्यों के लिए IS : 2075-1979 1980 /07/01 से लागू होगा।	1979-12-31 को निर्धारित किया गया।	—

(1)	(2)	(3)	(4)
9. IS 2461 (भाग 3/अनुभाग I)-1979 तथा परिवर्तन कागज और बनवावी अन्धक पत्ते भागाधारित रोधन सामग्री की विशिष्टि भाग 3 अलग-अलग सामग्री की विशिष्टियों के सेपेरेटरों अनुभाग 1 कम्पूटेक्टो के सेपेरेटरों के निए सबत अन्धक सामग्री	IS 2556 (भाग 6/अनुभाग I)-1974 कांचाभ सेनीटरी समाधन (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 6 मूलशानियों की विशिष्टि अपेक्षाएं अनुभाग 1 कटोरेनुमा (तीव्र पुनरीक्षण)	IS 2556 (भाग 6/अनुभाग 1)-1974 कांचाभ भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए सेनीटरी संसाधन (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 6 IS 2556 (भाग 6/अनुभाग 1) 1980-09-01 से मूलशानियों की विशिष्टि अपेक्षाएं अनुभाग 1 कटोरेनुमा लागू होगी। (इसका पुनरीक्षण)	IS 2556 (भाग 6/अनुभाग 1)-1974 कांचाभ सेनीटरी संसाधन भा मा संस्था प्रमाणन योजना कार्यों के लिए (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 6 विहेट की विशिष्ट IS 2556 (भाग 6) 1979 अपेक्षाएं (इसका पुनरीक्षण) 1980-09-01 से लागू होगा
10. IS: 2556 (भाग 6 अनुभाग I)-1979 कांचाभ सेनीटरी समाधन (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 6 मूलशानियों की विशिष्टि अपेक्षाएं अनुभाग 1 कटोरेनुमा (तीव्र पुनरीक्षण)	IS: 2556 (भाग 9)-1979 कांचाभ सेनीटरी समाधन (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि, भाग 9 विहेट की विशिष्टि अपेक्षाएं (तीव्र पुनरीक्षण)	IS: 2556 (भाग 9)-1972 कांचाभ सेनीटरी संसाधन भा मा संस्था प्रमाणन योजना कार्यों के लिए विहेट की विशिष्ट IS 2556 (भाग 9) 1979 अपेक्षाएं (इसका पुनरीक्षण)	IS: 2556 (भाग 9)-1972 कांचाभ सेनीटरी संसाधन भा मा संस्था प्रमाणन योजना कार्यों के लिए विहेट की विशिष्ट IS 2556 (भाग 9) 1979 अपेक्षाएं (इसका पुनरीक्षण)
11. IS: 2794-1979 एक हीरे वाले छिलाई, काट छांट करने के औजारों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2794-1964 एक हीरे वाले छिलाई, औजारों की विशिष्टि	IS: 2794-1964 एक हीरे वाले छिलाई, औजारों की विशिष्टि	IS: 2794-1964 एक हीरे वाले छिलाई, औजारों की विशिष्टि
12. IS: 3311-1979 तिक और काष बेसिनों के गंदे पानी के लिए और उगर्मे मंबधिन महाकांगों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3311-1965 तिकों और क.पा बेसिनों के गंदे पानी के लिए और उगर्मे मंबधिन महाकांगों की विशिष्टि	IS: 3311-1965 तिकों और क.पा बेसिनों के गंदे पानी के लिए और उगर्मे मंबधिन महाकांगों की विशिष्टि	IS: 3311-1965 तिकों और क.पा बेसिनों के गंदे पानी के लिए और उगर्मे मंबधिन महाकांगों की विशिष्टि
13. IS: 3386-1979 बाट लगाने के लकड़ी के खंभों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3386-1965 बाट लगाने के लकड़ी के खंभों की विशिष्टि	IS: 3386-1965 बाट लगाने के लकड़ी के खंभों की विशिष्टि	IS: 3386-1965 बाट लगाने के लकड़ी के खंभों की विशिष्टि
14. IS: 3762-1979 धातु की बनी रखी कागज की टोकरियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3762-1966 धातु की बनी रखी कागज की टोकरियों की विशिष्टि	IS: 3762-1966 धातु की बनी रखी कागज की टोकरियों की विशिष्टि	IS: 3762-1966 धातु की बनी रखी कागज की टोकरियों की विशिष्टि
15. IS: 4248-1979 धातु अन्तरिक्ष कार्यों में प्रयुक्त माइलोन फीलों (टैपों) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4228-1967 धातु अन्तरिक्ष कार्यों में प्रयुक्त नाई- लोन फीलों (टैपों) की विशिष्टि	IS: 4228-1967 धातु अन्तरिक्ष कार्यों में प्रयुक्त नाई- लोन फीलों (टैपों) की विशिष्टि	IS: 4228-1967 धातु अन्तरिक्ष कार्यों में प्रयुक्त नाई- लोन फीलों (टैपों) की विशिष्टि
16. IS: 4309-1979 सीधे पहुँचे वाले पी एच बीटरों की मानपन पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4309-1967 गीर्धे पहुँचे वाले पी एच बीटरों की मानपन पद्धतियां	IS: 4309-1967 गीर्धे पहुँचे वाले पी एच बीटरों की मानपन पद्धतियां	IS: 4309-1967 गीर्धे पहुँचे वाले पी एच बीटरों की मानपन पद्धतियां
17. IS: 4362-1979 मोटर ग.डिंयों की नम्बर प्लेट पर रोणमी करने संबंधित परिस्थिति (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4362-1967 मोटर ग.डिंयों की नम्बर प्लेटो पर रोणमी करने से संबंधित मिकारिंगों	IS: 4362-1967 मोटर ग.डिंयों की नम्बर प्लेटो पर रोणमी करने से संबंधित मिकारिंगों	IS: 4362-1967 मोटर ग.डिंयों की नम्बर प्लेटो पर रोणमी करने से संबंधित मिकारिंगों
18. IS: 4410 (भाग 10/अनुभाग 1)-1979 नदी थाली परियोजनाओं से संबंधित परिमाविक मध्यावली भाग 10 नेट और वाल्व अनुभाग 1 नेट	IS: 4410 (भाग 10/अनुभाग 1)-1979 नदी थाली परियोजनाओं से संबंधित परिमाविक मध्यावली भाग 10 नेट और वाल्व अनुभाग 1 नेट	IS: 4410 (भाग 10/अनुभाग 1)-1979 नदी थाली परियोजनाओं से संबंधित परिमाविक मध्यावली भाग 10 नेट और वाल्व अनुभाग 1 नेट	IS: 4410 (भाग 10/अनुभाग 1)-1979 नदी थाली परियोजनाओं से संबंधित परिमाविक मध्यावली भाग 10 नेट और वाल्व अनुभाग 1 नेट
19. IS: 4719-1979 अंतरिक्ष कार्यों के लिए नार की बुनाई वाले रेयन कार्पों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4719-1968 नार की बुनाई वाले रेयन कार्पों की विशिष्टि	IS: 4719-1968 नार की बुनाई वाले रेयन कार्पों की विशिष्टि	IS: 4719-1968 नार की बुनाई वाले रेयन कार्पों की विशिष्टि
20. IS: 4773-1979 एडापटर सन्नीदों व.ले रोलिंग वियरिंगों के लिए लम्बाव ल्स.कों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4773-1968 एडापटर सन्नीदों व.ले रोलिंग वियरिंगों के लिए लम्बाव ल्स.कों की विशिष्टि	IS: 4773-1968 एडापटर सन्नीदों व.ले रोलिंग वियरिंगों के लिए लम्बाव ल्स.कों की विशिष्टि	IS: 4773-1968 एडापटर सन्नीदों व.ले रोलिंग वियरिंगों के लिए लम्बाव ल्स.कों की विशिष्टि
21. IS: 4788-1979 जेगिलर नम्बने के आंख की सिल्ली की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4788-1968 आंख की सिल्ली हटने की जीय- गिलर नम्बने छूती की विशिष्टि	IS: 4788-1968 आंख की सिल्ली हटने की जीय- गिलर नम्बने छूती की विशिष्टि	IS: 4788-1968 आंख की सिल्ली हटने की जीय- गिलर नम्बने छूती की विशिष्टि
22. IS: 4789-1979 जेगिलर नम्बने के आंख की सिल्ली की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4789-1968 (मोतियां विव भ.फ करने के छूती (ये के नम्बने) की विशिष्टि	IS: 4789-1968 (मोतियां विव भ.फ करने के छूती (ये के नम्बने) की विशिष्टि	IS: 4789-1968 (मोतियां विव भ.फ करने के छूती (ये के नम्बने) की विशिष्टि
23. IS: 4790-1979 मोतियां विव हटाने वाले करने की छूती एके (नम्बने) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4790-1968 मोतियां विव भ.फ करने के छूती (ये के नम्बने) की विशिष्टि	IS: 4790-1968 मोतियां विव भ.फ करने के छूती (ये के नम्बने) की विशिष्टि	IS: 4790-1968 मोतियां विव भ.फ करने के छूती (ये के नम्बने) की विशिष्टि
24. IS: 4826-1979 इम्पान की गोल तारों पर गर्म डुबाऊ जस्ते की परत चढ़ाने की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4826-1968 इम्पान की गोल तारों पर गर्म डुबाऊ जस्ते की परत चढ़ाने की विशिष्टि	IS: 4826-1968 इम्पान की गोल तारों पर गर्म डुबाऊ जस्ते की परत चढ़ाने की विशिष्टि	IS: 4826-1968 इम्पान की गोल तारों पर गर्म डुबाऊ जस्ते की परत चढ़ाने की विशिष्टि
25. IS: 5296-1979 क्लोरोफार्म शुद्ध और नक्कीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 5296-1969 क्लोरोफार्म नक्कीकी और विष्टेपी की विशिष्टि	IS: 5296-1969 क्लोरोफार्म नक्कीकी और विष्टेपी की विशिष्टि	IS: 5296-1969 क्लोरोफार्म नक्कीकी और विष्टेपी की विशिष्टि

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

26 IS 5375-1974 बेलनाकार गियरो के एकत्रित करने से सबैधी आकृति (पहला पुनरीक्षण) IS 5375-1969 बेलनाकार गियर के एकत्रित करने से सबैधी आकृति

27 IS 5994 (भाग 1)-1979 खट्टी के द्रुक्टरा की परीक्षा की महिना भाग 1 शब्दावली और सामान्य सर्वे वर्णन (पहला पुनरीक्षण) IS 5994-1970 खट्टी के द्रुक्टरा की परीक्षण संहिता

28 IS 6210-1979 गैस्टर सामग्री के प्रतिक्रिया निवारण की परीक्षण पद्धति (पहला पुनरीक्षण) IS 6210-1971 गैस्टर सामग्री की प्रतिक्रिया परीक्षण पद्धति

29 IS 6535-1972 गैश बेलन गियरो के प्राप्ति आकृति (पहला पुनरीक्षण) IS 6535-1972 सीधे बेलन गियरो की प्राप्ति आकृति (पहला पुनरीक्षण)

30 IS 6612-1972 विना धनों सकेव आपणिएट रूट्ट की विशिष्टि IS 6612-1972 विना धनों सकेव आपणिएट रूट्ट की विशिष्टि

31 IS 7503 (भाग 4)-1979 रबड उद्योग में प्रयुक्त पारिस्थापिक शब्दावली भाग 4

32 IS 8319 (भाग 1)-1979 नक्का दृश्यों के माप भाग 4 रेब्रप्रदार 4

33 IS 8401 (भाग 2)-1979 सूला के लिए खेत के मैदानों में लगे उपकरणों माग 3 वर्षों के गत्तम

34 IS 8472 (भाग 2)/अनुभाग 2 1979 परिकल्पना प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 2 सामान्य वायर अनुभाग 2 टाक्स की आवं जो 2 सौ

35 IS 8486 (भाग 3)-1979 जलधारण के सामान्य शासकार खिल्कियों के विशिष्टि भाग 3 स्थिति नियन्त्रण

36 IS 8891-1979 रेब्र उद्योग के लिए रेब्र भार की विशिष्टि

37 IS 9001 (भाग 1-1)-1979 इनोट्रानिक्सी और विजला की उत्तरों वा वातावरण या परीक्षणों के उपकरणों की विशिष्टि भाग 1 नमों चेत्वर

38 IS 9002 (भाग 5)-1979 इनोट्रानिक्सी और विजली की उत्तरों के वातावरणीय परीक्षणों के उपकरणों की विशिष्टि भाग 5 ध्वनि के कमान उपरुण परीक्षण

39 IS 9111 (भाग 1)-1979 कायल के पट्टों-प्राप्ति विशेषण वा पद्धति भाग 1 सकरीकृत शब्दों वा परिभाषा

40 IS 9195 (भाग 1)-1979 जिमनेशियम उप करण की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ

41 IS 9201-1974 कर्दम बाहर के पस्पों की विशिष्टि

42 IS 9225-1979 बाइमिकल में हवा भरने वाले पद्धों की विशिष्टि

43 IS 9232-1979 गृहक गाड़ियों के लिए नियन्त्रण सकेता और हिदायत देने सबैधी प्रतीक

44 IS 9241-1979 विशुल स्पैलिन प्रैमिपिरटरों के लिए खरीदार आकृति प्रपत्र

45 IS 9243-(भाग 1)-1979 टाय की घटियों की परीक्षण पद्धति भाग 1-नुस्खकों प्रसिरोधी

46 IS 9244 (भाग 1-1)-1979 टाय की घटियों की परीक्षण पद्धति भाग 1 जन प्रसिरोधी

(1)	(2)	(3)	(4)
47. IS : 9247-1979 शील्ड आ सील वाले अरीय रॉनिंग वियरिंग संबंधी धूरे		--	--
48. IS : 9260-1979 विस्टारहेलर के लिए खरीद वार आकड़ा प्रपत्र		--	--
49. IS : 9266 (भाग 1)-1979 दाव कार्य डाईसेट (बांध प्रकार) की विशिष्ट भाग 1 सेन्टर पोर्ट आवश्यकात डाईसेट		--	--
50. IS : 9267-1979 वायुपान कार्यों के लिए नियमिताकार नियमों विवरण की विशिष्ट		--	--
51. IS : 9273 (भाग 2)-1979 सीरीज 1 बक्सेन्युमा शुल्क राशि कटेनरों (दाव रहित) की विशिष्ट भाग 2 परीक्षण		--	--
52. IS : 9276-1979 धोड़े के धुरों की विशिष्ट		--	--
53. IS : 9281 (भाग 1)-1979 इलेक्ट्रोनिक नील इलेक्ट्रोलोजी की विशिष्ट भाग 1 ग्राविटी और परिभाषा		--	--
54. IS : 9282-1979 नियमन पुस्तकों के लिए नार रस्ते और सड़ों की विशिष्ट		--	--
55. IS : 9286-1979 हृदय संचयी डिफिलेटर की विशिष्टि		--	--
56. IS : 9291-1979 शीतली शिराई घमकों के माप		--	--
57. IS : 9301-1979 गहरे कुर्मों के हाथ वाले पमों की विशिष्टि		--	--
58. IS : 9308 (भाग 1)-1979 मरीन डारा निकाले गए नारियल के रेशों की विशिष्ट भाग 1 कड़े बालों वाला नारियल का रेशा		--	--
59. IS : 9308 (भाग 2)-1979 मरीन डारा निकाले हुए नारियल के रेशों की विशिष्ट भाग 2 अटाई के लिए नारियल का रेशा		--	--
60. IS : 9308 (भाग 3)-1979 मरीन डारा निकाले हुए नारियल के रेशों की विशिष्टि भाग 3 सजावटी नारियल रेशा		--	--
61. IS : 9316 (भाग 1)-1979 रबड़ लेटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 1 भूम्ह तनाव जात करना		--	--
62. IS : 9316 (भाग 2)-1979 रबड़ लेटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 बिस्कोमिता जात करना		--	--
63. IS : 9316 (भाग 3)-1979 रबड़ लेटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 3 जमाऊ पदार्थ की मात्रा जात करना		--	--
64. IS : 9316 (भाग 4)-1979 रबड़ लेटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 4 कुल ठोक पदार्थ की मात्रा जात करना		--	--
65. IS : 9320-1979 दिष्ट घारा मरीनों की परीक्षण संबंधिका		--	--
66. IS : 9321-1979 मिथधानु के हमवां लोहे के अने बालों में सीबे लगाने के ईमर्ट समयों की विशिष्टि		--	--

(1)	(2)	(3)	(4)
67. IS : 9323-1979 मामान्तर ग्रीको के कार्बाइड दिपों और ग्रीन की विशिष्टि	—	—	—
68. IS : 9333-1979 लूम्बकीय ग्राम्याइड को जिलेंहर द्यूधों और पेंच के कोर की मापन पद्धतियां	—	—	—
69. IS : 9334-1979 बिजली की मोटर इंजन चालित एंक्रुएटरों की विशिष्टि	—	—	—
70. IS : 9336-1979 भूमिगत कंबलों के लिए सूनी धार्गे की विशिष्टि	—	—	—
71. IS : 9341-1979 इलेक्ट्रोलैटिंग के लिए सल फैमिल ग्राम्य की विशिष्टि	—	—	—
72. IS : 9346-1979 परास्वनिक परीक्षा के लिए एन औ टी कम्चारियों की प्रमाणन सम्बन्धीय लिफारिस्टि	—	—	—
73. IS : 9378-1979 कार्म्पोवोयजो नमूने के ग्राम्य सेक्युलर की विशिष्टि	—	—	—
74. IS : 9383 (भाग 2)-1979 प्रतीक संकेती द्यूधों के माप भाग 2 द्यूब्र प्रकार 2	—	—	—
75. IS : 9387 (भाग 1)-1979 तेल द्रवीय कपलिंग के ग्राम्य नर स्टड वाले एल्बो डार्चों की विशिष्टि भाग 1 ग्रूडाइयों से बने	—	—	—
76. IS : 9388 (भाग 1)-1979 तेल द्रवीय कपलिंग के लिए सम एल्बो डार्चों की विशिष्टि भाग 1 ग्रूडाइयों से बने	—	—	—
77. IS : 9392-1980 तेल द्रवीय कपलिंग के ग्राम्य तुम नर स्टड वाले एल्बो डार्चों की विशिष्टि	—	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रभियों विक्री के लिए भारतीय मानक सम्मिलन, मानक भवन, 9 बहादुरगाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली 110002 में तथा अहमदाबाद, गांधीनगर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई कलकत्ता, चड्डोगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और लिंबोन्डम स्थित ग्राम्य कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

[संग्रह अंक 13 : 2]

New Delhi, the 1982 - 09-16

S.O. 3450 :—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations 1955, the Indian standards Institution hereby notifies that the Indian standards (s) particulars of which are given in the schedule hereto annexed, have been established on 1980 03-31

THE SCHEDULE

Sl. No and Title of the Indian standards No Established	No and Title of the Indian standard or standards, if any, superseded by the new Indian standard	Remarks if any	
1	2	3	4
1. IS : 67-1979 Specification for silica for paints (First revision)	IS : 67-1950 Specification for silica for paints		
2. IS : 855-1979 Specification for handloom cotton honeycomb towels and towelling (First revision)	IS : 855-956 Specification for handloom cotton honeycomb towels bleached, striped, checked, or dyed		

(1)	(2)	(3)	(4)
3. IS : 919(Part II)-1979 Recommendations for limits and fits for engineering : part II Fine mechanism and horology			
4. IS : 1045-1979 Specification for cash boxes (Second revision)	IS : 1045-1970 Specification for cash boxes (First revision)		
5. IS : 1335-1979 Method for direct determination of alumina in refractory materials (First revision)	IS : 1335-1959 Methods for the direct determination of alumina in refractory materials (Tentative)		
6. *IS : 1342-1978 Specification for oil pressure stoves (third revision)	IS : 1342-1968 Specification for oil pressure stoves (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS 1342-1978 shall come into force with effect from 1980-07-01	
7. IS : 1483-1979 Specification for white bread (second revision)	IS : 1483-1968 Specification for white bread (first revision)	Established on 1980-02-29	
8. *IS : 2075-1979 Specification for ready mixed paint, stoving, red oxide-zinc chrome, priming (first revision)	IS : 2075-1962 Specification for ready mixed paint, stoving, red oxide zinc chrome, priming	Established on 1979-12-31	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2075-1979 shall come into force with effect from 1980-07-01
9. IS : 2464 (Part III/Sec 1)-1979 Specification for insulating materials based on built-up mica or treated mica paper : Part III Specifications for individual materials : Section 1 Rigid mica materials for commutators separators	--	--	
10. *IS : 2556 (Part VI/Sec 1)-1979 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part VI Specific requirements of urinals : Section 1 Bowl type (third revision)	IS : 2556 (Part VI/Sec 1)-1974 Specification for vitreous sanitary appliances (Vitreous China) : Part VI Specific requirements of urinals, Section 1 Bowl type (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2556 (Part VI/Sec 1) shall come into force with effect from 1980-09-01	
11. *IS : 2556 (Part IX)-1979 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part IX Specific requirements of bidets (third revision)	IS : 2556 (Part IX)-1972 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part IX Specific requirements of bidets (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 2556 (Part IX)-1979 shall come into force with effect from the 1980-09-01	
12. IS : 2794-1979 Specification for truing/ dressing tools, single diamond (first revision)	IS : 2794-1964 Specification for turning tools, single diamond	--	
13. IS : 3311-1979 Specification for waste plug and its accessories for sinks and wash-basins (first revision)	IS : 3311-1965 Specification for waste plug and its accessories for sinks and wash-basins	--	
14. IS : 3386-1969 Specification for wooden fence posts (first revision)	IS : 3386-1965 Specification for wooden fence posts	--	
15. IS : 3762-1979 Specification for metal waste paper bins (first revision)	IS : 3762-1966 Specification for metal waste paper bins	--	
16. IS : 4228-1979 Specification for nylon tapes for aerospace purposes (first revision)	IS : 4228-1967 Specification for nylon tapes for aeronautical purposes	--	
17. IS : 4309-1979 Methods of measurement on direct reading pH meters (first revision)	IS : 4309-1967 Methods of measurement on direct reading pH meters	--	
18. IS : 4362-1979 Specification for number plate lighting devices for automobiles (first revision)	IS : 4362-1967 Recommendations for lighting of number plates for automobiles	--	

(1)	(2)	(3)	(4)
19. IS : 4410 (Part XVI/Sec 1)-1979 Glossary of terms relating to river valley projects : Part XVI Gates and valves : Section 1 Gates	—	—	—
20. IS : 4719-1979 Specification for wire-woven rayon fabric for aerospace purposes (first revision)	IS : 4719-1968 Specification for wire-woven rayon fabric for radar-responsive target sleeves	—	—
21. IS : 4773-1969 Specification for plummer blocks for rolling bearings with adapter sleeves (first revision)	IS : 4773-1968 Specification for plummer blocks for rolling bearings	—	—
22. IS : 4788-1979 Specification for knife, eye, capsulotomy Ziegler's pattern (first revision)	IS : 4788-1968 Specification for knife, eye, capsulotomy (Ziegler's pattern)	—	—
23. IS : 4789-1979 Specification for knife, eye, cataract, Graefc's pattern (first revision)	IS : 4789-1968 Specification for knife, eye, cataract (Graefc's pattern)	—	—
24. IS : 4826-1969 Specification for hot-dipped galvanized coatings on round steel wires (first revision)	IS : 4826-1968 Specification for galvanized coatings on round steel wires	—	—
25. IS : 5296-1979 Specification for chloroform, pure and technical (first revision)	IS : 5296-1969 Specification for chloroform, technical and analytical	—	—
26. IS : 5375-1979 Data for procurement of cylindrical gears (first revision)	IS : 5375-1969 Data for procurement of cylindrical gear	—	—
27. IS : 5994 (Part I)-1979 Test code for agricultural tractors : Part I Terminology and general guidelines (first revision)	IS : 5994-1970 Test code for agricultural tractors	—	—
28. IS : 6210-1979 Method of test for stress relaxation of gasket material (first revision)	IS : 6210-1971 Method of test for stress relaxation of gasket materials	—	—
29. IS : 6535-1979 Data for procurement of straight bevel gears (first revision)	IS : 6535-1972 Data for procurement of straight bevel gears	—	—
30. IS : 6612-1979 Specification for unteased white cotton waste (first revision)	IS : 6612-1972 Specification for unteased white cotton waste	—	—
31. IS : 7503 (Part IV)-1979 Glossary of terms used in rubber industry, Part IV	—	—	—
32. IS : 8319 (Part IV)-1979 Dimensions of indicator tubes : Part IV Tube type 4	—	—	—
33. IS : 8404 (Part II)-1979 Specification for fixed playground equipment for schools : Part II climbing ropes	—	—	—
34. IS : 8872 (Part II/Sec 2)-1979 Specification for variable resistors : Part II General purpose Section 2 Type VRG2C	—	—	—
35. IS : 8886 (Part III)-1979 Specification for ship's ordinary rectangular windows Part III Positioning	—	—	—
36. IS : 8891-1978 Specification for fine for rubber industry	—	—	—
37. IS : 9002 (Part III)-1979 Specification for equipment for environmental tests for electronic and electrical items Part III Humidity chamber	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
38.	IS : 9002 (Part V)—1979 Specification for equipment for environmental tests for electronic and electrical items : Part V Equipment for vibration (sinusoidal) test	—	—
39.	IS : 9127 (Part I)—1979 Methods for petro-graphic analysis of coal : Part I Definition of terms	—	—
40.	IS : 9195 (Part I)—1979 Specification for gymnasium equipment : Part I General requirements	—	—
41.	IS : 9201—1979 Specification for pumps for handling slurry	—	—
42.	IS : 9225—1979 Specification for bicycle air pumps.	—	—
43.	IS : 9237—1979 Symbols for controls, indicators and tell-tales for road vehicles.	—	—
44.	IS : 9241—1979 Purchaser's data sheet for electrostatic precipitators.	—	—
45.	IS : 9243 (Part I)—1979 Methods of test for wrist watches: Part I Antimagnetic.	—	—
46.	IS : 9243 (Part III)—1979 Methods of test for wrist watches: Part III Water-resis-tant.	—	—
47.	IS : 9247—1979 Tolerances for radial rolling bearings with shields or seals.	—	—
48.	IS : 9260—1979 Supplier's data sheet for crystallizer.	—	—
49.	IS : 9266 (Part I)—1979 Specification for press working die sets (Boss type): Part I Centre post rectangular die sets.	—	—
50.	IS : 9267—1979 Specification for tubular nylon webbing for aerospace purposes.	—	—
51.	IS : 9273 (Part II)—1979 Specification for series 1 box type dry bulk containers (non-pressurized) : Part II Testing.	—	—
52.	IS : 9276—1979 Specification for brushes, horse.	—	—
53.	IS : 9281 (Part I)—1979 Specification for electronic weighing systems : Part I Terms and definitions.	—	—
54.	IS : 9282—1979 Specification for wire ropes and strands for suspension bridges.	—	—
55.	IS : 9286—1979 Specification for cardiac defibrillators.	—	—
56.	IS : 9291—1979 Dimensions of internal grinding wheels.	—	—
57.	IS : 9301—1979 Specification for deep well hand pumps.	—	—
58.	IS : 9308 (Part I)—1979 Specification for mechanically extracted coir fibre : Part I Bristle coir fibre.	—	—
59.	IS : 9308 (Part II)—1979 Specification for mechanically extracted coir fibre : Part II Mattress coir fibre.	—	—
60.	IS : 9308 (Part III)—1979 Specification for mechanically extracted coir fibre : Part III Decorated coir fibre.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
61	IS 9316 (Part I) -1979 Methods of test for rubber latex Part I Determination of surface tension	—	—
62	IS 9316 (Part II) -1979 Methods of test for rubber latex Part II Determination of viscosity	—	—
63	IS 9316 (Part III)—1979 Methods of test for rubber latex Part III Determination of coagulum content	—	—
64	IS :9316 (Part IV)—1979 Methods of test for rubber latex : Part IV Determination of total solids content	—	—
65	IS .9320—1979 Guide for testing direct-current (DC) machines	—	—
66	IS .9321—1979 Specification for material for alloy cast iron valve seat inserts	—	—
67	IS 9323—1979 Specification for carbide tipped and mills with parallel shanks	—	—
68	IS 9333 -1979 Methods of measurement for cylinder, tube and screw cores of magnetic oxides	—	—
69.	IS 9334—1979 Specification for electric motor operated actuators	—	—
70	IS 9336 1979 Specification for cotton yarn for underground cables	—	—
71	IS 9341 1979 Specification for sulphuric acid for electroplating	—	—
72	IS 9346 1979 Recommended practice for certification of NDT personnel for ultrasonic examination	—	—
73	IS 9378 1979 Specification for specimen eye, Castroviejo's pattern	—	—
74	IS 9383 (Part II) 1979 Dimensions of sign indicator tubes Part II Tube type 2	—	—
75	IS 9387 (Part I)—1979 Specification for taper male stud elbow body for oil-hydraulic couplings Part I Made from forgings	—	—
76	IS 9388 (Part I) -1979 Specification for equal elbow body for oil hydraulic couplings Part I Made from forgings	—	—
77	IS 9392—1980 Specification for taper male stud coupling body for oil hydraulic couplings	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Mumbai, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jammu, Madras, Patna and Trivandrum.

का० शा० 345.—भारतीय मानक मस्ता (प्रमाणन विहृन) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहां अनुसूची में दिए भारतीय मानकों में संशोधन जारी किए गए हैं।

अनुसूची

अम म० संशोधित भारतीय मानक की मस्ता और शीर्षक	राजपत्र की मस्ता संशोधित मानक और तिथि की मस्ता और जिसमें भारतीय तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS 174-1965 नकली फलान्स की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एम ओ 1081 संख्या 1 1966-04-09 दिसम्बर 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31		
2. IS 176-1965 पेय टिकिंग की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एम ओ सं० 1081 संख्या 1 दिनांक नवम्बर 1979 1966-04-09	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31		
3. IS 180-1965 सूती अदारों के कपड़े की विशिष्ट	एम ओ 1992 संख्या 1 दिनांक विसं० 1979 1966-07-02	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31		
4. IS 182-1965 माजरी की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एम ओ 1756 संख्या 1 दिनांक दिसं० 1979 1966-06-11	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31		
5. IS 222-1977 सामन्त्य कार्यों के लिए नगर स्थानी की विशिष्ट (इसमें पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 विसं० 1979	IS. 8642- 1977 जल प्राधारित लिखने की स्थानीयों के रगों की विशिष्ट के प्रकाशन के फल स्वरूप जिस में नीली स्थानीयों के रगों में संबंधित अवेक्षण दी गई है। IS : 2247- 1962 स्थानीय उद्योग के लिए नीली स्थानीयों के रग की विशिष्ट को आपस ले लिया गया है। अनेक यह संशोधन जारी किया जा रहा है।		
6. IS 561-1978 बोएमसी (एक्सी एच) धूनन और की विशिष्ट (चक्कर पुनरीक्षण)	---	संख्या + विसं० 1979	खण्ड 3, 3 के बर्तीमान सूत्र के स्थान पर नया सूत्र दिया गया है।	1979-12-31	
7. IS 650-1966 सीमेन्ट के परीक्षण के लिए मानक रेत की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एम ओ 1972 संख्या 1 दिनांक विसं० 1979 1976-06-10	खण्ड 2, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1979-12-31		
8. IS 904-1965 ग्राम बक्साने के कार्यों के लिए 3-मार्गी और 3-मार्गी चारों संख्या शीर्षों की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एम ओ 664 संख्या 2 दिनांक नवं० 1979 1966-03-05	1 खण्ड 2, 1, 2, 2, 2, 1, 2, 2, 2, 4, 1, 5, 1, 5, 2 और 6, 1 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9	IS : 1139-1966 कीट प्रबलम के लिए गर्भ वेन्किल एस एमो 3065 *संख्या 3 मृदु इम्पाल मध्यम, तज्ज्वला इम्पाल और उच्च विनाक पराभव भास्यम् इम्पाल को विकृत मरियों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस एमो 3065 दिसं. 1979 1966-10-15	2 पृष्ठ 4 पर 11 और "X" चिह्न लगी पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	3 पृष्ठ 7 पर "X" चिह्न लगी पाद टिप्पणी के स्थान "पर नई पाद" टिप्पणी दी गई है।	4 "X", "+" और "क" चिह्न लगी पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियों दी गई है।
10	IS : 1178-1973 जीवी और तेल उत्तरोग के लिए गर्भ विशिष्टि (पहा० विनाक पुनरीक्षण)	एस एमो 3069 दिसं. 1979 1975-09-13	**संख्या 2 मक्कू० 1979	5. पृष्ठ 4 पर "+" चिह्न लगी पाद टिप्पणी के बाद एक गई पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।	पृष्ठ 9 पर सारणी। 1 के स्थान पर नई सारणी 1979-12-31 दी गई है।
11.	IS : 1248-1968 विजर्ली यंको में प्रत्यक्ष गम एम एमो 2654 काम करने वाले सूचक यंको की विशिष्टि (पहला विनाक पुनरीक्षण)	संख्या 3 नवं. 1979 1958-12-27	शहं 4-11-5 के स्थान पर नया शहं लिया 1979-11-30 गया है।		
12	IS : 1267-1958 हृषकरबों की बस्टेंड रैफल एम एमो 2654 शान्तों की विशिष्टि	संख्या 2 विनाक दिसं. 1979 1958-12-27	यह संशोधन लानने के कपड़े की चार किस्मो 1979-10-31 को मानक में शामिल करने के लिए जारी किया जा रहा है।	यह संशोधन भारतीय मानकों में विभिन्न अवश्यों के लिए परीक्षण पद्धतियों के आधुनिक तरीकों से समन्वित संपादकीय परिवर्तन करने के उद्देश्य से जारी किया जा रहा है।	1. (पृष्ठ 15, शहं 5, 11, 2) हटा दें। 1979-12-31 2. शहं 6 2 का मंशोधन किया गया है। 3. (पृष्ठ 15, "X" चिह्न वाली पाद- टिप्पणी) हटा दें।
13.	IS : 1384-1977 तेल दाढ़ वाली लालटेन की विशिष्टि (इमग पुनरीक्षण)	संख्या 1 विसं. 1979	4. पृष्ठ 18 और 19 पर परिशिष्ट "क" के अधीन अनौपचारिक सारणी का संशोधन किया गया है। 5. पृष्ठ 7 पर शहं 4 2 के अधीन अनौपचारिक सारणी का संशोधन किया गया है। 6. पृष्ठ 7 पर "+" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के बाद एक नई पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।	1. शहं 0 5 के स्थान पर नया शहं लिया 1979-12-31 गया है। 2. (पृष्ठ 235 और 5); शहं 0 5.1, ए० ए 2 1.1, और ए० 2.2.7- IS : 196-1950 के स्थान पर IS : 196-1966 कर लें। 3. शहं 0.7, 5.1.1, 5 1 13, 5 1.6, 1 और 5 4 का मंशोधन किया गया है।	
14.	IS : 1426-1959 रेयन हाफ क्रेप सार्फी के कपड़े एस एमो 1346 स०1 की विशिष्टि	विनाक विसं. 1979 1960-05-28	*भासा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1980-02-29 से लागू होगा।		

**भासा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1980-02-29 से लागू होगा।

**भासा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन 1979-12-31 से लागू होगा।

1	2	3	4	5	6
15. IS : 1455-1950 रेवन जैकडे कपड़ों की वि- विधिटि	एस ओ 1632 दिनांक 1960-07-02	संख्या 2 दिस. 1979	4. पृष्ठ 4 पर छंड 5.1.1 के घटकों टिप्पणी को बदल दिया है। 5. पृष्ठ 4 पर सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1. छंड 0.5 के स्थान पर नया छंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 2, 5 और 6 छंड 0.5, 1.0- 2.1.7 और ए-2, 2.7)	1979-12-31
16. IS : 1802-1960 शार्कटंग की विविधि	एस ओ 1346 दिनांक 1960-05-28	संख्या 1 मूल 1980	IS "196-1960" के स्थान पर IS "196-1966" कर लें। 3. छंड 0.7, 5.1.1, 5.1.3.1 और 5.4 का संशोधन किया गया है। 4. पृष्ठ 4 पर सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1. छंड 0.5 के स्थान पर नया छंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 2.5 और 6 छंड 0.8, 1.0- 2.1.7, ए-2, 2.7 और ए-2, 3.4)प्र	1980-01-31
17. IS : 1544-1973 सूती फैब्रिको कपड़े की विविधि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 3069 दिनांक 1975-09-13	संख्या 1 दिस. 1979	IS : 196-1950 के स्थान पर IS : 196-1966 कर लें। 3. छंड 0.7, 5.1.1, 5.1.3.1 और 5.4 का संशोधन किया गया है। 4. पृष्ठ 4 पर सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1. सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 2. छंड 2.2 के बाद नई टिप्पणी भी गई है।	1979-12-31
18. IS : 1571-1976 हवाई जहाज के लिए भिट्टी के तेल वाले टरबाइन इंजन की विविधि (सीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3069 दिनांक 1975-09-13	संख्या 1 दिस. 1979	1. सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	
19. IS: 1785 (भाग 1) -1966 पूर्व प्रतिवर्षित कंपोट के लिए साथे सक्ति विवेद इस्यात के तार की विविधि भाग 1 छंड प्रतिवर्ष रहित विवेद तार (पुनरीक्षण)	एस ओ 4023 दिनांक 1966-12-31	संख्या 4 दिस. 1979	1. पृष्ठ 8 छंड 7.3 पारेट्री और छंड नावय (संशोधन संख्या 2 भी देखें) इसे हटा दें। 2. छंड 7.7 का संशोधन किया गया है। 3. छंड 6.1 के बाद नयी टिप्पणी भी गई है।	1. छंड 4.1 और सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 2. छंड 5.1 और 6.1 के घटकों घोर- चारिक सारणियों का संशोधन किया गया है।	1979-12-31
20. IS: 1783 (भाग 2) -1966 पूर्व प्रवर्तित कंपोट के लिए साथे सक्ति विवेद इस्यात के तार विविधि भाग 2 विवेद तार	एस ओ 1719 दिनांक 1966-05-18	* संख्या 1 दिस. 1979	1. छंड 2.3 के स्थान पर नया छंड दिया गया है।	1979-12-31	
21. IS: 1925-1974 बोडियों की विविधि (इसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 2753 दिनांक 1975-08-23	संख्या 1 दिस. 1979	1. छंड बी- 3 के स्थान पर नया छंड दिया गया है। 2. सारणी 5 और प्राकृति 5 के स्थान पर नई सारणी और प्राकृति दी गई है। 3. सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
22. IS: 2418 (भाग 1) -1977 सामान्य रोपनी के लिए भलिकावार प्रतिवर्षित बत्तियों की विविधि भाग 1 घोर-परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या 1 दिस. 1979			

*भागा संख्या प्रमाणन भुहर योजना के लिए यह संशोधन 1980-02-01 से लागू होगा।

** भागा संख्या प्रमाणन भुहर योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1980-02-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
23. IS 2457-1963 छतरी के मूर्ती कपड़े (जालसह- एम और 2877 कृत) की विशिष्टि	संख्या 1 दिनांक 1463-10-12	संख्या 1 दिनांक 1979-09-1979	मारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
24. IS 2536 (भाग 3)-1973 काचाभ स्वच्छता एम और 2557 माध्यनो (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 3 दिनांक बैठने की टटी की विशिष्टि प्रयोक्ताएँ (दूसरा 1475-08-09 पुनरीक्षण)	संख्या 3 दिनांक नव. 1979	1. प्राकृति 2 के स्थान पर नई प्राकृति दी गई है। 2. पृष्ठ 3 पर प्राकृति 3 के नीचे नई टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30		
25. IS 2556 (भाग 5) 1976 काचाभ स्वच्छता एम और 1596 माध्यनो (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 5 दिनांक प्रयोक्ती टदिटांग की विशेष प्रयोक्ताएँ 1976-05-08	संख्या 2 दिनांक नवम्बर 1979	मारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30		
26. IS 2569-1978 मैलायिन जलारिक्षरी माल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	— संख्या 1 दिनांक नवम्बर 1979	1. मारणी 1 का संशोधन किया गया है। 2. खंड 5.1, 2 के बाद एक नया खंड 5.1.3 दिया गया है। 3. खंड 3 1-8, 2 4-8, 2 5 और 8 2-6 के स्थान पर नए खंड दिये गए हैं। 4. पृष्ठ 5 खंड 3 1-1 हटा दें। 5. पृष्ठ 5 खंड 4 2/0 0348 के स्थान पर 0.0355 कर दें। 6. पृष्ठ 8 में 11 रिप्रिट के पृष्ठ 10 में 12 में परिशिष्ठ हटा दें।	1979-11-30		
27. IS 2593-1964 बनिकों की टोपियो की बलियो एम और 4120 के लिए संस्कृते के बलों की विशिष्टि दिनांक विस. 1979-12-05	* संख्या 5 दिनांक 1964-12-05	1. खंड 3 1-8, 2 4-8, 2 5 और 8 2-6 के स्थान पर नए खंड दिये गए हैं। 2. पृष्ठ 5 खंड 3 1-1 हटा दें। 3. पृष्ठ 5 खंड 4 2/0 0348 के स्थान पर 0.0355 कर दें। 4. पृष्ठ 8 में 11 रिप्रिट के पृष्ठ 10 में 12 में परिशिष्ठ हटा दें। 5. खंड 9.9 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 6. पृष्ठ 25 और 26 (तीसरे रिप्रिट के पृष्ठ 27 और 28 (परिशिष्ट ई प्रीर एफ) हटा दें और परिशिष्ट जी का परिशिष्ठ "ई" का नाम दें। 7. खंड 3 2 के बाद एक नई टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31		
28. IS 2834-1964 गावर प्रणालियो के लिए संट एम और 2729 संस्कृतों की विशिष्टि दिनांक विस. 1965-09-04	संख्या 4 दिनांक विस. 1979	खंड 11, 2, 10 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1979-12-31		
29. IS 2992-1965 रोधन प्रतिरोधिता परीक्षण एम और 2042 गंद (चुम्कीय तनिक प्रक. 2) की विशिष्टि दिनांक विस. 1965-06-26	संख्या 4 दिनांक नव. 1979	मारणी 3 के स्थान पर नई मारणी दी गई है।	1979-12-31		
30. IS 3073-1967 मतह के खुरारेपत का मूल्यांकन एम और 1720 विस. 1980-05-18 दिनांक विस. 1979	संख्या 3 दिनांक विस. 1979	मारणी 5 के प्रधीन प्राकृति के स्थान पर नई प्राकृति दी गई है।	1979-11-30		
31. IS 3075-1965 मरकिलप को मापे गम और 444 दिनांक विस. 1966-02-12	संख्या 2 दिनांक नव. 1979	1. खंड 3 5, 8, 1 1-8 1-2 और 8 1-3 के स्थान पर नए खंड दिये गए हैं। 2. खंड 3 5, 8 1-1 8 1-2 और 8 1-3 के स्थान पर नए खंड दिये गए हैं। 3. खंड 8, 2 के बाद नया खंड 9 जोड़ा गया है और बाद के खंडों को संख्या दी गई है। 4. पृष्ठ 7 पर *** चिह्न ब.ली प द टिप्पणी के बाद *** चिह्न ब.ली नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31		
32. IS 3314-1976 कपड़ा के लिए इस्पत के लकड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) एम और 3820 दिनांक विस. 1979-12-24	संख्या 2 दिनांक विस. 1979	1. खंड 6, 1, 6, 2 और 6, 3 के स्थान पर नए खंड दिये गए हैं। 2. खंड 6, 1 के बाद एक नया खंड 7 जोड़ा गया है और बाद के खंडों का नदर्तमार संख्या दी गई है।	1979-12-31		
33. IS 3763-1966 मुड़ने वाली छातु की बनी एम और 1972 क्रिस्यो की विशिष्टि विस. 1967-06-10	संख्या 4 दिनांक विस. 1979	*भाग संख्या प्रमाणन चिह्न कार्यों के लिए यह संशोधन 1980-01-01 से आए गया।	1979-12-31		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34. IS: 3791-1966 कागजों के लिए धातु की एस ओ 1633 विनाक 1967-04-29	संख्या 4 दिनांक 1979	खंड 7. 1, 7. 2 और 7. 3 के स्थान पर नए खंड लिए गए हैं।	1979-12-31		
35. IS: 3812 (भाग 3)-1966 फलाई रख की विशिष्टि, भाग 3 ममाले और कंकीट में प्रयुक्त बारीक रोड़ी के लिए एस ओ 1972 विनाक 1967-06-10	संख्या 1 नव. 1979	2. खंड 7. 3. 1 के बाद नया खंड 8 जोड़ा गया है और बाद के खंडों को तदनुसार संलग्न की दी है।	खंड 10. 1. 1 के बाद एक नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1. (पृष्ठ 3, खंड 0. 3 हटा दे और बाद के खंडों के तदनुसार संलग्न की दें।	1. (पृष्ठ 3, खंड 0. 3 हटा दे और बाद के खंडों के तदनुसार संलग्न की दें।
36. IS: 3973-1967 तार-रस्मों के चुनाव सम्बन्धी पर और राज-राजाव की रीति संहिता लिए विशिष्टि एस ओ 2417 विनाक 1967-07-22	संख्या 2 नव. 1979	3. खंड 4. 1 और 5. 1 का संशोधन किया गया है।	2. खंड 4. 1 के बाद एक नई पाद टिप्पणी दी गई है।	2. खंड 0. 7 और 11. 2. 3 के स्थान पर नए खंड लिए गए हैं।	2. खंड 0. 7 और 11. 2. 3 के स्थान पर नए खंड लिए गए हैं।
37. IS: 4019-1967 स्थिर जोड़ वाले डिवाइटर की विशिष्टि एस ओ 2417 विनाक 1967-07-22	संख्या 2 नव. 1979	3. खंड 4. 1 और 5. 1 का संशोधन किया गया है।	3. पृष्ठ 5 पर “*” चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	4. पृष्ठ 5 पर “*” चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	3. खंड 4. 1 के स्थान पर नया खंड लिए गया है।
38. IS: 4103-1977 धातु को आराम कुसियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) एस ओ 4633 विनाक 1967-12-30	संख्या 1 विनाक 1979	5. सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	4. पृष्ठ 4 पर “-” और “+” चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	5. सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	4. पृष्ठ 4 पर “-” और “+” चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।
39. IS: 4189-1967 स्थिर जोड़ वाले भीतरी और बाहरी कैनिपरों की विशिष्टि एस ओ 4633 विनाक 1968-05-18	संख्या 1 विनाक 1979	1. खंड 6. 1. 1, 6. 1. 2 और 6. 1. 3 के स्थान पर नए खंड जोड़े गए हैं।	1. खंड 3. 2 के स्थान पर नया खंड लिए गया है।	1. खंड 6. 2 और 8. 12 का संशोधन किया गया है।	1. खंड 3. 2 के स्थान पर नया खंड लिए गया है।
40. IS: 4318-1967 शिरोपरि कवच साहनों के लिए ठोम कोर वाले पोमलिन गोधको की विशिष्टि एस ओ 1720 विनाक 1968-05-18	संख्या 1 विनाक 1979	2. खंड 6. 4 के बाद खंड 7. 7. 1, 7. 2, 7. 3, 7. 4 और 7. 5 दिए गए हैं और बाद के खंडों को तदनुसार संलग्न की दी गई है।	2. खंड 4. 1 और 7. 1 का संशोधन किया गया है।	2. खंड 4. 1 और 7. 1 का संशोधन किया गया है।	2. खंड 4. 1 और 7. 1 का संशोधन किया गया है।
41. IS: 4687-1968 इसैइ पैकिंग बाले ऐस्ट्रीस्टाम की विशिष्टि एस ओ 3745 विनाक 1968-10-26	संख्या 1 विनाक 1979	3. पृष्ठ 4 पर + और - चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	3. पृष्ठ 3. 2 के स्थान पर नया खंड लिए गया है।	3. पृष्ठ 4 पर + और - चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	3. पृष्ठ 4 पर + और - चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।
42. IS: 4838 (भाग 1)-1969 स्कूल के बच्चों के लिए शारीरिक साप भाग 1 आयु वर्ग 5 से 11 वर्ष तक एस ओ 2110 विनाक 1971-05-29	संख्या 1 विनाक 1979	4. खंड 4. 4 और 4. 10. 1 के स्थान पर नए खंड लिए गए हैं।	4. खंड 4. 4 और 4. 10. 1 के स्थान पर नए खंड लिए गए हैं।	5. (पृष्ठ 6, खंड 4. 4. 1) इसे हटा दे और बाद के खंडों को तदनुसार संलग्न की दें।	5. (पृष्ठ 6, खंड 4. 4. 1) इसे हटा दे और बाद के खंडों को तदनुसार संलग्न की दें।
		6. (पृष्ठ 7, खंड 7. 2) — इसे हटा दे और बाद के खंड को तदनुसार संलग्न की दें।	6. (पृष्ठ 7, खंड 7. 2) — इसे हटा दे और बाद के खंड को तदनुसार संलग्न की दें।	सारणी 1 और सारणी 3 का संशोधन किया गया है।	सारणी 1 और सारणी 3 का संशोधन किया गया है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43. IS. 4875—1975 मुगाफली के खाने के लिए एमओ० 3434 *संख्या 2 नव० 1979	(घोलको डाग प्राप्त) की विशिष्टि (पहला दिनांक 1978-12-02			मारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30
44. IS. 4989—1974 आग बुझाने के लिए प्रयुक्त एमओ० 987 मंख्या 3 फरवरी 1974	मणीमी आग तैयार करने के लिए आग मिश्रण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	दिनांक 1976-03-06		1. परिषिष्ट 'क्यू' के स्थान पर तथा परिषिष्ट दिया गया है। 2. पृष्ठ 26 और 28 पर "X" चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है। 3. खंड एम 1.1 का संशोधन किया गया है।	1979-02-28
45. IS. 1989—1974 आग बुझाने के लिए प्रयुक्त एमओ० 987 *संख्या 4 जूलाई 1979	मणीमी आग तैयार करने के लिए आग मिश्रण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	दिनांक 1976-03-06		1. खंड 2.1 और भार-1.1.3 के स्थान पर नए खंड लिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 6 खंड 2.1.1) —हटा दे। 3. सारणी 2 के नीचे दी गई टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है। 4. खंड भार-1.1 का संशोधन किया गया है। 5. (पृष्ठ 28, खंड एस-1.1.1) हटा दें। और बाद के खंड एम-1.1.2 को एम-1.1.1 संख्या दें। 6. (पृष्ठ 28) चिह्न बाली पाद टिप्पणी हटा दें। 7. पृष्ठ 9 खंड 6.1 (एच) 6.1 (एच) के बाद निम्नलिखित नई माम्री जोड़ ले। (ज) हिंदूयते पदार्थ को मह डाग नहीं लिया जाए।	1979-07-31
46. IS. 5000(ओडी)—1974 एक विश्वास आलक युक्तियों के माप युक्ति विव्यास ओडी 19 एमओ० 1232 मंख्या 1 दिनांक दिसम्बर 1979	दिनांक 1976-04-03			खंड 1 और 3 की अनौपचारिक मारणी का संशोधन किया गया है।	1979-12-31
47. IS. 5463—1969 रसायनिक परीक्षणों के लिए सूती कपड़ों की शारणी लेस की पद्धति।	एमओ० 3252 मंख्या 1 नवम्बर 1979	दिनांक 1970-10-03		खंड 4.4 के बाद 4.5 और 5.5.1 तक खंड दिए गए हैं।	1979-11-30
48. IS. 5995—1971 पाइप लाइन कलाम की विशिष्टि	एमओ० 3318 संख्या 1 दिसम्बर 1979	दिनांक 1972-10-21		खंड 2 के नीचे अनौपचारिक खंड के बाद एन नई टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30
49. IS. 6347—1971 मछली पकड़ने के लिए पोलीबेलीन इकहों सन्तु फिलामेट बाली रस्ती की विशिष्टि	एमओ० 3255 मंख्या 1 नव० 1979	दिनांक 1973-11-24		सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30
50. IS. 6790—1973 पट्टी प्रस्त्र अंतरागणक (इस्टर्टोर्नेट्रिक) अनेटन प्रकार, की विशिष्टि	एमओ० 1290 मंख्या 1 नवम्बर 1974	दिनांक 1975-04-26		पृष्ठ 1 की प्रारूपि का संशोधन किया गया है।	1979-11-30
51. IS. 6893 (भाग 1)—1973 मणीनो के मंख्या 1 संख्या 1 दिसम्बर 1979	दिसम्बर 1979			खंड 2.7 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31
भाग 1 मरकदा ममतल करने, वेत्र चुड़ी कटाई की विशिष्टि					
52. IS. 7026—1973 हाजरी धागे वर्टेट की विशिष्टि	एमओ० 1640 मंख्या 1 नव० 1979	दिनांक 1975-11-01		1. खंड 3.2 के स्थान पर तथा खंड विया गया है। 2. पृष्ठ 4 पर +चिह्न बाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30

भा मा संख्या प्रमाणन महर योजना कार्यों के लिए संशोधन 1980-01-01 से लाग जाएगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53 IS 7074-1973 हृदाई माल होने वाले पटियो (फैलेट) की सामान्य घोषक्रांति	प्रमो 173 विनाक 1976-01-01	संख्या 1 अनवर्ग 1980	1. पटनाम-मानक में जहाँ कही थी। IS 7074-1973 प्राप्त बहा। 2. यहाँ से आवरण पृष्ठ के शीर्षक पृष्ठ 1 और 3 के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है।		1980-01-31
54 IS: 7466—1974 प्रेमर कुकर के लिए रबड़ गाम्फेट की विशिष्टि	एमो 1092 विनाक 1977-04-09	सं० 1 नवम्बर 1979	पृष्ठ 5 सारणी 1 स्तम्भ 3, अम संख्या 7 के साथमें “2.0” के स्थान पर “3.0” कर दें।		1979-11-30
55 IS: 7473—1974 कोलतार के बूँदों की विशिष्टि बुक्सो	एमो 1597 विनाक 1976-05-08	सं० 1 अक्टूबर 1980	आहति 1 और बड़ 7, 3, 2 का संशोधन किया गया है।		1980-01-31
56 IS: 7652-1975 रक्तचाप मापी नियन्ति टाइप की विशिष्टि	एमो 2547 विनाक 1977-08-13	*संख्या 2 विस० 1979	1. बंड 4, 3 का संशोधन किया गया है। 2. बंड 4, 4 और 4, 4, 1 के स्थान पर नए बंड दिए गए हैं।		1980-12-31
57. IS: 7963-1976 अनन्द नहाने के मोबूल की विशिष्टि	एमो 3440 विनाक 1978-12-02	सं० 2 नव० 1979	नवण की (मोडियम क्लोरोहाइड) के रूप में प्रयोक्तिक मात्रा का अल्कोहल में अधूरनशील पदार्थ के रूप में यह ध्वन रक्षकर रखी गयी। इस प्रक्रिया में इस का स्वतः ही नियंत्रण हो जाएगा। विशिष्टि व्यवहार में भी नहीं पाया गया था और नवण की अधिक मात्रा ने कुछ समस्या उत्पन्न कर दी थी। अतः अवृद्ध तकनीकी समिति ने इस विशिष्टि में नवण की मात्रा से संबंधित घोषक्रांति शामिल करने का नियन्त्रण किया है। फिनोलिक पदार्थ और शार गहिर कार्बमकूल पदार्थों से संबंधी घोषक्रांति इस संशोधन व सार्वजनिक कार्बमकूल की जा रही है।		1979-11-30
58 IS: 8048-1976 हेलेक्ट्रोकार्डियो ग्राफ की विशिष्टि	एमो 2505 विनाक 1970-07-21	*सं० 1 विस० 1979	बंड 8, 1, 7, 1 के स्थान पर नया बंड दिया गया।		1979-12-31
59 IS: 8359-1977 यूरिया अमोनियम फार्मेट प्राथारित उत्पन्नों की विशिष्टि	एमो 417 विनाक 1980-02-23	सं० 1 नवम्बर 1979	बड़ 3, 3, 4, 1, 1, 2, 1 और 3-1, 2, 2, 1 का संशोधन किया गया है।		1979-11-30
60 IS: 8395 (भाग 2)-1977 मीटर गाड़ियों के बादरिंग के लिए प्रयोग केवल अंतकों की विशिष्टि भाग 2 फूलेट और नलिका प्रकार के योजन	एमो 612 विनाक 1980-03-08	सं० 1 विस० 1979	पृष्ठ 5 पर आकृति 2 के स्थान पर नई आहति दी गई है।		1979-12-31
61 IS: 8781-1978 हस्तचालित एक पंक्ति पटभूत बीज हिमों की विशिष्टि	--	सं० 1	1. बड़ 6, 1 के स्थान पर नया बड़ दिया गया है।		1979-11-30

*भाना संस्था प्रमाणन महर योग्यता कार्यों के लिए संशोधन 1980-01-01 से लागू होगा।

इस संशोधन की प्रतियो भारतीय मानक सम्मान नई मानक भवन 9 बहादुरगाह जकर मार्ग नई विली 110002 के ग्रीष्म शाखा कार्यालय

भ्रह्मदावाप, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई कलकत्ता चैंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास और त्रिवेदीम से प्राप्त की जा सकती है।

[सं० मी एम डी/13-5]

New Delhi, the 1982-09-16

S.O. 3451.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 174-1965 Specification for flannelettes (Revised)	S.O. 1081 dated 1966-04-09	No. 1 Dec. 1979	Table 1 has been amended	1979-12-31	
2. IS : 176-1965 Specification for bedsheetings (Revised)	S.O. 1081 dated 1966-04-09	No. 1 Nov. 1979	Table 1 has been amended	1979-11-30	
3. IS : 180-1965 Specification for cotton sheetings (Revised)	S.O. 1992 dated 1966-07-02	No. 1 Dec. 1979	Table 1 has been amended	1979-12-31	
4. IS : 182-1965 Specification for mazri (revised)	S.O. 1756 dated 1966-06-11	No. 1 Dec. 1979	Table 1 has been amended.	1979-12-31	
5. IS : 222-1977 Specification for ink, fluid, for general purposes (second revision)	—	No. 1 Dec. 1979	In view of the publication of IS : 8642-1977 'Specification for dyes for water-based writing inks' in which the requirements of dye, ink blue, have been covered, IS : 2247-1962 'Specification for dye, ink blue for ink industry' has been withdrawn. Hence this amendment is being issued.	1979-12-31	
6. IS : 561-1978 Specification for BHC (HCH) dusting powders (fourth revision)	—	No. 1 Dec. 1979	Existing formula of Clause A-3.3 has been substituted by new one.	1979-12-31	
7. IS : 650-1966 Specification for standard sand for testing of cement (first revision)	S.O. 1972 dated 1967-06-10	No. 1 Dec. 1979	Clause 2.1 has been substituted by a new one.	1979-12-31	
8. IS : 904-1965 Specification for 2-way and 3-way suction collecting heads for fire fighting purposes (revised)	S.O. 664 dated 1966-03-05	No. 2 Nov. 1979	(i) Clauses 2.1.2, 2.2.1, 2.2.2, 4.1, 5.1, 5.2 and 6.1 have been amended. (ii) Foot notes with '¶' and '*' marks at page 4 have been substituted by new ones. (iii) Foot notes with '*' and '†' marks at page 7 have been substituted by new ones. (iv) Foot notes with '*' '†' and § marks have been substituted by new ones. (v) A new foot note has been added at page 4 after foot note with '†' mark.	1979-11-30	
9. IS : 1139-1966 Specification for hot rolled mild steel, medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcement (revised).	S.O. 3065 dated 1966-10-15	*No. 3 Dec. 1979	Table 1 at page 9 has been substituted by a new one.	1979-12-31	
10. IS : 1178-1973 Specification for filter cloth for sugar and oil industries (first revision)	S.O. 3069 dated 1975-09-13	**No. 2 Oct. 1979	This amendment is being issued to incorporate four additional varieties of filter cloth.	1979-10-31	
11. IS : 1248-1968 Specification for direct acting electrical indicating instruments (first revision)	S.O. 3961 dated 1968-11-09	No. 3 Nov. 1979	Clause 4.11.5 has been substituted by a new one.	1979-11-30	

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-29.

** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1979-12-31.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12.	IS : 1267-1958 Specification for handloom worsted raffal shawls.	S.O. 2654 dated 1958-12-27	No. 2 Dec. 1979	This amendment is being issued to incorporate editorial changes and for referring the latest versions of Indian Standards on methods of tests for different characteristics.	1979-12-31
13.	IS : 1384-1977 Specification for oil pressure lanterns (second revision)	—	No. 1 Dec. 1979	(i) (Page 15, clause 5.11.2)—delete. (ii) Clause 6.2 has been amended. (iii) (Page 15, foot-note with '*' mark) Delete. (iv) Informal table under appendix 'A' at page 18 and 19 has been amended. (v) Informal table under Clause 4.2 at page 7 has been amended. (vi) A new note has been added at page 7 after foot note with '+' mark.	1979-12-31
14.	IS : 1426-1959 Specification for rayon half crepe sari cloth.	S.O. 1346 dated 1960-05-28	No. 1 Dec. 1979	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one. (ii) (Pages 2, 5 and 6, Clauses 0.5.1, A-2.1.7 and A-2.2.7)—Substitute 'IS : 196-1966' for 'IS : 196-1950'. (iii) Clauses 0.7, 5.1.1, 5.1.3, 5.1.6.1 and 5.4 have been amended. (iv) Note under clause 5.1.1 at page 4 has been substituted. (v) Table II at page 4 has been amended.	1979-12-31
15.	IS : 1455-1959 Specification for rayon jacquard fabrics.	S.O. 1632 dated 1960-07-02	No. 2 Dec. 1979	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one. (ii) (Pages 2, 5 and 6, Clauses 0.5.1, A-2.1.7 and A-2.2.7)—Substitute 'IS : 196-1966' for 'IS : 196-1950'. (iii) Clause 0.7, 5.1.1, 5.1.3.1 and 5.4 have been amended. (iv) Table II at page 4 has been amended.	1979-12-31
16.	IS : 1502-1959 Specification for shantung.	S.O. 1346 dated 1960-05-28	No. 1 Jan. 1980	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one. (ii) (Pages 2, 5 and 6, Clauses 0.5.1, A-2.1.7, A-2.2.7 and A-2.3.4.— Substitute 'IS : 196-1966' for 'IS : 196-1950'. (iii) Clauses 0.7, 5.1.1, 5.1.3.1 and 5.4 have been amended (iv) Table II at page 4 has been amended.	1980-01-31
17.	IS : 1544-1973 Specification for cotton calico (first revision)	S.O. 3069 dated 1975-09-13	No. 1 Dec. 1979	(i) Table 1 has been amended (ii) A new note has been added after clause 2.2.	1979-12-31
18.	IS : 1571-1976 Specification for aviation turbine fuels, kerosine type (third revision)	S.O. 612 dated 1980-03-15	No. 1 Nov. 1979	Table 2 has been amended.	1979-11-30
19.	IS : 1785 (Part I)—1966 Specification for plain hard drawn steel wire for prestressed concrete Part I Cold drawn stress-relieved wire (revised).	S.O. 4023 dated 1966-12-31	*No. 4 Dec. 1979	(i) (Page 8, clause 7.5, fifth and sixth sentences (see also Amendment No. 2)—Delete. (ii) Clause 7.7 has been amended (iii) A new note has been added after Clause 6.1	1979-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. IS : 1785 (Part II)—1967 Specification for plain hard drawn steel wire for prestressed concrete Part II As-drawn wire.	S.O. 1719	**No. 1 Dec 1979	(i) Clause 4.1 and table 1 have been amended. (ii) Informal tables under clauses 5.1 and 6.1 have been amended.	1979-12-31	
21. IS : 1925-1974 Specification for BIDIS (second revision)	S.O. 2755 dated 1975-08-23	— No. 1 Dec 1979	Clause 2.3 has been substituted by a new one.	1979-12-31	
22. IS : 2418 (Part I)—1977 Specification for tubular fluorescent lamps for general lighting service Part I Requirements and tests (first revision)	— No. 1 Dec 1979	(i) Clause B-3 has been substituted by a new one. (ii) Table 1 and Fig. 5 have been substituted by new ones. (iii) Table 2 has been amended	1979-12-31		
23. IS : 2457-1963 Specification for cotton umbrella cloth (water-proofed)	S.O. 2877 dated 1963-10-12	No. 1 Dec 1979	Table 1 has been amended	1979-12-31	
24. IS : 2556 (Part III)—1973 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part III Specific requirements of squatting pans (second revision)	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No. 3 Nov 1979	(i) Fig. 2 has been substituted by a new one. (ii) A new note has been added under fig. 3 at page 7.	1979-11-30	
25. IS : 2556 (Part XV)—1974 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part XV Specific requirements of universal water closet.	S.O. 1596 dated 1976-05-08	No. 2 Nov 1979	Table 1 has been amended	1979-11-30	
26. IS : 2569-1978 Specification for malathion water dispersible powder concentrates (second revision)	— No. 1 Nov 1979	(i) Table 1 has been amended (ii) A new clause 5.1.3 has been added after clause 5.1.2.	1979-11-30		
27. IS : 2593-1964 Specification for flexible cables for miners' cap-lamps.	S.O. 4120 dated 1964-12-05	*No. 5 Dec 1979	(i) Clauses 3.1, 8.2.4, 8.2.5 and 8.2.6 have been substituted by new ones. (ii) (Page 5, clause 3.1.1.)—Delete. (iii) (Page 5, clause 3.2)—Substitute '0.035 5' for '0.034 8' (iv) [Pages 9 to 11 (pages 10 to 12 of Third Reprint), Appendix]—Delete.	1979-12-31	
28. IS : 2834-1964 Specification for shunt capacitors for power systems.	S.O. 2729 dated 1965-09-04	No. 4 Dec 1979	(i) Clause 9.9 has been substituted by a new one. (ii) Pages 25 and 26 (pages 27 and 28 of Third Reprint), Appendices E and F)—Delete and redesignate 'Appendix G' as 'Appendix E'. (iii) A new note has been added after clause 3.2	1979-12-31	
29. IS : 2992-1965 Specification for insulation resistance testers (magneto generator type)	S.O. 2042 dated 1965-06-26	*No. 4 Nov 1979	Clause 11.2.10 has been substituted by a new one.	1979-11-30	
30. IS : 3073-1967 Assessment of surface roughness.	S.O. 1720 dated 1968-05-18	No. 3 Dec 1979	Table 3 has been substituted by a new one.	1979-12-31	
31. IS : 3075-1965 Dimensions for circlips.	S.O. 444 dated 1966-02-12	No. 2 Nov 1979	Figure under table 5 has been substituted by a new one.	1979-11-30	
32. IS : 3314-1976 Specification for steel clothes lockers (first revision)	S.O. 3820 dated 1979-11-24	No. 2 Dec 1979	(i) Clauses 5.5, 8.1.1, 8.1.2 and 8.1.3 have been substituted by new ones. (ii) New clause 9 has been added after clause 8.2 and the subsequent clauses re-numbered accordingly. (iii) A new foot note with '***' mark has been added after foot note with '¶' mark at page 7.	1979-12-31	

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 80-02-01.

** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
33. IS : 3763-1966 Specification for metal folding chairs.	S.O. 1972 dated 1967-06-10		No. 4 Dec 1979	(i) Clauses 6.1, 6.2 and 6.3 have been substituted by new ones. (ii) A new clause 7 has been added after clause 6.4 and the subsequent clauses have been re-numbered accordingly. (iii) A new foot note with '‡' mark has been added at page 7.	1979-12-31
34. IS : 3791-1966 Specification for metal paper trays	S.O. 1533 dated 1967-04-29		No. 4 Dec 1979	(i) Clauses 7.1, 7.2 and 7.3 have been substituted by new ones. (ii) A new clause 8 has been added after clause 7.3.1 and the subsequent clauses have been re-numbered accordingly. (iii) A new foot note has been added after clause 10.1.1.	1979-12-31
35. IS : 3812 (Part III)—1966 Specification for fly ash Part III For use as fine aggregate for mortar and concrete.	S.O. 1972 dated 1967-06-10		No. 1 Nov 1979	(i) (Page 3, clause 0.3)—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly. (ii) Clauses 0.7 and 11.2.4 have been substituted by new ones. (iii) Clauses 4.1 and 5.1 have been amended. (iv) Foot note with '*' mark at page 5 have been substituted by a new one. (v) Table 2 has been substituted by a new one.	1979-11-30
36. IS : 3973-1967 Code of practice for the selection, installation and maintenance of wire ropes.	S.O. 2417 dated 1967-07-22		No. 2 Nov 1979	Existing formula under clause 4.1. has been amended.	1979-11-30
37. IS : 4019-1967 Specification for firm-joint dividers.	S.O. 2417 dated 1967-07-22		No. 2 Nov 1979	(i) Clause 3.2 has been substituted by a new one (ii) Clauses 6.2 and 9.1.2 have been amended. (iii) Foot notes with '†' and '‡' marks at page 4 have been substituted by new ones. (iv) Foot note with '*' mark at page 6 has been substituted by a new one.	1979-11-30
38. IS : 4103-1977 Specification for metal nesting chairs (first revision)	—		No. 1 Dec 1979	(i) Clauses 6.1.1, 6.1.2 and 6.1.3 have been substituted by new ones. (ii) New clauses 7.7.1, 7.2, 7.3, 7.4 and 7.5 have been added after Clause 6.4 and the subsequent clauses have been renumbered accordingly.	1979-12-31
39. IS : 4189-1967 Specification for firm-joint inside and outside calipers.	S.O. 4633 dated 1967-12-30		No. 1 Nov 1979	(i) Clause 3.2 has been substituted by a new one. (ii) Clauses 4.1 and 7.1 have been amended. (iii) Foot notes with '†' and '‡' marks at page 4 and '*' mark at page 7 have been substituted by new ones.	1979-11-30
40. IS : 4318-1967 Specification for solid core porcelain insulators for overhead traction lines.	S.O. 1720 dated 1968-05-18		No. 1 Nov 1979	(i) Clauses 4.4 and 9.10.1 have been substituted by new ones. (ii) (Page 6, clause 4.4.1)—Delete and renumber the subsequent clause accordingly. (iii) Clause 9.10.5 has been amended.	1979-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
41. IS : 4687-1968 Specification for gland packing asbestos.	S.O. 3745 dated 1968-10-26	No. 1 Oct 1979	(Page 7, clause 7.2)—Delete and re-number the subsequent clause accordingly.	1979-11-30	
42. IS : 4838 (Part I)—1969 Anthropometric dimensions for school children Part I Age group 5 to 11 years.	S.O. 2110 dated 1971-05-29	No. 1 Nov 1979	Table 1 and Table 3 have been amended	1979-11-30	
43. IS : 4875-1975 Specification for edible groundnut flour (solvent extracted) (first revision)	S.O. 3439 dated 1978-12-02	No. 2 Nov 1979	Table 1 has been amended	1979-11-30	
44. IS : 4989-1974 Specification for foam compound for producing mechanical foam fire fighting (first revision)	S.O. 987 dated 1976-03-06	*No. 3 Feb 1979	(i) Appendix Q has been substituted by a new one (ii) Foot notes with '*' mark at pages 26 and 28 have been substituted by new ones (iii) Clause S-1.1 has been amended.	1979-02-28	
45. IS : 4989-1974 Specification for foam compound for producing mechanical foam for fire fighting (first revision)	S.O. 987 dated 1976-03-06	*No. 4 Jul 1970	(i) Clauses 2.1 and R-1.1.3 have been substituted by new ones (ii) (Page 6, clause 2.1.1.)—Delete (iii) Note under Table 2 has been substituted by a new one (iv) Clause R-1.1 has been amended (v) (Page 28, clause S-1.1.1.)—Delete and renumber the subsequent clause 'S-1.1.2' as 'S-1.1.1.' (vi) (Page 28, foot-note with '*' mark)— (vii) Page 9, clause 6.1(h)—Add the following new matter after 6.1 (h) (j) Instruction—CONTENTS SHOULD NOT TO BE TAKEN ORALLY.'	1979-07-31	
46. IS : 5000 (OD19)—1974 Dimensions of semiconductor devices device outline OD19	S.O. 1232 dated 1976-04-03	No. 1 Dec 1979	Informal table under clauses 1 and 3 has been amended.	1979-12-31	
47. IS : 5463-1969 Method for sampling of cotton fabrics for chemical tests.	S.O. 3252 dated 1970-10-03	No. 1 Nov 1979	New clauses 4.5 and 4.5.1 have been added after clause 4.4.	1979-11-30	
48. IS : 5995—1971 Specification for pipe grip pliers.	S.O. 3318 dated 1972-10-21	No. 1 Dec 1979	A new note has been added after the informal table under clause 2	1979-12-31	
49. IS : 6347—1971 Specification for polyethylene monofilament twins for fishing.	S.O. 3255 dated 1973-11-24	No. 1 Nov 1979	Table 1 has been amended.	1979-11-30	
50. IS : 6790-1973 Specification for plate, bone, inter-trochanteric, Thronton type	S.O. 1290 dated 1975-04-26	No. 2 Nov 1979	Fig 1 at page 1 has been amended	1979-11-30	
51. IS : 6893 (Part 1)—1973 Proforma for purchase specification for machine tools : Part 1 Sliding, surfacing and screw cutting lathes	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No. 1 Dec 1979	Clause 2.7 has been amended.	1979-12-31	
52. IS : 7026-1973 Specification for hosiery yarn worsted	S.O. 4690 dated 1975-11-01	No. 1 Nov 1979	(i) Clause 3.2 has been substituted by a new one (ii) Foot note with '*' mark at page 4 has been substituted by a new one	1979-11-30	

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. IS : 7074-1973 General requirements for air cargo pallets	S.O. 173 dated 1976-01-03	No.1. Jan 1980	(i) (Designation)—Substitute 'IS : 1980-01-31 7074 (Part I)—1973' for 'IS : 7074, 1973' wherever it appears in the standard (ii) Title at first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by a new one.		1980-01-31
54. IS : 7466-1974 Specification for rubber gaskets for pressure cookers.	S.O. 1092 dated 1977-04-09	No. 1 Nov 1979	Page 5, Table 1, col 3, against Sl. No. (vii)—Substitute '3.0' for '2.0'		1979-11-30
55. IS : 7473-1974 Specification for brushes, tar.	S.O. 1597 dated 1976-05-08	No. 1 Jan 1980	Fig. 1 and clause 7.3.2 have been amended		1980-01-31
56. IS : 7652-1975 Specification for sphygmomanometer, aneroid type I [£	S.O. 2547 dated 1977-08-13	*No. 2 Dec 1979	(i) Clause 4.3 has been amended (ii) Clauses 4.4, and 4.4.1, have been substituted by new ones		1979-12-31
57. IS : 7963-1976 Specification for Janta toilet soap	S.O. 3440 dated 1978-12-02	No. 1 Nov 1979	The requirement for salt chlorides, as sodium chloride) content was intended to be taken care of by that of matter insoluble in alcohol and it was also expected to be automatically controlled in the process. In practice, however, it was not found so and excess of salt content has created some problem. The concerned technical committee, therefore, decided to introduce a requirement for salt content in this specification. Requirements for phenolic substances and free carbonated alkali are also being included through this amendment.		1979-11-30
58. IS : 8048-1976 Specification for electrocardiograph	S.O. 2505 dated 1979-07-21	**No 1 Dec 1979	Clauses 8.17.1 has been substituted by a new one		1979-12-31
59. IS : 8359-1977 Specification for urea ammonium phosphate based fertilizers.	S.O. 417 dated 1980-02-23	No. 1 Nov 1979	Clauses 3.3, A-1.1.2.1 and A-1.2.2.1 have been amended		1979-11-30
60. IS : 8395 (Part II)—1977 specification for cable terminations for automobile wiring : Part II Bullet and tube type connectors.	S.O. 612 dated 1980-03-08	No. 1 Dec 1979	Fig 2 at page 5 has been substituted by a new one		1979-12-31
61. IS : 8781-1978 Specification for single row jute seed drills, manually-operated	—	No.1 Nov 1979	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) Clauses 6.2 and 6.4 have been amended		1980-11-30

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-01.

**For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force w.o.f. 1980-01-01.

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

H

[No. CMD/13 : 5]

का०आ० 3452—भारत के गणराज भाग II खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1963-09-21 में प्रकाशित तत्कालीन उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एमओ 2723 दिनांक 1963-09-11 का प्रतिक्रिया करते हुए भारतीय मानक संस्था की ओर से प्रकाशित किया जाता है कि बरोजा कोर लालिटाके के तार की मानक चिह्न में कुछ संशोधन किया गया है। मानक चिह्न की संशोधित छिपाइने के तत्त्वांधी भारतीय मानक के गोर्खक ओर छिपाइने के शास्त्रिक प्रियरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रभूषनचिह्न) प्रधिनियम, 1952 तथा इसके प्रधीन वते नियमों तथा विनियमों के कार्यों के लिए, यह मानक चिन्ह 1981-12-01 से लागू होगा।

अनुमूल्य

क्रम संख्या	मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिन्ह के डिजाइन का शास्त्रिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

1. IS : 1921-75



बरोजा कोर बाले टाके
के तार
IS : 1921-1975 बरोजा कोर बाले टाके के
तार की विशिष्टि
(पहला पुनरीक्षण)

भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें
"ISI" शब्द होते हैं, स्टम्प (2) में दिखाई
पौली और अनुपात में तैयार किया गया है
और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है
उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय
मानक की पदसंख्या और वर्ष अंकित
किया गया है

[संख्या मोनोग्राम/ 13:9-]

S.O. 3452.—In supersession of the then Ministry of Industry (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2723 dated 1963-09-11, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated 1963-09-21, the Indian Standards Institution hereby, notifies that the design of the Standard Mark for rosin-cored solder wire has been revised. The revised design of the Standard, Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule :

This Standard Mark, for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-12-01 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1.	IS : 1921-75	Rosin-cored solder	IS : 1921-1975 Specification for rosin-cored solder wire (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (1); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

कानून 3453.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जित मानक चिह्नों की डिजाइन उनकी शास्त्रिक विवरण तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक महिने में अनुमूल्य में दिए गए हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं :

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के कार्य के लिए ये मानक चिह्न उनके द्वारा दी गई नियमों से लागू होंगे ।

अनुमूल्य

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पादन/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शास्त्रिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

1. IS : 8069



कीटनाशी दबावों की वैकिंग के लिए उच्च घनत्व पौलीहथाइलीन के बुने (एचडीपीई) बोरे

IS : 8069-1976 कीटनाशी दबावों की वैकिंग के लिए उच्च घनत्व पौलीहथाइलीन (एचडीपीई) बुने बोरों की विशिष्टि

भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें
"ISI" शब्द होते हैं स्टम्प (2) में दिखाई
पौली और अनुपात में तैयार किया गया है
और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस
मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक
की पदसंख्या दी गयी है।

2. IS : 9048-79



स्वचलित अंतशाही इंजन के निए पुनर्परिचय के लिए पुनर्परिचय स्वेच्छा लेने की विशिष्टि

IS : 9048-1979 स्वचलित अंतशाही इंजन के निए पुनर्परिचय स्वेच्छा लेने की विशिष्टि

भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें
"ISI" शब्द होते हैं स्टम्प (2) में दिखाई
पौली और अनुपात में तैयार किया गया है
और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस
मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक
की पदसंख्या दी गयी है।

(1)	(2)	(3)	(4)
3 IS 9055-79	एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज 15.9055-79	IS : 9055-1979 एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज को विशिष्ट	--

[सं० सीएमडॉ/13.9]

S.O. 3453.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title (s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

S. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 8069	High density poly- thyl ene (HDPE, woven sacks for packing pesticides	IS : 8069—1976 Specification for high density polyethylene (HDPE) woven sacks for packing pesticides	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
2.	IS : 9048-79	Re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	IS : 9048—1979 Specification for re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1982-01-01
3.	IS : 9055-79	One time carbon paper	IS : 9055—1979 Specification for one time carbon paper	-do-	1981-03-01

[No. CMD/13 : 9]

का० आ० 3454.—निम्नलिखित ग्रन्तियों के स्तम्भ 1 से 4 में जिन अधिसूचनाओं के बारे दिए गए हैं, उनका आंशिक संग्रहीत स्वरूप भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 और 6 में दिए गए विभिन्न उत्पादों से सम्बन्धित मुहर लगाने का शुल्क 7 और 8 में उल्लिख के ग्रन्तियों पुनरीक्षित किया गया है। मुहर लगाने का पुररीक्षित शुल्क दिनांक 1981-11-01 से लागू होगा।

क्रम संख्या	भारतीय मानक का संदर्भ	अधिसूचना की संख्या सं०	उत्पाद	विशिष्ट का नम्बर और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की दर	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	आंशिक नामांकित पूर्ति भाग II, छड-3 एवं सहकारिता मंत्रालय (नामांकित पूर्ति दिनांक 1979-01-13 विभाग)	एस०मी० 141 उपर्युक्त (ii) दिनांक 1978-12-18	संरचना इस्पात की मेटल भार्क वेलिंग के लिए दक्षे इनेक्ट्रोड 1978-12-18	IS : 814 (भाग 1)— 1974 संरचना इस्पातों की मेटल भार्क वेलिंग के लिए दक्षे इनेक्ट्रोड की विशिष्ट भाग I चद दरों के प्रतिरक्षण प्रम्य उत्पादों की वेलिंग (चतुर्थ पुनरीक्षण)	1000 श्वेत	1. 20 प्रति इकाई पहली 60000 इकाईयों के लिए और 2. 10 प्रति इकाई 60001वीं और इससे ऊपर की इकाईयों के लिए	
2.	-शही-	-शही-	एस०मी० 140 दिनांक 1978-12-18	संरचना कार्यों के लिए IS : 1161—1979 संरचना कार्यों के लिए इस्पात उत्पाद लियों की नलियों की विशिष्ट (सीमरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी इन	1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाईयों के लिए और 2 रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाईयों के लिए	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
3.	वाणिज्य नागरिक भाग II, खंड-3	एम०ओ० 141	मृदु इस्पात की नलियाँ IS : 1239 (भाग 1) — 1973	एक मीटरी मृदु इस्पात, नलिकादार टन और अन्य पिटवां इस्पात की फिटिंग की विशिष्ट भाग 1 मृदु इस्पात की नलियाँ (चतुर्थ पुनर्निर्माण)		1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए, और,	
	पूर्ति एवं महकारिता उपखंड (ii) नियांक 1978-12-18					2. रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
	मंत्रालय (नागरिक-विताक प्रूति एवं सहकारिता विभाग)	1979-01-13					
4.	"	"	एम०ओ० 140	मृदु इस्पात की IS : 1239 (भाग 2) — 1979	एक मीटरी मृदु इस्पात के टन नलिकादार और अन्य पिटवां इस्पात की फिटिंग की विशिष्ट भाग 2 मृदु इस्पात के नलिकादार और अन्य पिटवां इस्पात के पाइप के फिटिंग (दूसरा पुनर्निर्माण)	1. रु 10.00 प्रति इकाई पहली 500 इकाइयों के लिए,	
			विताक 1978-12-18			2. रु 5.00 प्रति इकाई 501 से 1000 तक की इकाइयों के लिए,	
						3. रु 2.00 प्रति इकाई 1001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
5.	वाणिज्य एवं नागरिक भाग II खंड-3	एम०ओ० 1790	लाइन पाइप विताक 1980-05-23	IS : 1978—1971 लाइन एक मीटरी पाइप की विशिष्ट टन (पहला पुनर्निर्माण)		1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए, और,	
	पूर्ति मंत्रालय (नागरिक-विताक प्रूति विभाग)	विताक 1980-07-05				2. रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
6.	वाणिज्य नागरिक भाग II खंड-3	एस०ओ० 140	माइक्रोल के IS : 2039—1964 साइ-किल और इससे सम्बद्ध के लिए इस्पात की ट्यूब की विशिष्ट	एक मीटरी टन		1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और	
	पूर्ति एवं महकारिता उपखंड (ii) मंत्रालय (नागरिक-विताक प्रूति एवं सहकारिता विभाग)	विताक 1978-12-18				2. रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
7.	"	"	एम०ओ० 141	स्वचाल कार्यों के लिए IS : 3074—1965 स्ट-इस्पात की ट्यूब चल कार्यों के लिए टन इस्पात की ट्यूबों की विशिष्ट	एक मीटरी टन	1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और	
			विताक 1978-12-18			2. रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
8.	"	"	एस०ओ० 140	यांत्रिक और सामान्य IS : 3601—1966 यांत्रिक एक मीटरी इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्ट		1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और	
			विताक 1978-12-18			2. रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
9.	नागरिक पूर्ति एवं भाग-II खंड-3 सहकारिता मंत्रालय उपखंड(ii) विताक	एस०ओ० 1958	फर्मिकर कार्यों के IS : 7138—1973 फर्मी-नलियों लिए इस्पात की चर कार्यों के लिए टन इस्पात की नलियों की विशिष्ट	एक मीटरी टन	1. रु 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए, और		
	विताक 1978-03-28					2. रु 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए,	
	विताक 1978-04-15						

S.O. 3454.—In partial modification of the notifications, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees pertaining to various products, referred to in Cols. 5 and 6 have been revised as mentioned in Col. 7 and 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1981-11-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Ministry	Reference to Govt. of India Gazette	Reference to Notification No.	Product	IS : No. & Title of the Specification	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt. of Civil Supplies & Cooperation)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1979-01-13	S.O. 141 dated 1978-12-18	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel.	IS : 814 (Part I)—1974 Specification for covered electrodes for metal arc welding of structural steel : Part I For Welding products other than sheets (fourth revision)	1000 Pieces	(i) 20 Paise per unit for the first 60000 units; and (ii) 10 Paise per unit for the 60001st unit and above
2.	-do-	-do-	S.O. 140 dated 1978-12-18	Steel tubes for structural purposes	IS : 1161—1979 Specification for steel tubes for structural purposes (third revision)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
3.	-do-	-do-	S.O. 141 dated 1978-12-18	Mild steel tubes	IS : 1239 (Part I)—1979 Specification for mild steel, tubulars and other wrought steel fittings : Part I Mild steel tubes (fourth revision)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
4.	-do-	-do-	S.O. 140 dated 1978-12-18	Mild steel tubulars and other wrought steel pipe fittings	IS : 1239 (Part II)—1969 Specification for mild steel, tubulars and other wrought steel fittings : Part II Mild steel tubulars and other wrought steel pipe fittings (second revision)	One Tonne	(i) Rs. 10.00 per unit for the first 500 units; (ii) Rs. 5.00 per unit for the 501st to 1000 units; and (iii) Rs. 2.00 per unit for the 1001st unit and above
5.	Ministry of Commerce and Civil Supplies (Dept. of Civil Supplies)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii), dated 1980-07-05	S.O. 1790 dated 1980-05-23	Line pipe	IS : 1978—1971 Specification for line pipe (first revision)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
6.	Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt. of Civil Supplies & Co-operation)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1979-01-13	S.O. 140 dated 1978-12-18	Bicycle tubes	IS : 2039—1964 Specification for steel tubes for bicycle and allied	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
7.	-do-	-do-	S.O. 141 dated 1978-12-18	Steel tubes for automotive purposes	IS : 3074—1965 Specification for steel tubes for automotive purposes	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
8.	-do-	-do-	S.O. 140 dated 1978-12-18	Steel tubes for mechanical and general engineering for mechanical	IS : 3601—1966 Specification for steel tubes for mechanical and	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
			Engineering purposes	general engineering purposes			
9. Ministry of Civil Supplies and Co-operation	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-04-15	S.O. 1058 1978-03-28	Steel tubes for furniture purposes	IS : 7138—1973 Specification for steel tubes for furniture purposes	One Tonne	(i) Re 1.00 per unit for the 3001st unit and above (ii) Rs. 2.00 per unit for the first 30001 units; and (iii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above	

[No. CMD/13 : 10]

का० आ० 3455—भारतीय मानक सम्मा (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुमार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की कीम अनुमूली में दी गई श्वेते के अनुमार निधारित की गई है।

भारतीय मानक सम्मा (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1952 और उसके प्रधान व वे नियमों के निमित्त यह मानक विद्युत प्रत्येक के ग्रामी गई तियों से लागू होती है।

अनुमूली

क्रम उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी मा०	तत्परत्वी भारतीय मानक की पदसंबंधी और शारीरक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की कीम	लागू होने की तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1 कीटनाशी दवाओं की पैकिंग IS : 8069—1976 कीटनाशी के लिए उच्च घनत्व पोली-इथाइलीन के बुने (एचडीपीई) बोरे	दवाओं की पैकिंग के लिए उच्च घनत्व पोली-इथाइलीन (एचडीपीई) बुने बोरो की विशिष्टि	500 मोर्ट	(1) रु 4.00 प्रति इकाई पहली 400 इकाइयों के लिए (2) रु 2.00 प्रति इकाई 401 वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए (3) रु 10.00 प्रति इकाई पहली 1500 काइयों के लिए (4) रु 8.00 प्रति इकाई 1501वीं से 3000 तक की इकाइयों के लिए (5) रु 5.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	1980-04-16	
2 स्वचलित अंतर्वही इंजन के लिए पुनर परिष्कृत स्नेहक तेल	IS : 9048—1979 स्वचलित अंतर्वही इंजन के लिए पुनर परिष्कृत स्नेहक तेलों की विशिष्टि	एक किलो लीटर	(1) रु 10.00 प्रति इकाई पहली 1500 काइयों के लिए (2) रु 8.00 प्रति इकाई 1501वीं से 3000 तक की इकाइयों के लिए (3) रु 5.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	1982-01-01	
3 एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज IS : 9055—1979 एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज की विशिष्टि	100 मीटर	(1) रु 1.00 प्रति इकाई पहली 2000 इकाइयों के लिए (2) 50 पैसे प्रति इकाई 201वीं से 4000 तक की इकाइयों के लिए, और (3) 25 पैसे प्रति इकाई 4001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	(1) रु 1.00 प्रति इकाई पहली 2000 1981-03-01 (2) 50 पैसे प्रति इकाई 201वीं से 4000 तक की इकाइयों के लिए, और (3) 25 पैसे प्रति इकाई 4001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए		

[स० सी० एम० डी० 13 : 10]
ए० शी० बनर्जी, अपर महानिवेशम

S.O. 3455.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	
1	2	3	4	5	6
1	High density polyethylene (HDPE) woven sacks for packing pesticides	IS : 8069—1976 Specification for high density polyethylene (HDPE) sacks woven sacks for packing pesticides	500	(i) Rs. 4.00 per unit for the first 400 units and (ii) Rs. 2.00 per unit for the 401st unit and above	1980-04-16

1	2	3	4	5	6
2.	Re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	IS : 9048—1979 Specification for re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	One Kilolitre	(i) Rs. 10.00 per unit for the first 1500 units; (ii) Rs. 8.00 per unit for the 1501st to 3000 units and (iii) Rs. 5.00 per unit for the 3001st unit and above	1982-01-01
3.	One time carbon paper	IS : 9055—1979 Specification for one time carbon paper	1000 Metres	(i) Re 1.00 per unit for the first 2000 units; (ii) 50 Paise per unit for the 2001st to 4000 units and (iii) 25 Paise per unit for the 4001st unit and above	1981-03-01

[No. CMD/13 : 10]

A.P. BANERJI, Addl. Director General

ऊर्जा मंत्रालय
(कोयला विभाग)
शुद्धिनगर
नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1982

क्रा०आ० 3456.—भारत के राजपत्र सारीख 12 सितम्बर 1981 के भाग 11, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 3079-3080 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का० प्रा०सं० 2400 तारीख 27 अगस्त 1981 में :-

पृष्ठ 3079 पर

(1) (अ) अधिसूचना में :- "नागपुर, 440001 के कार्यालय में योनियक चंद्रपुर" के स्थान पर "नागपुर, 440001 के कार्यालय में या जिलाधीश, चंद्रपुर" पढ़िए।

(ब) "कोयला नियंत्रक, 1 कौरमिल द्वारा स्ट्रीट कलकत्ता में किया जा सकता है" के स्थान पर "कोयला नियंत्रक 1, कौरमिल द्वारा स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है" पढ़िए।

(2) अनुसूची में "रेखांक सं० सा०-1(६)/१११/ज० आर०/१८३-०३८१ के स्थान पर "रेखांक सं० मी०-१(६)/१११/ज० आर०/१८३-०३८१ पढ़िए।

[सं० 19/10/81/सी एल]
स्वर्ण मिह, अधिकारी सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th September, 1982

S.O. 3456.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2400 dated the 27th August, 1981 published at pages 3079-3080 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 12th September, 1981.

In the Schedule under the column District, for "Chhandrapur" read "Chandrapur".

[No. 19/10/81-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और दैरियार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1982

क्रा०आ० 3457.—यह इन्ह विकल्पा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (घ) के अनुसार में निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने निर्दिष्ट विश्वविद्यालयों ने प्रत्येक के भाग में उल्लिखित निवाचित की तिथि से भारतीय इन्ह विकल्पा परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है, प्रार्थतः

सदस्य का व्यौरा	उस विद्यालय का निवाचन
शा० (श्रीमती) अमृत तिवारी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, दन्त विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर संस्थान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।	पंजाब विश्वविद्यालय 5.4.1982
शा०बी०सेशदि०एम डी०एस, प्रिन्सिपल एवं प्रोफेसर अफ विज्ञान विभाग, अर्थोडोन्टिया, गवर्नमेंट डेंटल कालेज और अस्पताल, हैदराबाद।	उमामानिया विश्वविद्यालय 31.3.82
अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 3 के प्रत्युत्तरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य शीर परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 9 फरवरी, 1978 की अधिसूचना सं०का०आ० 533 द्वारा पुनः प्रकाशित भारत सरकार के पूर्ववत् स्वास्थ्य मंत्रालय की 12 अप्रैल, 1949 की अधिसूचना सं० 10-10/48-एम 1 में निम्नलिखित शीर और संबोधन करती है, प्रार्थतः—	
उक्त अधिसूचना में "धारा 3 के खण्ड (घ) के अधीन निर्वाचित" शीर के अनुरूपत कम संख्या 4 और 7 तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर कमश: निम्नलिखित कम संख्या शीर प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएँगी, प्रार्थतः—	
4. शा० (श्रीमती) अमृत तिवारी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, दन्त विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर संस्थान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।	पंजाब विश्वविद्यालय 5.4.82
7. शा०बी०सेशदि०एम डी०एस, प्रिन्सिपल एवं प्रोफेसर अफ विज्ञान विभाग, अर्थोडोन्टिया, गवर्नमेंट डेंटल कालेज और अस्पताल, हैदराबाद।	उमामानिया विश्वविद्यालय 31.3.82

[सं०बी० 12013/3/81 से एम एस]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(ealt)

New Delhi, the 10th September, 1982

S. O. 3457.—Whereas in pursuance of clause (d) of section 3 of the Dentists Act 1948 (16 of 1948) the following persons have been elected by the Universities indicated against their names to

members of the Den Council of India with effect from the date of election shown against namely :—

Particulars of member	Name of the University which elected him	Date of election
Dr. (Mrs.) Amrit Tewari, Professor and Head, Department of Dentistry, Post Graduate Institute Punjab University, Chandigarh	Punjab University	5.4.1982
Dr. B. Seshadri, MDS, Principal and Professor of Orthodontia, Government Dental College and Hospital, Hyderabad.	Osmania University	31.3.1982

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 10-10/48-MI dated the 12th April, 1949, as republished by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 533, dated the 9th February, 1978, namely :—

In the said notification under the heading "Elected under clause? of section 3" for serial number 4 and 7 and the entries relating thereto the following serial numbers and entries shall respectively be substituted namely :—

4. Dr.(Mrs.) Amrit Tewari, Professor and Head, Department of Dentistry Post Graduate Institute Punjab University, Chandigarh.	Punjab University	5.4.1982
7. Dr. B. Seshadri, MDS, Principal and Professor of Orthodontia, Government Dental College and Hospital, Hyderabad.	Osmania University	31.3.1982

[No.V.12013/3/81-PMS]

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1982

क्रा० आ० 3458.—यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48) की धारा 3 की उप-धारा (i) के खण्ड (iv) के अनुसरण में राज्य परिषद् (राज्य सभा) ने 28 जुलाई 1982 को हुई अपनी बैठक में अपने सदस्यों में से श्रीमती रोडा मिस्ट्री को भारतीय नर्सिंग परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत सरकार के पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की पहली विसम्बर 1958 की अधिसूचना सं० का० आ० 1147 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (i) के खण्ड (vi) के अधीन निर्वाचित" शब्द के अन्तर्गत अव० 3 प्री० इसमें संवैधित प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए—

"3. श्रीमती रोडा मिस्ट्री,
मदस्य, राज्य सभा,
21, अशोक रोड,
नई दिल्ली-1"

[संख्या वी 14013 /2/82 पीएम एम
एस० पी० पाठक, अध्यक्ष सचिव]

(Department of Health)

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3458.—Whereas in pursuance of clause (o) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the Council of States (Rajya Sabha) has at its sitting held on the 28th July 1982 elected from amongst its members Shrimati Roda Mistry to be a member of the Indian Nursing Council;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of Government of India in the late Ministry of Health No. S. O. 1147 dated the 1st December, 1958, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (o) of sub-section (1) of section 3", for item 3 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"3. Shrimati Roda Mistry,
Member of Rajya Sabha,
21, Ashoka Road,
New Delhi-1".

[No. V-14013/2/82-PMS]
S. P. PATHAK, Under Secy

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1982

क्रा० आ० 3459.—यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ब) के अनुसरण में पूना विश्वविद्यालय ने डॉ० एम० जे० जोशी को 12 जून, 1982 को हुई बैठक में भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है।

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय, की 9 जनवरी 1960 की अधिसूचना संख्या-5-13/59-एम०-1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ब) के अधीन निर्वाचित" शब्द के अन्तर्गत क्रम संख्या 18 और उससे सबधित प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या प्रविधियों प्रतिस्थापित की जाएं, अर्थात् :—

"18. आ० एम० जे० जोशी,
दीन, विकिस्ता संकाय,
पूना विश्वविद्यालय तथा सर्जनों के प्रोफेसर,
श्री० जे० मेडिकल कालेज,
पूना-411001"

[मं० श्री० 11013/13/82-एम० ई० (पी०)

New Delhi, the 20th September, 1982

S.O. 3459.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. M. J. Joshi, has been elected by the Poona University to be a member of the Medical Council of India in a meeting held on the 12th June, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes

the following amendment in the notification of the late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number 18 and entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"18. Dr. M. J. Joshi,
Dean Faculty of Medicine,
Poona University and Professor
of Surgery, B. J. Medical College,
Poona-411001."

[No. V. 11013/13/82-M.E. (Policy)]

का० आ० 3460.—यतः भारतीय श्राविज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (३) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने लेफिटनेट जनरल बी० वी० एम० प्रताप राव, वी० वी० एम० एम०, वी० एच० एम० को पहली श्रगति, 1982 में लेफिटनेट जनरल एच० एम० सेठ, जो सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर भारतीय श्राविज्ञान परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है :

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संखा 5-13/59-एम०-I में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (३) के अधीन मनोनीत" शीर्ष के अतर्पन अम संघा ३ और उसमें संगठित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित श्रम संघा और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"३ लेफिटनेट जनरल बी० वी० एम० प्रताप राव, वी० वी० एम० एम०,

वी० एच० एम०,
महानिवेशक,
भारत सेवा चिकित्सा सेवा,
नई दिल्ली (पदेन)"

[सं० वी० 11013/29/79-एम० ह० (पी०)]
प्रकाश चन्द्र जैन, प्रबंध सचिव

S.O. 3460.—Whereas the Central Government have in pursuance of clause (e) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), nominated Lt. General V. V. S. Pratapa Rao, PVSM, PHS vice Lt. General H. S. Seth, who has since retired from Government Service, as a member of the Medical Council of India with effect from the 1st August, 1982;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (e) of sub-section (1) of section 3", for serial number 3 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"3. Lt. General V. V. S. Pratapa Rao, PVSM, PHS,
Director General,
Armed Forces Medical Services,
New Delhi. (Ex-Officio)".

[No. V. 11013/29/79-M.E. (Policy)]

P. C. JAIN, Under Secy.

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 15 मिस्रम्बर, 1982

का० आ० 3461.—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के विषय 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निम्नलिखित कार्यालयों का, जिनके स्टाफ ने हिन्दी के कार्यालयक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

- (1) सहायक प्रधारण,
पुरातत्व रमायना,
पुरातत्व संग्रहालय,
कोणारक (उडीसा)
- (2) सहायक प्रधारण,
पुरातत्व रमायना,
बड़ीशा औन,
गवधुरा, बड़ीदा-1,
- (3) सहायक प्रधारण,
पुरातत्व रमायना,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
सीमांत जौन, बड़ीधंग

[सं० एफ० २८-२/८२-सामान्य]

आ० (आ०मर्ता) जानवरी दरबार, निदेशक

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(Department of Culture)

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3461.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Archaeological Survey of India, the Staff whereof have acquired the working Knowledge of Hindi :—

1. Assistant Superintending, Archaeological Chemist, Konark, (Orissa).
2. Assistant Superintending, Archaeological Chemist, Raopura, Baroda-1.
3. Assistant Superintending, Archaeological Chemist, Archaeological Survey of India, Frontier Zone, Chandigarh.

[No. F. 28-2/82-Gen.L]
DR. (SMT.) GYANWATI DARBAR, Director (H)

भ्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

(भ्रम विभाग)

नई दिल्ली, 20 मिस्रम्बर 1982

का० आ० 3462.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रबोध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करने हुए भ्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री को केन्द्रीय न्यायी बोर्ड के प्रधानक द्वारा नियुक्त करती है, और भारत सरकार के भ्रम मंत्रालय की प्रधिसूचना संघा का०प्रा० 236, तारीख 16 विसम्बर, 1975 का निम्नलिखित नियोगन करती है, अर्थात् :—

1. भ्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

[सं० ए० २०१२/३/८२-८००-२]

ए० के० भट्टराई, भ्रम मंत्रित

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 20th September, 1982

S.O. 3462.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5A of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints the Minister of State in the Ministry of Labour and Rehabilitation, as Chairman of the Central Board of Trustees and makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 236, dated the 16th December, 1975, namely :—

In the said notification, for the entries, against the Serial No. 1, the following entries, shall be inserted, namely :—

"1. Minister of State in the Ministry of Labour and Rehabilitation, Government of India, New Delhi."

[No. V-20012(3)/82-PF-III]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 21 मई 1982

का० आ० 3463.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायकर्ता में विविध विषय के बारे में भारतीय आदा नियम, नेल्लोर के प्रबन्धन से सम्बद्ध एक ग्रीष्मोगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करता बांधकारी समझती है।

प्रतः प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार, ग्रीष्मोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) को धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बाद (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक ग्रीष्मोगिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री श्री० प्रसादा राव होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या भारतीय आदा नियम, नेल्लोर के प्रबन्धने वाला नियन्त्रित कर्मकारों को प्रत्येक के मामले उल्लिखित अवधियों के लिए, इस ग्रामाधार पर, मजदूरी देने से इन्कार करता रहा याचिकात है कि वे कर्मकार ठेकेदारों के माध्यम से नियुक्त किए गए हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस प्रकार के हृदयार हैं?

अनुच्छेद

क्रम सं०	कर्मकार का नाम	प्रवधि
1	2	3
1.	श्री एम० ए० एन० राजू	3-3-1980 से 24-8-1980
2.	शेख मस्तान	—प्रयोक्ता—
3.	शेख नन्दे माहिब	—प्रयोक्ता—
4.	शेख बाशा	—प्रयोक्ता—
5.	जी० डेविड	—प्रयोक्ता—
6.	शेख मौला साहिब	—प्रयोक्ता—
7.	शी० मस्तान	—प्रयोक्ता—
8.	शेख मस्तान साहिब	—प्रयोक्ता—
9.	शेख कालेश	—प्रयोक्ता—
10.	एम० कोलापुरी	22-3-1980 से 24-8-1980
11.	ई० वेंकटेश	—प्रयोक्ता—

1	2	3
12.	श्री एम० जम्बरम्मा	23-3-1980 से 24-8-1980
13.	" एम० वेंकेश्या	—प्रयोक्ता—
14.	जी० कामिस	1-4-1980 से 24-8-1980
15.	जी० वेंकम्मा	—प्रयोक्ता—
16.	जी० रामानन्दमा	—प्रयोक्ता—

[मा० एल० 42011/29/81-ड०-4(प)]

दू० श्री० सीतारमन, ईस्क प्रविकारी

ORDER

New Delhi, the 21st May, 1982

S.O. 3463.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Food Corporation of India Nellore and their Workmen in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Food Corporation of India, Nellore is justified in refusing wages to the under-mentioned workmen for the periods mentioned, against each on the plea that they are the workmen engaged through contractors? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

Sl. No.	Name of workman	Period
1.	M. A. N. Raju	3-3-1980 to 24-8-1980
2.	Shaik Mastan	-do-
3.	Shaik Nannesaheb	do
4.	Shaik Basha	do
5.	G. David	do
6.	Shaik Moula Sahab	do
7.	P. Mastan	do
8.	Shaik Mastan Saheb	do
9.	Shaik Kalasha	do
10.	M. Kollapuri	22-3-1980 to 24-8-1980
11.	E. Venkureddy	-do-
12.	M. Chandramma	-do-
13.	L. Venkaiah	-do-
14.	J. Francis	1-4-1980 to 24-8-1980
15.	J. Venkamma	-do-
16.	G. Ramanamma	-do-

[No. L-42011/29/81/D-IV-(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त 1982

का० अा० 3464.—केन्द्रीय मरकार की राय है कि इसमें उपचाह अनुसूची में विनियोग विधाय के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धनकार से सम्बन्ध एक शौद्धोनिक विवाद निरोजनों और उसके कार्यकारी के बीच विद्यमान है,

ग्रीष्म केन्द्रीय मरकार उक्त विवाद को व्यायामिण्यत के लिए निर्देशित करत, सांलग्नीय समझौती है;

अतः केन्द्रीय मरकार, शौद्धोनिक विवाद व्यायामिण्यत, 1947 (1947 का 16) धारा 7-6 और धा० 10 की उप-धा० (1) के अंडे (८) द्वारा प्रदत्त अविद्यायों के, प्रयोग करते हुए, एक अधिकारी भविकरण गठित करती है जिसके पीछासी आधिकारी श्री टी० अरूराज होंगे, जिनके मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त भविकरण को है व्यायामिण्यत के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

व्या० भारतीय जीवन बीमा निगम को कुँडानों, गाड़ियों के काराम् ३१-३-८१ के लिए मजदूरीय भविकरण के बारे में उक्त विवाद को व्यायामिण्यत करती है।

[संख्या एल०-१७०११/३/८२-वी०-४] (८)]

टी० श्री० सीतारमन, ईस्क प्रभिकारी

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1982

S.O. 3464.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Airluraj shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the workmen of the Cuddalore Branch of the Life Insurance Corporation of India are entitled to wages or other compensation for 31st March, 1981, when no work was transacted on that day?”

[No. L-17011/3/82-D.IV(A)]

T. B. SITARAMAN, Desk Officer

New Delhi, the 20th September, 1982

S.O. 3465.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Vilas Transport and Co., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-10 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to Messrs Vilas Transport Company, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employer—Mr. S. M. Dharap, Advocate.

For the workmen—Mr. M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Ports & Docks

STATE : Maharashtra

Bombay, the 31st day of August, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-31011(6)/81-D.IV(A) dated 21st May, 1981, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to Messrs Vilas Transport Company, Bombay, and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below:—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Messrs Vilas Transport Company, Handling and Transport Contractors, Bombay, in terminating the services of the under mentioned 26 employees is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?”

Sl. No. Name of the workmen

1. Shri Shivaji Manu Gaikwad
2. Shri Laximan Bapu Yadav
3. Shri Sahebrao Shantaram Kadam
4. Shri Vilas Balu Sakat
5. Shri Dattu Bapu Kadam
6. Shri Sampat Laximan Kadam
7. Shri Nevruti Narayan Shinde
8. Shri Sopan Ananda Solunke
9. Shri Madhukar Ananda Bhosle
10. Shri Sahaji Jyoti Dabde
11. Shri Sahaji Bhiku Dabde
12. Shri Dagdu Pandirang Dabde
13. Jalinder Bapu Dabde
14. Shri Vilas Shamrao Dabde
15. Shri Sabhas Shankar Bagal
16. Shri Gulab Ramchandra Babar
17. Shri Maruti Ramchandra Babar
18. Shri Raghunath Rajaram Babar
19. Shri Prakash Rajaram Babar
20. Shri Baban Ananda Jadhav
21. Shri Rang Nanu Bedgar
22. Shri Nanu Rajaram Kadam
23. Shri Haridas Babu Mohite
24. Shri Shivaji Nevruti Saragar
25. Shri Kishan Shambhu Shinde
26. Shri Daji Tukaram Pukle.

2. The cause of the workman was espoused by the New National Dock workers' Union (hereinafter referred to as the “union”). In the statement of claim filed by the Union on behalf of the workmen it was, inter alia, contended that the above workmen were working with the employer-company for the preceding ten years. Their duties were to load and unload cargoes in the docks. Because the above workmen joined the Union, the employer with mala fide intention terminated the services of the above workmen without any notice and without assigning any reason. No chargesheet was issued and no inquiry was held.

3. In the written statement filed on behalf of the employer it was, inter alia, contended that the work of loading and unloading was done by the employer-company through tandel. Tandel is free to use his discretion as to whom he should appoint as a labourer, when he should appoint, what salary he should pay to such labourers and also the conditions in relation thereto. It was contended that the

employer-company did not employ labourers, but paid a lump sum amount to the tandel. The employer had no control of the company did not supervise the work of the persons employed by the tandel. In short, the employer contained that the company was not the "employer" within the meaning of that term under the Industrial Dispute Act.

4 On the date of hearing of this reference Mr. Anchan, the learned counsel for the Union, passed a pursis in writing that even though the Union for whom he appeared was a party, the workmen were not coming forward to assist the Union. He had, therefore, no evidence to be led. He produced a letter (Ex. W-1) of the Secretary of the Union informing him that the workmen were not coming forward to assist the Union. Mr. Anchan, therefore, informed in writing that the reference may be disposed of.

5 There is thus no evidence to hold that the workmen were the employees of M/s. Vilas Transport Company and their services were wrongfully terminated by that company.

6 The reference is, therefore, rejected. No order as to costs. Award accordingly.

M. D. KAMBI, Presiding Officer

[No. L-31011(6)/81-D.IV(A)]

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3466.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Coal Washery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) DHANBAD

PRESENT :

Reference No. 26 of 1981

In the matter of an industrial dispute under S.10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Coal Washery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 31st August, 1982

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I. D. Act 1947. The Central Government by its order No. L-20012(135)/81-D.II(A) dated 14th May, 1981 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Jamadoba Coal Washery of Messrs Tata Iron and Steel Com-

726 GI/82—12

pany Limited, Post office Jamadoba District Dhanbad in dismissing Shri K. P. Mukherjee from service is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2 The concerned workman Shri Kalipada Mukherjee a shunter in coal washing plant, Jamadoba was dismissed on a charge under clause 19(3) and 19(20) of the standing order. A departmental enquiry was held and the enquiry officer had found that the charges have been established.

3. The charge-sheet (Ext. M1) shows that on 5th June, 1980 at about 6.30 A. M. Shri K. P. Mukherjee had gone along with one Shri Ganesh Hazam to Shri B. K. Gopalak, Personnel Officer, Coal Washing plant situated in Bhowra area. At the instance of the concerned workman Shri Ganesh Hazam gave an amount of Rs. 600/- as bribe to Shri B. K. Gopalak to secure employment in the company. The charge also read that the concerned workman had taken an amount of Rs. 200/- from Shri Ganesh Hazam to secure employment for him in the company.

4. In reply to the charge sheet (Ext. M2) it was contended that the concerned workman did not play any part in the transaction between Shri Ganesh Hazam and Shri Gopalak. He denied to have received Rs. 200/- from Shri Ganesh Hazam for securing employment for him. According to the concerned workman neither of the two charges were at all established against him. This explanation was not found to be satisfactory and therefore a domestic enquiry was held by Shri S. K. Kar.

5. The enquiry officer served notices Ext. M3 on the concerned workman. Another notice Ext. M4 was also served on him. The enquiry officer admitted into evidence two documents, Exts. M5 and Ext. M6 which are statements of the concerned workman recorded by Shri L. H. Parvatiyar, Chief Personnel Manager (C) of TISCO. Ext. M7 is the order sheet of the proceeding. The enquiry officer recorded the statement of Shri S. N. Pandey, Group Personnel Officer, Shri L. H. Parvatiyar, Chief Personnel Manager (C), Shri S. N. Sinha, Group Personnel Officer Shri Ganesh Hazam and also the statement of Shri K. P. Mukherjee.

6. Ext. M8 is the report of the enquiry officer and Ext. M9 is a forwarding letter. Ext. M10 is the dismissal letter signed by the General Manager (Collieries). Ext. M11 is the letter addressed to Shri K. P. Mukherjee informing him that he was dismissed from service w.e.f. 8th September, 1980. Ext. M12 is the service record of Shri K. P. Mukherjee. Ext. M13 is the copy of the standing order. Ext. M14 is a circular letter signed by Shri R. S. Modi, Vice Chairman in which Shri B. S. Rao Divisional Manager (collieries) was designated as General Manager (collieries). Ext. M15 is an office order issued by the General Manager (collieries) Shri B. S. Rao to the effect during his absence from 17th August, 1980 Shri N. Ahmed, Deputy Divisional Manager would look after his work and exercise all powers and responsibility.

7. The management has examined the enquiry officer at the stage of preliminary hearing on the question of fairness and propriety of the domestic enquiry. It was held by this Tribunal that the enquiry was fair and proper. Thereafter on the date on which argument on merits was to be heard the management examined MW-2 Shri G. A. Narayan Manager, Jamadoba colliery who has proved the aforesaid two documents, Ext. M14 and Ext. M15.

8. On behalf of the concerned workman one document, Ext. W-1 has been produced at the time of hearing of the case on merit. It has been signed by MW-2 the manager of Jamadoba washery and it is dated the 1st July, 1980. In this letter the concerned workman, Shri K. P. Mukherjee was informed that he was redesignated as Assistant Jamadar on a basic wage of Rs. 12.75 per day w.e.f. 1st April, 1976.

9. The gist of the evidence recorded by the enquiry officer is like this. One Shri Ganesh Hazam on 31st June, 1980 came to the office of Shri L. H. Parvatiyar and complained that

Shri B. K. Gopalak, Personnel Officer has asked for bribe in order to secure employment for him. The father of Shri Ganesh Hazam had already refused from the services of TISCO collieries and had tried to see that this son Ganesh Hazam obtain service in TISCO colliery. Shri Parvatiyar was told by Shri Ganesh Hazam that the later had no direct talk with Shri Gopalak and therefore Shri Parvatiyar advised him to approach Shri Gopalak directly. On 4th June, 1980 Shri Ganesh Hazam along with Shri K. P. Mukherjee went to see Shri Gopalak and on that meeting Shri Gopalak made a demand for bribe. On the same day Shri Ganesh Hazam informed Shri L. H. Parvatiyar. Shri Parvatiyar then informed Sri S. N. Sinha and Shri S. N. Pandey about the complaint Shri Parvatiyar had put his initials on the currency notes of Rs. 600/- which was to be paid to Shri Gopalak. Shri Pandey and Shri Sinha were informed that Shri Ganesh Hazam and Sri K. P. Mukherjee would be going to the house of Shri Gopalak on 5th June, 1980. Accordingly Shri S. N. Pandey and Shri S. N. Sinha waited a little away from the bungalow of Shri Gopalak and they noticed that Shri Ganesh Hazam and Shri K. P. Mukherjee coming out of the bungalow of Shri Gopalak at about 6.30 A. M. Shri S. N. Sinha asked Shri K. P. Mukherjee to await but he fled away on his cycle. Shri Ganesh Hazam informed them that he had paid an amount of Rs. 600/- to Shri Gopalak. Both these officers then met Shri Gopalak in his bungalow and recovered the amount of Rs. 600 currency notes all signed by Shri L. H. Parvatiyar. A report was made by these two officers to Shri Parvatiyar and the statements of Shri Ganesh Hazam was recorded. Thereafter Shri Gopalak also made a statement which was recorded by Shri L. H. Parvatiyar. On next day i.e. on 6th June, 1980 was called by Shri L. H. Parvatiyar. In his first statement Shri Mukherjee completely denied the allegation of Shri Ganesh Hazam that he had nothing to do with the aiding him to bribe Shri Gopalak. He also denied that he accepted a bribe of Rs. 200/- from Shri Ganesh Hazam to help him in securing a job. On the same day, however Shri K. P. Mukherjee made another statement before Shri L. H. Parvatiyar in which he admitted that he had accepted Rs. 200 for helping Shri Ganesh Hazam in securing a job through Shri Gopalak and he also admitted that Rs. 600 was given to Shri Gopalak in his presence.

10. In the departmental proceeding conducted by the enquiry officer Shri K. P. Mukherjee denied having made any confession before Shri L. H. Parvatiyar. He also denied to have accepted Rs. 200/- as bribe from Shri Hazam and to have abetted giving a bribe of Rs. 600/- to Shri Gopalak.

11. The standing order of TISCO as applicable to six collieries to Tata is Ext. M13 Clause 19(3) deals with misconduct in relation to "taking or giving bribe or any illegal gratification". There are 19 offences amounting to misconduct and clause 29 deals with abetment or attempted abetment if any of the 19 misconducts. Now the concerned workman was charged under clause 19(3) for the reason that he accepted a bribe of Rs. 200 from Shri Gopalak. Clause 19(2) has been included for the reason that it was at his instance that Shri Ganesh Hazam gave a bribe of Rs. 600/- to Shri Gopalak. We shall examine whether on the facts as alleged by the management the two charges can stand against the concerned workman. Shri K. P. Mukherjee, Shri S. Bose appearing for the workman has argued that this standing order, Ext M13 is applicable to six collieries of TISCO viz. (1) Jamadoba, (2) 6 & 7 Pits, (3) Digwadih, (4) Malkera Chautoudih, (5) Velatand and (6) Sijua. These standing order does not specify that Jamadoba coal washery which is an ancillary to the colliery of TISCO is covered by this standing order. He has contended that according to the evidence MW-2 the Jamadoba Coal Washery has been registered under the Factories Act and therefore the Model standing order as applicable to the collieries will be applicable to the Jamadoba coal washery. According to the Model Standing order applicable to the collieries taking or giving of bribes or any illegal gratification must be in connection with the company's business which fact is not specified in the standing order, Ext. M13. On consideration of both these standing orders mentioned above I must say that the distinction drawn is pertinent. The reason is that the taking or giving bribe or any illegal gratification must relate to the business of the company and not otherwise. For instance if any employee of a colliery

giving a bribe to some government official, the colliery cannot dismiss him on a charge of clause 19(3) of the standing order. Here in this case the management has brought about a specific case that Shri K. P. Mukherjee has accepted a bribe of Rs. 200/- for securing a job for Shri Ganesh Hazam in TISCO colliery. Shri Bose has pointed out that in connection with this charge it is pertinent to note that although from the house of Shri Gopalak signed notes of Rs. 600 was recovered by two senior officers of the company, no amount was recovered from the possession of Shri K. P. Mukherjee. On a charge under clause 19(3) of the standing order of the company it was necessary for the management to show that any amount was paid by Shri Ganesh Hazam to Shri K. P. Mukherjee. It will be relevant to point out that Shri Ganesh Hazam has deposited in this case that he paid Rs. 200/- to Shri K. P. Mukherjee for the purpose of securing employment for him. Shri Bose has contended that the conduct of Shri Ganesh Hazam has to be reviewed with a good deal of caution. According to him Shri Hazam did not intend to pay any bribe to Shri Gopalak for securing a job for the simple reason that if he was convinced that Shri Gopalak would give him a job on acceptance of Rs. 600/- he would not rush to complain before the Chief Personnel Manager. Shri Bose has argued that what Shri Hazam intended was that Shri Hazam should entangle Shri Gopalak and Shri K. P. Mukherjee on the charge of bribe. It is no doubt true that on receipt of complaint Shri Parvatiyar gave him signed notes to offer Shri Gopalak and the same was done and recovered. We do not know what action has been taken against Shri Gopalak. Shri Bose has argued that Shri Gopalak did not happen to be the final authority of appointment of Shri Ganesh Hazam and at best the action that Shri Gopalak could have taken is recommendatory. But according to Shri Bose Shri K. P. Mukherjee is a petty employee of the Coal washery with no access whatsoever to secure employment for Shri Ganesh Hazam. Probably what the management has intended to say about Shri Mukherjee is that Shri K. P. Mukherjee acts as an agent for Shri Gopalak in the matter of illegal gratification. Now if it is a fact and for helping Shri Ganesh Hazam Shri K. P. Mukherjee accepted an amount of Rs. 200/- there will be some difficulty in saying that Shri K. P. Mukherjee accepted a bribe of Rs. 200. For the purpose of taking bribe the law requires something more than mere acceptance of money because the purpose of the bribe is most important in this case. The purpose at best could be to take Shri Hazam to Shri Gopalak and make it easy and convenient for Shri Hazam to bribe Shri Gopalak. I may repeat that Shri K. P. Mukherjee by himself was not in a position to secure for Shri Ganesh Hazam any job in TISCO colliery. So any amount that Shri Ganesh Hazam could give to Shri K. P. Mukherjee would not amount to taking of bribe. Moreover, it is pertinent to note that there is no clear evidence when this Rs. 200 was given to Shri K. P. Mukherjee. It was certainly not on 4th June, 1980 when the bribe money was produced by Shri Ganesh Hazam for the signature of Shri L. H. Parvatiyar. Moreover it does not stand to reason that Shri Ganesh Hazam who rushed up for a complaint on 3rd June, 1980 before the Chief Personnel Manager (C) would easily consent to part with Rs. 200 in order to give this amount to Shri K. P. Mukherjee. The other evidence against him is that he was seen coming out of the house of Shri Gopalak along with Shri Hazam by Shri S. N. Pandey and Shri S. N. Sinha. But Shri Gopalak was accosted by these two officers with regard to the presence of Shri K. P. Mukherjee in his house. Shri Gopalak has stated that Shri K. P. Mukherjee had come in connection with his redesignation as Assistant Jamadar. This may be a reasonable explanation because even though Shri Gopalak was fully involved due to the presence of the signed notes recovered from his possession, he did not involve Shri K. P. Mukherjee in this affair.

12. It could be argued against the workman that he made a confession before the Chief Personnel Manager with regard to this offence. But in his show cause and in his statement the concerned workman has brought out a case that he denied in his first statement but pressure was exercised on him by the management and he was even threatened dismissal. So out of fear he made the second statement admitting his guilty. But in his show cause to the charge-sheet he completely denied his complicity in this crime. Now in this connection I would like to say that the statement of the concerned workman in the nature of a confessional statement must be free from any bias or prejudice. The statement of the concerned

workman as recorded by Shri I. H. Parvatiyar cannot be in the nature of a confessional statement. Shri Bose has taken exception of the recording of the statement of the concerned workman by Shri Parvatiyar for the simple reason that if the statement of Shri K. P. Mukherjee was to be taken the workman who is illiterate should have been asked to write his own statement. I have already said that the statement as recorded by Shri Parvatiyar is in the nature of a confessional statement and so cannot be used against the concerned workman in order to prove the case against him specially in the circumstances pointed out by me above.

13. Now let us see whether clause 19(20) has been proved. I have already mentioned that Shri Hazam was already acquainted with Shri Gopalak and had direct talk with Shri Gopalak who consented to accept bribe. In a situation like this Shri Hazam did not require any aid or abatement by Shri K. P. Mukherjee to bribe Shri Gopalak. The charge on account of clause 19(2) of the standing order is in the nature of the case very weak.

14. Thus, considering all aspects of the case I have to hold that the charges as framed by the management have not been proved by the management satisfactorily and also according to law. It is clear that had it been a criminal case, the concerned workman would have been entitled to have a benefit of doubt and would have earned an acquittal. In this view of the matter the extreme punishment of dismissal awarded to Shri K. P. Mukherjee, the concerned workman is not justified.

15. Thus considering all aspects of the matter I hold that the action of the management of Jamadoba Coal washery of Messrs Tata Iron & Steel Company Limited, Post office Jamadoba, District Dhanbad in dismissing Shri K. P. Mukherjee from service is not justified. Consequently, Shri K. P. Mukherjee, the concerned workman should be deemed to be in the service of the employers with effect from the date he was dismissed. He will also be entitled to all the back wages and other benefits from the date he was dismissed.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012(135)81-D.III(A)]

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3467.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby by publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Baraee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbarree, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1982.

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, DEPUTY CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), DHANBAD AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947.

PARTIES :

1. Agent, Baraee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Bhulanbarree, Distt. Dhanbad
—Employer

AND

2. Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path P.O. and Distt. Dhanbad through its Secretary on behalf of worker.

APPEARANCES :

For Employer :

1. Shri N. K. P. Sinha, Personnel Manager, Bhowra Area of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Bhowra (Dhanbad).

For Workman :

1. Shri G. D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, (Rajendra Path), P.O. and Distt. Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

AWARD

No 1(1)82-Dy. CLC(C).

Dated 31st August, 1982

There is an Industrial dispute between the employer in relation to the management of Baraee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad and their workman Shri Ganga Dayal Singh, Clerk of the above said Baraee Colliery, represented by Rashtriya Colliery Mazdoor, Dhanbad.

By an agreement dated 31-7-82 under Sub-Section 1 of Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 the parties agreed to refer the dispute to my arbitration. The specific matter in the dispute referred to me is as under :—

“Whether the Union's demand for placing Shri Ganga Dayal Singh, Clerk in G1. Grade-I is justified? If not, what relief he is entitled to?”

The agreement was published in the Gazette by the Government of India vide Order No L-20013(9), 82-D.III(A) dated the 25th August, 1982.

The hearing in the arbitration was held on 31-7-82 in the office of the Deputy Chief Labour Commissioner (Central) Dhanbad.

During the course of the arguments and at the time of placing evidences, oral as well as documentary, the management was harping on the point that the matter referred to me is one of promotion. The terms of reference do not convey it in any manner. I am convinced that it is a matter of regularisation.

The parties do not dispute of the details of the performance of the workman. They are as under :—

- (i) All English typing jobs of Personnel Deptt. i.e. P.O.'s Provident Fund, Bonus, Accounts, Section etc.
- (ii) All typing jobs in Hindi of the said Colliery.
- (iii) All correspondences of Hindi Section;
- (iv) Maintaining of statutory registers;
- (v) Maintaining of all files of disciplinary action;
- (vi) Maintaining of Muster Rolls and other miscellaneous files.

The workman is performing the above work since January, 1974. This has been corroborated by the management of Baraee Colliery who is fully acquainted with the various duties performed by the workman. It is on record that he is performing the job of two clerks single handedly. So, they have recommended that he shall be regularised as Gr. I Clerk in order to give justice. Due to administrative reasons he has not regularised. The following workmen who were placed on a similar position to that of Shri Ganga Dayal Singh had been regularised vide the management's letter Nos. (1) IV/PD/MP/A-34/1778 dated 17-2-82 (2) IV/PD/MP(A-HK) 8209 dated 12-8-81.

- (1) Shri D. N. Tripathy (Katras Area)
- (2) Shri K. S. Banerjee (Katras Area)
- (3) Shri S. K. Shahi, Asstt. Store Keeper, Baraee Five Project.
- (4) Shri Arjun Yadav, Munishi, Baraee Five Project.

I do not find any reasons why Shri Ganga Dayal Singh should be denied of the benefits extended to the above workman. A person who does higher responsibility should be encouraged and rewarded by regularisation.

Shri Ganga Dayal Singh was performing the higher responsibility for a period exceeding six months. The High Power Consultative Committee had also made recommendation to give effect to regularisation in a case similar to that of Shri Ganga Dayal Singh.

I, therefore, award that Shri Ganga Dayal Singh shall be regularised as a Clerk G.I with effect from the date the local management made recommendations i.e. 17-6-1980.

No cost

K. SHANMUGHAVEL,

Dy. Chief Labour Commissioner, (Central), Dhanbad, and an Arbitrator under Sec. 10-A of the I.D. Act, 1947.

[No. I-20013(9)82-D III(A)]

S.O. 3468—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan, Post Office Saraihela, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1982.

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, DEPUTY CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), DHANBAD AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947.

PARTIES .

M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, P.O. Distt. Dhanbad (Bihar) ...Employer

AND

Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P.O. & Distt. Dhanbad through its Secretary on behalf of workers.

APPEARANCES :

For Employer—Shri C. Choubey, Deputy Personnel Manager, M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan Dhanbad.

For Workmen—Shri G. D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P.O. & Distt. Dhanbad.

AWARD

No 1 (8)82-DY CLC (C)

Dated 31st August, 1982

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

There is an Industrial Dispute between the employer in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. Karmik Bhawan, P.O. & Distt. Dhanbad and their workmen Shri Sudama Tewary represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P.O. & Distt. Dhanbad. The parties under a written agreement under Sub-Section-1 of Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 agreed to refer the said dispute to my arbitration. The terms of the arbitration are as under :—

“Whether the demand of the Union that Shri Sudama Tewary should be designated as Mechanical Fitter in Category-V with effect from the 1st January, 1980 is justified ? If so, to what relief the workman is entitled ?”

Whereas the employer is represented by Shri C. Choubey, Deputy Personnel Manager M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad the workman by Shri G. D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path, P.O. and Distt. Dhanbad

The arbitration agreement was signed on 23-7-82 and published by the Government of India the appropriate Government vide their Order No. I-20013(8) 83-D.III(A), dated 21-8-82.

The hearing was held on 23-7-82, 9-8-82 and on 17-8-82 in the office of the Deputy Chief Labour Commissioner (C), Dhanbad.

Shri Pandey on behalf of the workman argued that Shri Sudama Tewary of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. has been working as a Fitter in the scale of pay of Category IV, applicable to workmen, employed in the Coal Mixing Industry. The management in accordance with the promotion policy of the management has promoted the above said workman to category V on 23rd April, 1981. In the promotion list his name is found in Sl. No. 54 with the designation of Pipe Fitter. Regarding the date of promotion i.e. 1-1-80 there is no dispute.

The dispute is with regard to designation, conferred on Shri Sudama Tewary. He is a Mechanical Fitter and as such the promotion list should also show him as a Mechanical Fitter instead of a Pipe Fitter. As per the cadre scheme of the management, in the capacity of Mechanical Fitter Shri Tewary has got chances for further promotions to Category VI. At times as per the cadre scheme of the management he may also be promoted as a Foreman. On the other hand as per the cadre scheme the highest category, for Pipe Fitter, on promotion would be Category V only. So the workman is in great disadvantage if he is not placed on his rightful designation. Besides it is neither fair nor reasonable for the management to change the designation of the workman from Mechanical Fitter to Pipe Fitter. So, Shri Pandey pleaded that the Arbitrator may give an award to the effect that Shri Sudama Tewary would be designated as a Mechanical Fitter in Category V with effect from 1st January, 1980.

Shri Choubey, Deputy Personnel Manager on behalf of the management argued that the designation of Shri Sudama Tewary has been changed from Mechanical Fitter to Pipe Fitter because he was working in the Water Supply Treatment Plant at the time of his promotion. However, he stated that on re-consideration the management would have no objection to designate Shri Tewary as a Mechanical Fitter.

In the light of the arguments placed by the parties I am satisfied with the justifications, to re-designate Shri Sudama Tewary as a Mechanical Fitter.

I, therefore award that Shri Sudama Tewary would be designated as a Mechanical Fitter, in Category V with effect from 1st January, 1980 and he would also accrue all the benefits that go with such a designation

No cost

K. SHANMUGHAVEL,

Dy. Chief Labour Commissioner (Central), Dhanbad, and Arbitrator under Section 10-A of the I.D. Act, 1947

[No. L-20013(8)82-D/III(A)]

S.O. 3469.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1982

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, DEPUTY CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), DHANBAD AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

PARTIES:

1 Management of Koordih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd, P. O. Sonardih, Distt. Dhanbad
... Employer

AND

2. Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path, P.O. and Distt. Dhanbad through its Secretary on behalf of worker.

APPEARANCES :

For Employer: 1. Shri Surendar Singh, Deputy Personnel Manager M/s. B.C.C. Ltd P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad.

For Workman: 1. Shri G.D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh (Rajendra Path), P.O. & Distt. Dhanbad

INDUSTRY..... Coal

AWARD.

No. L(24) 81-DY. CLC(C).

Dated 31st August, 1982

Whereas there is an industrial disputes between the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in their Govindpur Area (No. III) and their workman Shri Gurucharan Singh, Miner, Koordih Colliery represented by the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad and whereas the above-said parties by a written agreement dated 31-7-82 under Sub-Sec. 1 of Section 10A of the Industrial dispute Act, 1947 agreed to refer the aforesaid dispute to my Arbitration. The specific matters referred to my arbitration are as under:

1. "Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh Rajendra Path, Dhanbad that the stoppage from work of Shri Gurucharan Singh, Miner, Koordih Colliery of M/s B.C.C. Ltd P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad from August, 1977 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"
2. "Whether the action of the management of Koordih Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd, P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad in not giving the due compensation to Shri Gurucharan Singh, Miner due to loss of sight of one of his eyes on account of accident while on duty and in course of employment in January, 1977 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

The written agreement of the party by which the disputes has been referred to my arbitration is published in Gazette of India vide Order No. L-20013(10)/82-D.III(A) dated 18-8-82 of Govt. of India in the Ministry of Labour.

The hearing of the above arbitration was held on 31-7-82 and 9-8-82. With regard to item No. 1 I have to remark that both the parties hold the view that Shri Gurucharan Singh had submitted his resignation from his services with the Koordih Colliery on 15-3-77 and the resignation was accepted by the management on 17-3-77.

The difference of opinion between the parties is with regard to the nature of illness preceding the submission of the resignation. The nature of illness, in my opinion, does not matter when the workman had submitted his resignation. So I am not concerned with the nature of the illness preceding the resignation.

Shri Pandey was emphasizing that the management had failed to communicate the workman of their acceptance of his resignation. Hence the acceptance of resignation was not valid. He therefore argued that the workman was continued to be in service and should be re-instated with all the back wages and other allied benefits.

From the arguments pleaded before me and from the statements filed before me I have come to the conclusion beyond doubt that Shri Gurucharan Singh was not stopped from work. He had submitted his resignation on 15-3-77 which had been accepted on 17-3-77 thereafter he also had received all his outstanding dues such as gratuity, Provident Fund etc. The fact that the acceptance of resignation had not been communicated to the workman is merely a technical flaw which would not invalidate the resignation.

I therefore award Shri Gurucharan Singh Miner Koordih Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd was not stopped from work. Consequently the question whether his stoppage from work was justified or not need not be dealt with by me.

With regard to term No. 2, the parties at the time of arguments accepted the fact that this issue falls within the jurisdiction of the Workmen Compensation Commissioner. I agree with their view. As a matter of fact they should not have referred this term to my arbitration at all. So no award is given to this term.

No Cost.

K. SHANMUGHAVEL,
By Chief Labour Commissioner (Central)
and an Arbitrator under section 10A
of the Industrial Disputes Act, 1947.

[No. L-20013(10)/82-D.III(A)]

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3470.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Saraidhella, District Dhanbad, and their workman, which was received by the Central Government on the 14th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

Reference No. 48 of 1982

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Saraidhella, District Dhanbad and their workmen.

APPEALANCE :

On behalf of the employers—None.

On behalf of the workmen—Shri R. K. Prasad, Secretary, Bihar Colliery Kumgarh Union, Bhuli Branch, Dist. Dhanbad

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 7th September, 1982

AWARD

This is an industrial dispute under S. 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-20012(12)/82-D.III(A) dated 12th May, 1982 has referred the dispute for adjudication to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Saraidhella, Karimik Bhawan District Dhanbad for regular employment to Shri Birendra Basphore, and 53 others sweepers (listed in Annexure below) under the management is justified? If so to what relief are the workmen concerned entitled?"

ANNEXURE

1. Shri Laxman Lal Balmiki.
2. " Gita Harijan.
3. " Premal Harijan
4. " Prabhu Dayal Balmiki.
5. " Umesh.
6. " Rata Lal Balmiki.
7. " Bodhraj Balmiki
8. " Dilip Bhaspor.

9. Shri Jagdish Balmiki
10. .. Binod Kumar
11. .. Birendra Basphor
12. .. Sita Ram Balmiki
13. .. Hira Dome.
14. .. Madan Lal Balmiki
15. .. Banshi Balmiki.
16. .. Tara Devi.
17. .. Radha Kumari
18. .. Prakash Balmiki
19. .. Shankar Ram.
20. .. Sona Ram
21. .. Govind Ram
22. .. Ramanand Balmiki
23. .. Baldemo Balmiki.
24. .. Ratan Ram Balmiki.
25. .. Tapan Kumar.
26. .. Iswar Ram Balmiki
27. .. Gurdhan Lal Harijan.
28. .. Hari Balmiki
29. .. Bishu Ram Balmiki
30. .. Shyam Lal Balmiki.
31. .. Prakash Chandra Balmiki.
32. .. Raju Lakhan Balmiki.
33. .. Prabakar.
34. .. Hari Chandra Balmiki.
35. .. Mitelesh Kumar.
36. .. Kailash Prasad Harijan.
37. .. Bimla Devi.
38. .. Nirajan Balmiki
39. .. Lokroti Basphor
40. .. Raju Balmiki Chandra
41. .. Upendra Kumar.
42. .. Rajendra Balmiki
43. .. Nathi Devi.
44. .. Sita Devi.
45. .. Iavmi Bashphor.
46. .. Shiv Lakhan Das.
47. .. Arjun Prasbad.
48. .. Mantu Balmiki
49. .. Shiv Pujan.
50. .. Raj Kumar.
51. .. Dilip Kumar.
52. .. Nand Kishore
53. .. Shegleshwar.

2. This reference was received on 20-5-82 and on the same date notices were issued to the parties for appearance and filing of written statement. On 17-6-82 Shri R. K. Prasad, Secretary, Bihai Colliery Kamgarh Union, Bhuli Branch filed this authority for Shri Baban Lal, Advocate, and also the written statement of the workmen. For the management nobody was present and therefore 26-6-82 was fixed for appearance of the management for filing of written statement. On 26-6-82 Shri B. Joshi, Advocate for the management appeared and prayed for time to file his authority and written statement of the management. On 5-7-82 however the management neither filed authority for Shri B. Joshi nor appeared. On behalf of the workmen prayer was made for awarding cost since the management was adopting dilatory tactics. A cost of Rs 25 was awarded as condition precedent to the filing of the written statement of the management. On 15-7-82 Shri B. Joshi for the management submitted that he could not file his authority and written statement for the management as the same getting ready and he wanted a short adjournment. Accordingly 3-8-82 was fixed for filing written statement by the management and the cost was to be paid on that date. On 3-8-82 both the party lawyers were present and again a short date was required by the management and so 27-8-82 was fixed for filing of written statement by the management. On 27-8-82 Shri

Joshi remained absent and Shri B. Lal, Advocate for the workmen insisted that the case should be taken up ex-parte because the management was adopting harassing attitude. The case was adjourned to 3-9-82 after a warding a cost of Rs. 100/- to the workmen before filing of written statement. On 3-9-82 however nobody was present on behalf of the management and so this case was to be taken up ex-parte. On behalf of the workmen it was submitted that since the witness to be examined on behalf of the workmen was not available due to unavoidable circumstances the case should be fixed for 6-9-82 for ex parte evidence. Accordingly on 6-9-82 the workmen examined WW. 1. in support of their case. Nobody was present on behalf of the management even on that date. After recording of evidence the award was reserved and the award has been given today i.e. on 7-9-82.

3. The case of the workmen briefly stated is that they are sweepers engaged in Bhuli Township of M/S Bhaiat Coking Coal Ltd. for 3 to 4 years. They have to clean hospitals, dispensaries, school and offices besides the workers colony located in the township. Their grievance is that the management was not maintaining proper records of their service and were not paying according to the wages admissible to them. They were paid at the rate of Rs. 10/- per day without any bonus or other amenities available to their job. They made representation before the management to regularise them in their jobs. The management agreed to regularise them in their jobs and to maintain proper records, but instead of that they were stopped from work w.e.f 20-6-81 and the management started taking work through contractors.

4. WW. 1. has proved Ext. 1 which is the list of casual sweepers. It is in this form that the attendance of the concerned workmen used to be taken. Ext. W. 2 is a complaint form on which duties were allotted to these concerned workmen. Ext. W. 3 is a letter signed by Shri S. N. Sinha, Personnel Manager (Administration) addressed to General Manager (P)BCCL, Koyala Bhawan, Dhanbad. Under this letter 54 sweepers of Bhuli township were recommended for recruitment. Ext. W. 4 is a minute of discussions. Paragraph 5 of this document shows that it was agreed that the cleaning of township would be done departmentally, if possible, within two months. It was communicated to the union of the workmen under a letter dated 9-7-81 signed by Shri S. N. P. Sinha (Ext W. 5). Thereafter we have Ext. W. 6 which a letter dated 14/18th November, 1981 signed by Shri S. N. P. Sinha, Personnel Manager (Admn.) addressed to the Finance Manager (Pay) Koyala Bhawan which was to the effect that Rs. 2000/- was to be given to the sweepers, Bhuli township as advance payment. It was thereafter that the concerned workmen were made to sit idle.

4. From the evidence of WW. 1 it will appear that these concerned workmen are sweepers of the BCCL and instead of regularising them in service they were made to sit idle. The management could not appear to contest the case and so we have no other material to challenge the case of the workmen.

5. Under the circumstances the demand of the workmen of M/s. Bharat Coking Coal Ltd, Post Office Saraidhella, Kaimukh Bhawan, Dist. Dhanbad for employment to Shri Birendra Basphor and 53 other sweepers (listed in the schedule) is justified. They should be thereto, regularised with immediate effect and they will be deemed to continue in service with effect from 20-6-81 when they were stopped from work. They will be further entitled to their wages and other emoluments for the idle period. This is my award.

J P SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012(12)/82-DPI(A)]

A. V. S. SUARMA, Desk Officer

New Delhi, the 21st September, 1982

S.O. 3471—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in respect of a complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri L. N. Rajwar, Attendance Clerk of East Bhaggatdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad against the management, which was received by the Central Government on the 16th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Complaint No. 1 of 1982

In the matter of a complaint under S. 33A of the I. D. Act, 1947. Out of the Reference No. 33/81 of this Tribunal.

PARTIES :

Shri L. N. Rajwar, Attendance Clerk of East Bhaggatdih colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad represented by Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress,

P.O. Jharia Dist. Dhanbad Complainant
Vs.

The Agent, East Bhaggatdih colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.
... Opposite Party.

APPEARANCES .

On behalf of the complainant—Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress, P.O. Jharia Dist. Dhanbad.

On behalf of the Opposite Party—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar **INDUSTRY : Coal**
Dhanbad, the 13th September, 1982

AWARD

Shri L. N. Rajwar, the complainant, was attendance clerk of East Bhaggatdih colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad. An Industrial dispute was raised by him which have been referred for adjudication through notification No. 20012(16)/81 dated 2nd June, 1981 which has been registered in this Tribunal as Reference No. 33/81. The complainant's case is that during the course of conciliation proceeding the management terminated the service of the complainant on the plea of superannuation through their office order No. EBC/PD/80/F. 13/11129 dated 5-10-80 with effect from 15-12-80. This order has been challenged because it was passed without obtaining approval from this Tribunal.

2. The management's case is that this application under S. 33A of the I. D. Act, 1947 is not applicable to the present case. In support of their case the management have filed a true copy of a settlement under S. 13(3) of the Industrial Dispute Act, 1947. The General Secretary of the Union representing the applicant was signatory to this settlement. Under this settlement paragraph 1 is clear that the date of birth of Shri L. N. Rajwar would be 16-12-1920 for the purpose of superannuation from service.

3. It will appear that Shri S. P. Singh representing the complainant here has admitted the settlement and was also the signatory to the settlement. Calculating from his date of birth 16-12-20, the complainant complete 60 years on 16-12-80. It was on this date that he was superannuated. The date of superannuation in BCCL is 60 years and after this date the complainant could not be retained in the service. For this reason it cannot be said that the management terminated his service. Shri S. P. Singh has argued

that the management has not produced any evidence to show that in BCCL the age of superannuation is 60 years. It is a fact that in this case no such circular has been produced but such a circular exists and I can take judicial notice of this fact from several decisions based on that circular in this court

4. There is therefore no substance in this complaint and accordingly it is dismissed.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20025(6)/82-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 16th September, 1982

S.O. 3472—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneshwar in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs B. C. Mohanty and Sons (Pvt) Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 14-9-1982.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESHWAR

Industrial Dispute Case No. 3 of 1982 (Central)

Bhubaneshwar, the 7th September, 1982

BETWEEN

The employers in relation to M/s. B. C. Mohanty and Sons (Pvt.) Ltd. ...First-party

AND

Their workmen ...Second-party

APPARANCES :

None—for the first-party.

None—for the Second-party.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by Section 7-A, Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per their Order No. L-29024/5/81-D III.B dated 17-3-1982 :

"Whether the demand of the workmen of Kamaida Chromite Mines for continued employment in the same mine under the successor employer namely M/s. B. C. Mohanty & Sons (Pvt.) Ltd. is Justified ? If so, to what relief of the workmen are entitled ?"

2. This case was registered on 24-3-1982 and notices were issued to both the parties to file their respective written-statements. Both the parties applied for time to file their written-statements and even through the case was adjourned from time to time giving opportunities to both the parties to file their written-statements, they did not file the same till 4-8-1982 despite notices. Both the parties also did not appear and did not take steps on that day. In the circumstances, I presume that there is no dispute between the parties at present to be adjudicated by this Tribunal. Hence I pass this no-dispute Award.

J. M. MAHAPATRA, Presiding Officer,
Presiding Officer,
[No. L-29024/5/81-D III(B)]
R. P. NARULA, Dy. Secy,

आदेश

नई दिल्ली 10 अगस्त, 1982

का० आ० 3473—केन्द्रीय सरकार की गय है कि इससे उपर्युक्त अनुसूची में विविध विषय के बारे में बुल बैंक के प्रबंधनतंत्र में संबंध एक अधिकारीय विवाद नियोजका थे। उनके कर्मकारों के बावजूद विवरण है;

प्रौ. केन्द्रीय सरकार उन विवाद का न्यायिकान्यन के लिए निर्देशित करना बाहरीय समझनी है।

अब, अब, केन्द्रीय सरकार, अधिकारीय विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 के और धारा 10 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत (प्रौ. द्वारा प्रबंधन शक्तियों का प्रयोग करने के) एवं अधिकारीय प्रधिकरण गतिशील है विस्तैके पीठानी अधिकारी थी जै. ०. ०५० मध्यापात्र होने, जिनका मुख्यालय भुजनेश्वर में है। और उन विवाद को उनके प्रधिकरण को न्यायिकान्यन के लिए निर्दिष्ट करना है।

अनुत्तरी

1. हलाहल बैंक, बोकारो स्टील मिटी बाबू —

‘क्या हलाहल बैंक के प्रबंधनतंत्र की अपनी बोकारो स्टील मिटी बाबू के संबंध में ही प्रवीनस्थ और अधीनस्थ कर्मचारी का अगस्त, 1981 से कमश. 150/- तक प्रति मह. और 100/- तक प्रति माह मकान किया प्रतिकर की अदायगी रोकने की कार्रवाई स्थीयोंका है ? यदि नहीं, तो स्वधित कर्मकार किया अनुसूचीय के लक्ष्यावार है ?

2. बहौद बैंक, बोकारो स्टील मिटी बाबू —

‘क्या बहौद बैंक के प्रबंधनतंत्र की अपनी बोकारो स्टील मिटी बाबू के संबंध में लिंपीय और अधीनस्थ कर्मचारीका १ जून, 1981 से कमश. 300/- तक प्रति मह. और 205/- तक प्रति माह मकान किया भेता सुविधाओं को, उन्हें मित्राम स्थान प्राप्त किया बिना, बाप्तम लेने की कार्रवाई न्यायोंका है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किया अनुसूचीय के लक्ष्यावार है ?

3. मिडीकेट बैंक रा स्टील मिटी बाबू —

‘क्या बोकारो स्टील मिटी के मिडीकेट बैंक की १ जून 1981 से मकान किया भेता महापक, जो इसके कर्मचारियों को १५०/- तक प्रति माह नी दर से दी जा रही है, बाप्तम लेने की कार्रवाई न्यायोंका है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किया अनुसूचीय के लक्ष्यावार है ?

[सं० ए०-१२०११/४३/८१-३०-२(४०)]

एन० के० वर्मा, डेस्क प्रधिकारी

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1982

S.O. 3473—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disputes exists between the employers in relation to the management of certain Banks and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said disputes for adjudication,

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Section 7A of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of

which Shri J. M. Mahapatra shall be the presiding officer with headquarters at Bhubaneswar and refer the said disputes for adjudication to the said Tribunal

SCHEDULE

1. Allahabad Bank, Bokaro Steel City Branch

‘Whether the action of the management of Allahabad Bank in relation to their Bokaro Steel City Branch in stopping the payment of house rent compensation with effect from 1st August, 1981 to non-sub-ordinate and sub-ordinate workmen @ Rs 150 p.m. and @ Rs 100 p.m. respectively, is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?

2. Bank of Baroda, Bokaro Steel City Branch

‘Whether the action of the management of Bank of Baroda, Bokaro Steel City Branch in withdrawing the house rent allowance facilities @ Rs 300 p.m. and Rs 200 p.m. to clerical and subordinate staff respectively with effect from 1st June, 1981 without providing residential accommodation to them, is justified ? If not, to what relief the workmen concerned entitled ?

3. Syndicate Bank, Bokaro Steel City Branch

‘Whether the action of the Syndicate Bank of Bokaro Steel City withdrawing the house rent allowance subsidy with effect from 1st June, 1981 being paid to its employees @ Rs 150 per month is justified ? If not, what relief the workmen are entitled to ?

[No. I-12011(43)/81-D II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 सितम्बर 1982

का० आ० 3474—केन्द्रीय सरकारी स्थान (प्राधिकारीय अधिकारीयों की बेदखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए नीचे दी गई सारणी के संधर (1) में वर्णित अधिकारी का जा सकारात्मक विवादीय अधिकारी की पक्षियों के सम्मुख का अधिकारी है, उनके अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करनी है, जो उनके सारणी के संधर (2) की तर्त्त्वानी प्रविधि में विविध सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारियों की स्थानीय भीमाओं के भीतर उनके प्रयोग और उन पर अधिगतित तर्त्त्वान्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिषेक

सरकारी स्थानों के प्रत्येक और अधिकारियों की स्थानीय भीमाओं

1

अधीकारक, श्रेणी 1

खान बाबू बैंक

धर्मानन्द, जिला धनबाद

2

बिहार में धनबाद गिरिहील और हजारीबाग पालियां बंगल में मर्दवान असम में लीडों, मध्य प्रदेश में मरुपुरा, छिदवाड़ा और शहूडील, अनन्ध प्रदेश में खस्माम और ग्रामीण बाबू बैंक और उर्द्धमा देहनकानल में केन्द्रीय कोयला खान बाबू बैंक केन्द्रीय समिति में सम्बंधित या उनके द्वारा द्वारा या अधिकारीय किए गए और उनके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन परिमाण।

[मि० म० ध० ११०११/१२०-ब्रान्त १]

जै. दे० जैन अव० सचिव

New Delhi, the 21st September 1982

S.O. 3474. - In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the table below being an officer equivalent in rank to a Gazetted Officer under Government to be Estate Officer for the purpose of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers, by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
Superintendent Grade I, Mines Rescue Station, Dhansar, District Dhanbad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Coal Mines Rescue Stations Committee and under its administrative control at Dhanbad, Giridih and Hazaribagh in Bihar, at Burdwan in West Bengal, at Ledo in Assam at Surguja, Chhindwara and Shahdol in Madhya Pradesh, at Khammam and Adilabad in Andhra Pradesh, at Rajouri in Jammu and Kashmir, and at Dhenkanal in Orissa.

[F.No.D-11011/1/79-MI]

J.K. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1982

का० आ० 3473.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, ग्रोडोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की ध.रा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (6) के उपबंधों के प्रनुसारण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या 983 तारीख 16 फरवरी, 1982 के द्वारा भारत सरकार टकसाल, ग्रनीपुर, कलकत्ता की उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 फरवरी, 1982 से छः मास की अलावाधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जन अपेक्षित है;

ग्रन्त: ग्रन्त, ग्रोडोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की ध.रा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग का उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 अगस्त, 1982 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[मं. एम० 11017/3/80-डी IA.)]

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3475.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 983 dated the 16th February, 1982 the Indian Government Mint, Alipur, Calcutta to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 28th February, 1982.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 28th August, 1982.

[No. S-11017(3)/80-D.I.(A)]

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1982

का० आ० 3476.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था ग्रोडोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की ध.रा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (6) के उपबंधों के प्रनुसारण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या 983 तारीख 24 मार्च, 1982 द्वारा यूरेनियम उद्योग में सेवाओं को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल, 1982 से छः मास की फालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

ग्रन्त: ग्रन्त, ग्रोडोगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की ध.रा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अक्टूबर, 1982 से छः मास की ग्रन्त कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है;

ग्रन्त: ग्रन्त, ग्रोडोगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की ध.रा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल, 1982 से छः मास की ग्रन्त कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एम० 11017/7/81-डी० 1 (प०)]

ए. के. नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, the 21st September, 1982

S.O. 3476.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1386 dated the 24th March, 1982 the service in the Uranium industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 20th April, 1982.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 20th October, 1982.

[No. S-11017/7/81/D-I(A)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3477—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of North Jharkhand Colliery of Western Coalfields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 10/81

PARTIES :

Employers in relation to the management of North Jharkhand Colliery of Western Coalfields Ltd.,
P.O. North Jharkhand Colliery District Surguja.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. S. Murthy, Advocate
For the Workman—Workman himself.

INDUSTRY : Coal.

STAFF : M.P.

Dated, the 6th September, 1982

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-22011(19)/79-D.IV(B) dated the 30th March, 1981.

SCHEDULE

"Whether the management of North Jharkhand Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd., P.O. Jharkhand, District Surguja is justified in keeping Shri Uma Shankar S/o, Sri Sewdeyal, Traffic Munshi out of employment for the period 15th September, 1975 to 24th December, 1975? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The Union did not appear for hearing of the case inspite of several notices issued to them on different dates. On 6th September, 1982 the management examined MW-1 Shri T. K. Bose, Personnel Officer who has stated that the workman has filed a petition before the Area General Manager stating that he does not want to contest the case pending before Dhanbad Tribunal and so the said case should be dismissed. He has filed the said petition filed by the workman and has proved the signature of the workman on it. The said document has been marked Ext. M-1.

3. In view of the above application of the concerned workman and in view of the fact that the union is not coming to contest the case inspite of several notices issued to them, there is no alternative but to pass a 'no dispute' award as the very application of the concerned workman shows that he does not want to contest the case.

4. In the circumstances, a 'no dispute' award is passed.

J. N. SINGH, Presiding Officer.

[No. L-22011(19)/79-D.IV(B)]

S.O. 3478.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rana Colliery of Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 63/80

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rana Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Kalipahari, District Burdwan.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. N. Lala, Advocate.

For the Workman—Shri B. Lal, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 4th September, 1982

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-19012(3)/80-D.IV(B) dated the 10th October, 1980.

SCHEDULE

1. Whether the action of the management of the Rana Colliery of Eastern Coalfields Ltd., in not regularising and giving Technical Grade 'C' of the Coal Wage Board Recommendations to Shri Lakshmi Singh, Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge with effect from the 1st August, 1969 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The case of the workman is that he has been working as Incharge of Coal Cutting Machine Drivers at Rana Colliery with effect from 1st August, 1969 and as Incharge he has to supervise the work of coal cutting machine for which he was being paid an extra wage for 2 days per week. The Rana Colliery was nationalised with effect from 1st May, 1973 and even after nationalisation the workman continued to do the said job of Incharge and received the extra wages but the said extra wages was stopped from July, 1974.

3. It is submitted that though the concerned workman was working as Incharge of Coal Cutting Machine Drivers but he was paid wages of Category VI only as per Coal wage Board recommendation. He approached the management several times to regularise his job as Coal Cutting Machine Incharge and inspite of the recommendation of the Manager it was not paid to him. The demand of the concerned workman is that he should be upgraded and put in Technical Grade 'C'. The concerned workman raised an industrial dispute and the present reference was made after the conciliation ended in failure.

3. The defence of the management is that the demand of the concerned workman is absurd and untenable as he is making the demand with effect from 1st August, 1969 when the nationalisation of coal industry was not even conceived. Besides, no such demand was ever made by the concerned workman or the union before the then management or even before the present management for so long. It is stated that

the concerned workman is working as a Coal Cutting Machine Driver and the Coal Cutting Machine Drivers as per Coal Wage Board Recommendation have got two categories viz. V & VI. The concerned workman has been put in Category VI after he obtained the Gas Testing Certificate. It is however stated that as per Coal Wage Board recommendation there is no category of workman known as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge in coal industry and as such the question of creation of any such post and putting the concerned workman in Category 'C' does not arise at all. It is submitted that the concerned workman on the date of nationalisation was working as a Coal Cutting Machine Driver and he was designated as such even after nationalisation and he is getting the pay of Category VI.

4. It is however admitted that for some time the concerned workman was paid two days wages for a week as he used to work on Sunday but it was stopped as it was heart burning for the other drivers who were not given work on Sunday. The two days wages according to the management was given to the concerned workman for doing overtime work on Sunday.

5. The concerned workman has referred to the case of one Sri Usman Mia who has been given Category 'C' but according to the management the case of Usman Mia stood on a separate footing.

6. The point for consideration is as to whether the action of the management in not regularising and give Technical Grade 'C' to the concerned workman with effect from 1st August, 1969 is justified. If so to what relief is the concerned workman entitled.

7. It may be stated at the very outset that as per Coal Wage Board Recommendation there is no post designated as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge. Coal Cutting Machine Drivers have been given two categories viz. Category V & VI and the concerned workman is admittedly in Category VI which is the highest grade of Coal Cutting Machine Drivers. By the present reference the concerned workman has claimed that he should be regularised as Coal Cutting Machine-cum-Incharge and should be given Technical Grade 'C'. Technical Grade 'C' is a supervisory post. Further as stated earlier there is no designation as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge under the Coal Wage Board recommendation and the Tribunal cannot ask the management to create any such post.

8. The pay sheets Exts. M-1 to M-1/8 would indicate that the concerned workman was designated throughout as Coal Cutting Machine Driver which is admitted by him also. There is no paper to show that he was designated as Driver Incharge even before nationalisation. The concerned workman after nationalisation U/s. 14 of the Nationalisation Act was given the same grade in which he was placed prior to nationalisation. Not a single chit of paper has been filed to show that prior to nationalisation the concerned workman was working as Incharge or was performing any supervisory duty. The concerned workman has no doubt filed certain slips Ext. W-1 to Ext. W-12 but those slips do not make out anything. They do not show that the concerned workman worked as Incharge and he is entitled to a higher grade. In fact there is no grade 'C' in the category of Coal Cutting Machine Drivers.

9. The concerned workman has no doubt examined two witnesses besides himself to show that the concerned workman was working as Driver Incharge but the duty assigned to him according to these witnesses was that in case of breakdown the concerned workman used to inform the Engineer for repair of machine. The management witnesses MW-1 & MW-2 have clearly stated that the concerned workman all along worked as Coal Cutting Machine Driver. MW-1 is a manager while MW-2 is Ventilation Officer. There is nothing in the cross-examination of these two witnesses to discredit their testimony.

10. Thus from the evidence it is clear that there is no designation as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge under the Coal Wage Board recommendation nor there is

any Category C for such a post. The Tribunal can neither create such post nor can put any workman in any category not prescribed by the Wage Board recommendation.

11. It will also appear that the demand of the concerned workman is that he should be regularised and put in Category C from 1st August, 1969. It is strange that though he claims to be working as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge since 1969 but he never raised any claim for his designation or grade either before the erstwhile management or even before the present management when the nationalisation took place in 1973. There is no evidence to show as to when even the present dispute was raised before the management or before the A.L.C. by the concerned workman. The reference however is dated 10th October, 1980 which indicate that utmost the concerned workman would have raised such dispute in the year 1978 or 1979. No reason has been assigned as to why since 1969 till 1978 or 1979 the concerned workman did not raise any dispute nor made any claim. It is well settled that stale claims are not to be encouraged by any Tribunal or Court. The very fact that the dispute has been raised after a lapse of so many years clearly indicate that the concerned workman has got no claim and he wants at a belated stage to make out a new case for which there is no provision under the Wage Board recommendation nor there is any documents in support of the same.

12. Considering the evidence on record and facts and circumstances of the case, I hold that the action of the management in not regularising and giving Technical Grade 'C' to the concerned workman is fully justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

13. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer
[No. L-19012(3)/80-D.IV(B)]
S. S. MEHTA, Desk Officer.

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3479.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Pavri Kyanite Mine Village Mogatta and their workmen which was received by the Central Government on 2nd September, 1982.

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-10 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the Pavri Kyanite Mine, Village Mogatta, Post Sakoli, District Bhandara (Maharashtra State)

AND

Then Workmen.

APPEARANCES :

For the employer—Mr. H. M. Pavri, Proprietor, Pavri Kyanite Mine.

For the Workmen—Mr. M. M. Deskar, President, Maharashtra Rajya Khadan Karmchari Sangh.

STAFF : Maharashtra

INDUSTRY : Mining

CAMP : Nagpur

Nagpur, dated the 10th day of August, 1982.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-29011/35/77-D.III.B. dated 23/24th February, 1978, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Pavri Kyanite Mine, Village Mogatta, Post Sakoli, District Bhandara (Maharashtra State) and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

“Whether the stoppage of work of Shri Shankar Kangale and 44 others w.e.f. 1-7-77 by the Management of Pavri Kyanite Mine, Post Sakoli, District Bhandara (Maharashtra State) is justified? if not to what relief are the concerned workmen entitled?”

2. Pavri Kyanite Mine appears to be a proprietary concern of Mr. H. M. Pawar and deals with in the business of extracting and selling kyanite. According to the employer, it is a small mine of 25 acres and produces low grade kyanite ore. The branch Secretary, Maharashtra Rayu Khandan Karmachari Sangh (Mines Moghata) (hereinafter referred to as the ‘Sangh’) espoused the cause of Shankar Kangale and 44 other workmen complaining against the alleged stoppage of work by the employer with effect from 1-7-1977. It is alleged in the statement of claim filed by the Sangh that the employer had closed down their mines at Girota without giving any notice in writing to the workmen. The removal of the workmen was on different dates. The first set of 23 workmen were refused work on 13th June, 1977. The second set of 13 workmen were not given work from 16th June, 1977. The third set of workmen consists of 45 workmen in respect of whom the present reference is made. It is alleged that no notice in writing was given to them and they were called upon to put their signatures and accept retrenchment compensation which they refused to accept. The Union of the workmen was formed sometime before the stoppage of work. The Sangh demanded payment according to notification under the Minimum Wages Act. The employer therefore started harassing the workmen by pressurising them to leave the Sangh. When the workmen refused to do so they were removed from employment. It was admitted that the Director General of Mines (Safety) issued a notice whereby the employer was prohibited from working the mines. However, it was alleged that this prohibition was not imposed all of a sudden, but the officers, before imposing prohibition were warning the employer for removal of over burden. However, the employer did not abide by the instructions. Subsequently, the Department issued orders prohibiting further extraction of ore. It was admitted in the statement of claim that the Government had imposed ban on the export of ore in November, 1976. It was further alleged that the production continued for 6 months thereafter. It was stated that this mine was never closed during the rainy season. It was further stated that the closure of the mine was not owing to the reasons advanced by the employer, but was intended to prevent legitimate trade union activities and to facilitate refusal for payment of minimum wages. It was alleged that the closure was, therefore, illegal and amounted to victimisation.

3. The employer by its written statement filed on 22nd May, 1978 pleaded as follows. On account of circumstances beyond the control of the management, the mine had to be closed with effect from 1-7-1977. A notice dated the 30th May, 1977 was put up on the notice board informing all the workmen accordingly. There was no stoppage of work, but it was a closure. The mine was closed for an indefinite period with effect from 1-7-1977. The reasons for closing the mine were stated as follows. The employer received notice from the Department of Mines under Section 22(3) of the Mines Act, whereby the employer was prohibited to work the mines on account of danger involved to the life and safety of the workmen employed therein. According to the Department of Mines, the mines were unsafe for working unless and until overburden was

removed. Requests were made by the employer to withdraw the prohibition. However, the employer was unsuccessful. The employer was not in a position to remove the overburden for various reasons. The removal of overburden involved considerable dead work with no possibility of making income whatsoever. The employer was further hit by fixation of minimum rates of wages. The financial position of the employer was critical in various ways. The Government of India had also banned the export of kyanite by a notification issued on 5-11-1976. Due to prohibition of export the sales of kyanite ore heavily depleted. The despatches were abruptly stopped by various customers resulting in heavy accumulation of stock to the tune of Rs. 1,65,000/- For these reasons it was impossible for the employer to run the mine. In the absence of sales no income could be earned which could be utilised for removing the overburden or for paying the differences in minimum rates of wages. The Minimum Wage Authority had filed a case against the employer for recovery of differences in wages of about Rs. 45,000/-. This amount could be paid only after disposing of the truck owned by the employer. The additional reason for closing the mine was that the mine could not be worked during rainy season. The services of all workmen were therefore terminated from the end of June, 1977. The employer pleaded that the reasons for closure of the mine were bonafide and justifiable. On closure of the mine, individual notices were also tried to be served on the workmen giving details of the amounts due to them, including retrenchment compensation. Though one month's notice was already given additional one month's pay was also offered by the employer to the workmen. The workmen refused to accept the notices or the amounts offered to them with the result that notices were despatched by registered A/D post. Amounts were sent by Money Orders to individual workmen. They refused to accept the notices and also the amounts sent by Money Orders. After lapse of time some of the workmen approached the employer and received the amounts. The employer is still willing to pay the dues of the workmen resulting from the closure of the mine. Unless the market is improved, it is not possible for the employer to restart the mine. Gradually, as some realisation was made out of the accumulated stock and also some orders were received from Bhilai Steel Plant notice was affixed on the notice board and also the workmen were individually informed that the working of the mines will commence on 14th March, 1978. Accordingly, work of removing the overburden was commenced. The moment the danger is removed, the Department of Mines will be moved for cancelling the prohibitory order issued under Section 22(3) of the Mines Act. As and when more orders are received from customers more workmen will be recruited, if found necessary. For all these reasons, the employer alleged that the closure effected was bonafide and legal.

4. By its rejoinder to the statement of claim the employer pleaded as follows. The employer reiterated that it was impossible for them to operate the mines in the face of the notice under Section 22 of the Mines Act. The work of mine has now commenced after the removal of the overburden and the employer has now engaged the same labour on its reopening on March 1978, though it was not obligatory on the part of the employer to engage the same labour after the closure of the mines as the said closure was not retrenchment within the meaning of Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

5. The party who espoused the cause of the workman viz., the Sangh remained absent on a number of dates when the hearing was fixed at Bombay. This matter was therefore taken up when the Tribunal held its sittings at Nagpur. Both the parties appeared before me at Nagpur on 10th August, 1982. They informed that they have arrived at an understanding and the same be accepted. They filed two writings (Ex. EW1 and FW2) containing that understanding signed by the employer Mr. H. M. Pavri and the President of the Sangh, Mr. M. M. Deshkar. The understanding arrived at between the parties is as follows :—

(i) All those workmen who did not accept the retrenchment compensation have been taken back on 13th March, 1978, on the reopening of the mine. An amount of Rs. 300/- has been paid to them as ex gratia payment. They were given continuity in service.

(ii) Five workmen whose names have been mentioned in writing submitted by the parties and who had already accepted the retrenchment compensation were reemployed.

(iii) Then as regards the remaining sixteen workmen who had accepted the retrenchment compensation, but who could not be employed so far, the employer has agreed to reemploy them according to their seniority as and when required.

6. In view of this understanding, the Sangh who espoused the cause of the workmen has stated in writing that it had no dispute now in the matter of the demands in the reference and that the claim of the 45 workmen is now fully settled. It appears from the document produced on record on behalf of the employer that this mine employed less than 50 workmen. The provision regarding 60 days' notice was not applicable to this mine in view of the provisions in Section 25-FFA. The contentions raised on behalf of the employer were not altogether without substance. The employer has now, after reopening of the mine taken back in its service 29 workmen and has agreed to reemploy the remaining 16 workmen. The employer has employed 24 workmen with continuity of service and it appears that in lieu of b.r.k. wages an amount of Rs. 300/- has agreed to be paid to each of them as an ex gratia payment. In the circumstances of the case, it appears that the understanding arrived at between the parties is just and fair. I would therefore pass an award in terms of the understanding arrived at between the parties which is recorded in the two writings filed before me on the date of hearing on 10-8-1982.

7. Award accordingly. The two writings (exhibits EW-1 & 2) will form part of this award. No order as to costs.

M D. KAMBI I, Presiding Officer
[No. L-29011/35/77-D(III)B]
SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1982

कांसा० 3480.—बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 भा० 62) की धा० १० के अनुभरण में, केंद्रीय सरकार निम्नलिखित रिपोर्ट प्रकाशित करती है, 'जम्मे वित्तीय वर्ष 1981-82 के दौरान उक्त अधिनियम के अधीन वित्तीय सहायता प्राप्त निधि के कार्यकारी कानूनों का नेत्रांजोखा तथा उस वर्ष के लेखों का विवरा दिया गया है।

बीड़ी प्रतिष्ठानों में सोधे या किसी एजेंसी के माध्यम से नियोजित अधिकारी के कल्याण को बढ़ाया देने के उपायों के संबंध में वित्तीय सहायता देने के लिए बीड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 और बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 के अधीन बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि गठित की गई है।

बीड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 के अंतर्गत वर्ष 1976 नियम 15 फरवरी, 1977 को आया हुए। बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 के अधीन बनाए गए नियम 7 अक्टूबर, 1978 से लागू हुए।

बीड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 (1976 का 56) ने भारत की उपधारा (3) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रतीक करते हुए केंद्रीय सरकार ने बीड़ी के नियम के संबंध में किसी भी प्रयोजन, के लिए गोदान से किसी व्यक्ति को दिए गए नम्बर पर प्रति किलो 25 पैसे की दर नियमित की थी, जिस पर उपकर के रूप में उत्ताव-शुल्क लगाया जाना था और एक बिल किया जाना था।

नित अधिनियम, 1979 के अनुगार अधिनियम नम्बर ५० पर उत्पाद-शुल्क लगाने से लूट रहे गई और गोदानों को लाइसेंस देना भावान किया

गया। बीड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 के प्रतीक एक विषय के अधीन कार्यकलापों में द्वा लागू होता है, जो बीड़ी अधिक कल्याण उपकर (मंगोधन) अधिनियम, 1981 वारा गा० के प्रौद्योगिकी जनवरी, 1982 से प्रत्येक हजार निमित बोडीयों पर 10 रुपये की दर से उपकर लगाया गया है।

बीड़ी कर्मकार कल्याण के अधीन कार्यकलापों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले में एकत्र को गई राशि के रूप में है।

प्रासादनिक सुविधाएँ के लिए जारी किया गया है और वित्तीय कार्यकलापों के कार्यव्यवस्था के लिए जन्मान आयुक्तों, उपकल्याण आयुक्तों और सहायक कल्याण आयुक्तों के पद मूल्यित फीट गए हैं। शिक्षण क्षेत्रों के अधिकारी और इन प्रकार हैं—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	राज्यों के नाम
1.	कल्याण आयुक्त, भुवनेश्वर	उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और पूर्व राज्य
2.	कल्याण आयुक्त, भैलडाहा	राजस्थान और गुजरात
3.	कल्याण आयुक्त, इलाहाबाद	बिहार और उत्तर प्रदेश
4.	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	कर्नाटक, ग्रान्ड प्रदेश, निमिनाडू और केरल।
5.	कल्याण आयुक्त, जबलपुर	मध्य प्रदेश और मध्यप्रदेश

वित्तीय सुविधाएँ

शिक्षिता सुविधाओं को प्राप्तिकर्ता दी गई है और ग्रान्ड प्रदेश के दोगने निम्नानुमार 9 ग्रोपधालयों को मजूरी दी गई है।

बिहार—चार ग्रोपधालय-ग्रामान्य, मार्गोदारी इवं चम्पारन और सतामढ़ी में एक-एक।

कर्नाटक—कालोकट में एक ग्रोपधालय

कर्नाटक—गुजराती में एक ग्रोपधालय

उत्तर प्रदेश—दो ग्रोपधालय—रमेश्वर और रायबरेली में एक-एक

उपर्युक्त 9 ग्रोपधालयों के अन्तर्वा, 69 ग्रोपधालय गया। मध्यूर में एक इन पलांगों वाले अस्पताल तथा निमेता० में एक चेट्ट क्लीन, वार्यकर्ता रखी। ग्रामोंच्य वर्ष की रिपोर्ट के द्वारा अर्थात् 1981-82 में बीड़ी अधिकारी और उनके परिवार के मदल्यों को विकिसा सुविधाओं की व्यवस्था करने में 50,62,169. 94 रुपये खर्च किए गए हैं।

शिक्षा

वित्तीय सुविधाओं में बीड़ी कर्मकारों के वडों को 30,32,565. 20 रुपये की राशि छात्रवृत्तियों के रूप में दी गई।

आवास

बीड़ी कर्मकारों का अधिक सुविधाओं का व्यवस्था करना के लिए अपना मालान बनाने वाली वार्षा० अथ वार्षा० वर्षा० (१९८१-८२) रूपये की आर्थिक सहायता दी गई।

अधिक दृष्टि से कर्मजों वर्ग के बीड़ी अधिकारी के लिए ग्रामान्य शाजन० के अन्तर्गत राज्य सरकार को 12,49,500. 00 रुपये की सहायता अनुदान मध्यूर किए गए, जिनके लिए इस प्रकार है।

(क)	गुजरात सरकार	2,74,500. 00 रुपये
(ख)	मध्य प्रदेश सरकार	7,50,000. 00 रुपये
(ग)	निमिल नाडू सरकार	2,25,000. 00 रुपये

1981-82 का लेखा विवरण

(क) ग्राम शेष	2,21,31,422.00 रुपये
(ख) वर्ष के दोगत प्राप्तियाँ	5,55,158.18 रुपये
(ग) वर्ष के दोगत व्यय	1,10,45,329.42 रुपये
(द) अंत शेष	2,19,41,250.76 रुपये

[फाइल संख्या प्रम/23011/3/82-एम VI]
टाक्का दाम, अव० संवित्

New Delhi, the 9th September, 1982

S. O. 3480.—In pursuance of Section 10 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976), the Central Government hereby publishes the following report giving an account of its activities financed under the said Act during the financial year 1981-82 together with a statement of accounts for that year.

General

The Beedi Workers Welfare Fund has been constituted under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 and the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 for the financing of measures to promote the welfare of persons engaged in Beedi establishments directly or through any agency.

The Rules framed under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 came into force with effect from 15th day of February, 1977. The Rules under the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 were brought into force with effect from 7th October, 1978.

In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 (56 of 1976), the Central Government had fixed the rate of 25 paise per kilogram of tobacco issued to any person from a warehouse for any purpose in connection with the manufacture of beedi, as the rate at which the duty of excise was to be levied and collected by way of cess.

Under the Finance Act, 1979, unmanufactured tobacco was exempted from the levy of excise duty and licensing of warehouses was discontinued. The cess which was being collected under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976, was also stopped with effect from 1st March, 1979. For financing the activities under the Fund, the Beedi Workers Welfare Cess (Amendment) Act, 1981, has been enacted and cess has been levied on manufactured beedis at the rate of 10 paise per thousand manufactured beedis with effect from 1st January, 1982.

The activities under the Beedi Workers Welfare were financed out of the collections made in the previous years.

For administrative convenience, the States having concentration of beedi workers in the country, have been grouped into five regions and for implementing the various activities, posts of Welfare Commissioners, Deputy Welfare Commissioners and Assistant Welfare Commissioners have been created. The jurisdiction of various regions is under:—

Sl. No.	Name of the Officer	Name of the States
1	Welfare Commissioner, Bhubaneswar.	Orissa, West Bengal and Eastern States
2.	Welfare Commissioner, Bhilwara.	Rajasthan and Gujarat
3.	Welfare Commissioner, Allahabad.	Bihar and Uttar Pradesh
4.	Welfare Commissioner, Bangalore.	Karnataka, Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Kerala
5.	Welfare Commissioner, Jabalpur.	Madhya Pradesh and Maharashtra

Medical Facilities

Medical care has been given priority and during the period under report 9 dispensaries as under were sanctioned :

Bihar	Four dispensaries one each at Gopalganj, Motihari, East Champaran and Sitamarhi.
Kerala	One dispensary at Calicut.
Karnataka	One dispensary at Nipani
Orissa	One dispensary at Gujardanda
Uttar Pradesh	Two dispensaries one each at Rampur and Raebareilly.

Besides the above 9 dispensaries, 69 dispensaries, one ten bedded hospital at Mystic and Chest Clinic at Nintita also continued to function. During the year under report, viz. 1981-82 an amount of Rs. 50,62,169.94 has been spent in providing medical care facilities to beedi workers and members of their family.

Education

An amount of Rs. 30,32,565.20 was paid as scholarships to the children of beedi workers in different regions.

Housing

For providing housing facilities to beedi workers Rs. 94,200 was given as subsidy to beedi workers under Build Your Own House Scheme.

A grant of Rs. 12,49,500.00 was sanctioned to State Governments under Housing Scheme for Economically weaker section of beedi workers as under:

(a) Government of Gujarat	—Rs. 2,74,500.00
(b) Government of Madhya Pradesh	—Rs. 7,50,000.00
(c) Government of Tamil Nadu	—Rs. 2,25,000.00

Statement of Accounts for the year 1981-82 :

(a) Opening balance	—Rs. 3,24,31,422.00
(b) Receipts during the year	—Rs. 5,55,158.18
(c) Expenditure during the year	—Rs. 1,10,45,329.42
(d) Closing balance	—Rs. 2,19,41,250.76

[No. S-23011/3/82-M.V.]

T. D. SALHOTRA, Under Secy.

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3481—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th September, 1982.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CALCUTTA

Reference No. 43 of 1979

PARTIES :

Employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited, Calcutta.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. P. P. Ginwalla, Counsel, with Mr. R. N. Thunjunwalla, Advocate.

On behalf of Workmen—Mr. P. K. Chatterjee Advocate.
STATE : West Bengal.

INDUSTRY . Banking

AWARD

By Order No. L-12011/21/79-D.IIA dated 4th July 1979, the Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

1. Whether action of the Grindlays Bank Limited, Calcutta in deducting full day's pay from the wages of their workmen for their absence from work for four hours on 29-12-77 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2. The facts are that the employees of the Grindlays Bank Limited, Calcutta (briefly, the Bank) went on four hours strike from 10 A.M. to 2 P.M. on 29th December 1977. This strike was in pursuance of a call given by their parent organisation—All India Bank Employees' Association (In short, AIBEA) in support of the demands of the employees all over India for the betterment of the conditions of service. The Bank deducted one full day's salary for that. The employees claim to have worked for the rest of the working hours on that day but the bank refutes it. The bank had earlier given a notice on 27th December 1977 that even if an employee resorted to a partial strike he will not earn his salary for the period he would work on the day of the strike, as he would be committing breach of contract of his service and so he should not report for duty for the rest of the working hours on that day. The Bank supports its action of deduction of full day's salary on the principle of "no work no pay". The question is whether the cut of one day's wage by the bank is justifiable in law. Mr. P. P. Ginwalla contended that the principle to be adopted in the present case should be "no work no pay". He submitted that the employees struck the work for four hours on that day and in that situation the bank was justified in deducting the full day's salary. He also argued that the strike was illegal on account of absence of legal notice under Section 22 of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. In my opinion the employer was competent to deduct one day's pay under the principles of general law. Under the general law the performance of service in accordance with the contract of employment is a condition precedent for earning the remuneration of salary. If an employee absents from work without just cause or excuse he commits a breach of the terms of contract and it will not at all be justifiable to make the employer pay for services not rendered by the employees : see Halsbury's Laws of England, 4th Edition, Vol. 16, Articles 554, 579, 610 and 915. The legal position that an employee forfeits remuneration not only when he absence from duty but also when he wilfully does not discharge his duty, is clearly brought out from the decision of the Court of Appeal in Secy. of State v. Aslef (No. 2) (1972) 2 All ER 949 at 963. In that case the employees had resorted to "work to rule". In that context Lord Denning, MR, observed as follows :

"Now I quite agree that a man is not bound positively to do more for his employer than his contract requires. He can withdraw his goodwill if he pleases. But what he must not do is wilfully to obstruct the employer as he goes about his business. That is plainly the case where a man is employed singly by a single employer. Take a homely instance, which I put in the course of argument. Suppose I employ a man to drive me to the station. I know there is sufficient time, so that I do not tell him to hurry. He drives me at a slower speed than he need, with the deliberate object of making me lose the train, and I do lose it. He may say that he has performed the letter of the contract; he has driven me to the station; but he has wilfully made me lose the train, and that is a breach of contract beyond all doubt. And what is more, he is not entitled to be paid for the journey. He has broken the contract in a way that goes to the very root of the consideration, so he can recover nothing."

So much for the case when a man is employed singly. It is equally the case when he is employed 'as one of many' to work in an undertaking which needs the service of all. If he with the others, takes steps

wilfully to disrupt the undertaking, to produce chaos so that it will not run as it should, then each one who is a party to those steps is guilty of breach of his contract. It is no answer for any one of them to say 'I am not bound to do more than a 40 hour week.' That would be all very well if done in good faith without any wilful disruption of services; but what makes it wrong is the object with which it is done. There are many branches of our law when an act which would otherwise be lawful is rendered unlawful by the motive of object with which it is done. So here it is the wilful disruption which is the breach. It means that the work of each man goes for naught. It is made of no effect, I ask: is a man to be entitled to wages for his work when he, with others, is doing his best to make it useless? Surely not. Wages are to be paid for services rendered not for producing deliberate chaos."

3. In a recent Madras case reported in (1981) II LLJ 367 (R. Rajamanickam v. Indian Bank) the very point which is involved in the instant case was elaborately discussed. That is a direct case on the point. In that case also the employees of the Indian Bank had gone on strike for four hours on 29 December 1977 pursuant to a call given by AIBEA demanding revision of wages and other service conditions and payment of bonus. The bank cut the pay of one day. The employee concerned challenged the action of the Indian Bank but it was held that the management was justified in deducting the salary of the full day. This case asserted the principle of "no work, no pay" applied earlier by a Division Bench case of the same High Court in V. Ramachandran v. Indian Bank, 1979 I LLJ 122. The 1981 Madras case also made a reference to para 13.27 of the Bivalite Settlement dated 19 October 1966 which runs as below :

"Any absence from duty without satisfying the requisite conditions under which leave may be taken or obtaining such leave on false grounds would justify any bank, after giving the employee an opportunity to explain, in not treating the employee as on casual leave but as being absent without leave on loss of pay and allowances."

The case of Ganeshan v. State Bank of India, 1981 I LLJ 64 was distinguished, and I think rightly, on the ground of acquiescence of the employer as the Bank had permitted the employees to resume work for the rest of the working hours of the day's strike. The Madras decisions are thus in favour of the Bank. The Madhya Pradesh High Court in a recent Division Bench case of Vikram Tamaskai v. Steel Authority of India Ltd., 1982 Lab IC 909—1982-II LLJ 84 agreed with the view taken by the Madras High Court in Rajamanickam case (supra). It accepted the principle of 'no work, no pay'. In that case the Officers of Bhilai Plant attended the site or place of work and signed the attendance register but did not work at all for the period in between 3rd August to 31st August 1981 and 1st September to 11th September 1981. It was held that the management was entitled to deduct the salary for those periods. So the Madhya Pradesh High Court case also is in favour of the Bank. Similar view has been taken by the Punjab & Haryana High Court in Dharam Singh v. Bank of India, 1979 Lab IC 1079.

4. So far as the Calcutta High Court is concerned, the view is not consistent as I will presently show. In the case of M. K. Bose v. Bank of India, 1977-II LLJ 284 (Cal) Amarendra Nath Sen, J (as he then was) held that unless an employer is empowered or authorised by any statute or under the terms and conditions of a contract of employment to deduct any part of the salary from the salary payable to the employee he has no power to effect any cut in the salary on a pro rata basis for the period during which he was absent from his duty and participated in demonstration. This case is the sheet-anchor of the argument of Sri P. K. Chatterjee. Sri Chatterjee has vehemently argued that the contract of employment is one whole and indivisible, that it is on monthly basis and cannot be divided into number of days or number of hours and minutes and so the Bank has no right to deduct the salary of the employee even if the employee is absent for a part of the day. Learned Counsel submits that if an employee absents himself without any just cause for a part of the day, the remedy of the bank would be to proceed against such employee for misconduct or for breach of contract and not in deducting a part of the salary. His submission is supported by the case of M. K.

Bose case (supra). There is another Calcutta decision in Krishnatosh Das Gupta v. Union of India, (1980) I LLJ 42 in which it was held that in order to deduct any amount from the salary there must be specific rules relating to the contract of service of the person concerned. Learned Counsel has also cited a recent case of the Bombay High Court in T. S. Keewala & Others v. Bank of India & Others, (1981) Indian Factories & Labour Reports, Volume 43, p. 341 which has followed the M. K. Bose's case and also an earlier decision of the Bombay High Court in Apar (Pvt.) Ltd. v. S. R. Samanta and Others (1980) II LLJ 344. In that case a question arose for consideration as to whether an employer can unilaterally reduce the wages on the ground that the employees had adopted go-slow tactics in violation of the terms of the subsisting settlement. The Division Bench of the Bombay High Court gave the answer stating that in the absence of a specific term in the settlement or statutory provision an employer has no right to reduce the wages of emoluments on the allegation that the workers had resorted to go slow tactics or had not performed their part of the obligation in the settlement. Here it will not be out of place to refer to a Supreme Court case on "Go slow" tactics. In Barat Sugar Mills Ltd. v. Jai Singh (1961) II LLJ 644 (647) (SC) per Das Gupta, J. speaking for the Supreme Court Das Gupta J. said :

"'Go-Slow' which is a picturesque description of deliberate delaying of production by workmen pretending to be engaged in the factory is one of the most pernicious practices that discontented or disgruntled workmen sometimes resort to. It would not be for wrong to call this dishonest. For, while thus delaying production and thereby reducing the output, the workmen claim to have remained employed and thus to be entitled to full wages. Apart from this also, 'go-slow' is likely to be much more harmful than total cessation of work by strike. For, while during a strike much of a machinery can be fully turned off, during the 'go-slow' the machinery is kept going on a reduced speed which is often extremely damaging to the machinery parts. For all these reasons, 'go-slow' has always been considered a serious type of misconduct."

I have already quoted the observations of Lord Denning, MR, in para 2 of this judgment of mine which shows that the driver adopting the go-slow tactics is not entitled to be paid. However, the two Bombay decisions and the two Calcutta cases aforesaid in favour of the workmen.

5. Now coming again to an important case. In *Allegemene Bank v. Central Government Labour Court*, 1978 II LLJ 117 Mr. Justice Sabyasachi Mukherjee held that wages were payment for services rendered and deduction from wages, pro-rata for failure of consideration from the employees' side is permissible in law. In this case the provisions of the West Bengal Shops & Establishments Act, 1963 applied. In that case His Lordship pointed out the concept of the word "wages" and said that wages were remunerations payable by an employer to his employee for services rendered and further held that if the employee does not work then the remuneration would not be payable to him. In paragraph 12 of the judgement it is observed :

"I am of the opinion that the wages, as in the words of Lord Denning, are the payment for services rendered. I am inclined to think that it is not so much a question of whether the contract is divisible or entire but of reciprocal promises as the consideration, that is to say, the employer provides the employment and pays the remuneration and the employee performs the work during the period he is supposed to do the work. Therefore the right of the employee to get the remuneration depends upon the performance of his work during the period of employment. If there is any failure of that consideration then taking a strict view of the matter the employer is entitled to refuse any payment at all. But, as has been noticed in "The Contract of Employment" by M. R. Freedland, referred to hereinbefore, very often policy considerations enter and deduction on pro rata basis is made to avoid undue hardship in the employer-employee relationship."

Mr. Chatterjee strenuously urged that Sabyasachi Mukherjee, J. expressed the view about the employer's right to deduct wages only tentatively and not finally. Learned Counsel has drawn my attention to the last portion of paragraph 12 of this judgment which is as follows :

"But in the instant case, because of the next aspect of the matter which I shall presently discuss it is not necessary for me to rest my decision on this aspect of the matter. But I express the above view about the employer's right to deduct wages tentatively with great respect of A. M. Sen, J."

In my opinion, though His Lordship has said that the view was only a tentative one, the point has been so thoroughly and elaborately discussed that it cannot be ignored. This Calcutta decision is entirely in favour of the Bank. The principles in this case, I think, have been correctly stated. After considering the various authorities aforesaid I agree with the views taken by Justice Sabyasachi Mukherjee in *Allegemene Bank's* case, by the Madras High Court in *V. Ramachandra and Rajamanickam's* case, by the Madhya Pradesh High Court in *Vikram Tamaskar's* case and by the Punjab High Court in *Dharam Singh's* case. From these decisions it is clear that an employer is competent to effect a cut in the salary of his employee if the latter remained absent from duty without any just or good cause. This right of the employer is exercised under the general principles of law even in the absence of any specific provision in the contract of employment or in any statute.

6. Mr. Chatterjee however submits that the strike was legal and justified and therefore no wages can be deducted. On the other hand, Mr. Ginwalla submitted that the strike was illegal and unjustified and therefore the one day's salary was rightly deducted. Here I may point out that the matter had not been referred by the Central Government for adjudicating the legality or justifiability of the strike. However both parties have argued this point and I would deal with it, the point being relevant and especially when the terms of reference seems to be wide enough to include these points. The question is whether the strike was illegal. It appears to me that Section 22 notice was not given in the instant case by the concerned employees to their employer. Admittedly the Bank is a public utility service. Admittedly there has been a breach of contract. Admittedly no notice was given in form L which is the form prescribed by Rule 71 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. The provisions of Section 22 of the Industrial Disputes Act are imperative and must be complied with. This is clear from a perusal of the various sub-sections including sub-section (4) of section 22 read with Form L. In para 4 of their written statement the workmen do not say when the notice of strike was given, by whom and to whom ? It merely says that a notice was given Section 22(1)(a) requires that notice must be given within six weeks before striking and under clause (b) it has to be given a fortnight earlier. Form L requires that notice shall be given by five elected representatives of workmen and shall specify the precise day on which they propose to call the strike and also to state the reasons for going on strike. The rule further requires the employer to intimate the Conciliation Officer of the fact of his having received the notice forthwith. The obvious purpose is to enable the authorities to make alternate arrangements for running the public utility service vital to the day-to-day life of the community in the event of the strike. Mr. Chatterjee argues that the Bank has admitted in para 8 of the written statement that they have received the notice of strike and hence the provisions of Section 22 should be deemed to have been complied with. Para 8 of the written statement of the bank runs as follows :

"The All India Bank Employees' Association, of which the Union is a federating unit, issued notice to the Managements of the Banks regarding the settlement of outstanding demands of the workmen in regard to wage revision, dearness allowance and other conditions of service and the managements were intimated that the bank employees will go on strike for the first 4 hours on 29-12-77. The Bank affixed a notice on the Notice Board on 27-12-77, a copy of which is marked Annexure 1 according to which the workmen were informed that if any of them did not report for work for any part of the day, he would be treated to be absent for the whole day and as such he need not

report for work during any part of the working hours on that day and that he would forfeit his salary for the whole day.

In my opinion this statement in the written statement is not sufficient to hold that the provisions of Section 22 have been complied with. The notice which is spoken of in this written statement of the employee is a general notice issued by AIBIA and not by the employees concerned to their employer. It was issued to the managements of the banks and a lot of statements of demands has been made. The name of the employer has not been mentioned. It has been signed by any one. Under form L it was to be signed by the Secretary of the Union. The notice is not in the form prescribed by law. The bank has challenged the legality of the notice in paragraph 12 of its written statement. The said notice is dated 14th December 1977. It is not known when it was received by the bank in question. Form L requires that notice shall be given by five elected representatives of workmen and on what date the meeting for electing them was held. It also requires the addresses of the five elected representatives to be given therein. There should be an annexure giving reasons for strike attaching the same to the notice. This requirement also has not been fulfilled. I therefore agree with the contention of the bank that there was no legal notice of the intention to go on strike served on the bank and that the provisions of Section 22 were not complied with. Hence strike is held to be illegal. There can be no doubt that if the strike is legal as well as justified, the strikers will be entitled to wages for the period of strike; vide Crompton Greaves Ltd. v. the Workmen, 1978-II LLJ 80 and Chuna Kulin Tea Estate (Pvt.) Ltd. v. Its workmen, 1969-II LLJ 407. But in the present case the strike has been held to be illegal. In India, General Navigation and Railway Co. Ltd. v. Their Workmen, 1960-I ILL 13 the Supreme Court held that a strike which is clearly illegal cannot at the same time be characterised as justified, that the law does not make any distinction between an illegal strike which may be said to be justifiable and which is not justified. But in Gujarat Steel Tubes Ltd. v. Gujarat Steel Tubes Mazdoor Sabha, 1980-I ILL 137 Krishnarao Jyoti, J observed that mere illegality of the strike does not per se spell unjustifyability. That observation, in my opinion does not help the employees. In the present case there is no evidence for coming to a finding as to whether the strike was justified or unjustified. The question of justifiability has to be decided not only with reference to the demands of the employees but also with reference to the fact as to whether the strike should have been commenced at the time when it was commenced and whether there was any serious dislocation of work due to the unlawful strike. In Secretary of State v. SLEF 1972 2 All. FR 1949 CA it was held that it is an implied term of the contract the employee will not wilfully disrupt the employer's business. In the instant case the business of the bank has been disrupted through the illegal strike. Mr. Chatterjee submits that in a case of collective bargaining for the betterment of the conditions of service like basic pay, dearness allowance, bonus, Provident fund and gratuity, etc. it is the legal right of the employees to go on strike and that a strike in such a situation may justifiably be resorted to. In support of this contention he relies on Swadeshi Industry Ltd. v. Its Workmen, 1960-I LLJ 78(SC)=AIR 1960 SC 1258. The contention as it stands is correct but in the present case the strike has been held to be illegal and if so, the employees cannot be entitled to wages for the period of strike.

7. The next question is whether the Bank is justified in deducting the full day's wages (for 29 December 1977). The answer, in my opinion, should be in the affirmative. In Dharam Singh v. Bank of India, Bombay (1979) Lab IC 1079, a Division Bench of the High Court of Punjab & Haryana held that the working hours of each day should be considered as one single unit and it can not be split up into several sub-units. It was further held that it is not reasonable and permissible to hold that it is left to the free and unrestricted discretion of the employee to report for work at any time of the day and be at liberty to do work for any part of the day only at his whim and caprice and still enjoy the right to claim wages for the remaining part of the day. I respectfully agree with the view taken by Punjab High Court. If it is left to the free and unrestricted discretion of every employee to report for work at any time of the day when he chooses and to be absent at any time of the day when he likes there will be chaos in the administration of the management and instead of peace, there will be industrial unrest. If some employee chooses to come at 3 P.M. some at 5 P.M. and some at 12 noon and so on, it

will be a tremendous problem for the management to go on making payments to its employee on day rate basis for the period of work of that particular day. In these circumstances I agree with the view taken by the Punjab High Court. In the book "Industrial Law" by H. Smith and H. Wood, 1980 edition at page 118 it is stated: 'If an employee is on strike during a week or any part thereof that week does not count as a period of employment by virtue of paragraph 15(1); however a compromise is achieved by paragraph 15(2) which provides that the employee's continuity of employment is not broken by a strike'. It seems that the reference in that statement is to the provisions of the Employment Protections (Consolidation) Act 1978. In our country there is no legislation on the subject. However, in view of the Punjab decision aforesaid I think that in a case of partial strike, the particular day should not count as a period of employment for the limited purpose of payment of wages for that day.

8. Mr. Ginwalla submitted that there was lock out in the second half of the day in pursuance of the bank's circular dated 27th December 1977 and the workmen had not been permitted to attend work for the rest of the day. In the view taken above it is not necessary to decide it.

9. For the foregoing reasons my award is that the action of the Grindlays Bank Limited, Calcutta in deducting full day's pay from the wages of their workmen for their absence from work for four hours on 29th December 1977 is justified and, therefore, the workmen are not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,

The 13th August 1982.

M. P. SINGH, Presiding Officer.

[No. 1-12011/21/79-DH(A)]

New Delhi, the 14th September 1982

S.O. 3482.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (Madhya Pradesh), in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workman, which was received by the Central Government on the 4-9-1982.

BEFORE JUSTICE S. R. VYAS (RFTD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(A)(1)/1981

Under Sec. 33-A of ID Act

PARTIES :

Shri S. D. Jot. Clerk,
Bank of Baroda, Karanja
Branch, District Akola ..Complainant.

Versus

The Regional Manager (Nagpur Region) Bank of Baroda,
People's Mobile Hospital Building Dr. Annie Besant
Road, Worli Bombay : 400025 (M.S.) Opposite Party.

APPARANCES .

For Complainant—Shri U. W. Kelkar.

For Management—Shri S. P. Rajamani

INDUSTRY : Bank

DISTRICT : Akola (M.S.)

AWARD

Dated August 30, 1982

This is an application by the aforesaid complainant who is one of the employees of the Bank of Baroda Karanja Branch, District Akola.

2. The Complainant contends that he is the senior most employee in the Nagpur Region and because of the seniority he

is the only person eligible for promotion; that in pursuance of the settlement dated 22nd September, 1977 he was the only person eligible to be appointed as a Special Assistant in the Karanja Branch on the vacant post from 1-1-1981; that the said vacancy has not been filled and thus by not appointing him the Bank has committed breach of the terms and conditions of settlement.

3. In the reply the management of the Bank contends that there is a dispute which has been referred to for adjudication (vide Reference Case No. 27/1980) in respect of two other workmen S/ Shri N. S. Pathakar and P. K. Khanzode; that the applicant is not in any way concerned with the said dispute; that mere omission to fill a vacant post does not in any way amount to change the conditions of service; that the complainant workman has no vested right for promotion; that promotions to the higher posts are to be made in particular ratio; that in order of seniority Shri S. W. Pitke was promoted and that the condition of service either of the applicant (complainant) or of the two workmen concerned in the aforesaid dispute pending in this Tribunal is not altered.

4. On the above pleadings of the parties the following issue was raised :—

ISSUE

1. Whether the present application is maintainable on the facts alleged in the application ?

5. In this case both the parties given opportunity to lead evidence on this issue. However, the applicant remained absent and the management also did not lead any evidence.

6. I have considered the facts alleged by the applicant. In my opinion his application is liable to be dismissed as not maintainable for the reasons given below.

7. The only grievance made by the applicant in this application is that though there was a vacancy on account of the retirement of Shri D. K. Deshpande, Special Assistant, with effect from 1-1-1981 yet this vacancy was not filled in. The applicant further contends that considered from the fact of his being senior most he should have been promoted.

8. According to the extract of the Settlement referred to in para 2 of his application the vacancy had to be filled in within one month of such occurrence. Even if the management has not filled in the vacancy between the period of one month it cannot be said that there has been any change brought about in the terms and conditions of service of a particular workman. The dispute referred to by the management in the reply was between it and the two other workmen. That dispute has been considered in the Award given in Reference Case No. CGIT/SC(R)(27)/1980. (However, so far as the applicant/complainant is concerned neither he was concerned in this dispute nor the management has introduced any change in his conditions of service. No evidence has been given by the workman to substantiate his allegations made in this application. The application is, therefore, liable to be and is hereby dismissed. In the circumstances of the case there will be no order as to costs.

S. R. VYAS, Presiding Officer
[No. I-12014(1)/82-D II(A)]

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3483—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Federal Bank Limited, Kerala and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL MADRAS

PRESIDENT :

Thiru T. Sudarsanam Daniel, B.A.B.L., Industrial Tribunal

(Constituted by the Government of India)

Monday the 6th day of September, 1982

Industrial Dispute No 82 of 1981

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye)

BETWEEN

The workman represented by the General Secretary, Federal Bank Employees' Union, Alwaye, Kerala

AND

The Chairman, Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye, Kerala

REFERENCE :

Order No. L-12011/4/81-D II(A), dated 7th November, 1981 of the Ministry of Labour, Government of India.

**

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 27th day of August, 1982 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Chandru, for Thiruvakalgal Row and Reddy and K. Chandru, Advocates for the workman and of Thiru B. S. Krishnam, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No L-12011/4/81 D.II(A), dated 7th November, 1981 of the Ministry of Labour in respect of the following issue :

"Whether the action of the management of Federal Bank Ltd. in relation to its Branch at Panangad in dismissing Shri K. S. Titus, Typist-cum-Clerk from the services of the Bank under its letter dated 20th November, 1978 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

(2) Facts leading upto this dispute are as follows: The Management is Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye, Kerala State. The issue referred to this Tribunal for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour relates to the action of the Management in relation to its Branch at Panangad in dismissing Thiru K. S. Titus, Typist-cum-Clerk from the services of the Bank by its letter dated 20th November, 1978. The aforesaid workman Thiru K. S. Titus was appointed as Typist-cum-Clerk by the Management-Bank from 24th December, 1972. Ex. M-2 dated 16th February, 1978 is the memo issued by the Management to the delinquent-workman calling for his explanation with regard to certain allegations made against him. Ex. M-3 is the copy of the explanation submitted by the workman on 27th February, 1978. The Management issued a show cause notice on 31st March, 1978—vide Ex. M-4. Ex. M-5 is the reply sent by the workman on 11th March 1978. Apparently the Management-Bank was not satisfied with the explanation offered by the workman and therefore decided to hold domestic enquiry. Thiru M. V. Joseph was appointed as Enquiry Officer—vide Ex. M-6. Ex. M-7 is the report of the Enquiry Officer giving his reasons for the findings. Ex. M-7 would disclose that the workman was offered all reasonable opportunities to meet the charges levelled against him by the

Management As a matter of fact there is no whisper that the domestic enquiry held by the Management is unfair or opposed to principles of natural justice or vitiated by any irregularity as such. On the contrary, at the time of the domestic enquiry an industrial dispute in I.D. No. 48 of 1979 on the file of this Tribunal was pending and therefore it was that the Management made an application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 for approving the action taken by the Management in dismissing the concerned workman. It may be remembered that the conclusion of the Enquiry Officer under Ex. M-7 was to the effect that the charge sheeted employee, namely, workman concerned in this dispute is guilty of an act prejudicial to the interest of the bank under clause 19.5(J) of the Settlement. The Chairman of the Management-Bank concurred with the findings of the Enquiry Officer and issued notice to the workman under Ex. M-8, and Ex. M-9 is the order of the Chairman giving a personal hearing for the workman. The workman has also submitted his submissions in writing under Ex. M-10. On 15th September, 1978 the Chairman of the Bank had pointed out that he does not find any reason to change the view taken by him earlier. Ex. M-13 is a notice sent by the Management dismissing the workman from the services of the Bank with effect from 23rd November, 1978. The workman was also given one month's wages in the light of Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947. The application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 filed by the Management against the concerned workman was taken as Application No. 94 of 1978 and Ex. W-2 is the counter statement filed by the workman in that proceedings. Eventually that application was ordered by this Tribunal subject to the right of the workman to raise an Industrial Dispute. Subsequently the workman has raised the Industrial Dispute and ultimately the reference has been made by the Government of India. In the face of these materials, I have little hesitation to find that the domestic enquiry held by the Management against the concerned workman Thiru K. S. Titus is fair and proper and is not vitiated by violation of any principles of natural justice. The aforesaid enquiry proceedings does not suffer from any infirmities as such.

(3) On behalf of the Management it is contended that in view of the fact that this Tribunal has earlier screened the enquiry proceedings there is nothing more to be done in the present proceedings. However as detailed in para (aph) (7) of the counter statement filed by the Management the approval of the action of the Management granted by the Tribunal was only on the basis of *prima facie* case for dismissal against the workman concerned. But it is claimed in paragraph (7) of the counter statement that although this Tribunal can exercise its powers under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, in the present reference, this Tribunal cannot come to a different conclusion now, having granted the approval and therefore this Tribunal is estopped from entering into a finding otherwise. I am afraid the view of the Management is untenable. Suffice for me to refer to the decision of the Supreme Court in *Bharat Iron Works vs Bhagubhai Balubhai Patel* (1976 I.L.J. 4), the Court has succinctly stated the scope of the two-fold approach to the problem by an authority under Section 33 in granting or refusing permission in the following words:—

"First, in a case where there is no defect in procedure in the course of a domestic enquiry into the charges for misconduct against an employee, the Tribunal can interfere with an order of dismissal on one or other of the following conditions:—

- (1) If there is no legal evidence at all recorded in the domestic enquiry against the concerned employee with reference to the charge or if no reasonable person can arrive at a conclusion of guilt on the charge levelled against the employee on the evidence recorded against him in the domestic enquiry. This is what is known as *perverse finding*
- (2) Even if there is some legal evidence in the domestic enquiry but there is no *prima facie* case of guilt made out against the person charged for the offence even on the basis that the evidence so recorded is reliable. Such a case may overlap

to some extent with the second part of the condition No. 1 above. A *prima facie* case is not, as in a criminal case, a case proved to the hilt.

It must be made clear in following the above principles, one or the other, as may be applicable in a particular case, the Tribunal does not sit as a court of appeal, weighing or reappreciating the evidence for itself but only examines the finding of the Enquiry Officer on the evidence in the domestic enquiry as it is in order to find out either whether there is a *prima facie* case or if the findings are perverse. Secondly, in the same case i.e., where there is no failure of the principles of natural justice, in the course of domestic enquiry, if the Tribunal finds that dismissal of any employee is by way of victimisation or unfair labour practice, it will then have complete jurisdiction to interfere with the order of dismissal passed in the domestic enquiry. In that event the fact that there is no violation of the principles of natural justice in the course of the domestic enquiry will absolutely lose its importance or efficacy."

Therefore in the light of the decision of the Supreme Court it is clear that the effect of the grant of approval by this Tribunal itself would only ensure to the extent of a *prima facie* case and if the findings are perverse, I may also point out to another earlier decision of the Supreme Court reported in 1959-II-L.I.J. Page 666 at 667 (*Between Punjab National Bank Ltd. and their workmen*).

"But it is significant that even if the requisite permission is granted to the employer under S. 33 that would not be the end of the matter. It is not as if the permission granted under S. 33 validates the order of dismissal. It merely removes the ban; and so the validity of the order of dismissal still can be, and often is, challenged by the union by raising an industrial dispute in that behalf. In the case of S. 33 the removal of the ban merely enables the employer to make an order of dismissal and thus avoid incurring the penalty imposed by S. 31(1). But if an industrial dispute is raised on such dismissal, the order of dismissal passed even with the requisite permission obtained under S. 33 has to face the scrutiny of the tribunal."

Therefore, there is no estoppel as such against this Tribunal from coming to a different conclusion on the totality of the materials now placed before this Tribunal. Section 11-A of the Industrial Disputes Act is very explicit to indicate the jurisdiction of the Tribunal on a reference made by the Government. If any authority is needed I may only refer to the decision of the Supreme Court reported in 1980—I-L.J. Page 137 (*Gujarat Steel Tubes Ltd. vs. Gujarat Steel Tubes Mazdoor Sabha*), where the Supreme Court points out that while reinstatement is rewarded to the maximum number of workmen, as regards the others' relief granted taking pragmatic view of the whole case, thus emphasising the need for mutual equities. To a similar effect is also the latest Division Bench decision of our High Court reported in 1982—I-S.L.J. Page 159 (*Sri Ganesh Aluminium Factory C/o Jeewanlal (1929) Limited vs. Industrial Tribunal, Madras and another*). In the light of these decisions, there is no estoppel on this Tribunal to come to a conclusion that the findings of the domestic Enquiry Officer are perverse or not based on any acceptable material.

(4) Learned counsel for the workman Thiru Chandru did not seriously argue that the findings of the Enquiry Officer are perverse. But his attempt was to show that on the available materials before the Enquiry Officer the conclusion of the Enquiry Officer that the workman concerned must be held to have committed an act prejudicial to the interest of the Bank under clause 19.5(J) of the Settlement cannot be upheld. Clause 19.5(J) runs as follows:

"Doing any act prejudicial to the interest of the bank or gross negligence or negligence involving or likely to involve the Bank in serious loss."

The findings of the Enquiry Officer are based not merely on the oral evidence recorded but also on the earlier unequivocal admissions made by the concerned workman himself.

Suffice for me to refer to the earlier stand of the workman under Ex. M-3 dated 27th February, 1978 and also Ex. M-5 dated 11th March, 1978. In my view, irrespective of other materials, these two letters of the workman himself would decisively clinch the issue that the workman has committed an act prejudicial to the interest of the Bank as contemplated under clause 19.5(J) of the Settlement. In short, the charge against the workman is that his conduct towards women customers of the Bank was unbecoming and therefore those persons scared away from coming to the Bank to transact business. Although the note under Ex. M-2 by the Management is brief, the workman concerned has recalled what actually had taken place between himself and those three persons. He has admitted that he has sent these letters. He has also admitted that ever since his writing these letters, to those persons they were not coming to the Bank to deposit money. He also admits his letters had created trouble in the family and tarnish the future of the persons to whom it was addressed. He is also quite conscious of his mischievous behaviour and is perfectly frank that he would accept the charge of sending letters to some of the clients and it has badly hit the interest of the institution. Ex. M-5 is another letter written by the workman on 11th March, 1978. The workman agrees with the view of the Management that his conduct would amount to gross misconduct to some extent. The workman also makes it clear that as a Bank employee he agrees it as a gross misconduct on his part and assures the Bank that he would not repeat such mischievous activities in future. In the face of these admissions it cannot be said that the action of the delinquent would not come within the purview of clause 19.5(J) of the Settlement. The non-examination of the complainants does not detract the merit of the case put forward by the Management. If in fact those ladies were examined it would only amount to adding insult to injury already sustained by them at the hands of the workman. On the peculiar facts of the case I consider that the Management has prudently acted in not attempting to examine any of those persons more so in view of the fact that those facts are admitted even by the workman under Exs. M-3 and M-5. It is significant to note that at no stage the workman has recanted from the stand taken by him either under Exs. M-3 or under M-5. On an examination of the entire evidence, I am satisfied that that the findings of the Enquiry Officer are not perverse but based on materials placed before him. It may also be remembered that the findings have been examined by the Chairman and found acceptance at his hands. There was also a right of appeal provided under the regulations—vide Ex. M-14.

(5) Learned counsel for the workman finally submits that looked at from any point of view, the penalty imposed by the Management is disproportionate to the misconduct committed by the delinquent. If in fact the penalty inflicted by the Management was grossly disproportionate to the act committed then this Tribunal would not have approved the action of the Management because the act of the Management would then amount to victimisation or unfair labour practice. The very fact that approval has been granted by this Tribunal passes the hurdle that the penalty inflicted by the Management is highly disproportionate to the act of misconduct committed by the delinquent. That apart, learned counsel for the workman Thiru Chandru also seeks to rely on a decision of our High Court reported in 1963—1—I.L.J. Page 512 (Sayed Azam (V) vs. State of Madras), where the High Court points out that "The Petitioner was not employed in service on condition that he maintained purity of language in giving expression to his views". The High Court also held that "If matters wholly unconnected with the conditions of the employment of the Petitioner are to be taken note of by the employer in imposing any punishment in relation thereto it would be negation of all guarantee that is afforded by the Constitution". It may also be remembered that it was a case relating to the service conditions of a Government servant under Article 311 of Constitution of India. At page 515 this is what the High Court states:

"In a case where the Government have no cause of complaint against the petitioner in so far as the discharge of his duties is concerned, it is impossible to conceive that the Government can take note of matters unconnected with such official duties and to purport to inflict one or the other of the punishments."

I must point out that the facts of the present case are totally different. Here the job of the workman who comes in contact with the public. The act complained of is committed by him in the course of the discharge of his duties. That is how I have already pointed out that even according to the workman he was perfectly conscious that his conduct would amount to gross misconduct because as a bank employee he agrees that it is gross misconduct on his part and he would apologize to those customers of the Management for his mischievous activities. In Ex. M-3 the workman has clearly stated that his action has resulted in creating trouble in the family of the customers and tarnishing the future of a girl and also creating confusion in the family. He categorically admits sending his letters to those individuals. He also admits that after his writing those letters, those customers are not coming to the Bank to continue to transact business with the Management. He also admits that the contents of his letters have carried trouble in the family and tarnish the future of the girl and that his conduct would amount to mischievous behaviour. He also admits that by sending the letters referred to, the interest of the institution had been badly affected. He also makes it clear that those letters were against the interest of the institution. But he would say that he was very sorry for the mistake and that he would not repeat such types of mistake in future against the interest of the institution. Based on this, learned counsel for the workman would say that the workman would be given any other punishment excepting dismissal. The conclusion of the Enquiry Officer is that the workman was suffering by a 'sex mania' as a result of one sided "love" and that he was in a state of craziness when he wrote those letters. Even if the submission is accepted that he will not repeat this behaviour in future I am not inclined to accept the same because on the totality of the materials placed it strikes me also that some how the workman has developed a mania or allergy to women who come to the Bank. It is very difficult to take one's understanding that he will not repeat such behaviour in future. It is an inherent nature that has been developed in this workman after some years. Merely, because the work of the workman had been uniformly good in view of certain admissions made by the Manager of the Bank as M.W. I and also the certificate of commendation for deposit mobilisation under Ex. W-1, it is not safe may even hazardous to continue to employ persons of this bent of mind in the service of the Bank which is a public sector. After all the workman has in all about six years of service from 1972 to 1978 and he is in employment ever since. On compassionate ground, I direct the Management to make an ex-gratia payment of six months' wages to the workman. But the workman would not be entitled to any other relief.

(6) In the result, an Award is passed holding that the action of the Management is justified. But the Management is directed to give ex-gratia payment of six months' salary to the concerned workman Thiru K. S. Titus. In the peculiar circumstances, I direct the parties to bear their respective costs.

Dated, this 6th of September, 1982.

T. SUNDERSANAM DANIEL, Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For workmen

Ex. W-1/29-9-76—Certificate for Deposit mobilisation issued by the Bank to Thiru K. S. Titus.

Ex. W-2/4-79—Counter filed by Thiru K. S. Titus in P. No. 94/78 before the Industrial Tribunal Madras.

Ex. W-3/5-10-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (C), Cochin requesting for his intervention.

For Management

Ex. M-1/20-1-78—Report of Thiru K. R. Balakrishnan to the Bank. (copy)

Ex. M-2/16-2-78—Memo issued to Thiru K. S. Titus by the Bank calling for his explanation for the allegations made. (copy)

Ex. M-3/27-2-78—Explanation of Thiru K. S. Titus to Ex. M-2. (copy)

Ex. M-4/3-3-78—Show cause notice issued to Thiru K. S. Titus (copy)

Ex. M-5/11-3-78—Reply letter from Thiru K. S. Titus to Ex. M-4. (copy)

Ex. M-6/25-3-78—Letter from the Bank deciding to conduct enquiry and appointing Enquiry Officer. (copy)

Ex. M-7/24-8-78—Findings of the Enquiry Officer (copy)

Ex. M-8/2-9-78—Letter from the Bank to Thiru K. S. Titus proposing the punishment of dismissal. (copy)

Ex. M-9/15-9-78—Notice of Personal hearing issued to Thiru K. S. Titus. (copy)

Ex. M-10/14-9-78—Representation of Thiru K. S. Titus to Ex. M-8 (copy)

Ex. M-11/21-10-78—Statement recorded by Thiru K. R. Subramanian. (copy)

Ex. M-12/21-10-78—Chairman's proceedings not changing the view taken earlier. (copy)

Ex. M-13/20-11-78—Dismissal order issued to Thiru K. S. Titus. (copy)

Ex. M-14/27-12-78—Letter from the Bank of Thiru K. S. Titus furnishing the addresses of the appellate authorities. (copy)

Ex. M-15/19-12-77—Letter from Thiru K. S. Titus to Miss Vijayalakshmi, M.A. (copy)

Ex. M-16/1-12-77—Letter from Thiru W. S. Titus to Tmt. S. M. Savithri, Teacher. (copy)

Ex. M-17/20-12-77—Letter from Thiru K. S. Titus to Thiru K. R. Balakrishna Menon. (copy)

Ex. M-18/17-8-78—Letter from Thiru K. S. Titus to the Manager of the Bank for granting 15 days leave.

Ex. M-19—Enquiry Proceeding (copy)

Ex. M-20/20-1-78—English translation of Ex. M-1.

T. SUNDARSANAM DANIEL, Presiding Officer
[No I-1201J(4)/81-D.II(A)]

S.O. 3484.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank, Jabalpur branch and their workman, which was received by the Central Government on 9th September, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
JABALPUR (M.P.)

Case No. (GIT/LC(R)(20)/1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of Syndicate Bank, Jabalpur Branch and their workman, Shri Ambika Prasad Urai, Part-time employee represented through the M.P. Bank Employees Association C/o United Commercial Bank Wright Town Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. C. Motiwala.

For Management—Shri P. S. Nan, Advocate and Shri Ranganathan.

INDUSTRY Bank

DISTRICT Jabalpur (M.P.)

Dated September 6, 1982

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Reference Order No. I-12012(163)/81-D.II(A) dated 18th February, 1982 for the adjudication of the following dispute by this Tribunal.—

“Whether the action of the management of Syndicate Bank, Jabalpur Branch in filling up the vacant post of Attendant/Peon by another applicant instead of Shri Ambika Prasad Urai, Part-time employee, is justified. If not, to what relief is Shri Ambika Prasad Urai entitled and from what date?”

2. Facts giving rise to the present reference may briefly be stated as under :

The contention of the workman, Shri Ambika Prasad Urai, hereinafter referred to as the workman, was, that he was the senior most Part-time employee of the Syndicate Bank, Jabalpur Branch, Jabalpur, that he had been discharging his duties to the entire satisfaction of the management; that even after five years of service in the Bank he was not given any permanent appointment though there was a vacancy and that by refusing such an appointment there had been a discrimination against him.

3. The claim made by the workman was contested by the Bank on various grounds. It was contended that the workman was not eligible for the permanent appointment as he did not fulfil the necessary qualifications; that while giving particulars for appointment the workman had given incorrect information about his educational qualifications etc. and that on merits, the workman was not entitled to any appointment as claimed by him.

4. On these respective statements of claims filed by both the parties, rejoinders were also filed by both. On the pleadings of the parties, the following issues were framed on 17-4-1982 :—

ISSUES

1. Whether the management of the Syndicate Bank, Jabalpur Branch, Jabalpur was justified in not giving a regular appointment to their part time workman, Shri Ambika Prasad Urai ?

2. Whether the workman, Shri Ambika Prasad Urai, was not qualified for regular appointment ?

3. To what relief are the parties entitled to ?

5. The case was therefore fixed for evidence on different dates and finally on 2-9-1982. On this date an application was submitted by the workman's Union representative which is also signed by the workman in which the following statement has been made :—

“After the reference was made the Union and the management had discussed the matter in details. The management has fully explained the circumstances of the case, after this the Union is satisfied the action of the management. In the special circumstances of the case in filling the vacant post by another management justified ?

In the special circumstances of the case, the Union does not press their demand and an award may be given accordingly.”

6. In view of the aforesaid statement it was prayed by the parties that the demand made by the workman is not

sought to be pressed by the workman and his Union representative and that an award about the existence of no dispute may be given.

7. As the dispute, which is the subject of the present reference does not subsist, and has been resolved to the satisfaction of both the parties no adjudication of the dispute is necessary. Accordingly neither party is entitled to any relief. The reference is answered as follows :—

"As the dispute between the parties has been settled amicably and the workman does not want to press his demand as indicated in the order of reference no adjudication on the dispute is called for. In the circumstances of the case both the parties shall bear their own costs as incurred."

S. R. VYAS, Presiding Officer
[No. L-12012(163)/81-D.II(A)]

S.O. 3485—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, (M.P.), in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India Jabalpur, and their workman, which was received by the Central Government on the 8th September, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(17)/1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Regional Office, Jabalpur and their workman Shri Ram Singh Kori, represented through the State Bank of India Employees Union Jabalpur Regional Office, 13, State Bank Officers Colony, Laxmipuri Jabalpur-2 (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman..Shri Rajendra Menon, Advocate.

For Management ..Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY : Bank

DISTRICT : Jabalpur (M. P.)

Dated the 26th August, 1982

AWARD

By a reference Order No. L-12012/65/81-D.II (A) Dated 11th February, 1982, Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their Regional Office, Jabalpur in transferring Shri Ram Singh Kori, Cashier-cum-Clerk from State Bank of India Regional Office Jabalpur to Narainganj Village Br. in Mandla Distt. vide their Order No. CRM/I/OMS/800 dated the 1st December, 1980, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled? "

2. After notices were served on both the parties statement of claims was filed by the management only. Though the workman was represented by Shri Rajendra Menon, Advocate but he sought time to file the statement of claim for the workman which was allowed to him. Subsequently he pleaded no instructions. Accordingly the case was reserved for evidence on 26th August, 1982. On this date an application was filed by the Central Secretary of the workman's Union and countersigned by the workman's Counsel in which it was stated that the dispute between the workman and the management of the State Bank of India regarding the workman's transfer from Jabalpur to Narainganj Village Branch has been

amicably settled by the retransfer of the workman to Jabalpur in the Industrial Estate Adhartal Branch. In view of this retransfer the workman stated that the dispute has been settled.

3. Shri Jain for the management also stated that the workman has been retransferred as state in the application.

4. From the order of reference it is clear that the dispute raised by the workman was regarding his transfer from Jabalpur to Narainganj Village Branch. In view of the fact that he has been retransferred the dispute automatically stands settled. As the dispute does not survive no adjudication on this dispute is necessary. Accordingly the following award is passed :—

In view of the fact that the workman has been retransferred from Narainganj Village Branch to the Industrial Estate, Adhartal Branch, Jabalpur by the management of the State Bank of India the dispute regarding his transfer from Jabalpur to Narainganj Village Branch does not survive and the dispute stands settled. In view of the settlement of the dispute there will be no order as to costs.

S. R. VYAS, Presiding Officer
[No. L-12012(65)/81-D.II(A)Pt.]

S.O. 3486—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bhubaneswar, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workman, which was received by the Central Government on the 13th September, 1982.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORRISA, BHUBANESWAR
PRESENT :

Shri J. M. Mukapatra, M. Com., LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 13 of 1980 (Central)

Bhubaneswar

Dated the 28th August, 1982

BETWEN

The employers in relation to the management of Punjab National Bank ..First-party.

AND

Their workmen

...Second-party.

APPEARANCES :

Shri Rameshwar Singh, Law Officer, ...For the first-party.

Shri S. N. Misra, General Secretary, Punjab National Bank Employees Association, Calcutta...For the second-party.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by Section 7-A, and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, constituted an Industrial Tribunal of which my predecessor in office was the Presiding Officer and referred the following dispute to the said Tribunal for adjudication vide order No. I-12012/124/78-D.II.A dated the 7th October, 1980 :—

"Whether the order of dismissal of Shri Tapan Kumar Ghosh Clerk-cum-Godown Keeper employed at Punjab National Bank, Cuttack with effect from 22nd March, 1977 by the management of Punjab National Bank, 18-A, Bhabanee Road, Calcutta was justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The said Government by its Order No. 811015(6)/81-DIV(B) dated the 6th November 1981 has transferred the above proceeding to me for disposal according to law.

2. The case of the first-party management may be briefly stated thus :—

On 25th January, 1974, i.e., about six months after taking over charge of the two godowns at Jatni by the second-party Sri Tapan Kumar Ghosh, viz., M/s Dadi Rani Sati Dal & Flour Mills and Suresh Dal and Flour Mills, the Manager of the Branch Office, Cuttack, inspected both the godowns and found shortage in stock of some of the items of goods. He also found that some items were damaged and some spoiled and were not in a fit state to be pledged with the Bank for receipt of loan. It is further alleged that the second-party also signed the pledge memo, stock report dated the 24th January, 1974 in the account of M/s. Dadi Rani Sati Dal & Flour Mills with inflated value of stock and D. P. of stocks without storing any such stock in the godown, which showed an increased D.P. of Rs. 21,000/-, and against which the party approached the Branch Office, Cuttack, for advances. The further allegation is that in presence of the party Shri Ghosh also came to the Branch Manager, and when he saw the party with the pledge-form and when the Branch Manager informed that he would inspect the godown on the same day, Shri Ghosh tore off the pledge-memo and the stock report with a view to destroy the evidence of his wrongful action of signing the pledge-memo and stock report without actual receipt of the goods in the godown.

3. It is averred that in the account of M/s Dadi Rani Sati Dal & Flour Mills, by the wrongful action of the second-party, the advance to the party to the tune of Rs. 58,716/- on the date of the inspection (25-1-1974) was found unsecured, and there was shortage in margin of Rs. 28,088/- After deducting the unsaleable stock and value of shortage, the real acceptable stock in the godown came to Rs. 51,580/- of which D. P. was Rs. 30,628/- only as against Bank's loan of Rs. 58,216/-. It is also averred that in the godown of M/s. Suresh Dal and Flour Mill, the shortage of more than 100 dozen of non-galvanized buckets worth of about Rs. 7,825/- was found and in addition Shri Ghosh accepted four tonnes of old twisted sheets without permission of the Bank.

4. For the aforesaid delinquencies Shri Ghosh was charged on the date of inspection on the spot and he was also placed under suspension. Shri Ghosh gave an explanation, in which he admitted the charges. The charges were, however, duly enquired into by Shri D. R. Tripathi, Manager, Branch Office, Cuttack, and the second-party also participated in the enquiry. The Enquiry Officer found that some of the charges were duly proved against the second-party. On receipt of the report of enquiry, the Regional Manager decided to award the punishment of dismissal to the second-party. So notice to show cause was issued to the second-party against the proposed punishment of dismissal, and the second-party Shri Ghosh gave his explanation in due course. Thereafter, on 22-3-1977, by order of the Regional Manager, the second-party was dismissed from service with immediate effect. Thereafter the second-party preferred an appeal to the Chairman of the Bank but the appeal was rejected on 8-6-1977. Thereafter the Bank received two representations—one from the second-party on 27-8-1977 and another dated 6-9-1977 from the General Secretary of the Employees' Association, challenging the punishment awarded to the second-party. Both the representations were replied to by the Bank advising that as the matter was already considered by the Bank as well as by the appellate authority and no justification was found to revise the punishment and so the representations could not be favourably considered.

5. It is contended by the first-party management that its action is completely justified for the following reasons :—

- Shri Ghosh admitted the charges in the charge-sheet.
- the disciplinary action has been taken in accordance with the procedure laid down in the First Bipartite Settlement; and

(c) a delicate financial institution like a Bank cannot be expected to continue to employ a person like Shri Ghosh in whom it has lost confidence.

6. The workman second-party in his written statement, which is rather elaborate, has stated inter-alia that he was appointed as a Probationer Clerk-cum-Godown Keeper with effect from 3-7-1973 at the Cuttack Branch of the Punjab National Bank, and that immediately thereafter he was posted as Godown Keeper at the outstation godown of Jatni to look after the two godowns as mentioned in the statement of the management. The second-party being a new entrant had no practical experience of godown work, nor was he given any training about godown work, yet he was arbitrarily posted at the outstation with ulterior motives by the then Branch Manager with a view to exploit his inexperience and innocence. At that time there were a number of other senior employees working as Clerk-cum-Godown Keepers and were performing godown duties locally and they could have been posted at the outstation. It is further contended that the order of suspension of the second-party was violative of the provisions contained in para 5.21 of the Sastry Award read with para 19.1 of the First Bipartite Settlement dated 19-10-1966 (hereinafter referred to as the Settlement), and he was thus denied the opportunity to submit his explanation to the allegations levelled against him, which amounts to denial of natural justice. Although the second-party Shri Ghosh submitted his explanation on 25-1-1974, showing his innocence and explaining the correct position, yet he was illegally kept under suspension. It is further contended that under coercion and threat his writing was obtained by the Manager admitting about the shortage in the godown. It is next contended that before the enquiry started, the second-party's representative Shri B. N. Agarwal requested the Branch Manager, Cuttack, to supply him with some relevant documents for the purpose of enquiry, but the same were not made available to him, thereby the second-party was highly prejudiced and he was denied the natural justice to prove his innocence. It is next contended that although the enquiry proceeding was concluded on 12-12-1974, the management slept over the enquiry till January, 1977 when by persistent demand of the workman and the union they were supplied with the enquiry papers, whereafter the second-party filed his explanation to the show-cause. After receipt of the show-cause he was served with the order of dismissal on 22-3-1977. It is further contended that although the workman preferred an appeal to the Chairman of the Bank, the latter rejected the same without providing him an opportunity to plead his case in person. The further contention of the workman is that the Regional Manager while inflicting the punishment of dismissal had completely ignored the findings of the Enquiry Officer, who though found fault with the workmen in some of the items of charge, had exonerated him on many of the items of charge, and besides, the Enquiry Officer had recommended or inflicting some minor punishment in view of the facts that the Bank had realised its dues from the parties concerned, the tender age of the second-party and his inexperience in Bank service, specially in godown work. In the statement the findings of the Enquiry Officer have been enumerated in detail, which need not be discussed at this stage.

7. In the supplementary written-statement filed by the workman by way of rejoinder to the Bank's written-statement dated 6-1-1981, the workman had virtually reiterated his stand taken by him in the previous written-statement. It has been contended that the shortages in the two counts took place much before Shri Ghosh took over charge of the godowns, but he could not detect due to his inexperience and lack of training in the godown work. It is also contended that eventually the Bank did not sustain any loss as would appear from the letter of the Manager of the Cuttack Branch to the Regional Manager in letter dated 9-10-1979. It is contended that whatever lapse had taken place was not intentional on the part of the workman but because of his inexperience. The further contention is with regard to violation of the principles of natural justice in that the workman was not provided with certain documents which he wanted to rely upon during the enquiry, and that he was not given any personal hearing by the Chairman and General Manager.

8 In this case the management in support of it aagainst the workman L. S. Patnaik on the date of 11-11-1974 in the enquiry of the Enquiry Officer, will therefore, determine the date of the case. The domestic enquiry was conducted on 12-11-1974 by Shri D. K. Tripathy, the then Branch Manager of the Cuttack Bank, and the second party had duly participated in the enquiry. I have perused the charge, the explanation, the enquiry proceedings and the report of the Enquiry Officer and other connected papers. I propose to deal with each of the items of the charge.

9 The first item of the charge relates to the shortage of 154 bags of kheshari dal and 16 bags of matur dal of M/s Dadi Rani Sili Dal and Flour Mills Jatni. The report of the inspecting officer, Exts A and A/1 both dated 25-1-1974, together with the plea of the workman and his statement during the enquiry would go to show that there was shortage of the stock. The plea of the second party that he was made to admit about the shortage by threat and coercion, therefore, falls to the ground. It is now to be examined under what circumstances the shortage had taken place and whether it would justify the action taken by the management against the workman. As to the shortage of kheshari dal the workman had taken the following plea. Kheshari was banned by the Government, and the Manager, Branch Office Cuttack, vide his letter dated 7-12-1973 had sent instruction to the workman Shri Ghosh to deliver the stock of kheshari dal to the party concerned. The stocks were delivered by Shri Ghosh on the assurance of the parties to pledge moong dal, black dal and moth dal accordingly the pledge-form was filled up and signed. But no pledge could be taken for want of labour. From the outside station Jatni the Manager could not be contacted by Shri Ghosh and he had to come to Cuttack on the next date i.e., 25-1-1974 as previously arranged with the Manager. When the Manager inspected the stock at Jatni on 25-1-1974, he found the stock lying outside the godown but inside the mill premises. The party was in the Bank when he came with the pledge form demanding money. The defense of the second party in substance is that the party played fraud with him by promising that he would pledge goods lying outside the godown but within the premises of the factory and Shri Ghosh in good faith handed over the pledge form to the party but since labour was not immediately available the goods could not be shifted inside the godown. The fact therefore remains that at the time of inspection there was shortage of 154 bags of kheshari dal. The stock of moong dal and other dal that was sought to be substituted by the party could not be done before the actual inspection and before the pledge form was signed by the delinquent and handed over to the party. According to the Enquiry Officer the action of the workman is not free from blemish and he should not have passed on the pledge form to the party without the actual acceptance of the stock.

Coming to the shortage of 16 bags of matur dal, the plea of the workman was that the bags were torn by rats and the stocks were lying scattered on the floor and the same was not taken into account. The Enquiry Officer has found that there is no report to this effect of the Manager during his inspection and the workman Shri Ghosh should have drawn the attention of the Manager to the aforesaid fact. The Enquiry Officer has further held that it might also be possible for the rats to tear 16 out of 510 bags lying inside the godown at that time, and as such it was not possible for him to find out the truth or falsity of the statement of Shri Ghosh. It would thus be noticed that the Enquiry Officer had not disbelieved the plea of Shri Ghosh.

10 The next charge relates to the existence of old, spoilt and rotten stocks in the account of M/s Dadi Rani Sili Dal and Flour Mills. With regard to these points the workman Shri Ghosh had stated that he took charge of the godown on 16-7-1973 and stocks of moong dal and burali were pledged on that date in the presence of the Manager. The pledge of Arahur dal and moth dal was taken on 24-9-1973 and 24-12-1973 respectively. The Enquiry Officer has found from the records that the monthly inspections were conducted by the Manager on 16-7-1973, 4-9-1973, 11-10-1973, 9-12-1973, 28-12-1973 and 14-1-1974 prior to the date of the incident but there was nothing on record to show that the Manager had ever pointed out these items

lapses and defects in the stock to the workmen. Further, according to the opinion of the Enquiry Officer the stocks could not have deteriorated within 11 days i.e. from the date of last inspection of the Manager on 14-1-1974 to the date of the incident on 25-1-1974. The Enquiry Officer therefore, recorded the finding that there was nothing to contradict the statement of Shri Ghosh. In other words, the Enquiry Officer has found that the workman was not at fault so far as this charge is concerned.

11 The next charge relates to the shortage of about 100 dozens of non-galvanized buckets, one dozen of galvanized buckets and shortage of 3 tonnes of M/S Rod in the godown of Suresh Dal and Flour Mills. With regard to this charge, the Enquiry Officer was not satisfied as to the shortage of galvanized buckets and M/S Rods as the same had not been mentioned in the subsequent memo though the same found place in the first memo. In other words, according to the Enquiry Officer, this charge cannot be said to have been established against the delinquent.

12 The next charge relates to acceptance of 4 tonnes of old rusty G/C sheets from the stores and Mill. With regard to this charge the Enquiry Officer has said as follows —

He found from the record that 4 tonnes of old G/C sheets were pledged in the godown on 21-1-1974, and that the pledge form personally verified by him wherein it was mentioned that old G/C sheets and the pledge form had been signed by the then Manager Shri R. S. Mishra it whose instance the present charges have been levelled against the workman. It is thus evident, according to the Enquiry Officer, that the old G/C sheets had been taken with the permission of the Bank, and thus the charge levelled against Shri Ghosh is not correct.

13 The next charge relates to tearing off of stock report and pledge form dated 24-1-1974. With regard to this item of charge the workman second-party has stated during the enquiry that when he found the party in the Bank with the pledge-memo and stock report intending to take further advance he (Shri Ghosh) being new to the job became nervous and tore the pledge form so that the party might not utilise the same. He admitted that he had done a mistake in tearing the form but this was due to his becoming completely nervous. Shri Ghosh had further stated that he had also been deceived by the party in delivering the goods on the assurance to pledge other goods. The Enquiry Officer has found that the conduct of Shri Ghosh was unbecoming as an official of the Bank and he should not have destroyed the Bank records. But viewing the circumstances as a whole and considering the inexperience in the godown work and Bank service the Enquiry Officer presumed that Shri Ghosh must have lost his mental balance at that particular moment for which he acted in such irresponsible manner. Considering the findings on all the charges, the Enquiry Officer has summed up his finding in the following language —

"In view of the above findings by me, I hold that the charge of his gross negligence in safeguarding the interest of the Bank by delivering goods without delivery order of the Bank, illegal and unauthorised act by signing false pledge memo and stock report and handing over the same to the party, his indecent behaviour by tearing of the records of the Bank are proved and established. The charges regarding shortages of 16 bags of Matur Dal, 4 tons of M/S Rods, 1 dozen of G/C bucket and lastly acceptance of old damaged stocks of 4 tons of G/C sheets, 12 bags of Moong Dal, 4 bags of Buri Dal, 57 bags of Aihai Dal and 50 bags of Moth Dal could not be established beyond all reasonable doubt. The charges which have been proved and established tantamount to gross misconduct under clause (j) of para 195 of Bipartite Settlement and the punishment under para 196 of the Bipartite Settlement. But in consideration of the Bank having realised its dues from the parties concerned the age of Shri Ghosh, his inexperience in Bank service especially in godown work and his explanation and statements submitted in course of the proceedings and before I feel that simple punishment by way of stoppage of one increment

Shri Ghosh as envisaged under Clause (d) of para 196 of the Bipartite Settlement will be sufficient in this case."

The report of the Enquiry Officer would go to show that the charges of shortages of 16 bags of matar dal, 3 tonnes of M.S. Rods, one dozen of G.I. buckets, acceptance of old damaged stocks of 4 tonnes of G.C. sheets, 12 bags of moong dal, 4 bags of biri dal, 57 bags of Aihar dal and 50 bags of moth dal could not be established beyond all reasonable doubt. Although the Enquiry Officer has not spoken in clear terms, but the purport of his report with regard to other charges would also go to show that he was prepared to reconcile the conduct of the workman in tearing of the pledge form and stock report, as this was not done malafide but with the bona fide intention to protect the interest of the Bank by way of preventing the party from taking more advance. The action of the workman is no doubt reprehensible, but the intention behind such act being bona fide, the Enquiry Officer did not think it proper to hold that Shri Ghosh had committed the delinquency deliberately with ulterior motive. The next proved item of the charge, according to the management, is the shortage of 154 bags of kheshari dal in the godown of M/s. Dadi Rani Sati Dal and Flour Mills. The case of the workman Shri Ghosh does not appear to be on the face of it unreasonable or unlikely. According to him, he returned 154 bags of Kheshari dal as possession thereof was banned by the State Government. The party promised to replenish the stock by moong dal, biri dal, etc., and as a matter of fact, the party brought the stock to the Mill premises, but the stock could not be lifted inside the godown on account of the shortage of labour. This plea in the absence of any other material contra appears to be quite plausible. The workman in his evidence before the Tribunal has also taken more or less the same plea that the goods mentioned in the pledge memo were not stored in the godown but due to want of labour they were lying inside the premises of the godown. Considering the plea of the workman, the Enquiry Officer, as I find, has not come to any categorical finding that the delinquency has been proved beyond doubt against the workman. But the fact remains that there was shortage of goods at the time of inspection and the fact of shortage has also been admitted by the workman Shri Ghosh himself. There is, however, one redeeming feature in the case that inspite of what Shri Ghosh has done, the Bank did not suffer any loss on account of its transaction, with the two Mills of Jatni of which Shri Ghosh was in charge. As a matter of fact, the Manager of the Bank had written to the Regional Manager in their letter dated 9-10-1979 that the Bank had not suffered any financial loss as a result of the lapses on the part of Shri Ghosh. The Enquiry Officer also appears to have been cognizant of this act as would appear from his concluding portion of his report. He has said that in consideration of the Bank having realised its dues from the parties concerned, the age of Shri Ghosh, his inexperience in Bank service, especially in the godown work, and the like, he felt that simple punishment by way of stoppage of one increment would be sufficient punishment in the case.

14. I have so far discussed about the merits of the domestic enquiry conducted by an officer of the Bank. The workman in his written-statement and evidence has contended that as per Ext 6 he had called upon the Bank to produce five items of documents during the enquiry. No doubt Ext 6 purports to show that the Manager of the Cuttack Branch of the Bank was requested to supply five items of documents. But there is nothing to show in the enquiry proceeding Ext F, that during the enquiry the workman wanted these documents for his defence. M.W. 1 has also not been asked anything regarding this question. I am, therefore, not prepared to accept the contention that a matter of fact the workman had wanted these documents to be utilised during the enquiry or that he was prejudiced in any way non-supply of these documents.

15. The next point which comes at the face of the management is the long delay in disposing of the departmental proceeding against the workman. The enquiry was concluded on 12-12-1974 as would appear from Exts F and G. The next document is Ext. H dated 27-1-1977, the notice to show cause against the proposed punishment. Thereafter

on receipt of the explanation furnished by the workman on 9-3-1977, the final order of dismissal was passed on 22-3-77. The inordinate delay of a little more than two years in disposing of the domestic enquiry, in my opinion, cannot be said to be the outcome of the bona fides of the management. The workman has complained that due to the delay he could not take his chance elsewhere as he became age-barred. The delay in disposal of the domestic enquiry finally culminating in the dismissal of the second-party workman would, therefore, be considered fatal to the management's case in considering its prejudice against the workman.

16. Considering all the documents and papers of the domestic enquiry, report of the Enquiry Officer and the materials on record I would, therefore, hold in conclusion that the extreme punishment of dismissal of the workman Shri Tapan Kumar Ghosh, in the facts and circumstances of the case, is not justified. The order of dismissal is, therefore, set aside. The workman Shri Ghosh is, therefore, entitled to be reinstated in service, but in the circumstances of the case without back wages.

17. The Award is passed accordingly.

Sd/-

J. M. MAHAPATRA, Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

[No. I-12012(124)/78-D.I(A)]

A. K. SAHA MANDAL. Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1982

का. आ. 3487.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपचार भन्ते सूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में डाक प्रौद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विवाद है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिषेचन के लिए निर्विचित करता बांडलीय समझौती है;

भा. बैंडलीय सरकार, औद्योगिक विवाद प्रतिनिधि, 1947 (1947 का 14) की बारा 7-के भौत बारा 10 की उप-धारा (i) के बड़ (घ) द्वारा, प्रदत्त प्रतिवेदनों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकारण गठित करते हैं जिसके प्रतिवेदन अधिकारी श्री राम राज लाल गुप्ता होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को न्यायनिषेचन के लिए निर्विचित भगती है।

आदेश

“यद्या प्रसारीय इंजीनियर ता. ८, डाक व त.र. बोर्ड की श्री समरथ लाल सूपूर्ण श्री गमन रमनजी कुम्हर को सेश्यों को 1-2-81 से सपाल करने को कार्रवाई न्यायान्वित है। यदि नहीं, तो कर्मकार किस प्रनुतोष का हकदार है।

[संख्या एल-40012/8/81-वै०-०-२(बी)]

एस० एस० परामार, ईस्कू अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1982

S.O. 3847.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Post and Telegraph Divisional Engineer Telegraphs, Beawar and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Ram Raj Lal Gupta shall be the Presiding Officer with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Divisional Engineer Telegraphs, Post & Telegraphs, Beawar in terminating the services of Shri Samartha Lal S/o Shri Gammalramji Kumbhar w.e.f. 1-2-81 is justified? If not, to what relief is the Workman entitled?"

[No. L. 40012(8)/81-D.II(B)]

New Delhi, the 21st September, 1982

S.O. 3448—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Senior Superintendent of Post Offices (Rural Area) Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-9-82.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESNT :

Justice M. D. Kamblu Esqr., Presiding Officer.

Reference No. CGIT-21 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to the Sr. Superintendent of Post Offices (Rural Area) Nagpur.

AND

Their Workman.

APPEARANCES .

For the employer—Mr. V. R. Mahajan, Asstt. Superintendent of Post Offices, Nagpur.

For the workman—Mr. S. K. Sanyal, Advocate.

STATE : Maharashtra INDUSTRY : Telecommunication Camp—Nagpur

Nagpur, the 12th day of August, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. I-40012(10)/78-D.II B dated 31st October, 1981, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the Sr. Superintendent of Post Offices (Rural Area) Nagpur and their workman in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :

SCHEDULE

"Whether the action of Sr. Superintendent of Post Offices, Mofussil Division Nagpur is justified in stopping Shri Balwant Sheshrao Shahane, Messenger/Peon, from work with effect from 14-1-1978? If not, what relief he is entitled?"

2. The workman, B. S. Shahane was appointed as Extra Departmental Agent at Temsna (Extra Departmental Branch Post Office) on 30th April, 1975, under an order issued by

the Inspector of Post Offices, Nagpur. His appointment was with effect from 30-4-1975. He was employed as messenger/ deliveryman in Temsna post office. His employment was terminated on 14-1-1978. The employer purported to act under the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. The workman was absent on various dates, when the hearing of this reference was fixed at Bombay. The hearing of this reference was then fixed at Nagpur. The workman appeared before this Tribunal at Nagpur and he filed his statement of claim on 10-8-1982. The statement of claim filed by the workman contains the following pleas. The workman was arbitrarily stopped from work from 14-1-1978 without any notice or by way of retrenchment or without following any lawful procedure particularly when fresh appointment was made of another person in his place to work for the same job. There was no stigma at any time communicated to him during his period of work. He was appointed as a workman at Temsna post office from 30-4-1975. He was then made to sign several forms, the contents of which were neither read over nor understood by the workman. There was no stigma nor any charge framed against him nor was the post abolished, nor was he declared surplus. He has worked for two years and eight months and there was no chargesheet or inquiry against him. No reason was assigned for his dismissal. One C. N. Pawar was appointed in his place to do the job. He was working in a pure vacancy in a permanent job. His replacement by another person was neither warranted nor legal. The workman, on those pleas prayed that his dismissal be held as wrongful and illegal and he be reinstated with continuity of service and back wages. It was simply a case of termination of service. The workman, however, in his statement of claim called it a 'dismissal'.

3. The employer filed its written statement on 1-6-1982 raising the following pleas. The workman had furnished a declaration on 30th April, 1975, to the effect that he had read and clearly understood the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, and that he was liable to be governed by the provisions of those Rules. His services were terminated in pursuance of the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, which empower the appointing authority to terminate the services of an Extra Departmental Agent, who has not rendered more than three years continuous service, any time without notice on any administrative ground, unconnected with his conduct. This is a case of termination simpliciter strictly in exercise of the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. The termination was not by way of a penalty imposed on the workman and hence such termination cannot be made a subject-matter of a dispute under the Industrial Disputes Act. It was also contended that the employee was not a workman within the definition of that term in Section 2(5) of the said Act, nor the postal services are 'industry' within the meaning of that Act. This Tribunal has, therefore, no jurisdiction to entertain the dispute. It was, therefore, prayed that the reference be dismissed.

4. The first question that I have to consider is whether the employee is a workman as defined in the Industrial Disputes Act. "Workman" in the said Act is defined as meaning any person employed in any industry to do certain type of work as mentioned in the definition for hire or award. Now, the workman in this case is employed to do certain work which he has described in para 6 of his statement of claim in the following terms :—

"The Party No. 2 used to attend the Post Office located in Deshi Purva Madhyamik Shala school Temsna every day at 7.00 a.m. He used to do the job of a messenger/postman under the direction of the Head Master of the school and who was in-charge of the said post office. He had to collect a postal bag from the railway station Dighori at a distance of about 6 km each way. He was required to open the bag containing letters, articles and stamp in the presence of the Post Master and the letters that were handed over to him by the Post Master were to be delivered at the respective address not only within Temsna village but also distant village like Kusambi, Pantherkawada, Par-

soda, Khodi, Adka, Tarodi, Buzurg, Khurda and the like. This delivery consists of letters, Money Orders, Parcels, VPP articles, registered letters and the like. All this work used to be for nearly 10 to 12 hours."

The employer does not admit that he was required to work for 10 to 12 hours. But, there is no challenge to the nature of his work as detailed by him. There is no dispute that he was required to do the work regularly. It is said that he was a part-time workman. But, he is paid certain fixed amount per month by way of allowances. His services are governed by Rules called Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. Those rules provide for disciplinary action for misconduct and also for leave, etc. As observed by the Calcutta High Court in the decision of Tapan Kumar Jana v. Calcutta Telephones (1981 II L.L.J. 382) where Telephone Department was held to be an industry, the definition of workman does not provide for exclusion of a casual labourer, nor does it lay down that only permanent employees will be workmen. In the instant case the workman was not a casual labourer. He was required to do the work assigned to him regularly. It will, therefore, have to be held that he is a workman within the meaning of that term as defined in the Industrial Disputes Act, 1947.

5. The next question is whether the termination of the services of the workman was bad as no inquiry was held nor any chargesheet was issued against him. The employer has placed on record an order of appointment dated 4-7-75. That order at Ex. E-1 shows that a copy of that order was issued to the workman. That order is in the following terms:—

"Shri Balwant Sheshrao Shahane is hereby appointed as EDMC of Temsna BO in account with Anjani SO under Nagpur GBO w.e.f. 30-4-75 afternoon. He shall be paid such allowances as admissible from time to time."

2. Shri Balwant Sheshrao Shahane should clearly understand that his appointment as EDMC shall be in nature of a contract liable to be terminated by him or the Inspector of Post Offices, Nagpur, by notifying the other in writing and that he will also be governed by the P&T Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, as amended from time to time. As already pointed out, Rule 6 of those Rules provides that the services of an employee who has not already rendered more than three years continuous service from the date of his appointment shall be liable to termination by the appointing authority at any time without notice for generally unsatisfactory work, or on any administrative ground unconnected with his conduct."

The workman made certain declarations and signed those declarations. The employer has produced the declaration at exhibit E-2. The workman has stated in that declaration that the Rules in connection with the Extra Departmental employees were explained to him and that he fully understood them and that he was to be liable to the provisions contained in those rules. The employer has placed on record as exhibit 'D' to the written statement a copy of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules. Rule 6 thereof is in the following terms:—

TERMINATION OF SERVICES

The services of an employee who has not already rendered more than three years continuous service from the date of his appointment shall be liable to termination by the appointing authority at any time without notice for generally unsatisfactory work, or on any administrative ground unconnected with his conduct."

It is the contention of the employer that the services of the workman were terminated in pursuance of this rule. It is submitted on behalf of the employer that the services of one C. M. Pawar, who was a permanent Extra Departmental Delivery Agent were terminated by IPOs Nagpur West Sub-Division, Nagpur, by memo dated 25-4-1975 as Pawar was suffering from leprosy. In his place the present workman was provisionally appointed. Pawar submitted a petition against the order of his termination to the higher authorities. His petition was considered and the order of his termination from the service was set aside and he was reinstated. The Civil Surgeon, Nagpur, on medical examination of Pawar had declared that he was fit for duty. He was therefore reinstated. There was therefore according to the employer no alternative, but to dispense with the services of the present workman.

6. It will appear that Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, permits the termination of the services of the workman, who has not rendered more than three years continuous service, without notice, for unsatisfactory work or on any administrative ground unconnected with the conduct. Admittedly, no any stigma is attached to the workman. The only question is whether his termination under the provisions of this rule is valid.

7. The workman in his deposition has stated that no any document was given to him at the time of his appointment. This does not appear to be true. The appointment order at exhibit E-4 shows that a copy was sent to him. It is stated by the workman in the statement of claim that he did not understand the various documents signed by him at the time of his appointment. The employer has produced the declarations made by the workman at exhibit E-2 which show that the relevant rules were explained to him. He has signed those declarations. He admitted in his cross examination that he has passed S.S.C. in 1973 and English was one of his subjects.

8. Now, the appointment letter dated 4-7-1975 (exhibit E-4) states that the workman should clearly understand that his appointment as EDMC shall be in nature of a contract liable to be terminated by him or the Inspector of Post Offices, Nagpur, by notifying the other in writing and that he will also be governed by the P&T Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, as amended from time to time. As already pointed out, Rule 6 of those Rules provides that the services of an employee who has not already rendered more than three years continuous service from the date of his appointment shall be liable to termination by the appointing authority at any time without notice for generally unsatisfactory work, or on any administrative ground unconnected with his conduct.

9. Now, it appears that the services of one C. M. Pawar, who was working as Extra Departmental Delivery Agent were terminated by the Department on 25-4-1975 as he was suffering from leprosy. In his place the present workman was appointed. Pawar submitted a petition against the order of his termination to the higher authorities. His petition was allowed and the order of termination was reviewed and he was reinstated as Pawar produced a medical certificate of the Civil Surgeon which showed that the skin clipping of leprosy patient was negative. According to the medical certificate, Pawar was declared fit for duty. On his reinstatement in service the Department had to terminate the services of the present workman, Shahane. At the time of terminating his services no any fault or stigma had been attached to the workman. This is therefore a case of termination simpliciter in exercise of the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. It was submitted on behalf of the workman that any inquiry was made or no any chargesheet was filed against him. The termination of his services, therefore, is bad in law. There is no substance in this submission. The order of termination is clearly not a punitive one. No any inquiry was called for. The termination was clearly for administrative reasons as permitted as per Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. It was submitted on behalf of the workman in the course of arguments that the services of the workman were terminated without any notice. It is pointed out for the employer that the said Rule 6 permitted the termination of the services at any time without notice in case of an employee who had not rendered more than three years continuous service. It is further pointed out that a memo No. B/Temna 78/Nagpur dated 7-1-1978 was issued and as per that memo the workman was asked to hand-over the charge to C. M. Pawar. Accordingly, the workman handed-over the charge. The charge memo at exhibit 'C' along with the written statement filed on behalf of the employer makes a reference to this memo.

10. It was then argued that while terminating the services of the workman the principle "last come first go" was not observed. This ground of attack has not been specifically taken in the statement of claim. Apart from this, it does not appear that any person who was appointed after the present workman was retained in service. It was pointed out on behalf of the employer that the workman was appointed in place of one C. M. Pawar, whose services were earlier

terminated, but who was later on reinstated. It does not therefore appear that anybody appointed after the workman, was retained in service.

11. The next question is whether it was obligatory on the part of the employer to comply with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. This point also is not specifically raised in the statement of claim. All the same, statutory provisions contained in Section 25-F of the Industrial Disputes Act make it obligatory on the part of the employer to observe the conditions precedent to retrenchment as stated in that provision. It is well settled that the termination of the services of a workman for any reason whatsoever unless the case falls under any of the excepted categories amounts to retrenchment. The provisions laid down in Section 25-F of the Industrial Disputes Act will, therefore, have to be observed unless the case falls under any of the exception mentioned in Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act. It is obvious that the case of the present workman does not fall under any of the exception. Once the case does not fall in any of the excepted categories the termination of service even though under agreement would none the less be retrenchment within the meaning of the expression in Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act (Sec. 1982 LLJ. p. 330 S.C. L. Robert D'Souza and Executive Engineer, Southern Railway). The provisions in Section 25-F of the Industrial Disputes Act apply even in the case of a temporary workman.

12. In the instant case, the provisions viz., giving of one month's notice or the payment of wages for the period of notice have not been complied with. Similarly, no retrenchment compensation has been paid. The termination of the services of the workman will, therefore, have to be held to be in law. The question therefore would be whether the workman should be reinstated in the service of the employer. Having considered all the circumstances of the case, I think there should be no reinstatement. Instead of reinstatement, a Tribunal can order monetary compensation if the case presents unusual or exceptional features. See L&I (1980) p. 1004 and 1966 I L.J. 388. Now, this is a case of termination simplicitor on administrative ground as permitted by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. Besides, the workman was working in a temporary capacity. His services were liable to be terminated at any time without notice if he had not completed the service of three years. He was appointed in place of one C. M. Pawar. The department had to reinstate Pawar in the circumstances adverted to above. The workman was an Extra Departmental workman doing part-time work. He was paid allowances for the work. The amount of allowances paid to him upto 31-8-1979 was Rs. 85 per month. This amount was revised and the workman was paid Rs. 102.50 from 1-9-1977 onwards. The workman had put in the serv.co of about 2 years and 8 months, and his services were liable to be terminated on administrative grounds, as he had not put in three years' service under the said Rules. He would, however, under the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act have been entitled to retrenchment compensation equivalent to 15 days average pay for every completed year of continuous service or part thereof in excess of six months. Having regard to all these things, I think a compensation in the sum of Rs. 300 would meet the ends of justice.

13. In the result, I find that even though Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, permitted the employer to terminate the service of the workman and that this was a case of termination simplifier, no provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, were observed. The termination of the services of the workman was therefore bad. Instead of, however, reinstating him in service, a monetary compensation in the sum of Rs. 300 would in my view, under the circumstances stated above, meet the ends of justice.

14. My award accordingly. No order as to costs.

Sd/-

M. D. KAMBIL, Presiding Officer

[No. L-40012(10)/78-D.U(B)]

S. S. PRASHER, Desk Officer

नई दिल्ली 16 सितम्बर 1982

का०आ० 3489.—मैसर्स गेस्ट कीन विलियम्स लिमिटेड, 97, मन्तुल
मार्ग हावड़ा-711103 डल्यू०बी०/5123 (जिसके प्रधीन 97, मन्तुल
मार्ग, हावड़ा-711103 डल्यू०बी०/197), एवं 124, क्युरी मार्ग, हावड़ा
711104 डल्यू०बी०/228) स्थित उमकी शाखाएँ भी हैं।
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थान पर बहा गया है तो कर्मचारी भविष्य
निवि और प्रकारें उपग्रह प्रवितिवा०, 1952(1952 का 19) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 को
उपधारा (2क) के अधीन सूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है;

ओर केन्द्रीय सरकार का समर्थन हो गया है कि उसका स्थापना के कामचारी, यस्ती पृष्ठक अधिकारीय या प्रभियत का संचाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समुहित बीवा रकोम के प्रब्लीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठायें। इसके लिए कर्तव्यर्थों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक व्यापूँ जो कर्तव्यर्थों नियमों सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके परवात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उम्मीद अनुशील हैं।

अतः केन्द्रीय संघार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2a) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसे उत्तराधिकार में विनियिट गर्तों के अधीन रखने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्थान के सभी उत्तरवर्ती के प्रवर्ती में सूट देती है।

अमराची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भवित्ति निवेद आयुक्त परिवधियों बांगाल को ऐसी विवरणियों भेजेंगे, और ऐसे लेखा रखेगा तथा किरण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रारंभों का प्रश्नोत्तर मात्र गो समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवैध करेगा जो केन्द्रीय राजनाय, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के प्रश्नीत समय-समय पर निविष्ट करे।

3. सामूहिक बोमा स्टीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखांशों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बोमा प्रोमियम का संवाद, लेखांशों का अंतरण, निरीक्षण-प्रभारों का संदर्भ आदि भी है द्वारा वाले सभी व्यायों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाता है।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा भन्नुमोदित सामूहिक बोमा इकाइ के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कार्यालयों को व्यवसंलय की भाषा में उसकी मुख्य बातों का भन्नुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रविष्ट करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उसका अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि पर पहुँचे हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक समूहिक बीमा स्कोर्स के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेंगा और उसकी बाबत आवश्यक ब्रोमियम मार्टिय औबम बीमा निगम को संदर्भ करेंगा ।

6. याद उक्त स्त्रीम के अधीन रुद्धारियों को उपलब्ध कायदे यहाए आते हैं तो, नियोजक समूहिक द्वारा स्त्रीम के अधीन कमवारियों को उपलब्ध कायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे फिर कर्मचारियों के लिए समूहिक वीमा स्त्रीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन फायदों से अधिक प्रभुकूल हों, जो उक्त स्त्रीम के अधीन इसके हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के लिए दूषित भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उम दणा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्दिशकों की प्रतिक्रिया रूप में दोनों रकमों के अन्दर के बावजूद रकम का नियन्त्रण करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उभयन्धों में कोई भी तारीखन प्रादेशिक नियम नियम आयकर, परिवारी बंगाल के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और यहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए पर्याप्त अधिकारी पड़ने की समावना हो वहाँ, प्रादेशिक नियम नियम आयकर, धनना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी फारगता, स्थानना के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम गामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भागा दिया है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन अमंतरारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रामदन का संबोध करने में भ्रस्फल रहता है, और पारिस्थि को अपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिका की दणा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्दिशितियों पर विधिक वारिसों को जो दर्द यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संबोध का उत्तराधिक नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्दिशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के पात्र दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस—35014/135/82 पी एफ-2]

New Delhi, the 16th September, 1982

S.O. 3489.—Whereas Messrs Guest Keen Williams Limited, 97, Andul Road, Howrah-71103, (WB/5123) including its, branches at (1) 97, Andul Road, Howrah-711103, (WB/197) and (2) 124, Currie Road, Howrah-711104, (WB/228), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1982

का०अ० 3490.—मैसर्व विजयेश्वरी टेस्टाइल लिमिटेड (पुलियमपट्टू) वाया पोलाची 642002 जिला कोयम्बटूर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उत्तराधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 17 की उपधारा (अ) के अधीन छूट दिया जाने के लिए आवेदन किया है;

ओर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि वह उक्त स्थापना के कर्मचारी, किसी पृष्ठक अधिकारी या प्रीमियम क, संदाय किए जिन ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियेप महवड बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें प्रदत्त हैं।

अनु : केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपावड अनुसूची में विनियिष्ट गतीय के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापना को कीन वर्ष के अधिकारी के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि अनुकूल संमताहृ को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुक्तियां प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर नियिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (अ) के छूट (क) के अधीन समय-समय पर नियिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रश्नान में, जिसके अन्तर्गत लेखाधीयों का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाधीयों का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदर्भ में यही होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहुसंबंध की आपा में उनकी मुक्त वातों का अनुवाद, स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की विधि जिसका वहले ही ददर्श है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उतका साम तुलन रखी करेगा और उसके बायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम की संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध कायदों में समूचित रूप से चुक्ति की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन प्रदत्त हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, जो यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उक्त ददा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नामनिर्देशियों को प्रतिकर रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बायत रकम का संबाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कार्य भी समोद्दन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयतन, तमियनाहृ के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी भंशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समाजना हूँ वहाँ प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने की प्राक्तिकूल अवगति

9. यदि किसी दात्त्वायण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम जिसमें के स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कार्य रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी फारणवश, नियोजक उक्त नियत कारिकॉर्प के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पारिस्थि को अप्पगत हो जाने विद्या जाता है तो, वह रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में फिए गए किसी अद्वितीय की दशा में, उक्त मृत्यु ददस्यों के नामदीर्दिशियों वा विधिक बारिसों का जो यदि यह छूट न दी गई हाती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा कायदों के संशय का उत्तराधित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामदीर्दिशियों/विधिक बारिसों की बीमाहृत रकम का संबाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाहृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एन ३५०१४/१०/८२-ग० एफ० २]

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3490.—Whereas Messrs Vijayeswari Textiles Limited Puliyampatti, Via Pollachi-642002, District Coimbatore, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Life Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient feature, thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees, or the legal heirs, of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(40)/82-PF.II]

भा० प्रा० 3491—मैमर्स श्री रामकृष्ण भिल्ल (कोणम्बूदूर), पी०, बी० नं० 2007, गणपति डाकघर, कोणम्बूदूर 641006 (जिसे इसमें इराके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपचंद्र अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन कूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है;

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिनियम या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निशेष सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुरूप हैं;

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त गियरों का प्रयोग करने हुए और इसमें इपाश्वर प्रत्युषी में विनिरिट भासी के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापना को तीन

वर्ष की अवधि के लिए उक्त रकम के सभी उपायों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसृत्या।

1. उक्त रकम के रूपमें नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, नियमनालूक दो ऐसी विवरणीय भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, गम्भीर मम्प या निरिट करे।

2. नियोजक, ऐसे निर्विकार प्रभारों का प्रत्येक भाग की समाप्ति के 15 दिन के अंतर मंदाय परेगा, जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन रामबद्ध मम्प पर निरिट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्गत सेवाओं का, तथा जनना विवरणीयों का प्रस्तुत किया जाना, विभा प्रीमियम का संदाय, लेवाओं का अनुरूप, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केंद्रीय सरकार द्वारा या अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति सभा कर्मचारियों की बहुमतका भावा में उगकी मुक्त बातों का अनुबाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रत्येक करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के मदद्य के रूप में उसका नाम सुन्नत दर्ज करेगा बाबत आवश्यक प्रीमियम भर्तीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में अनुभित रूप से यूँकी की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन प्राप्त हों।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के स्पष्ट में दोनों रकमों के अन्तर के बाबत रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धी में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, नियमनालूक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त घवसर देगा।

9. यदि किसी कारणशमा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम बीमा स्कीम सामूहिक म , जिसे स्थापन पहले अपना लिया है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह कूट रह को जा सकती है।

10. यदि किसी कारणशमा, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपत रहा जाने विद्या जाना है तो, कूट रह को जा सकता है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिका दी दशा में, उम मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिसों को

जो यदि यह, छूट न दी गई होती हो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा फायदे के संदाय का उत्तरवाचित्र नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी मदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुक्मादार नामनिर्दीयतियों/विधिक वार्तासों को वीमाकृत रकम का संदाय तत्पत्ता से और प्रत्येक वर्ष में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत रकम प्राप्त होने के साथ विन के भोतर नियित करेगा।

[संग्रह-35014/19/82-पी.एफ.०-२]

S.O. 3491.—Whedea Messrs Sri Ramakrishna Mills (Coimbatore), P.B. No. 2007, Ganapathy Post, Coimbatore-641005 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(49)/82-PF.II]

कांगड़ा 3492.—मैसर्स नरसिंह, गिल्स प्राइवेट लिमिटेड, नरसिंहमामा कन्पल्यम, कोयम्बटूर, 641031, (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी अधिक्य मिश्र और प्रकीर्ण उपचाच अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिकाय या प्रीमियम का संदाय किए जाने ही, भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन जीवन वीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक प्रत्यक्ष हैं जो कर्मचारी नियोप सहबद वीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है) के अधीन प्रत्यक्ष हैं;

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपचाच अनुसूची में विनियित शर्तों के अधीन इहत्रुट, उक्त स्थापन को सीन धर्य की अवधि के लिए, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक अधिकाय नियमावधार, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, समय समय पर नियित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समयांतरे 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के छां (क) के अधीन समय-समय पर नियित करे।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाधारों का रखा जाना विवरणियों का प्रत्युत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाधारों का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय भावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा मध्या अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये,

लेकिन उम्मीद नहीं कर्मचारियों का बहुमत जो भारत में उपलब्ध नहीं है तो, उपलब्ध नहीं है।

५ यदि १८ अंगता उपलब्ध, तो काम तरीका भारतीय विधा या ३४ अधिनियम के अधीन छठे प्राप्त किसी स्थापन की विवादी का पहले ही मदद्य है, उसके स्थापन में नियंत्रित किलो जाता है तो, नियोजक, गामूहिक विधा तकों के मदद्य के रूप में उम्मीद नाम तुरन्त दब्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रभावित भारतीय जीवन विधा नियम को सदृश करेगा।

६ यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे अद्वाय जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक विधा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित स्पष्टि की जानी की विवादिया करागा जिससे कि कर्मचारियों के लिए गामूहिक विधा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों गे प्रधान प्रत्यक्ष हों, जो उक्त स्कीम के प्रधान न अनुज्ञाप्त हैं।

७ गामूहिक विधा स्कीम में किसी बात के हौसले हुए भी, पर्याप्त किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सदैय रकम इस रकम से कम है जो कर्मचारी दो उम्मीद भूती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, तियोजक कर्मचारी के विधिक वार्षिक/नामिनिर्दिष्टियों को प्रतिकार के स्पष्ट में दोनों रकमों के अन्तर के बीच रकम का सदाय करेगा।

८ सामूहिक विधा स्कीम के उपलब्ध भूती सांशोधन प्रादेशिक भवित्व विधि आयुक्त, नियमिता द्वारा के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी मांशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृति प्रभाव पड़ते की सभावना हो वहां, प्रादेशिक भवित्व विधि आयुक्त, आपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पाद करने का युक्तियुक्त अवसर होगा।

९. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन विधा नियम की उम्मीद सामूहिक विधा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुना है प्रधीन नहीं रख जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रूप से कम हो जाते हैं, तो वह छठे रख भी जो रकम है।

१० यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन विधा नियम नियन्त्रित कर, प्रभावित का सदाय करने से अमर्त्यता रहता है, और पालिमा को अपनावन हो जाता है तो, छठे रख की जा सकता है।

११. 'नियोजक द्वारा प्रभावित के सदाय में कि' गां किसी व्यक्तिका फा दशा में, उन मृत भवित्वों के नामिनिर्दिष्टियों या विधिक वार्षिकों को जो यदि वह छठे रख न दी गई होता तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होता, विधा जाता है तो, छठे रख के कर्मचारियों के सदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होता।

१२. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन जाने विधी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामिनिर्दिष्टियों/विधिक वार्षिकों को वीभागीन रकम का भवाप्त नामरक्ता में और प्रभावित दशा में भारतीय जीवन विधा नियम से विभागीन रकम प्राप्त होने के मान दित के भीतर युक्तिवत करेगा।

[संग्रह 35014/50/82-प्र००५०-२]

S O. 3492.—Whereas Messrs The Narasimha Mills Private Limited, Narasimmanaikenpalayam Coimbatore-641031 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the 'said Act');

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the

726 GI/82-16

benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the 'said Scheme');

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities, for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assured benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for want of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(50)/82-PF.III]

का ०ग्रा० ३४९३—मैसर्स ज्ञानविकेप मिल्स लिमिटेड, ज्ञानविकेप मिल्स अक्टूबर, कोयम्बटूर-६४१०२९, (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भवित्व निधि और प्रक्रिया उपलब्ध अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा १७ की उपधारा (२क) के अधीन छूट दिया जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिदाय या अधिनियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोग मन्त्रालय बीमा स्कीम १९७६ (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थान कहा गया है) के प्रधान उक्त अनुबंध हैं;

प्रत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (२क) द्वारा प्रदत्त अधिनियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपायक अनुबूति में विनिविष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को सीन वर्ष का अद्धिक द्वारा उक्त स्थान के मध्ये उपर्याप्त के प्रत्येक रूप से छूट देना है।

अनुसूची

१. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक अधिदाय निधि आयुक्त, नमिलनाडु को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-ममता पर निरिष्ट करे।

२ नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के १५ दिन के भारत सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (३क) के अंतर्गत (क) के प्रश्न समय-ममता पर निरिष्ट करे।

३ सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रेमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, नियोजक प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी अधिकारों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

४. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुबोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भावा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

५. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भवित्व निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भवित्व निधि का पहले ही सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के मद्दत्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रेमियम भारतीय जीवन बीमा नियम का संदर्भ करेगा।

६. यदि उक्त स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बदला जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों से संबद्ध रूप से बदला जाने की अवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अवधि न अनुबंध हैं।

७ सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यो, यदि किसी कर्मचारी का भूत्यु पर इस स्कीम के प्रधान संदेश रकम उक्त रकम से कम है जो कर्मचारी को उक्त दशा में रखें होता है, जब यह उक्त स्कीम के प्रधान होता होता नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नामनिर्देशियों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अनुर के बगवार रकम का संदाय करेगा।

८. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भवित्व निधि आयुक्त, नमिलनाडु के पूर्व प्रत्येक रकम के बिना नहीं किया

जाएगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समाजना हो जा स्थानीय निधि आयुक्त, स्थाना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्थाप्त करने वा यक्तिगुक्त प्रवय देगा।

९. यदि किसी कारणवांश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी भी से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

१०. यदि किसी कारणवांश, नियत तार्क द्वारा भासर जो सार्वीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिंसों को व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

११. नियोजक द्वारा प्रामियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की इसमें, उक्त स्थानस्थी के नामनिर्देशियों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दे गई होता है तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

१२. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की भूत्यु होने पर उसके हकादार नामनिर्देशियों/विविध वारिसों को जो सामूहिक रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होते के सात दिन के भासर सुनिश्चित करेगा।

[सं०एम०-३५०१४/६०/८२-भ०नि०-२)]

S.O. 3493.—Whereas Messrs Gnanambikai Mills Limited, Gnanambikai Mills Post, Coimbatore-641029 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance

Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(60)/82 PF.II]

का० आ० 3494 .—मैसर्स कोयम्बटूर मेन्टेन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड कोयम्बटूर-641019 (नमिलनाइ-4159) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भवित्व निधि और प्रक्रीया उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रभावाय 4A प्राप्तियम का संदाय किए जिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उता रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोग संबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हे अनुज्ञा है;

अन्त केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवक्त जीवन्यों का, प्रयोग करते हुए, और इससे उपायक अनुसूची में विविध शानों के अधीन रहते हुए, उक्त स्पैन को तीन

घर्द की प्रवधि के लिए उक्त स्कीम के अन्ती उपवधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेशिक भवित्व निधि आयुक्त, नमिलनाइ का ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेहा रखेगा तथा नियोजक प्रादेशिक भवित्व के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे नियोजक प्रभारी का प्रत्येक मास की मनापि के 15 दिन के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के छूट (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्राप्ति में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्राप्तियम का संबाय, लेखाओं का अंतर्गत, नियोजक प्रभारी का संबाय आदि भी है, होने वाले सभी घटों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति रूप, कर्मचारियों की बहुमंजुषा की भारत में उसकी मुख्य बातों का प्रतुदाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भवित्व निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किये स्थापन की भवित्व निधि का पहले ही संदर्भ है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के मद्दस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत प्रावायक प्राप्तियम भारतीय जीवन बीमा नियम की मद्दत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाया जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रतीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था बरेगा जिससे कि कर्मचारियों के नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञा है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक व्याप्रिम/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के बाट के बाट रहना हा संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संगोष्ठी, प्रादेशिक भवित्व निधि आयुक्त, नमिलनाइ के पूर्व अनुमोदित के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृप प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहा प्रावित भवित्व विव आयुक्त, प्रपता अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रता वृद्धिकोण पट्ट करने का युक्तिपूर्व अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन सही रह जाने है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीत से रुक हो जाने है, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत लारीब के, भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियोजित करे, प्राप्तियम का संदाय करने में अमरुप रहना है, और आनियों को व्यवहार हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रोमियप के सदाय में किए गए किसी व्यक्ति की दशा में, उन सूत सदस्यों के नामनिर्देशियों या विविध वारिसों को जो धर्म यह छूट न हो गई होतों तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, जीमा कायदों के संदर्भ का उत्तराधिकृत नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नामनिर्देशियों/विविध वारिसों को जीमाकृत रकम का संदाय तत्पत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन जीमा नियम से जीमाकृत रकम प्राप्त होने के साथ इन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सू. एस० 35014/(82) 82-पी० एफ०II]

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3494.—Whereas Messis Combalore Central Co-operative Bank Limited, Combalore-641018 (TN/4159) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment a/c, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commission, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges, as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount

payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(82)/82-PF.II]

का०आ० 3495.—मैसर्स वेसीन (नई दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड, कामलिंग हॉटेलिंग्स, वेसीन हाउस, प्रेटर कैलेज-II, नई दिल्ली-110048, डी० एन०/3406) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी विविध और प्रकीर्ण उपचरण अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम का०आ० गश०दृ०) की भारा 17 की उपचारा (२क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए "प्रावेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पथक प्रभिदाय या प्रोमियप का सदाय किए गए ही, भारतीय रे०वन जीमा नियम की मासिक जीमा स्कीम के अधीन जी०वन जीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियमेन लड़वान जीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञय है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपचारा (२क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसपे उपचारण अनुसूची में विविदिष्ट शर्तों के अन्तर्गत हुए हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रधानी के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

अनुमूल्य

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भावव्य निधि भाव्यक, दिल्ली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निर्गीत के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक निरीक्षण प्रमाणों ता० प्रदेश गन ने नीति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपचारा (२क) के अनु० (२) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्राप्तान में, जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना चाहिए कि प्रत्युत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदर्भ, लेखाओं का अन्तर्गत, नियोजित प्रभारी का संदर्भ प्राप्ति भी है, होने वाले सभी जाता का बहन नियोजित द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजित कर्मचारी संस्करण वह अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के लियाँ वही एक प्रति, और जब कभी उनमें भगोवत किया जाए, तब उस भगोवत की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमात्रा, जो भावा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद, स्थापन के मूल्यान पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई रेसा कर्मचारी, जो कर्मचारी स्वित्र लिख जा या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही समस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजित सामूहिक बीमा स्कीम के सदम्य के रूप में उक्ता नाम तुरन्त दर्श करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदता करेग।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपतंग फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजित सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की अवस्था करेगा जिससे जिकर्मचारियों नियोजित सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे उक्त कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उस स्कीम के अधीन अनुरूप हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बत के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रक्त उग्र रक्त से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जा वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजित कर्मचारी के विविध वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बीच रक्त का संदर्भ नहीं।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक अविष्य लिखि आयुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के प्रिया नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रावेशिक अविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को आगामी दृष्टिकोण स्थापित करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणादर्श, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भगवा चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाने, तो वह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणादर्श, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन करने के प्रतिकूल रहता है, और पालियो को अवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजित द्वारा प्रीमियम के संदर्भ में कि, गा. कि, ग्रामीण की दृष्टि में, उन मृत स्वरूपों के नामनिर्देशितों वा ग्रामीण जातियों का जारी रख, छूट न दी गई होनी तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बासा कायदों के सदाय का उल्लंघनाधिक नियोजित पर होता।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजित, इस स्तोम के अधीन आने वाले किसी गदस्य की मृत्यु होने पर उसके लुकादार नामनिर्देशितों/विविध वारिसों को बीमाहृत रकम का सदाय नत्पत्ता तो और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करना।

[मं. एस- 35014/192/82-पी. एस. II]

S.O. 3495.—Whereas Messrs. DESEIN (New Delhi) Private Limited, Consulting Engineers, Desein House, Greater Kailash-II, New Delhi-110048 (DL/3406) (hereinafter referred

to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assured benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(192)/82-PF.II]

का०आ० 3496—मैसेस हिन्दुस्टान ब्राउन बोवेरी लिमिटेड, पोर्ट (ग्राम न० 284, बारोदा-390001 (जी० जे/1854) (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

ओर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिकारी या प्रोमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक प्रत्यकूल हैं जो कर्मचारी निधिपं महबद्दा बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उठाए अनुज्ञय हैं;

अब: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपबंध अनुमति में विनियिष्ट शर्तों के अधीन उठाए हुए, उक्त स्थापन को तीन बर्ष की अवधि के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार सभी समय पर निर्दिष्ट करें।

अनुबूति

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि श्रावक अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार सभी समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे विवरण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन सभी समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रदान किया जाता, बीमा प्रोमियम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का अनुकाश स्थापन के मूल्यांप पर प्रदर्शित करेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुकाश स्थापन के मूल्यांप पर प्रदर्शित करेगा।

5. मदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के गश्य के रूप में उसका नाम हुगत दर्ज करेगा और उसकी बाबत प्रावश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदृश करेगा।

6. मदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपबंध फायदे बदाए जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की

उपलब्ध फायदों में समूचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हृते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदेय रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दण में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारियम/नामनिर्देशितों की प्रतिक्रिया के रूप में दानों रकमों के अन्तर के बाबत रकम का मंशय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में जोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रावक, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो थहा, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रावक, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण रपट करने का युक्त्युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारों भारतीय जीवन बीमा निगम का उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीत से कम हो जाते हैं, तो यह छूट नहीं की जा सकती है।

10. मदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारों भारतीय जीवन बीमा निगम का उस सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होता है, और पालियों को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट नहीं की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्राप्तियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिको की इशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारियों की जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने बीमा फायदों के सदाय का उन्नरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबूत में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी मदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकारार नामनिर्देशितों/विधिक वारियों को बीमाहत रकम का सदाय तप्तरात्मा से श्रीर प्रत्येक दण में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाहत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[स० एस-35014/176/82-पी०एफ० II]

S.O. 3496—Whereas Messrs Hindustan Brown Bovell Limited, P.B. No. 284, Baroda-390001 (GJ/1854), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment etc. without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days, from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee, than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(176)/82-PF.II]

का० शा० 3497—सैमर्स महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड, भारतीयन इंडियन, अक्टूबर मार्ट, कॉटिंग्हम (पुर्व) पांगट बास्ट नं० 7655, मुंबई-40006 (एम एच/496) (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवीण उत्तर्य अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उत्तर अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन सूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृष्ठक प्रभिताय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही

भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के स्वरूप में काफ़ा उठा रहा है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये काफ़ा उठा काफ़ा है और अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निष्प्रे महबूद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उच्चे अनुकूल है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त वार्षिकी का प्रयोग करने द्वारा और इससे उपबोद्ध अनुसूची में विनियिष्ट गतियों के अधीन गते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अधिकारी के लिए उक्त स्कीम के सभी उपयोगों के प्रबंधन में सूट देनी है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसो विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसो मुश्तिधारे प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर नियिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की सभापति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के छठ्ठ (क) के अधीन समय समय पर नियिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण या प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रस्तुतवित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भावामें उसकी मूल्य बांदा का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पृष्ठ पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन सूट प्राप्त किया स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजक किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के गदस्य के स्वरूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम की संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध काफ़ा दिए गया हैं, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध काफ़ा दिए गये स्वरूप से बहुत की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध काफ़ा दिए गये से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम, में किसी बास के होने द्वारा भी, यदि किसी कर्मचारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उग रकम से कम है जो कर्मचारी का उग दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामिनिर्देशिकी को प्रतिक्रिया के स्वरूप में दानों रकमों के अन्तर के बीच रकम का सदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्ध में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रस्तुतवित के विना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए पर प्रतिक्रिया प्रपत्त होने की वास्तवा हो वह, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवधार देगा।

9. यदि किसी काल्पनिक स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना नवा

है अबात न रह जाने हैं, या इन स्कॉल के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होत वा फिरदे किसी रीति से कम हा जाने हैं तो यह रुट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश लियोजक उस नियन्त नारीय के भीतर जो भारतीय जीवन द्वीपा तिरम विभूत करे, प्रेमियम का मदाय करने में श्रमफल रहता है, और पालिसी का व्यापत्र द्वीप जाने दिया जाना है तो, छठ रह की जा सकती है।

11. नियोनक द्वारा प्रभियम के मदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की परा में, उन मून मदस्यों के नाम निर्वेशितियाँ या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्थान के प्रनारोत होते, वासा कायदों के साथ का उत्तरायित्य नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक ईम स्कीम के अधीन आने वाले किसी मदद्य की मृद्दु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशियों/विधिक वारसितों के बीमानुत रकम का संदाय तत्परता में प्रीर प्रधेक वश में भारतीय जीवन बाप्ति निगम से बीमानुत रकम प्राप्त होने के मात्र दिन के भीतर मनिश्चम करेगा।

[संग्रह-35014/154/82-प्र००५-२]

S.O. 3497.—Whereas Messrs Mahindra and Mahindra Ltd., Automation Division, Akurli Road, Kandivli (East), Post Box No. 7655, Bombay-400067 (MH/496) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits of the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014(154)/82-PF.III

का० जा० 3498.—मैरस कोयम्बटूर पापनियर “ए” मिस्स लिमिटेड, पोस्ट बॉक्स सं० 1605, पीलामोह, कोयम्बटूर-641004 (टी० ए० / 55) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी परिष्य नियम और प्रकारण उपकरण अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन सूचि दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समर्पण हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन जीवन वीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियेप महबूद वीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इनके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रश्नों उन्हें अनुसूचि रखते हैं।

अन्त केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायक अनुसूची में विनियोग शर्तों के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को लोक वर्ष की अनुर्धि के लिए उक्त स्कैम के मध्य उपबोधों के प्रवर्तन से छुट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्पायन के मंडिरमें नियोजक पारिषद, सवित्य नियंत्रण अधिकार, अभियानालय को ऐसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसे लेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समय-भूमिका पर विविष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे भिरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भीमा की सम्बोधन के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो कि बोल्ड्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारत 17 की उपचार (3क) के अनुकूल (क) के अधीन सभ्य समय पर निविष्ट करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लक्ष्यांगों का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांगों का प्रतरण, नियोजित प्रभारों का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी अधीक्षण का बहन नियोजक वार्षिक भारत किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय ग्राहक द्वारा यह अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब करी उत्तर्वेषण किया जाए, तब उस संस्थान की प्रांत व्यापार अमंचारियों की बहुविधान को भारत में दूसरी मुद्रा बालों का अवृत्त, स्थापन के सूचनाएँ पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा भारतीय, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किया स्थापन की विधि निधि का पहले ही संवाद है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है, तो, नियोजक, सामूहिक वीमा स्कीम के संदर्भ के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बातें अवधारक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम की संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कार्मचारियों को उत्तरव्य कार्यवे बकाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कार्मचारियों को उपलब्ध कार्यदों में सम्बुद्धि का संदर्भ रकम उस संवाद से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में मद्दत होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिकों को प्रतिक्रिया छूट में दोनों के २५००० के प्रत्यक्ष के बोर्डर स्कम का संदाय करेगा।

7. सामूहिक वीमा स्कीम के उपलब्धी में काई भी संशोधन, प्राक्षेपिक भविष्य निधि आयुक्त, नामनिर्देशिकों के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्राक्षेपिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपनी वृद्धिकोण स्पष्ट करने का मुकित्युक्त अवसर देगा।

8. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन वीमा नियम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधोन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कार्यवे किसी रीत से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

9. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और परिसीधी को व्यवहार ठो जाने किया जाना है, तो, छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और परिसीधी को व्यवहार ठो जाने किया जाना है, तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी अधिकम की दशा में, उन सूत सदस्यों के नामनिर्देशिकों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उन स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा कार्यदों के संदाय का उत्तराधिकार नियाप्रकृत पर होता।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन, आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नामनिर्देशिकों/विधिक वारिसों को वीमाकृत रकम जा संदाय तदरता से और प्रत्येक वका में भारतीय जीवन वीमा नियम में वीमाकृत रकम प्राप्त होते के साथ विन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014/116/82-पो-एन-2]

S.O. 3498.—Whereas Messrs. Combatore Pioneer & Mills Limited, Post Box No. 1605, Peelamedu, Combatore-641004 (TN/55) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts, the said establishment from the operation of all the provision of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(116)/82-EP.II]

कांग्रेस 3499.—मैसर्स प्रिन्टरिंगम, प्लॉट सं 370, पुरुषोत्तम एस्टेट के पांचे, नारोदा, नारोदा शहर, ईमानपुर-382443, जिला अहमदाबाद, (जॉन्जॉ/941), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है), ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीया उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 वा 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

ओर केन्द्रीय सरकार का रामाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिनियम या प्रीमियम का संदाय किया जाता है, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उक्त कायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियम राहदर बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुज्ञय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियाएँ का प्रयोग करते हुए और इससे उपबन्ध अनुसूची में विविष्ट गतियों के प्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षों की अधिकि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक निधि अग्र-क्षम, अहमदाबाद को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रवान धारेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसी निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के छान्ह (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रयोगस्थ में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतर्ण निरीक्षण प्रभारों का संवाद भादि भी है, होने वाले सभी घटयों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार, द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा रकम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भावा में उसकी मुहूर बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्तित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का प्राप्त हो सकता है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो

नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के संवध के रूप में उक्त नाम तुर्क दर्ज करेगा और उसका बाबत अवधारणा प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपबन्ध कायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कर्मचारियों के लिए नामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपबन्ध कायदे उन कायदों से प्रधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रत्युत्तम हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संरेख रकम उक्त रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश हाता जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक आस्ति/तासनिवैधताएँ को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाद करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद, के पूर्व अनुमोदन के बिना महीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के विन पर प्रतिकूला प्रभाव पड़ने की संभावना हो तब, प्रावेशिक निधि आयुक्त, प्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणात्मा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की इस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पृष्ठे अपना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्रवृत्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणात्मा, नियोजक उक्त नियन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम का संदाय करने से प्रसकत रहता है, और पालिसी को व्याप्ति देता है जाने किया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सवस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वासियों को जो यदि यह, छूट रही गई होती तो उक्त स्कीम के प्रत्यंगत होते, बीमा भवयों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर हो गा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन आने वाले किसी संदेश की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वासियों को बीमाहृष्ट रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाहृष्ट रकम प्राप्त होने के सम विन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014/111/82-मी.एफ-2]

S.O. 3499.—Whereas Messrs Printorium, Plot No. 370, Behind Purshotam Estate, Naroda Narol Highway, Isanpur-382443 District, Ahmadabad (JG/941) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the

Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (31) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefit to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

का० आ० 3500.—मैमर्स भार्डन बेहराज (ईडिया) लिमिटेड, बंगलौर यूनिट, बंडलैपल प्लैट, मुख्य 11, यशवंतपुर, बंगलौर-560024 (के० एन०/6839) (जिसे इसमें इनके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) न कर्मचारी भविष्य निवि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 वा० 19) (जिसे इसमें इनके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन सूट दिए जाने के लिए अद्येतन किया है;

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी एक अधिकारी या प्रीमियम का सदाय किए जिन्होंने भारतीय जीवन बीमा नियम की समूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रखे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन पात्रदारों से अधिक प्रत्यक्ष हैं जो कर्मचारी निक्षेप महवद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इनके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उत्तर अनुज्ञाय हैं;

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए और इसे उपावह अनुसूची में विनियोग शर्तों के अधीन रखते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रधारिति के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य तिथि आयुक्त, कर्तिक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रशान्त करेगा जो केंद्रीय सरकार समय-नियम पर नियोजित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के उपरांक (क) के अधीन समय-नियम पर नियोजित करे।

3. समूहिक बीमा स्कीम के प्रशान्त में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रत्युत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रबारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का यहां नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा यथा प्रत्योगित समूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बद्धांडेय की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. अदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य तिथि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, समूहिक बीमा स्कीम के भद्रस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त बदल करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा नियम को सदस्य करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे द्वारा जाते हैं तो, नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्बन्धित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कर्मचारियों के लिए समूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञाय हैं।

7. समूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, अदि किसी कर्मचारी की मर्यादा पर इस स्कीम के अधीन सदैय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन

क्षेत्र तो, नियोजक कम्बारी के विधिक आविष्कार/नामनिर्देशिती को प्राप्तकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बारबर रकम राख सकते करेंगा।

8. ग्राम्पिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक वै युवं अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और उन्होंने की समाधान गो कम्बारियों के हित पर प्रतिक्रिया प्रभाव पड़ने की समावता हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में युवं कम्बारियों को अपना दृष्टिकाण्ड स्पष्ट करने का योक्तव्यक्त अवधार देगा।

9. यदि किसी कारणगमन, स्थापन के कम्बारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उप सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कम्बारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रूप में कम ही जाते हैं तो वह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, भियोजक उप नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संबंध फरम से असफल रहता है, और पारिस्थितिकों को अवधगत हो जाते दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबंध में किए गए किसी व्योजनाको की दशा में, उन भूत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि वह, सूट तक दी गई हाती सो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा कायदों के सदाचार उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी भविष्य की मूल्य हाती पर उग्रके भवित्व नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाचार नियम से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सभी दिन के भीतर युनिविन करेगा।

[स० एस०-35014/102/82-पी० एफ० II]

S.O. 3500.—Whereas Messrs Modern Bakeries (India) Ltd., Bangalore Unit, Industrial Estate, Suburb-II, Yeshwanthpur, Bangalore-560022 (KN/6839) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1951) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of

accounts, payment of inspection charges, etc shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(102)/82-PF II]

S.O. 3501.—मैमन्स स्पिन नगर कार्डिसिल, स्पिन नगर, दूष्टि कोरिय-628005 (समिलनारू/9540) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) से कम्बारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की बारा 17 की उपाधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आधेदन किया है;

और केन्द्रीय भवित्व का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कम्बारी, किसी पथक अधिदाय या प्रीमियम का संबंध किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उक्त रहे हैं और ऐसे कम्बारियों के लिए वे कायदे उन पारिस्थितिकों से अधिक अनुकूल हैं जो कम्बारी निषेप सहबन्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुमति देते हैं;

प्रत. केंद्रीय सरकार, उस अधिनियम की धारा १७ की प्रवर्तन (२क) द्वारा प्रदत्त भवित्वों का प्रदेश करने हुए और उनमें आवृत्ति अनुसूची में विविधाट गतियों के अधीन रहने हाँ, उक्त स्थापन की तरह वर्द्धी की अवधि के लिए उक्त राज्य के सभी उपराज्यों ने उक्त गति देती है।

प्रदत्त सूची

१. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक विधि निधि आयुक्त, नमिलनाडु को ऐसी विवरणियों में जो ऐसे लेखा रखेगा स्थायी नियोजक विधिक गतियों के लिए ऐसी सुविधाओं प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, समव्यवस्थ पर निर्दिष्ट करें।

२. नियोजक, ऐसे नियोजक प्रान्तों का प्रधान की समाजिक के १५ दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपायारा (३क) के खण्ड (क) के अधीन गमय समय पर निर्दिष्ट करें।

३. आमहिक बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा व्यापारियों का संदाय, लेखाओं का अवलोकन, नियोजक प्रान्तों का संदाय आदि भी होते वाले सभी अधिकारों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

४. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा देया अनुमोदित ग्रामपंचायती बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें गंभीरता होता जाए, तब उग संशोधन की प्रति नाया कर्मचारियों की वट्टाला की राशि में उसकी मुद्रा बातों का अनुदाद, स्थापन के सूचनाएँ पर प्रदानी करेगा।

५. पदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी विधि का द्वारा प्रतिनियम के अधीन छृट प्राप्त किया जाता, स्थापन के भविष्य विधि का पहल ही समय है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, आमहिक बीमा स्कीम के संदर्भ के स्वयं में उन्होंना नाम तुरन दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम वर्तनीय जीवन नियम को संदर्भ करेगा।

६. पदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपनिय फायदे बढ़ावा जाने हैं तो, नियोजक सामिहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपनिय फायदों में गम्भीरता स्वरूप से रुद्धि की जाने वी दर्शायेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामिहिक बीमा स्कीम के अधीन उपनिय फायदे उन फायदों में शाधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

७. सामिहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर, उस स्कीम के अधीन संवेद्य रखने उन रकम में कम है जो कर्मचारी की उम वाला में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन रहता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वरियन्स/नामिनियन्स को प्रतिकार के स्वयं में दोनों रकमों के अन्तर के बगवार रकम का संदाय करेगा।

८. सामिहिक बीमा स्कीम के उपनियों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक विधि आयुक्त, नमिलनाडु के पूर्व अनुमोदित के बिना नहीं किया जाएगा और अब्दी किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव यहाँ की समावना हो बहा, प्रादेशिक विधि नियम आयुक्त, आपां अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना विट्टोन स्पष्ट करने का यक्तियुक्त अवकाश देगा।

९. पदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, सामिहिक जीवन नियम की उस सामिहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चाहा है अधीन नहीं रह जाति है, वा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होती वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाने हैं तो वह छृट रह को जा सकते हैं।

१०. पदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम नियोजक के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में 726 G of 1/82-18

अधिकार रहता है, और पानीर्मा का अधिकार जाने किया जाता है तो, छृट रह को जा सकता है।

११. नियोजक द्वारा प्रीमियम के गंदाय में किए गए किसी व्यक्तिका की दृग में, उन भूत सदयों के नामान्देशालियों वा विधिक वारसों को जो यदि वह, छृट न हो गई होता तो उक्त स्कीम के अनुसरंत होते, बीमा कार्यालय के नंदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होगा।

१२. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक विधि निधि आयुक्त, नमिलनाडु को ऐसी विवरणियों में जो ऐसे लेखा रखेगा स्थायी नियोजक विधिक गतियों का संदाय, लेखाओं का अवलोकन, नियोजक प्रान्तों का संदाय आदि भी होते वाले सभी अधिकारों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

[मा.प्रमा. 35014/86/82 पी० एफ० II]

S.O. 3501.—Whereas Messrs SPIC Nagar Council, Spicenggar, Tuticorin-628005 (TN/9540) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme immediately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount

payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014/86/PF. II]

का० आ० 3502-मैमन्त्री बाटलीबाय पृष्ठ कम्पनी लिमिटेड ब्राह्मण बड़ोदा रेन, उहना-394220-जिला सरत (गुजरात) (जी० ज०/ 4476), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य मिथि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया। आवेदन किया है:

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, फिसी पृष्ठ के प्रधीन भविष्य मिथि और प्रकीर्ण का संदाय किए जाना ही, भारतीय जीवन बीमा सिगम की मामूलिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठ रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए में कायदे उक्त कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी तिसेप सदृश बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उक्त अनुकूल हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपबन्ध अनुमूली में वित्तिविष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के मध्ये उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रारंभिक भविष्य तिथि ग्राह्यक, अमृतवायाम को ऐसी विवरणियां देंगे और ऐसे नेत्रा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सविधाएं प्रकाल करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, गमय ममय पर विविष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे विवरणियां प्रभारी का प्रत्येक मास की ममालि के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के प्रधीन ममय ममग पर विविष्ट करें।

3. मामूलिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रधानगत लेखांगों का राजा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांगों का अंतरा, नियोजन प्रभारों संदाय प्राप्ति भी है, होते वाले सभी अवयों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार हांग यथा अनुमोदित मामूलिक बीमा स्कीम विषयों की एक प्रति, और जब कभी उत्तर संलोधन किया जाए, तब उम्म संलोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अहसेल्या की भाषा में उम्मी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कांडे ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य तिथिका या उक्त अधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किमी स्थापन की भविष्य तिथि का पहले ही मवस्य है; उम्मे स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक मामूलिक बीमा स्कीम के मवस्य के बहुत रूप में उम्मा ताम्म तुरन्त वर्ज करेगा और उम्मी बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बाहर जाने हैं तो, नियोजक मामूलिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में ममुचित रूप में बूढ़ी की जाने की अवधारणा करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए मामूलिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों में अधिक प्रभुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुज्ञा है।

7. मामूलिक बीमा स्कीम में किसी बात न होने हांग भी, योरे जूम्मा कर्मचारी की मव्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय उम्म रकम में कम है जो कर्मचारी को उम्म बासा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बासिम/नामनिर्देशिती को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों रकमों अंतर के बाबत रकम का मंदाय करेगा।

8. मामूलिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी मंगोद्धन, प्रादेशिक भविष्य तिथि ग्राह्यक, अहमवायाद के पूर्वे अनुमोदन के बिना, नहीं किया जाएगा और जहां किसी मंगोद्धन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संधावन हो बढ़ती हो तब ग्रादेशिक भविष्य तिथि प्राप्तुन, प्रभन्न अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रभन्न दुष्टिकोण भड़क करने का दुष्टियुक्त प्रवर्तन देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम्म सामूलिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना तुका है प्रधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होते वाले कायदे किसी रीत से कम हो जाने हैं, तो यह छूट या की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम नियम करे, प्रामियम का संदाय कर्मचारी में असकल रहता है, और पालिसी को व्यवहार हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यविक्रम की दशा में, उत्तम सूत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बासिमों को यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रधानगत होते, बीमा कर्मचारों के संदाय का उल्लंघनित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, उक्त स्कीम के प्रधीन आपे वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उम्मे लुकदार नामनिर्देशितियों/विधिक बासिमों को बीमाकूल रकम का संदाय तत्पत्ता से और प्रथेक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकूल रकम प्राप्त होने के मान दिन के भीतर गुनियित करेगा।

[गा० एम-35014/138/82-गी० एफ-2]

S.O. 3502.—Whereas Messrs Bathiboi and Company Limited P.O. Baroda Rayon, Udhna-394220, District Surat (Gujarat) (GJ/4476), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous

Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commission of returns, payment of insurance premia, transfer of for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(138)/82-PF.II]

का. आ. 3503 :—मैसर्स कार्डिला कॉमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मनिनगर, अहमदाबाद-380008 (जी जे/3993), (जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 1952 का 14) (जिसे उसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम यहां गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

ओर केंद्रीय सरकार का मामादान हो गया है कि उक्त स्थापन के वर्ष जानी, किसी पृथक अधिनियम या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कार्यद उक्त रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कार्यद उक्त कार्यदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेष महबूब बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उक्त अनुज्ञा है।

अतः केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदल यांत्रियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपायद अनुसूची में विविध जारी के अधीन उक्त द्वारा उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रविधिक भविष्य निधि अयुल, अहमदाबाद को देसी विवरणियों देंगे और ऐसे लिखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए देसी गुविधान प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, भारत-समय पर विद्युत करें।

2. नियोजक, देसी नियोजन प्रभारी का प्रध्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के अनुष्ठ (क) के अधीन समय-समय पर विद्युत करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिस अन्तर्गत लेखालों का ज्ञान जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संशाधन, लेखालों का अन्तर्गत नियोजन प्रभारों का संदाय अदि भी है, होने वाले सभी व्यवों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, जो कभी उनमें संशोधन किया जाए, तथा उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल्य वालों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई देसी कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का प्राप्त हो जाए, तबके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के भविष्य के रूप में उसका नाम तुरन्त इन्हे करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदृश करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपबन्ध कार्यद द्वारा जारी है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की

उपलब्ध कायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की अवस्था करेगा जिससे कि नर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन फायदों से प्राप्ति अनुकूल हों, जो उन स्कीम के अधीन अनुकूल हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हए भी, और किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदृश रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सदृश तात जब तक उक्त स्कीम के अधीन नहीं है तो, नियाजक फर्मचारी के विभिन्न वारिन/कामनिंगिन का प्रतिकर के रूप में दोनों दबावों के बीच रकम का मदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में काई भी संगोष्ठा, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के 'पूर्व' श्रमादात के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी मंगाधार से कर्मचारियों के हृत पर प्रतिकूल प्रभाव पहुँचे को संभवना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अन्मोहन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-पृष्ठ अवधार देग।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारा, भारतीय जनन बीमा नियम की उम सामूहिक बीमा स्कीम के, जो स्वास्थ्य पर्दे पर चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उक्त नियम के अन्तर्गत दोनों वाले कायदे किसी रीति से कर हो जाते हैं तो प्रद रुपर का जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियाजक उम नियम परोक्ष के भावार, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन के श्रीमवन का गंदाय करने में असफल रहता है, और पालियों को व्यापार तो जाने दिया जाता है तो, छूट रुपर का जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के नदाय में किया गया किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मन सदस्यों के नामिनीर्णीयों या नियोजक बोर्डों की जो यथि यह, छूट न दी गई दृतीं तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वाला फायदो के सदृश का उत्तरदायित नियाजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के मानन ग्राने वाले किसी सदस्य की मर्याद होने पर उक्त इन्द्रिय नामांकिताना, विविध वारिसों का बोमाकूल रकम का सदृश तत्वता गे और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बोमाकूल रकम प्राप्त होने के मान त्रित के भावर मुनिष्वत करेगा।

[सू. एम-35014/150/82-प०० एक-२]

S.O. 3503.—Whereas Messis Cadila Chemicals Private Ltd., Maninagar, Ahmedabad-380008 (G1/3993), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the Conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad maintain such accounts and provide

for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal beneficiaries of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(150)/82-PF II]

का० आ० 3504.—मैमर्स दाटा प्रेम लिमिटेड, (रजिस्ट्रीकृत कार्यालय और सकर्म, 414 वीर मावरकर मार्ग, मुम्बई-400025 (एम एच/ 986) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) से कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कह गया है) का धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए अवैदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाझान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिनियम या प्रीमियम का संबंध किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी विभेद सहबद बीमा स्कीम 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपादान अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के प्रधीन रहने हुए, उक्त उपस्थापन की तौत वर्ष का अधिक के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र को तेजी विवरणियों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की भविष्य के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रन्तर्गत ऐताप्रा का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, ऐताप्रा का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी घट्यों का बहल नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नया कर्मचारियों की बदुसङ्गत की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचन-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसे कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही मास के मध्य दर्शक नामिनीदेशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा, में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की अवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर, इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी की उम दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नामिनीदेशितियों को प्रतिकूल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम संदाय का करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते को संभवना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रभाग द्वितीय स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवगत देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारों भारतीय जीवन बीमा नियम को उम सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे भविष्य पहले प्रभाना बुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं; तो छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियन्त्रित के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन्त्रित करने में अपकल रहता है, और पालिसी की अवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सबाय में किए गए किसी अविक्रम की दशा में, उन मूल सम्भाव्यों के ताम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो अवधि यह, छूट न दी गई होती सो उक्त स्कीम के प्रत्यर्गत होते, बीमा कायदों के संबंध क, उत्तराधित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी मासस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कारात नामिनीदेशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा, में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस 35014/151/82 पी० एक 2]

S.O. 3504.—Whereas Messrs Tata Press Limited, Regd. Office and Works, 414, Veer Savarkar Marg, Bombay-480025 (MH/986), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employers in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employee's Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay neces-

sary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(151), 82-PF. II]

का० आ० 3505.—मैसर्स मर्कराइट इचिया लिमिटेड, एम 304, शाल बालाकुरा शास्त्री मार्ग, मुंबई 4000801 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि ते श्रीर प्रक्षीर्ण उपवास्तु अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट विए जाने के लिए आवेदन किया है।

ओर केन्द्रीय सरकार का गमाधन हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिनियम या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा नियम की समीक्षा के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन कार्यदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहज बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुशेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदर्श अधिकारी का प्रयोग करने हुए और इससे उपवास्तु अमूर्ति में विनियिष्ट शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त स्थापन को तीन धर्मों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के मर्मी उपयोगों के प्रवर्तन में छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के गवाह में नियोजक प्रार्देशिक भविष्य निधि आयुक्त भारतार्थ को ऐसी विवरिया देनेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुक्तिधार्ग प्रदर्श करेगा जो केन्द्रीय सरकार, संघर्ष मध्य पर नियिष्ट करेगा।

2. नियोजक, ऐसे विवरिया बनार्दी का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के जर्तीन समयसमय पर नियिष्ट करेगा।

3. सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्रशानन में, जिसके अन्तर्गत लंबायाँ क, लंबा जान, विवरियों का प्रस्तुत किया जाता, बंसा प्रीमियम का सदाय, लंबायाँ का अंतरण, निरीक्षण प्रभाग का सदाय आदि भी है, उन वाले मर्मी व्यायों का अवृत्त नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा या अन्योनित सामृद्धिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त प्राप्ति वा ग्राहन वा ग्राहन कर्मचारियों की बहुमत्याभासा में उक्तीन मध्य वालों का अनुवाद, स्थापन के सूचनापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. याद कोई ऐसे कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन सूचना प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही वरदम्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया, ज.प. वै ता नियोजक, स.मू.हिक बीमा स्कीम के सदस्य के लिए या में उक्त नाम सुरक्षित दर्श करेगा और उक्तीन वाले आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को गदन करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक भारतीय बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध कायदों में समुचित रूप से बुँदि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुवैय है।

7. सामृद्धिक बीमा स्कीम में विवरिया बाल के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की अनुमोदन स्थापन में अधीन संदेश रकम वा रकम से कम है जो कर्मचारी वा उम्र दणा में संतुल हाती, तब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता है ता, नियोजक कर्मचारी के विविध बिमा/नामदेशियों को प्रतिकर के अप्रमाणीकृत रकमों के अलावा वर्गवार रकम का सदाय करेगा।

8. सामृद्धिक बीमा स्कीम के उपलब्ध में कोई भी सामान्य प्रार्देशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रान्तिक स्पेशल प्रभाग पहले की संभावना हो वहा, प्रार्देशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन न देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण व्यष्ट करने का यक्षिण्युक्त अवधार देना।

9. यदि किसी कारणवाला, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उम सामृद्धिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या ऐसे स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवाला, नियोजक उम नियत तारीख के भावत, औ भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, आर पासिमी को व्यवहार हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की वर्णा में, उम मूल सदस्यों के नामनिर्देशियों या विविध आरियों की जो यदि यह, छूट रद्द हो जाने तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वाली कायदों के सदाय का उन्नरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मूल होने पर उसके हकदार नामनिर्देशियों/विविध आरियों को बीमाकृत रकम का साधारण तत्परता में और प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा नियम से वर्तन रकम प्रा १ होने के भाव दिन के भावत नुनियित होता।

[मा० एम० 35014/152/82-प०.एफ-2]

प० क० भट्टाराई, अधर सचिव

S.O. 3505.—Whereas Messrs Gabriel India Limited S-304 1st Bahadur Shastri Marg, Mulund, Bombay 400080 (MH 5817), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him

as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death or an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in

payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(152)/82-PF. II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

